सूर्योदय : 5:28
सूर्यास्त : 6:38
अधिकतम तापमान : 37.0
न्यूनतम : 28.0

RNI NO : UPHIN/2010/31173
डाक पंजीकरण संख्या: SSP/LW/NP-422/2014-2016
वर्ष-18 अंक-326 पेज-16
मूल्य : 3 रुपया
लखनऊ, बुधवार, 21 मई 2025
22 जिकाद 1446 हिजरी

हिन्दी दैनिक
अवधनामा
www.avadhnama.com

रक्षा मंत्री और सीएम योगी डॉ. केएनएस मेमोरियल हॉस्पिटल की स्थापना के रजत जयन्ती समारोह में हुए सम्मिलित

भारतीय सेना ने एक कुशल डॉक्टर और सर्जन की तरह किया काम : राजनाथ

- हमारी सेना ने आतंकियों का जड़ से सफाया किया
- पाकिस्तान की सेना घुटनों पर आई

लखनऊ। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में डॉ. केएनएस मेमोरियल अस्पताल के कार्यक्रम में कहा कि हम सीमा पार आतंकियों का इलाज करते हैं। एक महीने पहले इस कार्यक्रम में आने की सहमति दी थी। परिस्थितियों की वजह से लग नहीं रहा था कि आना संभव होगा।

आतंकवाद के खिलाफ हमारी सेना ने बड़ी संख्या में आतंकवादियों का सफाया किया। सेना ने कुशल सर्जन की तरह काम किया है। बड़ी सटीकता के साथ आतंकवाद की जड़ पर प्रहार किया है और पाकिस्तान की सेना को घुटनों पर ला दिया। सेना ने सिर्फ आतंकवाद पर प्रहार किया।। नागरिक क्षेत्रों में स्ट्राइक नहीं की। सैनिक और डॉक्टर समान हैं। दोनों नागरिक की रक्षा करते हैं। उनका समर्पण और सेवा वंदनीय है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज एक अलग सी अनुभूति पीड़ा और वेदना के साथ हो रही है। 25 साल पहले इस केएनएस अस्पताल की शुरुआत करते हुए डॉ के एम सिंह से प्रभावित हुआ था। आज पच्चीस साल बाद उनका सपना साकार हो रहा है। अमेरिका में वे अच्छा जीवन जी रहे थे पर उन्होंने सेवा का पेशा चुना और ब्रेन ड्रेन नहीं ब्रेन गेन का उदाहरण पेश किया। 1997 में उनकी मां का देहान्त इलाज के अभावों में हो गया। व्यक्तिगत दुख कई लोगों को तोड़ देता है। डॉ सिंह ने दिखाया कि इसे प्रेरणा के रूप में लिया जा सकता है। रक्षामंत्री ने कहा कि जीवन शैली की वजह से कई बीमारियां पैदा हो रही हैं। हमें सोचना होगा।

यूपीएससी आईएफएस परीक्षा में कनिका अनभ ने किया टॉप

- 40 सामान्य उम्मीदवारों को किया गया है शॉर्टलिस्ट

नई दिल्ली। संघ लोक सेवा आयोग ने भारतीय वन सेवा परीक्षा 2024 के नतीजे घोषित कर दिए हैं। इस साल कनिका अनभ ने परीक्षा में टॉप किया है। परीक्षा 24 नवंबर से 1 दिसंबर के बीच हुई थी, जिसमें 21 अप्रैल से 2 मई के बीच व्यक्तित्व परीक्षण हुआ था। विभिन्न श्रेणियों के तहत नियुक्ति के लिए कुल 143 उम्मीदवारों की सिफारिश की गई है। इस साल, 40 सामान्य उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया गया है, इसके बाद आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के 19 छात्र, अन्य पिछड़ा वर्ग के 50 उम्मीदवार, अनुसूचित जाति के 23 उम्मीदवार और अनुसूचित जनजाति के 11 छात्र हैं रांची की कनिका अनभ ने किया टॉप इस साल आयोजित भारतीय वन सेवा परीक्षा में झारखंड की रांची निवासी कनिका अनभ ने सबसे अधिक अंक हासिल कर बड़ा मुकाम हासिल किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कनिका ने यह सफलता अपने कठिन परिश्रम और लगन से पाई है। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा छुड्डरू श्यामली स्कूल, रांची से पूरी की थी कनिका के पिता अभय कुमार सिन्हा, खूंटी में प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट जज के पद से सेवानिवृत्त हो चुके हैं, जबकि उनकी मां अनिता सिन्हा एक गृहिणी हैं. परिवार का सहयोग और कनिका की मेहनत ने मिलकर इस बड़ी उपलब्धि को संभव बनाया। गौरतलब है कि इससे पहले यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2024 में प्रयागराज की शक्ति दुबे ने ऑल इंडिया रैंक 1 हासिल की थी

भारत-अमेरिका में होने वाली है बड़ी डील, चीन की टेढ़ी नजर

- पाकिस्तान को लगेगा करारा झटका

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका जल्द ही एक अंतरिम व्यापार समझौता कर सकते हैं। वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल भी इस बात का संकेत दिया है। उन्होंने एक्स पर कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर सार्थक बातचीत रही। गोयल पिछले चार दिनों से अमेरिका में हैं। दोनों देशों के मुख्य वार्ताकार के बीच समझौते पर बातचीत चल रही है। सूत्रों के मुताबिक, दोनों ही देश द्विपक्षीय व्यापार समझौता (बीटीए) के पहले चरण के पूरा होने से पहले व्यापार समझौते की एक अंतरिम व्यवस्था बनाना चाहते हैं। ताकि अमेरिका की शुल्क नीति की वजह से आपसी व्यापार में जो अवरोध की आशंका पैदा हो गई है, उसे दूर की जा सके। अमेरिका ने गत अप्रैल में भारत पर 26 प्रतिशत का पारस्परिक शुल्क लगा दिया था जिसे अगले 90 दिनों के लिए टाल दिया गया। इस 90 दिनों की अवधि जुलाई माह के दूसरे सप्ताह में समाप्त हो रही है और दोनों देश उससे पहले शुल्क को लेकर एक अंतरिम व्यवस्था बनाना चाहते हैं। भारत अमेरिका से सभी रोजगारपरक सेक्टर में शून्य शुल्क या अति कम शुल्क चाहता है ताकि इन सेक्टर का अमेरिका में होने वाला निर्यात बढ़े जिससे भारत में मैन्यूफैक्चरिंग व रोजगार बढ़ोतरी में मदद मिलेगी। दूसरी तरफ, अमेरिका इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ, वाइन, एथनाल, कई औद्योगिक आइटम व कुछ खाद्य आइटम के शुल्क में छूट चाहता है। इसके साथ अमेरिका भारत के गुणवत्ता नियंत्रण नियम में भी छूट चाहता है।

अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद पर शिकंजा

कोर्ट ने 14 दिन की ज्युडिशियल कस्टडी में भेजा

सोनीपत। हरियाणा के सोनीपत की एक जिला अदालत ने मंगलवार को अशोका विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अली खान महमूदाबाद को जम्मू-कश्मीर में सेना के ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े एक सोशल मीडिया पोस्ट पर गिरफ्तारी के कुछ दिनों बाद 27 मई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। निजी विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान विभाग के प्रमुख डॉ. महमूदाबाद को दो दिन की पुलिस रिमांड की अवधि समाप्त होने के बाद अदालत में पेश किया गया। उनके वकील कपिल बालियान के अनुसार, पुलिस ने रिमांड को और सात दिन बढ़ाने की मांग की थी, लेकिन अदालत ने याचिका खारिज कर दी और उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया। प्रोफेसर को रविवार को सोनीपत के राई पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ दो एफआईआर दर्ज होने के बाद गिरफ्तार किया गया था। एक शिकायत हरियाणा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेणु भाटिया ने और दूसरी शिकायत भारतीय जनता युवा मोर्चा (बीजेवाईएम) के महासचिव योगेश जठेरी ने दर्ज कराई थी, जो सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की युवा शाखा है।

पीएम मोदी ने वर्ल्ड हेल्थ असेंबली के 78वें सत्र को किया संबोधित

भारत ग्लोबल साउथ के लिए स्थायी स्वास्थ्य समाधान प्रदान करता है : प्रधानमंत्री मोदी

- बहुत कम कीमत पर हाई क्वालिटी वाली दवाइयां
- टीकाकरण को ट्रैक करने के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को जिनेवा में वर्ल्ड हेल्थ असेंबली के 78वें सत्र को संबोधित किया, जिसकी थीम वन वर्ल्ड फॉर हेल्थ है। यह वैश्विक स्वास्थ्य के लिए भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

इस दौरान पीएम मोदी ने बताया कि जब उन्होंने 2023 में इस सभा को संबोधित किया था, तो उन्होंने वन अर्थ, वन हेल्थ के बारे में बात की थी। प्रधानमंत्री ने कहा, एक स्वस्थ दुनिया का भविष्य समावेशिता, इंटिग्रेटेड अप्रोच और कॉलोब्रेशन पर निर्भर करता है। समावेशिता भारत के स्वास्थ्य सुधारों के मूल में है। हम आयुष्मान भारत चलाते हैं - जो दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना है. इसमें 580 मिलियन लोग शामिल हैं और मुफ्त इलाज प्रदान करते हैं। इस कार्यक्रम को हाल ही में 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी भारतीयों को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारे पास हजोरों स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों का एक नेटवर्क है। वे कैंसर, ब्लड प्रेशर और डायबिटीज जैसी बीमारियों की जांच और पता लगाते हैं. हजारों सार्वजनिक फार्मासिस्ट मार्केट वैल्यू से बहुत कम कीमत पर हाई क्वालिटी वाली दवाइयां उपलब्ध कराते हैं। वर्ल्ड हेल्थ असेंबली के 78वें सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, स्वास्थ्य परिणामों को बेहतर बनाने के लिए टेक्नोलॉजी एक महत्वपूर्ण उत्प्रेरक है. हमारे पास गर्भवती महिलाओं और बच्चों के टीकाकरण को ट्रैक करने के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है. लाखों लोगों के पास एक अनूठी डिजिटल हेल्थ आइडेंटिटी है. यह हमें लाभ, बीमा, रिकॉर्ड और सूचना को यूनिफाइड करने में मदद कर रही है. हमारी मुफ्त टेलीमेडिसिन सेवा ने 340 मिलियन से अधिक परामर्शों को सक्षम किया है।

कासगंज को सीएम योगी ने दी 724 करोड़ की योजनाओं की सौगात

सेना का तेजी से हुआ आधुनिकीकरण: योगी

- एक भी नागरिक की जान गई तो घर में घुसकर मारेंगे : मुख्यमंत्री

कासगंज। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कासगंज पहुंच चुके हैं। वे करीब 11.27 बजे पुलिस लाइन पहुंचे। यहां पर उन्होंने मां सरस्वती की प्रतिमा के सामने दीप जलाकर और माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस दौरान सीएम योगी को रुद्राक्ष का पौधा भेंट किया गया। इसके बाद उन्होंने पुलिस लाइन सहित अन्य विकास योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। करीब पौने तीन घंटे तक सीएम जिले में रहेंगे। इस दौरान बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश नया उत्तर प्रदेश बन रहा है। एक बड़ा इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रदेश में विकसित हो रहा है। कासगंज के लिए आज का दिन इतिहास का दिन है, क्योंकि 724 करोड़ की विकास योजनाओं को मूर्त रूप मिल रहा है। सीएम योगी ने कहा कि सोरों का विकास अयोध्या की तर्ज पर होगा। उन्होंने जिले में म्यूजियम बनाने, दरियागंज झील और नदरई पुल के के सौंदर्यीकरण की परियोजना को भी मंजूरी दी है।

सीएम योगी ने 724 करोड़ की विकास परियोजना का लोकार्पण करते हुए कहा कि यह सौभाग्य है कि भगवान बाराह की जन्म स्थली पर आने का मौका मिला है। उन्होंने कहा कि यहां की धरा को नमन करता हूं। आगे कहा कि डबल इंजन की सरकार विकास कर रही है। ऑपरेशन सिंदूर पर कहा कि भारत की सेना ने ऐसा सबक दुश्मन को सिखाया है, जो वो याद रखेगा। भारत ने बता दिया है कि हमारे एक भी नागरिक की जान जाएगी, तो दुश्मन को उसके घर में घुस कर मारेंगे।

सिंगापुर-हांगकांग में बढ़ रहे कोरोना के मामले, भारत में अलर्ट

नई दिल्ली। मुंबई के KEM अस्पताल में सोमवार को 2 कोविड पॉजिटिव मरीजों की मौत हुई है। हालांकि डॉक्टरों का कहना है कि इनकी मौत कोविड से नहीं, बल्कि पुरानी बीमारियों की वजह से हुई है। एक मरीज को मुंह का कैंसर था और दूसरे को किडनी से जुड़ी बीमारी नेफ्रोटिक सिंड्रोम थी। इधर, सिंगापुर और हांगकांग में कोविड संक्रमण के मामले बढ़ने के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय देश में अत्यधिक सतर्कता बरत रहा है और स्थिति पर निरंतर नजर रखी जा रही है। मंत्रालय में कोविड संक्रमण के मामलों से जुड़े उच्च पदस्थ सूत्रों ने मंगलवार को यहां बताया कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और सरकार सतर्कता बरत रही है। उन्होंने कहा कि फिलहाल देश में चिंता की कोई बात नहीं है। सूत्रों के अनुसार हांगकांग और सिंगापुर के घटनाक्रमों के मद्देनजर, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक की अध्यक्षता में राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, आपातकालीन चिकित्सा राहत प्रभाग, आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद और केंद्र सरकार के अस्पतालों के विशेषज्ञों की समीक्षा बैठक बुलाई गई।

सिविल जज बनने के लिए तीन साल बतौर वकील प्रैक्टिस जरूरी : एससी

अदालती कामकाज का अनुभव मिलना जरूरी, दिखाना होगा सर्टिफिकेट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा है कि सिविल जज जूनियर डिविजन के पद के लिए उम्मीदवार अब सीधे परीक्षा पास कर नियुक्त नहीं हो सकेंगे और उन्हें तीन साल कम से कम बतौर वकील प्रैक्टिस करना जरूरी है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस एजी मसीह और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने अपने फैसले में कहा कि देखा गया है कि जो नए कानून स्नातक न्यायपालिका में नियुक्त होते हैं, उनके चलते कई समस्याएं हुई हैं। ऐसे में सभी उम्मीदवारों को न्यायपालिका में दाखिल होने के लिए कम से कम तीन साल बतौर वकील प्रैक्टिस करना जरूरी होगा।

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का देश की न्यायिक व्यवस्था पर दूरगामी असर पड़ेगा। पीठ ने अपने फैसले में कहा कि न्यायिक व्यवस्था में आने से पहले अदालत का अनुभव मिलना बेहद जरूरी है। सीजेआई ने कहा कि कई उच्च न्यायालयों ने अनुभव किया है कि युवा कानून स्नातकों को न्यायिक पदों पर नियुक्त करने से कई समस्याएं होती हैं। अदालत के कामकाज का प्रैक्टिकल अनुभव न्यायिक व्यवस्था की दक्षता और प्रतिस्पर्धा को बनाए रखने के लिए बेहद जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट ने ऑल इंडिया जज एसोसिएशन की याचिका पर यह फैसला सुनाया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रैक्टिस की अवधि नामांकन की तारीख से मानी जा सकती है। अदालत ने साफ किया कि यह आदेश उच्च न्यायालयों में हो चुकी नियुक्तियों पर लागू नहीं होगा और भविष्य में होने वाली नियुक्तियों में ही ये शर्त लागू होगी। शर्त पूरी करने के लिए उम्मीदवार को 10 साल तक प्रैक्टिस कर चुके वरिष्ठ वकील या तय न्यायिक अधिकारी द्वारा जारी सर्टिफिकेट को दिखाना होगा। अगर कोई वकील सुप्रीम कोर्ट या उच्च न्यायालय में प्रैक्टिस कर रहा है तो उन्हें सुप्रीम कोर्ट में 10 साल तक प्रैक्टिस कर चुके वकील या तय न्यायिक अधिकारी द्वारा जारी सर्टिफिकेट पेश करना होगा।

ब्रिटेन ने इस्राइल के साथ एफटीए वार्ता रोकी

- वेस्ट बैंक में अवैध यहूदी बस्तियों पर लगाए प्रतिबंध

लंदन। ब्रिटेन सरकार ने मंगलवार को कहा कि वह इस्राइल के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर जारी वार्ता रोक रही है और वेस्ट बैंक में यहूदी बस्तियों पर नए प्रतिबंध लगा रही है। ब्रिटिश सरकार ने यह कदम गाजा में इस्राइली सेना की कार्रवाई के विरोध में उठाया है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब ब्रिटेन के अलावा, फ्रांस और कनाडा ने भी गाजा और वेस्ट बैंक में सैन्य कार्रवाई की आलोचना की है।

ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने कहा कि ब्रिटेन का मौजूदा व्यापार समझौता लागू रहेगा, लेकिन इस्राइल की सरकार जिस तरह वेस्ट बैंक और गाजा में अत्यधिक गंभीर नीतियां अपना रही है, उस स्थिति में वार्ता जारी नहीं रखी जा सकती। लैमी ने कहा कि वेस्ट बैंक में अवैध रूप से बसने वाले यहूदियों के लगातार चल रहे चक्र को रोकने के लिए कदम उठाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, यह इस्राइल सरकार की जिम्मेदारी है कि वह दखल दे और इन आक्रामक गतिविधियों को रोके। लैमी ने कहा, इस्राइल के लगातार कार्रवाई न करने की वजह से फलस्तीनी समुदाय और दो-राष्ट्र समाधान खतरे में पड़ गए हैं। यह घोषणा उस समय आई, जब ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने मंगलवार को इस्राइल की आलोचना की। उन्होंने कहा कि गाजा में बच्चों का कष्ट पूरी तरह असहनीय है। उन्होंने युद्धविराम की मांग को फिर से दोहराया। स्टार्मर ने ब्रिटेन की संसद में कहा, मैं आज यह स्पष्ट कहना चाहता हूं कि हम इस्राइल की ओर से बढ़े तनाव से खौफ में हैं। इससे पहले सोमवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने मिलकर गाजा और वेस्ट बैंक में इस्राइल की सैन्य कार्रवाई की आलोचना की।

चुनौती

वक्फ कानून पर आज फिर सुनवाई

अंतरिम राहत के लिए मजबूत वजह जरूरी

- केंद्र की सुप्रीम कोर्ट से अपील
- सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ संशोधन कानून 2025 पर रोक लगाने की याचिका पर सुनवाई की

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट में वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की सांविधानिक वैधता को चुनौती वाली याचिकाओं पर मंगलवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने कानून को लेकर अंतरिम आदेश पारित करने को लेकर तीन घंटे तक सुनवाई की।

सुनवाई के दौरान सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस जॉर्ज ऑगस्टीन मसीह की पीठ ने कहा कि प्रत्येक कानून के पक्ष में संवैधानिकता की अवधारणा' होती है। अंतरिम राहत के लिए आपको बहुत मजबूत और स्पष्ट मामला बनाना होगा, अन्यथा संवैधानिकता की अवधारणा बनी रहेगी। याचिकाकर्ता के वकीलों की दलीलों को सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार का पक्ष सुनने के लिए बुधवार को सुनवाई तय की है। सुनवाई के दौरान केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम आदेश पारित करने के लिए पहचाने गए तीन मुद्दों पर सुनवाई को सीमित करने का अनुरोध किया। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि तीन मुद्दों में अदालतों द्वारा वक्फ, उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ या विलेख द्वारा वक्फ घोषित संपत्तियों को गैर-अधिसूचित करने की शक्ति शामिल है। इस पर वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और वक्फ कानून का विरोध करने वाले अन्य लोगों ने कहा कि कोई भी सुनवाई टुकड़ों में नहीं हो सकती। सीजेआई बीआर गवई ने कहा कि लोग अभी भी खजुराहो मंदिर में जाकर प्रार्थना करते हैं, हालांकि इसे एक प्राचीन स्मारक के रूप में संरक्षित किया गया है। सिब्बल ने कहा कि पहले के कानून संपत्तियों की सुरक्षा के लिए थे और वर्तमान कानून का उद्देश्य उन्हें छीनना है। उन्होंने कहा कि यह कानून ऐतिहासिक कानूनी और संवैधानिक सिद्धांतों से पूरी तरह से अलग है। यह कानून वक्फ संपत्तियों के धीरे-धीरे अधिग्रहण' का प्रावधान करता है और वक्फ की अवधारणा को कमजोर करता है, जो इस्लामी कानून के तहत धार्मिक या धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए एक स्थायी बंदोबस्ती है। उन्होंने अधिनियम की धारा- तीन(सी) का उल्लेख करते हुए कहा कि यह एक नामित अधिकारी को जांच करने का अधिकार देता है कि कोई संपत्ति सरकारी भूमि है या नहीं। सिब्बल ने कहा कि जांच के लंबित रहने के दौरान संपत्ति को वक्फ नहीं माना जाएगा

कपिल सिब्बल ने दी दलील

मेहता की दलील का वक्फ कानून के खिलाफ याचिका दायर करने वाले याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिब्बल और अभिषेक सिंघवी ने विरोध किया। उन्होंने कहा कि इस मामले में टुकड़ों में सुनवाई नहीं हो सकती। यह वक्फ संपत्तियों पर व्यवस्थित कब्जे का मामला है। सरकार यह तय नहीं कर सकती कि कौन से मुद्दे उठाए जाएं।'' सिब्बल ने कहा कि संशोधित कानून न्यायिक प्रक्रिया को दरकिनार करते हुए कार्यकारी के माध्यम से वक्फ संपत्तियों के व्यवस्थित अधिग्रहण को सक्षम बनाता है। वक्फ संपत्तियां गैर-वक्फ बन सकती हैं। उन्होंने दलील दी कि वक्फ वाकिफ द्वारा अल्लाह को संपत्ति समर्पित करना है और यह अवधारणा कि एक बार वक्फ, हमेशा वक्फ रहता है, 2025 के कानून से यह खतरे में पड़ गया है।

ये हैं तीन मुद्दे

क्या न्यायालयों द्वारा वक्फ और उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ घोषित की गई संपत्तियों को गैर-अधिसूचित किया जा सकता है। क्या जिला कलेक्टर द्वारा जांच किए जाने पर संपत्ति को वक्फ नहीं माना जाएगा। राज्य वक्फ बोर्डों और केंद्रीय वक्फ परिषद की संरचना, जहां याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि पदेन सदस्यों को छोड़कर केवल मुसलमानों को ही काम करना चाहिए।

विद्युत निगम के आउटसोर्स कर्मचारी मंगलवार से 72 घंटे की हड़ताल पर
छंटनी के विरोध में कर्मचारी हड़ताल कर रहे हैं

अवधनामा संवाददाता

लखीमपुर खीरी। विद्युत निगम के आउटसोर्स कर्मचारी मंगलवार से 72 घंटे की हड़ताल पर चले गए छंटनी के विरोध में कर्मचारी हड़ताल कर रहे हैं हड़ताल में वह कर्मचारी भी शामिल हैं, जिनकी छंटनी नहीं की गई है 72 घंटे की हड़ताल के कारण जिलेभर के बिजली उपभोक्ताओं की दिक्कतें बढ़ सकती हैं। कर्मचारियों ने रात 12 बजे के बाद से पूर्ण रूप से कार्य बहिष्कार कर दिया अब यदि ऐसे में कोई फॉल्ट हो गया तो उपभोक्ताओं के लिए बड़ी समस्या हो सकती है। बिजली उपकेंद्र का संचालन, बिजली लाइन के रखरखाव, ट्रांसफार्मर की खराबी, केबिल कटने समेत तमाम दिक्कतों का समाधान नहीं हो पाएगा। लोगों को भीषण गर्मी में बिजली की समस्या से जूझना पड़ सकता है। कर्मचारियों का कहना है कि हड़ताल के दौरान वह कोई भी काम नहीं करेंगे। अगर कहीं फाल्ट होता तो वह भी दुरुस्त नहीं हो पाएगा। ऐसे में 72 घंटे बिजली उपभोक्ताओं के साथ ही बिजली निगम के लिए अफसरों के लिए काफी मुश्किल भरे रहेंगे। आउटसोर्स कर्मचारी व यूनियन के उपाध्यक्ष प्रदीप दीक्षित ने बताया कि पावर कार्पोरेशन प्रबंधन वर्ष 2017 में ग्रामीण पर 20 और शहरी विद्युत उपकेंद्रों पर 36 कर्मचारियों को तैनात करने का आदेश निर्गत किया गया था। लेकिन वर्तमान में निगम अपने ही आदेश का उल्लंघन कर 20 के स्थान पर 12.5 और 36 की जगह 18.5 तैनात किया जा रहा है, जिससे बड़े पैमाने पर बिजली के आउटसोर्स कर्मचारी बेरोजगार हो रहे हैं उन्होंने कहा कि यदि प्रबंधन उनकी मांगों को नहीं मानता है तो यह हड़ताल अनिश्चितकालीन के लिए होगी।

02 नफर वारन्टी अभियुक्तगण गिरफ्तार

लखीमपुर-खीरी।(*अवधनामा संवाददाता*) थाना मैलानी पुलिस द्वारा 02 नफर वारन्टी अभियुक्तगण मूलचन्द पुत्र मिश्रीलाल नि0 देवीपुर थाना मैलानी जनपद खीरी उम्र 63 वर्ष 2.विपिन पुत्र स्व0 मदनलाल रैदास नि0 खुशहालपुर मजरा बांकेगंज थाना मैलानी जनपद खीरी को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही के क्रम में न्यायालय भेजा गया थाना हैदराबाद पुलिस टीम द्वारा सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक विडियो बनाने वाली आरोपी महिला प्रीती राज पुत्री परशुराम भार्गव नि0ग्रा0 अहमदनगर थाना हैदराबाद जनपद खीरी को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही हेतु न्यायालय भेजा गया थाना फूलबेहड़ के नेतृत्व में 20.05.2025 को थाना फूलबेहड़ पुलिस द्वारा ग्राम हजरतपुर में चोरी किये गये बकरे व चोरी मे प्रयोग की गई मोटर साईकिल के साथ 02 नफर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही करते हुये अभियुक्तों को न्यायालय भेजा जा रहा है।

मण्डी पुलिस ने तीन वारंटियों को किया गिरफ्तार

सहारनपुर। (*अवधनामा संवाददाता*) थाना कोतवाली मण्डी पुलिस ने तीन वारंटियों को गिरफ्तार कर उनका चालान काटकर जेल भेज दिया। कोतवाली मण्डी प्रभारी बीनू सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि आज उनके व उपनिरीक्षक ललित तोमर तथा संदीप कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तीन वारंटियों इब्राहिम पुत्र नजीर निवासी फरमान बस्ती निकट भूरा मालिक खाताखेड़ी थाना मण्डी को फरमान बस्ती निकट भूरा मालिक खाताखेड़ी के पास से, अहकाम पुत्र इरशाद निवासी मुजफ्री मस्जिद के पास खाताखेड़ी थाना मण्डी को मुजफ्री मस्जिद के पास खाताखेड़ी के पास से व नावेद पुत्र जावेद निवासी पक्का बाग प्रताप नगर वाली गली थाना मण्डी को पक्का बाग प्रताप नगर वाली गली के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने तीनों आरोपियों का चालान काटकर जेल भेज दिया।

वार्डो में सफाई कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करें: नगरायुक्त

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। नगरायुक्त शिपू गिरि ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नालों से अतिक्रमण हटवाकर उनकी पूरी तरह सफाई कराएं ताकि वर्षा ऋतु में जलभराव न हो। उन्होंने कहा कि सभी सफाई निरीक्षक सुबह छह बजे से फील्ड में रहें और वार्डो में सफाई कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करें। उन्होंने नगर स्वास्थय अधिकारी को वर्चुअल मीटिंग के जरिये निगरानी रखने तथा फॉगिंग कार्य पर भी नजर रखने के निर्देश दिए। नगरायुक्त शिपू गिरी ने यह निर्देश जनसुनवाई में नालों पर आयी अतिक्रमण व सफाई सम्बंधी शिकायत के संदर्भ में दिए। जनसुनवाई में आयी आठ शिकायतों में से सफाई सम्बंधी एक शिकायत का तत्काल निस्तारण कराया गया। बाकि शिकायतों के लिए सम्बंधित अधिकारियों को स्थलीय निरीक्षण कर कार्रवाई कराने को कहा। नगरायुक्त ने जलकल विभाग को भी शहर के टयूबवैलों व हैंड पम्प चौक कराने के निर्देश देते हुए कहा कि यदि विद्युत यांत्रिक दोष के कारण कोई टयूबवैल खराब है तो उसे तुरंत ठीक कराकर चालू कराएं। वार्ड 22 श्यामपुरी कॉलोनी निवासी अनिल कुमार ने कॉलोनी की बगीची के पास नाली की साफ सफाई के लिए प्रार्थना पत्र दिया था। जिस पर क्षेत्रीय सफाई निरीक्षक व सफाई कर्मचारी भेजकर तत्काल सफाई करा दी गयी। इसके अलावा वार्ड 55 के चंद्रनगर निवासी ओमप्रकाश चौपड़ा ने चंद्रनगर पार्क में बने शौचालय की साफ-सफाई कराने, वार्ड 32 खान आलमपुरा निवासी फिरोजखान ने ढमोला नदी के किनारे नाले की साफ सफाई कराने तथा वार्ड 16 नवीन नगर निवासी सितार सिंह ने गली नंबर पांच में सीवर की साफ सफाई कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया था। जिस पर नगरायुक्त ने सम्बंधित सफाई निरीक्षकों को स्थलीय निरीक्षण कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके अलावा वार्ड 61 धोबीवाला के वसीम ने गोटेशाह की चुंगी से आजाद कॉलोनी तक फलों की ठेली का अतिक्रमण, वार्ड 06 दराकोटतला के इकराम ने बालपुर गांव में एक व्यक्ति द्वारा किये गए अतिक्रमण तथा वार्ड 20 के इफ्तखार ने दाबकी जुनारदार में अतिक्रमण हटवाने के लिए प्रार्थना पत्र दिए।

अनुदेशकों ने समर कैम्प में आ रही समस्याओं व सुझाव के सम्बन्ध में सौंपा ज्ञापन

सहारनपुर। (*अवधनामा संवाददाता*) बेसिक शिक्षा विभाग के अनुदेशकों ने समर कैम्प में आ रही समस्याओं व सुझाव के सम्बन्ध में प्रदेश के मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को सौंपते हुए तत्काल प्रभाव से समर कैंप के आदेश को स्थगित किये जाने की मांग की है। अनुदेशकों ने ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया कि प्रदेश परिषदीय प्राथमिक और उच्च प्राथमिक व कंपोजिट विद्यालयों में 20 मई से 15 जून तक ग्रीष्मावकाश प्रारंभ हो रहा। माह अप्रैल से ही संपूर्ण उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी, लू, और हीट वेब चल रही है। परिषदीय विद्यालयों में अप्रैल माह से शिक्षण कार्य मे परिवर्तन करते हुए 7:30 बजे से 12 बजे किया गया है। जबकि मौसम विभाग के आंकड़े अनुमान कर रहे है कि माह मई के अंतिम सप्ताह और जून में तापमान 45 डिग्री से 50 डिग्री तक रहने की संभावना है। ऐसे मे बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा नौनिहाल बच्चो को 21 मई से 15 जून तक समर कैंप के नाम से विद्यालय मे बुलाना बच्चों के जीवन से खिलवाड करना है। ज्ञापन के माध्यम से मांग की कि समर कैंप के आदेश को तत्काल प्रभाव से स्थगित किया जाये। फिर भी सरकार की मंशा इस दिशा में स्पष्ट न हो, तो समर कैंप समयावधि में परिसर अथवा बाहर घटित होने वाली किसी अप्रिय घटना की जिम्मेदारी अनुदेशक नही लेगा। समर कैंप में अनुदेशक की ड्यूटी अनिवार्य रूप से न लगायी जाये, बल्कि स्वैच्छिक हो। समर कैंप मे दिये जाने वाले मानदेय 6000 से बढ़ाया जायें। समर कैंप के दौरान अगर किसी अनुदेशक के साथ किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना होने पर परिवार को राहत सहयोग दिया जाये तथा परिवार के किसी एक सदस्य को विभाग में नियुक्त किया जाये। ज्ञापन देने वालो में अजीत सिंह, सचिन, संजय कुमार, राकेश पंवार, अनुज, अमित कुमार, सुशील, जितेन्द्र, सीमा, मीनाक्षी, दीपक राठौर, हिमानी उपाध्याय, दीपिका, अरुण कुमार, विकास अजय आदि मौजूद रहे।

चौराहे पर तैनात यातायात पुलिस कर्मियों के लिए लगवाई बड़ी छतरी

सहारनपुर। (*अवधनामा संवाददाता*) यातायात पुलिस कर्मियों को भीषण गर्मी से बचाने के लिए शहर के मुख्य चौराहों पर इण्डियन इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बड़ी छतरियां लगायी और पुलिस कर्मियों को राहत प्रदान की।आईआईए के पदाधिकारियों ने शहर के मुख्य चौराहो कलेक्ट्रेट चौक, सिविल लाइन तिराहे पर बड़ी छतरियां लगवायी और इस भीषण गर्मी में यातायात पुलिस कर्मियों को राहत प्रदान की। चैप्टर चेयरमैन अनूप खन्ना ने कहा कि इस चिलचिलाती कड़ी धूप में यातायात पुलिस कर्मी अपनी नैतिक जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए यातायात की व्यवस्था को सुचारु रूप से चलाने के लिए लगे हुए हैं। उनको इस कड़ी धूप से बचाने के लिए शहर के विभिन्न मुख्य चौराहों पर बड़ी छतरियां यातायात पुलिस कर्मियों हेतु लगवाई गई है, ताकि यातायात पुलिस कर्मी सुचारु रूप से यातायात चलवा सके। पुलिस अधीक्षक यातायात ट्रैफिक सिद्धार्थ वर्मा ने आईआईए के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यातायात पुलिस कर्मियों को इस चिलचिलाती कड़ी धूप से बचाने के लिए संस्था ने अपना सहयोग दिया है, उसके लिए वह सदैव ऋणी रहेंगे।

व्यापार मण्डल के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को दिलायी शपथ

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। पश्चिमी व्यापारी एकता व्यापार मंडल ने नवगठित जिला व नगर इकाई के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में व्यापारियों को तिलक लगाकर एवं अंग वस्त्र पहनाकर स्वागत किया गया। दिल्ली रोड स्थित एक होटल के सभागार में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि व पूर्व मंत्री संजय गर्ग ने दीप प्रज्जवलित कर किया। समारोह में जिला अध्यक्ष विनय जैन व महानगर अध्यक्ष सन्नी विजय मल्होत्रा के नेतृत्व में जिला व नगर सहारनपुर के सैकड़ों व्यापारियों ने व्यापार मंडल की नीतियों से प्रभावित होकर व्यापार मंडल की सदस्यता ग्रहण की। पूर्व मंत्री संजय गर्ग ने नवनियुक्त जिला एवं नगर इकाई के पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र दिये तथा उन्हें शपथ दिलाकर पद पर मनोनीत होने की बधाई दी। प्रदेश अध्यक्ष हरपाल सिंह वर्मा ने कहा कि किसी भी व्यापारी का किसी भी विभाग द्वारा उत्पीड़न बर्दाश्त नही किया जाएगा। कार्यक्रम में वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष भारती भानू एडवोकेट, प्रदेश महासचिव अनुज गुप्ता, मंडल अध्यक्ष संजय वर्मा आदि ने भी अपने विचार रखें। जिला इकाई में विनय जैन को जिला अध्यक्ष, शांतनु शर्मा को जिला महासचिव, कुलदीप शर्मा को जिला उपाध्यक्ष एवं प्रवीण सैनी को जिला कोषाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया गया।

नगर इकाई में सन्नी विजय मल्होत्रा को नगर अध्यक्ष, रोहित अग्रवाल को नगर महासचिव एवं विश्वनाथ गोयल नगर उपाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया गया। इस अवसर पर सरदार हरप्रीत सिंह बग्गा, देवेन्द्र अरोड़ा, अमित सेठी, वरूण सक्सेना, सुमित शर्मा, नितिन कुमार गुप्ता, कुलदीप गुलाटी, उदित, नवीन खुराना, संजय, सुमित मलिक, अमनदीप सिंह, मंजीत, मुकेश अरोड़ा, मुनीर, सुधीर जैन, सुरेश बब्बर, मनोज भूर्यान, प्रवीण बागला, दीपक गाँधी, सन्नी पचनंदा, राघव गर्ग आदि व्यापारी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने किया एनआईसी में चल रहे जीर्णोद्धार निर्माण कार्य का औचक निरीक्षण

सहारनपुर।(*अवधनामा संवाददाता*) जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर स्थित एनआईसी कार्यालय में निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होने जिला सूचना विज्ञान अधिकारी को निर्देश दिए कि कार्यालय के निर्माण कार्य को यथाशीघ्र पूर्ण करते हुए एक जून से वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग का कार्य एनआईसी में संचालित किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होने एनआईसी कार्यालय का सौन्दर्यीकरण कराने के निर्देश दिए। उन्होने निर्देश दिए कि एनआईसी की पहली मंजिल पर स्थित कम्प्यूटर लैब उचित रूप से संचालित हो। इस अवसर पर जिला सूचना विज्ञान अधिकारी मोहित कुमार सहित संबंधित कार्यदायी संस्था के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

उप्र हैंडबॉल संघ में वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोनीत होने पर डॉ. अशोक गुप्ता का किया स्वागत

सहारनपुर। (*अवधनामा संवाददाता*) उत्तर प्रदेश हैंडबॉल संघ की वार्षिक आम सभा में डॉ.अशोक कुमार गुप्ता को वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोनीत किये जाने पर विभिन्न खेल संघो के पदाधिकारियों व प्रशिक्षको ने भव्य स्वागत कर शुभकमानाएं दी।

गौरतलब रहे कि उत्तर प्रदेश हैंडबॉल संघ की वार्षिक आम सभा लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्पोर्ट्स स्टेडियम पर 18 मई को आहूत की गई। बैठक की कार्य सूची के विभिन्न बिंदुओं मे से एक बिंदु उत्तर प्रदेश हैंडबॉल संघ के पदाधिकारियों का चुनाव करना भी था। उत्तर प्रदेश हैंडबॉल संघ की कार्यसूची के उक्त बिंदु के अंतर्गत सहारनपुर हैंडबॉल खेल के मंडलीय संयोजक व चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के पूर्व क्रीड़ाधिकारी डॉ. अशोक कुमार गुप्ता को उत्तर प्रदेश हैंडबॉल संघ का वरिष्ठ उपाध्यक्ष चुना गया। डॉ. अशोक कुमार गुप्ता के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर चुने जाने की घोषणा उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के सचिव, साउथ एशिया हैंडबॉल महासंघ के सचिव, भारतीय हैंडबॉल संघ के कार्यकारी निदेशक व भारतीय ओलंपिक संघ के पूर्व कोषाध्यक्ष डॉ. आनंदेश्वर पाण्डेय ने की। उन्होंने बैठक में डॉ. अशोक कुमार गुप्ता को माला पहनाकर बधाई दी। उत्तर प्रदेश हैंडबॉल संघ में वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोनीत किये जाने पर डॉ. अशोक कुमार गुप्ता ने डॉ. आनंदेश्वर पाण्डेय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जो जिम्मेदारी उनको सौपी गई है उस पर खरा उतरने के लिए सदैव प्रयासरत रहेंगे।

डॉ. अशोक कुमार गुप्ता को उत्तर प्रदेश हैंडबॉल संघ में वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोनीत किये जाने पर डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम, में आयोजित स्वागत समारोह में माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान यशपाल सिंह पुंडीर, मुस्तकीम अंसारी, लाल धर्मेंद्र प्रताप, दीपक शर्मा, भगत, पोपिन कुमार, दीपक दिनकर, डॉ0 संदीप गुप्ता, अजय कुमार, मनोज प्रजापति, प्रियंका चौहान, सोनवीर सिंह, अभिषेक चौधरी, आदेश कुमार, अनुज कुमार आदि मौजूद रहे।

हत्या के प्रयास में वांछित आरोपी गिरफ्तार

सहारनपुर। (*अवधनामा संवाददाता*) थाना नकुड़ पुलिस ने हत्या के प्रयास के मुकदमें में वांछित चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त एक लोहे की दरांती बरामद कर उसका चालान काटकर जेल भेज दिया। थाना नकुड़ प्रभारी अविनाश गौतम ने जानकारी देते हुए बताया कि विगत् 20 मई को वादी सुबोध पुत्र सतपाल सिंह निवासी ग्राम मोहद्दीनपुर थाना नकुड़ की तहरीर पर आरोपी पंकज पुत्र मेघराज के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करने, धारधार हथियारो से लैस होकर पकंज व उसके परिवारजनों पर घर में घुसकर जान से मारने की नियत से हमला कर मारपीट करने के सम्बन्ध में थाना नकुड़ पर मुकदमा पंजीकृत किया गया था। जिसके क्रम में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एंव क्षेत्राधिकारी नकुड़ के निकट पर्यवेक्षण में तथा निरीक्षक सिराजुद्दीन के नेतृत्व में आज मुखबिर की सूचना पर थाना नकुड़ पुलिस टीम ने गश्त व चैकिंग के दौरान मुकदमे में वांछित आरोपी रजत पुत्र धर्मवीर निवासी ग्राम मोहद्दीनपुर को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया तथा आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त एक लोहे की दरांती उसके घर से ही बरामद कर ली। पुलिस ने आरोपी का चालान काटकर जेल भेज दिया।

ड्रग लाइसेंस देरी से जारी किए जाने का फार्मासिस्टों ने किया विरोध

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। ड्रग लाईसेंस देरी से जारी किए जाने के विरोध में आज अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन ने जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया और डीएम को आठ सूत्रीय मांग पत्र सौंपते हुए समस्याओं का निस्तारण कराने की मांग की। अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन से जुड़े दवा कारोबारी आज अपनी मांगों को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और जिलाधिकारी मनीष बंसल को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि औषधि निरीक्षक फार्मासिस्टों के लाईसैन्स से सम्बन्धित आवेदन एंव नवीनीकरण के आवेदनो को बिना किसी स्पष्ट कारण के शासन के आदेश के विपरीत जाकर 25 से 30 दिनो तक लम्बित रख रहे हैं। इससे न केवल कार्यो मे बाधा उत्पन्न हो रही है, बल्कि फार्मासिस्टो को आर्थिक व मानसिक तनाव का भी सामना करना पड रहा है। 3 जनवरी 2025 को भी जिलाधिकारी को इस विषय मे ज्ञापन सौंपा गया था, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्यवाही नही हुयी है। मण्डलायुक्त को भी शिकायतें पहुंचायी गयी, मगर नतीजा शून्य रहा है। उन्होंने मांग की कि फार्मासिस्टों के सभी लाईसेन्स कार्यो को शासन के आदेशानुसार 15 दिनों के भीतर निस्तारित करने का स्पष्ट आदेश जारी किया जाये। नये पोर्टल की सही जानकारी फार्मासिस्टो को विधिवत् रूप से दी जाये। निरीक्षण प्रक्रिया को पारदर्शी एंव समयबद्ध बनाया जाये। जिस रूट पर किसी आवेदन का निरीक्षण होता है, उस रूट पर समस्त आवेदनो के निरीक्षण किये जायें। बिना स्पष्ट सूचना के फार्मासिस्टों के आवेदनो को खारिज न किया जाए। यदि त्रुटियाँ हो तो उन्हे ईमानदारी पूर्वक सुधार करने का अवसर प्रदान किया जाये। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर फार्मासिस्टो का उत्पीड़न जिले में बन्द नही हुआ, तो प्रदेश का समस्त फार्मासिस्ट आन्दोलन करने के लिये बाध्य होगा। ज्ञापन देने वालो में अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन के मण्डल महासचिव नरेन्द्र गौतम, फिरोज मलिक, अंशुल सैनी, अक्षय कुमार, मुकेश कुमार, प्रवीण, दीपक सैनी, नरेन्द्र गौतम, फरमान अली, अंकुश, गोपाल सिंह, सर्वेश कुमार, सार्थक, सुबोध कुमार, अनुज सैनी, अनुराग, मोहित कुमार आदि मौजूद रहे।

सब्जी मण्डी पुल व दिल्ली रोड पर चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। नगर निगम ने आज सब्जी मण्डी पुल, नवाबगंज चौक व दिल्ली रोड पर करीब 75 दुकानों का अतिक्रमण हटाते हुए सड़कों पर खड़ी ठेलियों, गमलों और चारपाइयों को जब्त कर नगर निगम लाया गया। इस दौरान फल विक्रेताओं से साढ़े तीन हजार रुपये का जुर्माना भी वसूला गया।

नगरायुक्त शिपू गिरि के निर्देश पर आज नगर निगम के अतिक्रमण हटाओ दस्ते ने प्रवर्तन दल के साथ शहर के विभिन्न स्थानों पर अतिक्रमण हटाने का अभियान शुरु किया। जिलाधिकारी के साथ गत बैठक में व्यापार बंधु ने जामा मस्जिद के सामने सब्जी मण्डी पुल से अतिक्रमण हटाने का मामला उठाया था। उसी के क्रम में आज जामा मस्जिद के सामने सड़कों पर रखा सामान हटवाने के अलावा सब्जी मण्डी पुल तक खड़ी रेहड़ियों को हटवाया गया। तीन रेहड़ियों व सड़क पर रखे अन्य सामान को जब्त भी किया गया। करीब 50 दुकानों का अस्थायी अतिक्रमण हटवाया गया। अतिक्रमण प्रभारी सुधीर शर्मा ने बताया कि पुलिस विभाग उक्त क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त रख सके इसके लिए उक्त क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराकर चौकी सराय पुलिस को सौंप दिया गया।

नवाबगंज चौक स्थित आबकारी विभाग कार्यालय से नवाबगंज चौक तक नाला सफाई अभियान में बाधा बन रहे करीब आठ दुकानों का अस्थायी अतिक्रमण हटवाया गया। इसके अलावा दिल्ली रोड पर डीआईजी आफिस की दीवार के बराबर में फल बेचने वालों का अतिक्रमण हटवाया और साढ़े तीन हजार रुपये का जुर्माना भी वसूला गया। दिल्ली रोड पर ही गमले बेचने वाले दो दुकानदारों का अतिक्रमण हटवाया गया और उनकी चारपाई व कुछ गमले भी जब्त किये गए। कार्रवाई के दौरान चौकी सराय प्रभारी सब इंस्पेक्टर नरेश कुमार, निगम के सम्पत्ति सुरक्षा अधिकारी हरिप्रकाश कसाना, प्रवर्तन दल के कैप्टन नरेश कुमार, प्यार सिंह, हेमराज, रणदीप, पवन, शिवकुमार, जगपाल व नवाबुद्दीन आदि मौजूद रहे।

सहारनपुर को सुंदर और समृद्ध शहर बनाना ही प्राथमिकता: महापौर

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। महापौर डॉ. अजय कुमार ने आज मिशन कंपाउण्ड सहित शहर के दो वार्डो में एक करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यो का शुभारंभ किया। इस अवसर पर महापौर ने कहा कि शहर में निरंतर विकास कार्य किये जा रहे हैं। हमारा प्रयास सहारनपुर को एक सुंदर और समृद्ध शहर के रुप में विकसित करना है।

सहारनपुर के विभिन्न क्षेत्रों में सीसी सड़कों एवं नालियों के निर्माण कार्यो की कड़ी में आज महापौर डॉ अजय कुमार ने वार्ड 55 स्थित मिशन कंपाउंड मॉडल टाउन में सीसी सड़क व नाली निर्माण का नारियल फोड़कर शुभारंभ किया। सड़क व सीसी निर्माण पर करीब 60 लाख रुपये की लागत आयेगी। वार्ड 10 स्थित गांधी नगर, गली नंबर 3 में भी 45 लाख की लागत से बनने वाली सड़क एवं नाली निर्माण कार्य का भी सड़क पर गेंती मारकर शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर महापौर डॉ. अजय कुमार ने कहा कि वार्ड 55 व वार्ड 10 में शुरु किये गए विकास कार्य नागरिक सुविधाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होंगे।

उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास सहारनपुर को एक सुंदर और समृद्ध शहर के रुप में विकसित करना है। इस दौरान उपसभापति मुकेश गक्खड़, दल नेता व पार्षद संजय गर्ग, पार्षद अनिल शर्मा, पार्षद राजू एवं पार्षद गौरव कपिल के अलावा पूर्व पार्षद यशपाल पुंडीर, मंडल अध्यक्ष मनीष सचदेवा, बलदेव राज खुंगर, नवीन ठक्कर, राजीव मखीजा आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने की जनपद में निर्माणाधीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं की समीक्षा

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा कि विकास एवं निर्माण कार्यो को समय से पूरा कराया जाए। इसके साथ ही सभी कार्यदायी संस्थाओं द्वारा कराए जा रहे कार्यो की परियोजनावार समीक्षा कर गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि निर्माणाधीन परियोजनाओं कीस्स्स भौतिक एवं वित्तीय प्रगति में संतुलन बना कर रखें। जिलाधिकारी मनीष बंसल आज यहां कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में सीएमआईएस पोर्टल पर अंकित 01 करोड रुपए से अधिक लागत की परियोजनाओं की समीक्षा बैठक ले रहे थे। उन्होंने कहा कि विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर कार्य को गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण करें। नकुड अध्याना मार्ग के लिए संबंधित ठेकेदार द्वारा बिल एक सप्ताह में उपलब्ध न कराने पर नोटिस देने के सख्त निर्देश दिए। सेंटर फॉर एक्सीलेंस हनी को भौतिक एवं वित्तीय प्रगति का विस्तृत आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होने कहा कि यदि किसी परियोजना में शासन स्तर पर पत्राचार किया जाना है तो उनके स्तर से पत्र भिजवाया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जनपद की पूर्ण परियोजनाओं को विभाग को हस्तानान्तरित कराया जाए। इसी के साथ पूर्ण परियोजनाओं को सीएमआईएस पोर्टल पर भी अपलोड किया जाए। उन्होंने निर्माणाधीन परियोजनाओं की गुणवत्ता जांचने के लिए नियुक्त अधिकारियों को समय- समय पर निरीक्षण कर निरीक्षण आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट विनोद कुमार, अपर जिलाधिकारी प्रशासन संतोष बहादुर सिंह, डीएफओ शुभम सिंह सहित संबंधित वरिष्ठ अधिकारीगण एवं कार्यदायी संस्था के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कुशीनगर के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है फ्लाईओवर का निर्माण : हर्ष मल्होत्रा

हाटा में 47 करोड़ की लागत से दो फ्लाईओवर का हुआ शिलान्यास

हाटा में भूमि पूजन करते राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा

भगवान बुद्ध का दर्शन करते मंत्री हर्ष मल्होत्रा

अवधनामा ब्यूरो

- दुर्घटनाओं में मौतों का आंकड़ा देख द्रवित हुए गडकरी : विजय दुबे
- जनता के लिए सौगात है फ्लाईओवर का शिलान्यास : मोहन वर्मा

कुशीनगर। भारत सरकार के शासक परिवहन एवं राजमार्ग तथा कारपोरेट मंत्रालय राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा ने यहां कहा कि कुशीनगर के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है फ्लाईओवरों का निर्माण। आज से कुशीनगर जिले में पांच फ्लाईओवरों का निर्माण शुरू हो जाएगा।

गांधी स्मारक इंटर कालेज हाटा के खेल मैदान में मंगलवार को 47 करोड़ की लागत से बनने वाले फ्लाईओवरों के शिलान्यास समारोह में राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा ने बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह गर्व का क्षण है। गोरखनाथ मंदिर व महापरिनिर्वाण मंदिर कुशीनगर का दर्शन कर आशीर्वाद लिया है। पीएम मोदी व सीएम योगी दोनों विरासत की रक्षा कर रहे हैं। जो काम भगवान राम ने किया था, वही काम अब पीएम नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर इसका जीता जागता उदाहरण है। यूपी में एक्सप्रेस वे का जाल बिछ रहा है। ये काम पीएम मोदी व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी कर रहे हैं। अयोध्या में हमारी विरासत की रक्षा हुई। भगवान राम का भव्य मंदिर बना है। चित्रकूट से प्रयागराज से वाराणसी तक एक्सप्रेस वे का निर्माण करने जा रहे हैं। राज्यमंत्री श्री मल्होत्रा ने कहा कि फ्लाईओवर के निर्माण के लिए सांसद विजय दुबे साधुवाद के पात्र हैं। कई बार ठहराव भी आए, लेकिन इन्होंने अपने प्रयासों से हार नहीं मानी। लगातार प्रयासरत रहे। इसी का परिणाम है आज फ्लाईओवर का निर्माण हो रहा है। उन्होंने कहा कि पीएम ग्रामीण सड़क योजना में भी सड़कें बनी है। इसका सर्वाधिक लाभ किसानों व व्यवसायियों को मिल रहा है। भारत विश्व की चौथी बड़ी आर्थिक ताकत बनेगा विकास की बदौलत। सांसद विजय कुमार दुबे ने कहा कि बाघनाथ व केन यूनियन चौराहे पर फ्लाईओवर के शिलान्यास जनता कर लिए वरदान साबित होगा। पीएम मोदी ने न सिर्फ सेना के जवानों ही नहीं देश के नौजवानों के हाथ भी मजबूत किया है। फ्लाईओवर के निर्माण में पहले चूक हुई है। इसकी वजह से सैकड़ों मां की गोद व महिलाओं के सुहाग उजड़ गए। दुर्घटनाओं का संज्ञान लेकर नितिन गडकरी ने द्रवित होकर फ्लाईओवर के निर्माण की फाइल स्वीकृत किया। राजमार्ग मंत्री श्री मल्होत्रा ने रिमोट से अंडरपास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इस मौके पर हाटा विधायक मोहन वर्मा समेत तमाम लोग उपस्थित रहे।

जिले में 111 करोड़ रुपये से 5 फ्लाईओवरों का मंत्री ने किया शिलान्यास

कुशीनगर के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है। 111 करोड़ की लागत से 5 फ्लाईओवर का एक साथ शिलान्यास हो रहा है। दो हाटा में व तीन अन्य फाजिलनगर, बघौचघाट मोड़, पटहेरिया व सलेमगढ़ चौराहा शामिल है। कुशीनगर में विकास का अध्याय बंद नहीं होगा, निरंतर जारी रहेगा। संकीर्णताओं से ऊपर उठकर विकास को गति देना होगा।

चार माह में तैयार हो जाएगा यूपी का पहला स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट

सीएम योगी की मंशा के अनुरूप हॉस्पिटैलिटी सेक्टर का हब बन रहा गोरखपुर

अवधनामा संवाददाता

गोरखपुर। बीते कुछ सालों में गोरखपुर का टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर तेजी से आगे बढ़ा है। हाल के सालों में यहां कई बड़े ब्रांड के होटल्स, रेस्टोरेंट खुले हैं और कई खुलने की प्रक्रिया में हैं। हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में कुशल पेशेवरों की मांग को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर में प्रदेश का पहला स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (एसआईएचएम) बनवा रहे हैं। गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) के कार्यालय के सामने बन रहे एसआईएचएम का निर्माण 85 प्रतिशत से अधिक तक पूरा हो चुका है। सितंबर माह तक इसका निर्माण पूरा हो जाएगा और अगले शैक्षिक सत्र से यहां होटल एंड टूरिज्म मैनजमेंट से जुड़े डिप्लोमा और डिग्री के पाठ्यक्रम संचालित होने लगेंगे। स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, पर्यटन विभाग का प्रोजेक्ट है। इसका निर्माण कार्यदायी संस्था के रूप में सी एंड डीएस यूनिट-14 द्वारा कराया जा रहा है। 43 करोड़ 38 लाख 89 हजार रुपये की इस परियोजना पर निर्माण कार्य 26 सितंबर 2023 को प्रारंभ हुआ था। वर्तमान समय में 35 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि खर्च कर 85 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरे कर लिए गए हैं और इसी साल 25 सितंबर तक कार्य पूर्ण किया जाना लक्षित है। निर्माण के पहले चरण में दो ब्लॉकों में प्रशासनिक कक्ष, क्लास रूम, कॉमन हाल, किचन के अलावा अंडरग्राउंड पार्किंग, इलेक्ट्रिफिकेशन, फायर सेफ्टी, पाइपलाइन आदि के कार्य कराए जा रहे हैं। उप निदेशक पर्यटन रविंद्र कुमार मिश्रा बताते हैं कि पूरी कोशिश हो रही है कि स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट का निर्माण कार्य सितंबर माह तक पूरा कर लिया जाए। इसके साथ ही अगले शैक्षिक सत्र से यहां ग्लोबल डिमांड के अनुरूप होटल, टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी मैनजमेंट के कोर्स शुरू कर दिए जाएंगे। स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट में कोर्स शुरू हो जाने के बाद युवाओं को रोजगारपरक पढ़ाई के लिए नए विकल्प मिल जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन से गोरखपुर में जिस तरह से पर्यटन विकास हो रहा है उससे होटल और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में रोजगार के अवसर भी तेजी से बढ़ रहे हैं।

स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट के दूसरे चरण के निर्माण में ब्वॉयज एंड गर्ल्स हॉस्टल बनाया जाएगा। दूसरे चरण की परियोजना के निर्माण पर 46 करोड़ 81 लाख 64 हजार रुपये की लागत आएगी। इसके लिए ई टेंडर की कार्यवाही प्रगति पर है।

आयुष सिंह हर्ष का अवर अभियंता पद पर हुआ चयन

गोरखपुर अवधनामा संवाददाता। सहजनवा ब्लाक के ग्राम पंचायत सोनबरसा बाबू समुदा निवासी आयुष सिंह हर्ष का उत्तर प्रदेश समाज कल्याण निर्माण निगम में अवर अभियंता के पद पर चयन हुआ है। इनके पिता सुबोध सिंह नर्मदा सिंह स्मारक इंटर कालेज सोनबरसा बाबू के प्रबंधक है। इनकी हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की शिक्षा सेंट जोसेफ स्कूल सहजनवा से हुई है। 2021 में महामानव गौतम बुद्ध पालिटेक्निक गोरखपुर तथा 2024 में शंभूनाथ टेक्निकल इंस्टीट्यूट इलाहाबाद से बीटेक किया। उन्होंने इस सफलता का श्रेय अपने माता पिता,तथा गुरुजनों को दिया। इनके इस सफलता आनंद सिंह, जय प्रकाश सिंह,गंगा सिंह,पंचम सिंह ने बधाई दी है।

अनियंत्रित टेलर पीछे से रोडवेज बस से भिड़ा

गोरखपुर अवधनामा संवाददाता। सहजनवा थाना क्षेत्र के सीहापार ओवरब्रिज पर सुबह 8 बजे के करीब अनियंत्रित टेलर ने चल रही रोडवेज बस में पीछे से ठोकर मार दिया। जिससे बस का पीछला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। तथा बस में सवार तीन यात्रियों को मामूली चोटे आई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने पहुंच कर जाम को समाप्त कराया। मिली जानकारी से मंगलवार को सुबह 8 बजे के करीब गोरखपुर की रोडवेज बस यात्री को लेकर खलीलाबाद से गोरखपुर जा रहा था। अभी सीहापार ओवरब्रिज पर पहुंचा था। कि गोरखपुर की तरफ जा रही अनियंत्रित टेलर ने पीछे से बस में ठोकर मार दिया। जिससे बस में सवार यात्रियों में हाहाकार मच गया। पीछे बैठे तीन यात्रियों को मामूली चोटे आई थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सीएचसी सहजनवा भेजा जहां प्राथमिक उपचार के बाद दूसरे वाहन से भेज दिया गया। इस संदर्भ में थाना प्रभारी पंकज सिंह ने कहा कि टेलर ने रोडवेज की बस में पीछे से ठोकर मार दिया था। कोई हताहत नहीं हुआ है।

आकाशीय बिजली गिरने से मृतक युवक के परिजनों से मिले विधायक, बढ़ाया ढाढस

गोरखपुर अवधनामा संवाददाता। चौरी चौरा विधायक ई. सरवन निषाद ने मंगलवार को छबैला टोला मुहम्मदपुर निवासी सूरज सिंह के परिजनों से मिलकर ढांढस बंधाया और परिवार को सांत्वना दिलाते हुए अधिकारियों से वार्ता करके हर सम्भव मदद का भरोसा दिलाया और कहा कि नौजवान की मौत जो सेना की तैयारी कर रहा था वह बेहद ही दुखद है। सोमवार को भोर में आकाशीय बिजली गिरने से उसकी मौत हो गया था। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार के साथ पूरी कटिबद्धता के साथ खड़ा हूं और शासन स्तर से परिवार की मदद करवाऊंगा। चौरी चौरा विधानसभा के लोगों का दुख मेरा दुख है। नगर पंचायत अध्यक्ष सन्नी जायसवाल, बलदेव निषाद प्रधान, सुनिल निषाद प्रधान, रामदयागर निषाद विधायक प्रतिनिधि, तारकेश्वर जायसवाल मंडल अध्यक्ष, अवध नारायन, अमित जयसवाल सहित तमाम लोग मौजूद रहें।

ट्रक की ठोकर से बाइक सवार एक की मौत, दूसरा गंभीर

कुशीनगर अवधनामा ब्यूरो। पटहेरवा थाना क्षेत्र के नेशनल हाइवे पर स्थित राजवटिया गांव के पास एक बाइक पर सवार दो युवक को तेज रफता ट्रक ने तब रौंद डाला जब वह अपने सफाई कर्मी मां को ड्यूटी स्थल पर छोड़कर आ रहे थे। इस हादसे में उसका दोस्त भी घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों के मदद से घायल को सीएचसी फाजिलनगर भर्ती कराया जहां हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। उधर मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम में भेज दिया। जानकारी के अनुसार तुर्कपट्टी थाना के गांव सोंदिया निवासी 21 वर्षीय उपलक्ष्य प्रसाद उर्फ सूरज की मां अमरावती, जो मृतक आश्रित कोटे से पड़री विशुनदयाल में सफाई कर्मी के रूप में तैनात हैं। रोज की भांति उनको उपलक्ष्य ड्यूटी पर छोड़ने तैनाती स्थल गांव के ही अपने मित्र भगवती प्रसाद के साथ बाइक से गया था। वहां से वापस घर लौटते समय हाईवे पर गलत लेन से क्रासिंग करने हेतु रजवटिया कट के पास पहुंचे ही थे कि फाजिलनगर की ओर से तेजगति आ रहे ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दिया। दोनों सड़क पर गिर पड़े। ट्रक उन्हें कुचलते आगे बढ़ गया। उपलक्ष्य की घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई। भगवती गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद चालक ट्रक लेकर भागने का प्रयास किया, लेकिन पहिए में बाइक फंस जाने के कारण ट्रक छोड़कर फरार हो गया। थाना प्रभारी विनय कुमार मिश्र ने बताया है कि, ट्रक को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई पूरी कर ली गई है। बताया जा रहा कि मृतक युवक के पिता ओमप्रकाश की मृत्यु तीन वर्ष पूर्व बीमारी के कारण हो गई थी। मृतक आश्रित पर उसके मां को नौकरी मिल थी। पति और अब बेटे को खोने के बाद अमरावती की दुनिया ही उजड़ गई है। पुत्र के मरने की खबर सुनते ही बेहोश हो गईं, होश में आने के बाद कुछ देर चुपचाप बैठी रहीं, फिर दहाड़े मार कर रोने लगीं। मृतक उपलक्ष्य के दो बच्चे भी हैं।

बारात वापसी के भोज मे गए चाचा - भतीजा पर धारदार हथियारों से हमला, हालत गंभीर

गोरखपुर। गोला थाना क्षेत्र के डेहरीभार में एक बहुभोज कार्यक्रम के दौरान पुरानी रंजिश के चलते चाचा-भतीजे पर हमला किया गया। घटना सोमवार रात्रि करीब 10 बजे की है। पीड़ित भीम और उनके भतीजे अंशिक बहुभोज कार्यक्रम में जा रहे थे। रास्ते में दिनेश उर्फ छोटू, रेंचू, आकाश, राधाकिशुन, बॉबी देओल उर्फ रामकिशुन, और अन्य लोगों ने उन पर हमला कर दिया। हमलावर लाठी-डंडे और धारदार हथियारों से लैस थे। घायलों को पहले सीएचसी गोला ले जाया गया। वहां से जिला चिकित्सालय और फिर स्थिति नाजुक देखते हुए गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। पीड़ित पक्ष के अनुसार हमलावर अभी भी जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। यह विवाद 18 मई को एक बारात में नाच देखने को लेकर शुरू हुआ था।

भाकियू भानु ने मांगों को लेकर उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा

अवधनामा संवाददाता

फर्रुखाबाद। भारतीय किसान यूनियन भानु ने जनसमस्याओं को लेकर तहसील कायमगंज में धरना प्रदर्शन कर उपजिलाधिकारी कायमगंज को ज्ञापन सौंपा। जनहित में भारतीय किसान यूनियन भानू का माँग पत्र कम्पिल अटेना घाट से ढाई घाट तक गंगा नदी का बांध निर्माण किया जावे जिससे किसानों की लाखों बीघा जमीन की बाढ़ से फसलों का नुकसान बचाया जावे।

जनपद फर्रुखाबाद में प्राइवेट स्कूलों में निजी प्रकाशको की महंगी किताबें चल रही हैं निजी स्कूलों की मनमानी रोकने के लिए इन पर शिकंजा कसा जावे। यह कार्यवाही उत्तर प्रदेश शुल्क विनियमन अधिनियम 2018 के तहत की जानी चाहिए अविभावकों को विशेष दुकानों से इन्हें खरीदने के लिए मजबूर किया जाता है। गांव भगौतीपुर तहसील कायमगंज जिला फर्रुखाबाद में नॉन जेड जमीन पर गाटा संख्या 114 रकवा 0.097 हेक्टेयर व गाटा संख्या 96 रकबा 0.056 हे0 पर श्रीकृष्ण गौतम पुत्र बनवारीलाल, सुदामादेवी पत्नी इतवारीलाल व सतीशचंद्र पुत्र गेंदनलाल निवासी गांव भगौतीपुर आदि उक्त जमीन पर गुंडागर्दी दबंगई नेतागीरी के बल पर अवैध कब्जा किए हुए हैं जिसका अवैध कब्जा हटवाना अति आवश्यक है। जिसकी मार्केट वैल्यू लगभग 5 करोड़ से अधिक है गांव के किनारे सड़क पुख्ता में दर्ज है जिसको उपजिला मजिस्ट्रेट अवैध कब्जा हटवाना नहीं चाहते हैं अवैध कब्जा हटवाया जावे व संबंधित उपजिला मजिस्ट्रेट के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही की जावे जो भारी भ्रष्टाचार में लिप्त है इसकी आय से अधिक संपत्ति की जांच कर कर विधिक कार्यवाही की जावे। बटवारा या धारा 116 के अंतर्गत फाइलों की कार्यवाही पूर्ण होने के बाद फाइनल आदेश पर उपजिलाधिकारी महोदय का पेशकार फाइलों को महीनों तक अटकाए रखता है उपजिलाधिकारी पेशकार के कृति की जांच कराई जावे व दंडात्मक कार्यवाही की जावे।

अवैध बालू लदे 11 ओवरलोड ट्रकों को किया सीज

उरई (जालौन) अवधनामा संवाददाता। जिला प्रशासन के निर्देश के अनुरूप उपजिलाधिकारी के नेतृत्व में पुलिस तथा सम्बंधित विभाग अधिकारियों की संयुक्त टीम के द्वारा रात में अवैध खनन के खिलाफ अभियान चलाया गया। जोल्हूपुर मोड़ में चैकिंग के दौरान बिना प्रपत्रों के अवैध बालू के ओवरलोड 11 ट्रकों को पकड़कर सीज करने की कार्यवाही से खलबली मच गयी। उपजिलाधिकारी सुशील कुमार सिंह, सीओ अवधेश कुमार सिंह, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक परमहंस तिवारी , ज्ञान भारती चौकी इंचार्ज विवेक कुमार मिश्रा पुलिस की संयुक्त टीम के साथ छापा मार अभियान शुरू किया। टीम ने जोल्हूपुर मोड़ में अवैध खनन के परिवहन तथा ओवरलोड के खिलाफ चैकिंग अभियान चलाया।

गीडा प्रशासन के बुलडोज़र ने यज्ञ स्थल को किया ध्वस्त, ग्रामीण हुए आक्रोशित

सड़क पर उतरे ग्रामीणों को पुलिस ने समझा कर सड़क से हटाया

गोरखपुर अवधनामा संवाददाता। गीडा थाना क्षेत्र के बड़गहन में श्रीराम यज्ञ का आयोजन 28 मई से 5 जून तक होना था। जिसके लिए ग्रामीणों ने यज्ञशाला का निर्माण कराया था। जिसके लिए प्राण प्रतिष्ठा भी किया जा चुका था। मंगलवार को गीडा प्रशासन ने ग्रामीणों द्वारा निर्माण कराए गए यज्ञ स्थल को ध्वस्त करा दिया जिसके विरोध में भारी संख्या में ग्रामीण जुट गए और गीडा प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए सड़क उतर आए इस दौरान करीब 1 घंटे जाम की स्थित बनी रही। सूचना पर पहुंची गीडा पुलिस ने ग्रामीणों से वार्ता कर शांत कराया। और उन्हें सड़क से हटा कर तब आवागमन शुरू कराया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि जब यज्ञ स्थल का निर्माण कराया जा था तो गीडा प्रशासन ने नहीं रोका। कार्य पूर्ण होने के बाद मनमानी तरीके से यज्ञ स्थल को ध्वस्त करा दिया गया। सुबह से ग्रामीण गीडा प्रशासन से मिलने की कोशिश किए लेकिन मुलाकात न कराने पर ग्रामीण आक्रोशित होकर सड़क पर उतर आए थे। इस संदर्भ में एसीईओ गीडा आर डी पांडेय ने कहा कि कोई यज्ञ स्थल नहीं तोड़ा गया है। आरोप बेबुनियाद है। इस दौरान उमेश यादव,मनीष पांडे,अभिनंदन पांडेय,धनुषधारी पांडेय, निरई यादव, बलवंत यादव, रवि सिंह,राजकुमार यादव सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।

बुन्देलखण्ड संग्रहालय में धूमधाम से मना विश्व संग्रहालय दिवस

अवधनामा संवाददाता

उरई (जालौन)। विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर इन्टैक उरई अध्याय, प्रान्तीय धरोहर समिति (बुन्देलखण्ड कानपुर प्रान्त) संस्कार भारती तथा भारत विकास परिषद स्वामी विवेकानंद शाखा के संयुक्त तत्वावधान में श्री मती सन्ध्या पुरवार व डा0 हरी मोहन पुरवार के निजी बुन्देलखण्ड संग्रहालय के सभागार में धूमधाम के साथ आज का दिवस मनाया गया। इस अवसर पर अपने जनपद के मृदुल स्वभाव वाले जिला प्रोबेशन अधिकारी डा0 अमरेन्द्र पोत्सायन ने शंख ध्वनि के बीच प्रथम पूज्य श्री गणेश जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पुष्पार्पण किया। डा0 हरी मोहन ने मुख्य अतिथि डा0 अमरेन्द्र पोत्सायन जी तथा विशिष्ट अतिथि श्री इफ्तिखार अहमद को अंग वस्त्र भेंट कर स्वागत किया। वर्तमान समय में संग्रहालय की उपादेयता पर प्रकाश डालते हुये डा0 पोत्सायन ने कहा कि संग्रहालय ऐसे शैक्षणिक पवित्र स्थल हैं जहां से हमें अपनी प्राचीन सांस्कृतिक चेतना के दिग्दर्शन होते हैं । इन संग्रहालयों के माध्यम से हमें अपने प्रचीन इतिहास तथा धरोहरों से प्रत्यक्ष साक्षात्कार होता है। विशिष्ट अतिथि जनपद के कार्यक्रम अधिकारी श्री इफ्तिखार अहमद ने कहा कि संग्रहालय हमारी कला के संरक्षक , उन्हें उजागर करने व उनपर फक्र करने का मौका देते हैं। पुरवार दम्पति ने इस अवसर पर अपनी उरई से प्राप्त ईसा पूर्व 900 से ईसा पूर्व 2100 वर्ष पूर्व के विभिन्न ताम्र युगीन उपकरणों को प्रदर्शित किया तथा यह भी बतलाया कि इन उपकरणों की प्राप्ति से पूर्व वर्ष 1908 में डी एल ब्रोकमैन द्वारा लिखित जालौन गजेटियर के पुरातत्विक इतिहास पर की गई टिप्पणी को गलत प्रमाणित किया। ताम्र युगीन उपकरणों के साथ न्यू आईलैण्ड, थाईलैंड, मंगोलिया, भूटान , नेपाल, कुक आईलैण्ड, श्री लंका आदि देशों की द्वि आयामी, त्रि आयामी आदि विभिन्न विलक्षण मुद्राओं का भी प्रदर्शन किया गया।

23 व 24 मई को नोडल अधिकारी द्वारा किए जाने वाले भौतिक सत्यापन की तैयारियो को लेकर बैठक संपन्न हुई

फर्रुखाबाद अवधनामा संवाददाता। जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभगार फतेहगढ़ में 23 व 24 मई को जनपद में चल रही योजनाओं के भौतिक सत्यापन के लिये शासन से नामित नोडल अधिकारी श्री कुनाल सिल्कू विशेष सचिव श्रम विभाग के प्रस्तावित दौरे की तैयारियों के संबंध में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि नोडल अधिकारी द्वारा जनपद में जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर जल परियोजना, गौ आश्रय स्थल,50 करोड़ से अधिक की लागत की परियोजनाओ का भौतिक निरीक्षण किया जाएगा व सभी विभागों की लाभार्थीपरक योजनाओ की भी समीक्षा की जाएगी सभी अधिकारी अपने अपने विभाग की तैयारियों को पूर्ण कर ले, नोडल अधिकारी द्वारा जनपद की एक ग्रामपंचायत का भी निरीक्षण किया जायेगा। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी व संवंधित जिलास्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

किसान दिवस का आयोजन आज

अमेठी अवधनामा संवाददाता। उप कृषि निदेशक सतेन्द्र कुमार ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशानुसार जनपद अमेठी में माह मई 2025 के तृतीय बुधवार को किसान दिवस का आयोजन तहसील सभागार गौरीगंज में अपरान्ह 01:00 बजे से 03:00 बजे तक किया जायेगा। उन्होंने जनपद के विभागीय अधिकारियों को सूचित किया कि किसान दिवस से सम्बन्धित संचालित कार्यक्रमों की सूचना सहित बैठक में समय से स्वयं प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

मण्डलायुक्त ने चिकावटी दुर्घटना का संज्ञान लेते हुए पुलिस विभाग के उच्चाधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

अलीगढ़ अवधनामा संवाददाता। आयुक्त, अलीगढ़ मण्डल, अलीगढ़ संगीता सिंह ने सड़क किनारे अवैध एवं अव्यवस्थित रूप से खड़े होने वाले वाहनों को रोकने के लिए प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के सम्बन्ध में मण्डल के सभी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं पुलिस अधीक्षक और पुलिस अधीक्षक(यातायात) को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। मण्डलायुक्त ने अलीगढ़ के थाना लोधा क्षेत्र में विगत 08 मई को हुई सड़क दुर्घटना का संज्ञान लेते हुए बताया कि इसमें हाईवे के पास चिकावटी कट से पहले कैंटर वाहन खराब होने के बाद लापरवाही पूर्वक खड़ा करना रहा। उन्होंने कहा कि हाईवे एवं अन्य सड़क मार्गो पर अनेक वाहन चालकों द्वारा लापरवाही पूर्वक सड़क किनारे अव्यवस्थित रूप से वाहन खड़े किये जाने के कारण दुर्घटनाओं की प्रबल सम्भावना सदैव बनी रहती है। मा0 मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में 02 मार्च को आहुत सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक में भी उक्त के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये हैं। उन्होंने बताया कि सड़को के किनारे ट्रकों, बसों एवं अन्य वाहनों की अवैध पार्किंग के कारण पीछे से आने वाले वाहनों से टक्कर होती है। ऐसे में सड़को पर अवैध पार्किंग रोकने के लिए विशेष अभियान चलाया जाये और सड़को पर अतिक्रमण ना होने दिया जाये। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस प्रकार होने वाली घटनाओं को पूर्ण रूप से रोकने एवं मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक में दिये गये दिशा-निर्देशों के क्रम में हाईवे, सड़क मार्गो, ढाबों के किनारे इस प्रकार खड़े होने वाले अवैध, अव्यवस्थित पार्क वाहनों पर रोक लगाने के लिए विशेषकर दुर्घटना की दृष्टि से संवेदनशील स्थलों के थाना स्तर पर विशेष अभियान चलाकर यह सुनिश्चित किया जाये कि सड़को के किनारे अवैध, अव्यवस्थित रूप से कोई भी वाहन न खड़ा हो। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रत्येक थाना स्तर पर ऐसे वाहनों के विरूद्ध अपेक्षित कार्यवाही एवं अभियान के लिए सम्बन्धित का उत्तरदायित्व भी निर्धारित किया जाये, जिससे इस प्रकार के प्रकरण से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सकें।

पर्व एवं परीक्षाओं के दृष्टिगत 13 जुलाई तक महानगर क्षेत्र में धारा 163-भारतीय नागरिक सुरक्षा लागू

अलीगढ़ अवधनामा संवाददाता। अपर जिला मजिस्ट्रेट नगर अमित कुमार भट्ट ने अवगत कराया है कि महानगर में 07 जून को ईदुज्जुहा (बकरीद), 06 जुलाई को मोहर्रम एवं विभिन्न आयोग द्वारा समय-समय पर आयोजित विभिन्न परीक्षाओं के दृष्टिगत व अन्य संवेदनशील कारणों से आपातिक स्थिति है। स्थानीय अभिसूचना एवं अन्य माध्यमों से यह ज्ञात हुआ है कि इस अवसर पर कतिपय असामाजिक तत्व जिले की शान्ति-व्यवस्था भंग करने की कुचेष्ठा कर सकते हैं, जिससे महानगर की शान्ति एवं कानून-व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना से इन्कार नहीं किया जा सकता है। ऐसी परिस्थिति में महानगर में शान्ति-व्यवस्था, कानून-व्यवस्था एवं साम्प्रदायिक सौहार्द बनाये रखने के लिये 13 जुलाई 2025 तक धारा-163(2) भारतीय नागरिक सुरक्षा तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है। उन्होंने निर्देशित किया है कि भारतीय नागरिक सुरक्षा लागू होने की अवधि में बैंकट हाल, मैरिज होम मालिक पार्टी, शादी के दौरान लाइसेंसी शस्त्रों का उपयोग नहीं करने देंगे और यदि उनकी बात नहीं मानी जाती है तो 112 नम्बर डायल कर पुलिस को सूचित करेंगे। कोई भी व्यक्ति किसी प्रकार की अफवाह नहीं फैलाएगा व झूठी खबरों को प्रकाशित नहीं करेगा व न करायेगा और ना ही इसके प्रसारण में सहायक होगा, जिससे आम जनता, विभिन्न वर्गो, सम्प्रदायों के मध्य घृणा व द्वेष की भावना उत्पन्न हो अथवा शांति-व्यवस्था भंग होने की सम्भावना हो। कोई भी व्यक्ति ऐसी तस्वीर, कार्टून, हैण्डबिल, दीवार लेख, बैनर, पोस्टर आदि नहीं लिखेगा और प्रकाशित नहीं करेगा और न करायेगा, जिससे शान्ति-व्यवस्था भंग होने की सम्भावना हो। कोई व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह सार्वजनिक स्थलों, धार्मिक स्थलों यथा मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा, चर्च से ऐसी कोई बात का प्रसारण या चर्चा नहीं करेगा जिससे समाज में भय, आतंक, सामुदायिक वैमनस्यता एवं अव्यवस्था उत्पन्न हो। कोई भी व्यक्ति अथवा संगठन किसी भी व्यक्ति व समुदाय के प्रति अपमानजनक भाषा या गाली का प्रयोग नहीं करेगा और न ही किसी का पुतला दहन कर व्यक्ति की मर्यादा को भंग करेगा और न ही उत्तेजनात्मक, साम्प्रदायिक नारे लगायेगा, जिससे किसी की भावनाओं को ठेस पहुँचे या शान्ति-व्यवस्थां भंग होने की सम्भावना हो।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरा नाम बशीर अहमद खान था जिसको बदलकर बशीर अहमद रख लिया है। अब मुझे बशीर अहमद के नाम से जाना पहचाना वा पुकारा जाए।

बशीर अहमद पुत्र जोखू खान
ग्राम वा पोस्ट मकोइया थाना-बसखारी जिला अम्बेडकरनगर

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि न्याय पंचायत सदरपुर बरौली की ग्राम ग्राम पंचायत सदरपुर बरौली पोस्ट फूलपुर विकास खंड फूलपुर जनपद आजमगढ़ में मत्स्य जीवी सरकारी समिति सदरपुर बरौली का गठन किये जाने हेतु बैठक दिनांक 20-05-2025 को पूर्वान्ह 11 बजे रखी गई है। इच्छुक मछुआ समुदाय व मत्स्य पालन से जुड़े अथवा अन्य जाति के व्यक्ति समिति के सदस्य बनने हेतु आवेदन कर सकते हैं। मुख्य प्रवर्तक रोहित प्रवर्तक मत्स्य जीवी सहकारी समिति लि. सदरपुर बरौली आजमगढ़ और सचिव गुलाब प्रवर्तक मत्स्य जीवी सहकारी समिति लि. सदरपुर बरौली आजमगढ़।

सूचना

श्रीमान प्रधान न्यायाधीश/परिवार न्ययालय, सहारनपुर प्रकीर्ण वाद न.140 सन 2023 श्रीमति मुनेश रानी आयु 36 वर्ष पत्नि संदीप कुमार पुत्री श्री यशपाल सिंह हाल निवासी ग्राम दासा माजरा, परगना सुल्तानपुर तहसील व जिला सहारनपुर। आधार नं. 966103882507, मो.न.8006277269 वादी (बनाम) 1.संदीप कुमार पुत्र श्री त्रिलोकचंद निवासी हाल मेरठ पुलिस लाइन जिला मेरठ स्थायी निवासी ग्राम माग्डेबास, परगना हरोडा, तहसील व जि.सहारनपुर 2.आम जनता (विपक्षीगण) इत्तिला दी जाती है कि दरख्वास्त बगरज तकरूंर वली कु0 किटटू उर्फ आरोही आवेदिका मजकूर ने गुजरानी है लिहाजा यह इत्तलानामा बमुराब इजहार उजरदारान और दर पेशी मुकदमे बूतायवून तारिख 27 माह 5 सन 20.25 ई0 जारी किया जाता है कि अगर आपको या किसी को निसबत दरख्वास्त के उजर हो तो अन्दर मियाद मुकर्रर मजकर असालतन या वकालतन कब्ल अज 10 बजे सुबह के अदालत साहेब जज जिला सहारनपुर में हाजिर होकर अपना उजर पेश करें, करावे, दरसूरत इन्तजाय मियाद मजकूर सिर्फ उजर आपको किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निसबत दरख्वास्त के सादिर होगा। आज दिनांक.19.5.2025 ई0 को हस्ताक्षर मेरे व मोहर अदालत से जारी किया गया।

आज्ञा से प्रशासनिक अधिकारी प्रधान न्यायधीश (परि) सहारनपुर।

सूचना

श्रीमान प्रधान न्यायाधीश परिवार सहारनपुर। वाद नम्बर 1735 सन 2024 बिस्मीत सिंह पुत्र श्री एस0 प्रविन्द्र सिंह नि0 सी-15, ब्रहमपुरी कालोनी, रेलवे रोड देवबन्द जि.सहारनपुर (वादी)..बनाम श्रीमती जेप्रीत कौर उर्फ सेबी राजपाल पत्नि बिस्मीत सिंह पुत्री सुरेन्द्र राजपाल निवासी मकान नम्बर 17, वर्मा पार्क गांधी कालोनी, थाना नई मण्डी जिला मुजफ्फरनगर।(विपक्षी) हरगाह वादी ने आपके नाम एक नालिश बाबत तलाक दिनांक में दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप तारीख 30-5-2025 को 10 बजे दिन के असालतन या मार्फत वकील के जो मुकदमा के हालात से करार पाकई वाकिफ किया गया हो और कुल उमरात अहम मुतालिका मुकदमे का जवाब दे सके या जिसके पास कोई शख्स हो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हो और जयाबदेही दाया की करे और हरगाह वही तारीख जी आपके इजहारों के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमे की तजवीज हुई है बस आपको लाजिम है कि उसरी रोज अपने जुमला गवाह तमाम दस्तावेज जो आप अपनी जवाबदेही के ताहिद इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करे आपको इत्तिला दी जाती है कि बरोज मजकूर आप हाजिर न होगें तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके समात और फैसला होगा। मेरे दस्तख्त और मुहर अदालत में आज 1.4.25 को जारी किया गया।

आज्ञा से प्रशासनिक अधिकारी प्रधान न्यायधीश परिवार न्याय. सहारनपुर

अयोध्या को स्वच्छ बनाने में अब भूमिका निभाएंगीं महिलाएं

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। नगर निगम अयोध्या में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत तिलकहाल में ÷महिला क्षमता संवर्धन कार्यक्रम÷ का आयोजन भव्यता के साथ किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य महिलाओं को स्वच्छता अभियान से जोड़कर प्रभु राम की नगरी अयोध्या को विश्व का सबसे स्वच्छ शहर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाना रहा।इस अवसर पर नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा, उपसभापति नगर निगम अयोध्या राजेश गौड़, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राममणि शुक्ल, सहायक नगर आयुक्त गुरुप्रसाद पांडेय, जिला संक्रामक रोग अधिकारी डॉ. अरविंद श्रीवास्तव, बाल कल्याण समिति की सदस्य श्रीमती स्मिता तिवारी, भाजपा देवकाली मंडल अध्यक्ष हेमंत जायसवाल, करियप्पा मंडल अध्यक्ष रवि सोनकर सहित अनेक सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।कार्यक्रम में लगभग 250 महिलाओं ने सहभागिता करते हुए स्वच्छता, कचरा प्रबंधन और कंपोस्टिंग जैसे विषयों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया। नगर आयुक्त श्री शर्मा ने स्वच्छता को जीवनशैली में शामिल करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि स्वच्छता की एक नहीं अनेक लाभ हैं। वातावरण स्वच्छ रहने से कई तरह की बीमारियों से बचा जा सकता है, जिसमें मच्छर जनित बीमारियां और पेट से संबंधित बीमारियां शामिल है। सहायक नगर आयुक्त और नगर स्वास्थ्य अधिकारी ने तकनीकी जानकारी साझा करते हुए जनता से ÷स्वच्छ अयोध्या- स्वस्थ अयोध्या÷के संकल्प को साकार करने की अपील की। प्रख्यात कवयित्री श्रीमती पूजा यक्ष ने स्वच्छता पर केंद्रित ओजस्वी कविता पाठ प्रस्तुत कर भावनात्मक जुड़ाव स्थापित किया। बच्चों ने खेल और पहेली के माध्यम से जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन समाजसेवी राम का घर की श्रीमती एकता भटनागर ने अत्यंत प्रभावशाली ढंग से किया। उन्होंने नारीशक्ति को स्वच्छता की प्रेरक शक्ति बताते हुए जनभागीदारी का आह्वान किया। चिंतन रिसर्च सेंटर एवं आईटीसी डिवाइन के विशेषज्ञों ने व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम के अंत में ÷स्वच्छ अयोध्या-स्वस्थ अयोध्या÷ थीम सॉन्ग का भव्य अनावरण किया गया, जिससे वातावरण ऊर्जा और उत्साह से भर उठा। कार्यक्रम का संयोजन आलोक सिंह राना ने किया।

किशोर ने घर मे फांसी लगाकर की आत्महत्या

तारुन अयोध्या।(अवधनामा संवाददाता) रामपुर पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम पंचायत ऊंचगांव निवासी एक 14 बर्षीय किशोर किशन कोरी पुत्र कुलदीप ने मंगलवार की प्रातः अपने घर मे छत के पंखे से झूल आत्म हत्त्या कर ली मृतक अपने माता पिता का इकलौती संतान था और दो छोटी बहनो मे सबसे बड़ा था घटना के समय मृतक की माँ अपने माइके गयी थी और पिता रोजी रोटी के सिलसिले मे लुधियाना शहर मे रहते है बताया गया की चौकी क्षेत्र के ग्राम पंचायत ऊंचगांव निवासी कुलदीप कोरी का बेटा अपने परिजनों की गैर मौजूदगी मे अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगाकर आत्म हत्त्या कर ली फांसी लगाने के पहले प्रातः समय करीब 8.30 किशोर की उसके पिता से चाचा ने बात कराई थी घटना की खबर पाकर क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य हरीशचंद्र निषाद तथा बसपा नेता जियालाल भारती मौके पर पहुंच मृतक के परिजनों को ढाढस बधाया और सांत्वना दी बताया गया कि घटना के समय घर का पहला दरवाजा अंदर से बंद था अचानक किशोर के चाचा प्रदीप घर पहुंच भतीजे को आवाज़ दी लेकिन अंदर से कोई आवाज न मिलने पर खिड़की से था बगल की दीवाल के खिड़की से दीवाल तोड़ कर शव निचे उतारा और पुलिस को घटना की सूचना दी किशोर ने आत्महत्त्या मे चारपाई बीनने मे प्रयोग किये जाने वाले पट्टे का उपयोग किया था।

देशी शराब ठेके से लौटते युवक की क्षत विक्षत सड़क किनारे पड़ी मिली लाश

अवधनामा संवाददाता

तारुन -अयोध्या। गयासपुर पुलिस चौकी क्षेत्र के गौराघाट बाजार के देशी शराब ठेके से घर लौट रहे गयासपुर के 35 वर्षीय युवक की मंगलवार की प्रातः सड़क के किनारे क्षत विक्षत अवस्था मे लाश इलाके मे हड़कंप मच गया। घटना की सूचना पर पहुचीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आनन फानन मे पोस्मार्टम को भेजवा दिया। जबकि मृतक की विधवा मां ने अपने बेटे की हत्या किये जाने का आरोप लगाया है। मिली जानकारी के अनुसार गांव निवासी कमल सिंह उम्र करीब 35 वर्ष अविवाहित था। जो शराब का सेवन करता था। सोमवार की रात वह गौराघाट शराब ठेके से शराब पीकर बाइक से रात करीब दस बजे घर के लिये निकला था। परन्तु घर पहुँचने से पहले ही उसकी सड़क पर संदिग्ध परिस्थितियों में मंगलवार की प्रातः लहूलुहान सड़क के किनारे लाश मिली। ग्रामीणों के अनुसार मृतक के सिर पर ही गम्भीर चोटे थी। बाइक उसके शव के समीप पड़ी हुई थी।

पब्लिक सेवा संस्थान ने किया तरबूज व मैंगो जूस का वितरण

अयोध्या।(अवधनामा संवाददाता) ज्येष्ठ माह के दूसरे बड़े मंगलवार के पावन अवसर पर पब्लिक सेवा संस्थान द्वारा रायबरेली रोड स्थित गुरु नानक स्कूल के पास कैंप लगाकर श्रद्धालुओं को तरबूज व आम रस (मैंगो जूस) का वितरण किया गया। चिलचिलाती धूप में हजारों की संख्या में भक्तों ने आम रस का सेवन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व महानगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा ने स्वयं अपने हाथों से वितरण कर किया। इस दौरान मंडल अध्यक्ष राहुल श्रीवास्तव ने उन्हें पुष्पगुच्छ व रामलला की स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।इस अवसर पर उपाध्यक्ष तथास्तु सिंह, गायत्री ट्रेडर्स के राहुल श्रीवास्तव, डिजिटल लाइब्रेरी के प्रबंधक संजीव चौरसिया व समाजसेवी पवन श्रीवास्तव सहित कई सदस्य मौजूद रहे।

नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नही बल्कि समाज को प्रभावित करता हैः डीएम

अवधनामा संवाददाता

बाराबंकी। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी एवं पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय की अध्यक्षता में जनपद में नशीले पदार्थों की रोकथाम एवं नियंत्रण को लेकर एक महत्वपूर्ण समन्वय बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, कस्टम विभाग, आबकारी विभाग, एन्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि समाज में अपराध और असामाजिक गतिविधियों को भी बढ़ावा देता है। उन्होंने निर्देश दिया कि जनपद में नारकोटिक्स से संबंधित अवैध गतिविधियों की पहचान कर प्रभावी कार्रवाई की जाए। जिलाधिकारी ने आबकारी विभाग के अधिकारियों से कहा कि शराब और अन्य मादक पदार्थों की अवैध बिक्री पर रोक लगाने हेतु नियमित निरीक्षण किया जाय।उन्होंने बैठक में उपस्थित डीआईओएस से कहा कि स्कूलों, कॉलेजों और युवाओं के बीच जनजागरूकता अभियान चलाया जाय। जिसमें विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जाए। पुलिस अधीक्षक ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि नशीले पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण के लिए अंतरविभागीय समन्वय के साथ त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बताया कि जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जा रही है। बैठक में उपस्थित संबंधित अधिकारियों ने जनपद में अब तक की गई कार्रवाई की विस्तृत जानकारी दी तथा आगामी रणनीतियों पर चर्चा की। अंत में जिलाधिकारी ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि नशे के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस नीति' के तहत कार्य करें तथा आपसी सहयोग से जनपद को नशामुक्त बनाये रखने हेतु ठोस प्रयास करें।

खबर का असर

विकास भवन में फायर सेफ्टी सिस्टम की खामियों पर सख्त कार्रवाई, सुधार कार्य तेज

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। विकास भवन में फायर सेफ्टी व्यवस्था की गंभीर खामियों को लेकर हाल ही में प्रकाशित समाचार के बाद प्रशासन हरकत में आ गया है। भवन में धूल-धुएं फेंकते उपकरण, जर्जर अलार्म सिस्टम और कर्मचारियों की लापरवाही जैसे मुद्दों को प्राथमिकता पर लेते हुए जिला प्रशासन ने त्वरित कदम उठाए हैं। जिला विकास अधिकारी (डीडीओ) महेंद्र देव पांडेय ने बताया कि समाचार ने हमें समय रहते चेताया। लापरवाही पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, और भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न हो इसके लिए ठोस इंतजाम किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि अब विकास भवन के सभी तलों पर फायर सिलेंडर लगाए जा चुके हैं और पूरे भवन को अग्निरोधी उपकरणों से लैस करने हेतु प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। बजट स्वीकृत होते ही काम शुरू कर दिया जाएगा।प्रशासन द्वारा उठाए गए अन्य कदमों में जर्जर अलार्म सिस्टम की मरम्मत, नए अग्निशमन यंत्रों की खरीद और कर्मचारियों को फायर सेफ्टी ड्रिल में अनिवार्य भागीदारी का नोटिस शामिल है।

सौर ऊर्जा पैनल चोरी करने वाले तीन अभियुक्त गिरफ्तार, पुलिस ने बरामद किया चोरी का माल

अयोध्या। थाना रौनाही पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी सदर के पर्यवेक्षण में, प्रभारी निरीक्षक सुमित कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में गठित टीम ने सोलर पैनल चोरी की घटना का सफल खुलासा करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।थाना रौनाही में पंजीकृत मुकदमा संख्या 164/25 धारा 303(2) बी.एन.एस. के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर एक 300 वॉट का सौर ऊर्जा पैनल बरामद कर तीनों अभियुक्तों को मौके से गिरफ्तार किया।

नूर मोहम्मद इंटर कॉलेज में रानी अहिल्या की 300वीं जयंती पर छात्राओं ने किया सम्मान

ज़ैदपुर बाराबंकी।(अवधनामा संवाददाता) नूर मोहम्मद इंटर कॉलेज में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें पूर्व सांसद उपेन्द्र रावत मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने छात्रों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम में पूर्व मंडल अध्यक्ष संजय अवस्थी, पूर्व नगर पंचायत प्रत्याशी अबू उमैर अंसारी, विनय वर्मा, सुनील कुमार, महिला मोर्चा की मंडल अध्यक्ष नीतू रावत, विद्यालय के प्रधानाचार्य चौरै, भाजपा पदाधिकारी सिराजुद्दीन अंसारी, डीएम वर्मा और दशरथ लाल समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। विद्यालय का पूरा स्टाफ और छात्र-छात्राएं भी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इसी दौरान पुण्यश्लोक रानी अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जयंती भी मनाई गई। छात्राओं ने रंगोली, भाषण प्रतियोगिता और महिला सशक्तिकरण दौड़ के माध्यम से रानी अहिल्या के विचारों को याद किया और उनका सम्मान किया। रंगोली में रानी के जीवन और कार्यों को दर्शाया गया, जबकि भाषण प्रतियोगिता में उनके विचारों को उजागर किया गया। महिला सशक्तिकरण दौड़ ने सभी को प्रेरित किया कि वे भी आत्मनिर्भर बनें। अबू उमैर अंसारी ने कहा, ÷रानी अहिल्या बाई होल्कर एक साधारण किसान परिवार में जन्मी थीं, लेकिन अपने साहस, न्यायप्रियता और दूरदर्शिता से उन्होंने 28 वर्षों तक कुशल शासन किया। उनके जीवन से यह सिखने को मिलता है कि परिस्थितियां चाहे कैसी भी हों, संकल्प और प्रयास से सफलता हासिल की जा सकती है।कार्यक्रम में सभी ने रानी अहिल्या के आदर्शों को आत्मसात करने और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए काम करने का संकल्प लिया।

सबका साथ सबका विकास खोखला साबित हो रहाः मुकेश शर्मा

अवधनामा संवाददाता

बाराबंकी। बिना सूचना दिये प्रदेश सरकार ने लगभग 25 हजार सविंदा कर्मियों को नोकरी से निकाल दिया था। सरकार के इस फैसले से नाराज सविंदा कर्मियों ने सरकार के खिलाफ लगातार अनिश्चितकालीन धरना जारी है। मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित गन्ना संस्थान में उत्तर प्रदेश बिजली कर्मचारी संघ के जिला कार्यवाहक अध्यक्ष मुकेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन 15 वें दिन भी जारी रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता में शिवेन्द्र वर्मा खंडिय उपाध्याय एवं प्रदीप यादव ने किया, जिसका संज्ञान प्रबंधन एवं प्रशासन द्वारा कोई भी सुध नहीं ली जा रही है । एक तरफ तो उत्तर प्रदेश के हमारे यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवम् हमारे भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा बताया जाता है कि सबका साथ सबका विकास लेकिन न तो कोई साथ दे रहा है न हम लोगों का विकास ही हो पा रहा है इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वार रोजगार दिया जा रहा है लेकिन बिजली विभाग में ठीक इसका उल्टा हो रहा है बिजली विभाग में प्रबंधन द्वारा मनमाने ढंग से 20 वर्ष के लगातार विभाग हित में लगातार दिनरात कार्य करते हैं उनको बेरोजगार कर दिया गया है जिससे वो भुखमरी के कगार पर है इनमें भारी आक्रोश व्याप्त है प्रदेश भर में 25000 संविदा कर्मचारी को निकाल दिया गया है इससे मौजूदा सरकार की छवि धूमिल हो रही है तब तक यह अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन अनवरत चलता रहेगा ।पूर्व से निर्धारित कार्यक्रम के तहत बिजली निविदा कर्मियों को अकारण हटाए जाने के विरोध मै सभी संविदा साथियों को पुनः वापसी करवाने का आश्वासन दिया गया सभी साथी मित्र धैर्य बनाए रहे सभी की सकुशल वापसी किसी भीं कीमत में होगी। इस मौके पर मुकेश कुमार शर्मा, शिवेंद्र कुमार, राजकुमार चौधरी, अमरेश शर्मा, रोहित कुमार, लालजी वर्मा, अनिकेत कुमार, रंजीत कुमार, वीरेंद्र कुमार वर्मा, विनय वर्मा, विजय वर्मा, आलोक कुमार वर्मा, पवन यादव, माधव, हंसराज यादव, अनुज, अनूप, सत्यम विश्वकर्मा आदि सम्मिलित रहे।

हनुमान मंदिरों में लगा भक्तों की भीड़, भंडारा का हुआ आयोजन

अवधनामा संवाददाता

मसौली बाराबंकी। ज्येष्ठ मास के दूसरे मंगलवार को क्षेत्र के हनुमान मंदिरों में भक्तों का तांता लगा दिखा। क्षेत्र में जगह जगह पुड़ी सब्जी, बून्दी, छोला चावल आदि का भव्य भण्डारे का आयोजन किया गया। बंकी ब्लाक मुख्यालय पर ज्येष्ठ के दूसरे मंगलवारको आयोजित भंडारे का शुभारंभ सदर विधायक धर्मराज यादव एवं खण्ड विकास अधिकारी डॉ संस्कृता मिश्रा ने पूजा अर्चना करके शुरुआत किया। जिसमें महिलाएं, पुरुष और बच्चों ने पुड़ी, सब्जी, हलवा का प्रसाद ग्रहण किया।इस दौरान ब्लॉक प्रमुख मसौली रईस आलम, खंड विकास अधिकारी देवा नेहा शर्मा, एडीओ खुशबू राय अनिल दुबे, सूरज सिंह, सचिव आशीष वर्मा, अनुराग यादव, अरुण त्रिवेदी, मनोज कुमार लेखाकार रविंद्र सिंह सहित लोगों ने बढ़-चढ़कर के हिस्सा लिया। इसके अलावा कस्बा मसौली भगवत दास और बल्ली दास कुटी, मसौली बाजार, शहरीवीर बाबा, बिन्दौरा, बांसा,ज्योरी, शहावपुर सहित स्थानों पर हनुमान मंदिर पर भक्तों की भीड़ प्रातः से लग गई थी। जिसमें महिलाएं, पुरुष और बच्चों ने प्रसाद का भोग लगाकर सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना किया।

उपनिबंधक के खिलाफ 8 वें दिन धरना जारी

नौतनवा महराजगंज।(अवधनामा संवाददाता) नौतनवा तहसील अंतर्गत भ्रष्टाचार व अनियमितता में लिप्त होने का आरोप लगाकर उपनिबंधक को हटाने के लिए बीते 12 मई से नागेन्द्र प्रसाद शुक्ला एडवोकेट द्वारा चलाए जा रहे क्रमिक अनशन मंगलवार को आठवें दिन भी जारी रहा। श्री शुक्ला ने अभी एक दिन पहले तहसील परिसर में उपनिबंधक के खिलाफ सद्बुद्धि यज्ञ किया था। मंगलवार को आठवें दिन की धरना के दौरान आंदोलनकारी नागेंद्र शुक्ला एडवोकेट ने कहा कि 22 से 23 में के बीच अधिवक्ता एवं क्षेत्रवासियों से उपनिबंधक को हटाने व उनका सीबीसीआईडी से जांच कराने के लिए हस्ताक्षर अभियान चलाएंगे।

कोठीभार पुलिस ने वाहनों जांच कर की कार्यवाही

अवधनामा संवाददाता

सिसवा बाजार(महराजगंज)। कोठीभार थाना क्षेत्र के अंतर्गत महराजगंज और कुशीनगर को जोड़ने वाले प्रमुख मार्ग बरवा द्वारिका पर आज कोठीभार पुलिस द्वारा ट्रैफिक नियमों को लेकर सघन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस ने दर्जनों वाहनों की जांच की और ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की।जानकारी के अनुसार, हेलमेट और सीट बेल्ट न पहनने, बिना लाइसेंस वाहन चलाने तथा ओवरलोडिंग जैसी गंभीर लापरवाहियों पर विशेष ध्यान देते हुए कई वाहन चालकों का चालान किया गया। पुलिस ने आम नागरिकों को ट्रैफिक नियमों के पालन के लिए जागरूक भी किया।कोठीभार थाना प्रभारी ने बताया कि सड़क सुरक्षा को लेकर यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जायेंगे। इस दौरान उपनिरीक्षक योगेंद्र तिवारी उपनिरीक्षक मनीष पटेल व कांस्टेबल अविनाश सिंह मौजूद रहे।

देश के सैनिकों के सम्मान में लगे देशभक्ति जयकारे

क्षेत्रीय विधायक प्रेमसागर पटेल के नेतृत्व में निकाली गई तिरंगा यात्रा

अवधनामा संवाददाता

सिसवा बाजार(महराजगंज)। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी ने तिरंगा यात्रा का आयोजन किया। इसमें क्षेत्रीय विधायक सहित समाजसेवी व आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियां शामिल हुईं। सभी ने देश के सैनिकों के सम्मान में जमकर नारे लगाए। यात्रा ब्लॉक मुख्यालय गेट से निकल कर सिसवा नगर के इस्टेट तिराहे पर पहुंच कर पूरी हुई। यहां सभी ने पहलगाम में मारे गए निहत्थे लोगों को याद कर उन्हें नमन किया। इस दौरान नगर की सड़के देशभक्ति नारों से गूंजती रहीं। तिरंगा यात्रा का शुभारंभ ब्लॉक मुख्याल गेट से शुरू होकर नगर के इस्टेट तिराहे तक पहुंची। लोग कदम से कदम मिलाते हुए चलते हुए भारत माता की जय व वंदे मातरम के नारों से नगर को गुंजायमान कर दिया। इस दौरान क्षेत्रीय विधायक प्रेमसागर पटेल ने कहा कि इस तिरंगा यात्रा ने राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सांस्कृतिक मेल-जोल का संदेश पूरे नगर में फैलाया है। खासकर युवाओं में देशभक्ति की भावना को और मजबूती मिली है। देश की सेना के शौर्य का सम्मान हर भारतीय के हृदय में स्थापित हुआ है। यह आयोजन इस बात का प्रतीक बनकर सामने आया कि राष्ट्र की प्रगति और सुरक्षा में हर नागरिक की भूमिका अति महत्वपूर्ण है। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि जितेंद्र बहादुर उर्फ नथुनी सिंह, धीरज पटेल, चंद्रशेखर उर्फ लल्ले सिंह, बैजनाथ सिंह, अमरेंद्र मल्ल, बैजनाथ मिश्रा, अरविंद पांडेय, जितेंद्र वर्मा, अरुण पटेल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

रोजगार मेला में परिवहन निगम में संविदा चालकों की होगी भर्ती

महराजगंज।(*अवधनामा संवाददाता*) जिला रोजगार सहायता अधिकारी ईशान प्रकाश ने जानकारी दी है कि जिला सेवायोजन कार्यालय महराजगंज के प्रांगण में 24 मई दिन शनिवार को एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। इस मेले में उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम द्वारा महराजगंज डिपो के लिए कुल 40 संविदा चालकों का चयन किया जाएगा। इस भर्ती के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता कक्षा-8 पास निर्धारित की गई है और अभ्यर्थी की आयु कम से कम 23 वर्ष 6 माह होनी चाहिए। शारीरिक मापदंडों में लंबाई कम से कम 5 फुट 3 इंच अनिवार्य है। साथ ही अभ्यर्थी के पास कम से कम दो वर्ष पुराना हैवी वाहन ड्राइविंग लाइसेंस होना चाहिए। इच्छुक अभ्यर्थियों को अपने सभी मूल शैक्षिक प्रमाण पत्रों एवं उनकी एक-एक छायाप्रति के साथ 24 मई को सुबह 10:30 बजे तक जिला सेवायोजन कार्यालय, रैन बसेरा नं-2, बिस्मिल नगर, महराजगंज में पहुंचना होगा।

जिला अस्पताल में विशेषज्ञों की तैनाती की मांग सदर विधायक ने उप मुख्यमंत्री को सौंपा पत्र

अवधनामा संवाददाता

महाराजगंज। उत्तर प्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक से महाराजगंज सदर विधायक जय मंगल कन्नौजिया ने मुलाकात कर। जनपद में चिकित्सा व्यवस्था के संबंध में पत्र सौंपा। विधायक ने बताया कि आपके कुशल निर्देशन और बेहतर कार्यशैली के कारण प्रदेश भर में चिकित्सा व्यवस्था बेहतर हुई है। अपने हमारे जिले पर भी चिकित्सा व्यवस्था को बेहतर बनाने का प्रयास किया है जिसके कारण आम जन को बेहतर चिकित्सकीय लाभ प्राप्त हो रहा है। विधायक ने कहा कि जिले के मुख्यालय पर स्थित संयुक्त जिला चिकित्सालय में विषय चिकित्सकों की कमी है। विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती हो जाने से स्थानीय लोगों को बेहतरविलाज के लिए जिले से बाहर गोरखपुर या लखनऊ नहीं जाना होगा। इस अवसर पर जिले में चिकित्सा व्यवस्था को और सुदृढ़ और आम जन के गंभीर बीमारियों के उपचार हेतु विशेषज्ञ चिकित्सकों की संख्या बढ़ाने के संबंध में चर्चा किया। इस आशय का एक पत्र भी उप मुख्यमंत्री को विधायक ने दिया। उप मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि जल्द ही आपके द्वारा जो सुझाव दिए गए हैं उस पर गंभीरता से लिया जाएगा और विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती होगी।

मानव जीवन में देहदान से बड़ा कोई दान नहीं : कन्हैया पासवान

अवधनामा संवाददाता

सिद्धार्थनगर। भाजपा के प्रथम प्रदेश अध्यक्ष स्व0 माधव प्रसाद त्रिपाठी के प्रपौत्र अतुल कुमार त्रिपाठी ने मंगलवार को माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज पहुंचकर अपना देहदान किये जाने की घोषणा किया। देहदान की प्रक्रिया पूरी होने के उपरांत प्राचार्य राजेश मोहन द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान ने कार्यक्रम को संबोधित किया एंव श्री त्रिपाठी को सम्मानित करते हुए प्रमाण पत्र दिया। जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान ने अपने संबोधन में कहा मानव जीवन में देहदान से बड़ा कोई दान नहीं हम सबको गर्व है कि पूरे जनपद में पहली बार ऐसा महान कार्य करने वाले हमारे भाजपा परिवार के सदस्य है। माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ राजेश मोहन ने अतुल त्रिपाठी की प्रशंसा करते हुए उनके दीर्घायु जीवन की मंगलकाना की। कार्यक्रम के दौरान में डा. हसमतुल्लाह (विभागाध्यक्ष एनाटॉमी) ने जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान व जिला महामंत्री विपिन सिंह, जिला मंत्री अजय उपाध्याय, भाजपा नेता संतोष शुक्ला,जिला मीडिया प्रभारी निशांत पाण्डेय को एनाटॉमी विभाग के संग्रहालय का भ्रमण कराकर मानव श्रृंखला के बारे में विस्तृत जानकारी दिया।

डॉ मुकेश यादव बने महामाया राजकीय मेडिकल कालेज के प्रधानाचार्य

अम्बेडकरनगर। डॉक्टर मुकेश यादव वर्तमान में उत्तर प्रदेश सरकार में चिकित्सा शिक्षा के अतिरिक्त निदेशक के रूप में कार्यरत हैं जिनको महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कालेज के प्रधानाचार्य बनाया गया है और 2018 से रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज (जिसे पहले सरकारी एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज के रूप में जाना जाता था), बांदा, उत्तर प्रदेश में प्रिंसिपल हैं। उन्हें चिकित्सा शिक्षा में 26 वर्षों से अधिक का अनुभव है। इससे पहले, उन्होंने एनसी मेडिकल कॉलेज, पानीपत, हरियाणा के प्रिंसिपल के रूप में कार्य किया। उन्होंने केडी मेडिकल कॉलेज, मथुरा, यूपी; एफएच मेडिकल कॉलेज, टूंडला, फिरोजाबाद, यूपी; टीएमएमसी, मुरादाबाद, यूपी आदि जैसे विभिन्न कॉलेजों में फोरेंसिक मेडिसिन और विष विज्ञान विभाग के प्रोफेसर और प्रमुख के रूप में काम किया।

न्याय व त्याग की प्रतिमूर्ति थीं पुण्यश्लोक महारानी अहिल्याबाई होलकर : नितेश पाण्डेय

अवधनामा संवाददाता

सिद्धार्थनगर। पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होलकर त्रिशताब्दी स्मृति अभियान के अंतर्गत मंगलवार को जनपद के मुस्लिम इण्टर कॉलेज महदेइया एवं आदर्श लघु माध्यमिक विद्यालय बर्डपुर में आयोजित कार्यक्रम में पुण्यश्लोक महारानी अहिल्या बाई होलकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित उन्हें नमन किया गया। इस दौरान निवर्तमान मंडल अध्यक्ष भाजपा नितेश पाण्डेय ने बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत की महान अहिल्याबाई होलकर के बारे में आज सभी लोगों जानने की आवश्यकता है। वह एक वीरांगना त्याग व न्याय की प्रतिमूर्ति थीं। महाराष्ट्र के औरंगाबाद में 31 मई 1725 में उनका जन्म हुआ था। जन्मस्थान पर बालिकाओं के शिक्षा के लिए कोई भी व्यवस्था नहीं थी, लेकिन उनके पिता ने उनको शिक्षा दिलाई। मल्हड़ राव ने अहिल्याबाई बाई के निर्भीकता एवं शिव भक्ति को देखते हुए अपने पुत्र के लिए उनके पिता से विवाह प्रस्ताव रखा। महज दस वर्ष की आयु में ही उनका विवाह हो गया। पति एवं पुत्र का देहावसान जी जाने के बाद भी उन्होंने अपने राज्य को बहुत अच्छे ढंग से चलाया। होलकर समाज द्वारा बार बार युद्ध करने के बाद भी उन्होंने अपने राज्य को सुरक्षित रखा। उनके द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। इस अवसर पर विद्यालय निबंध व पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें मेधावियों को पुरस्कृत भी किया गया।

मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय निर्माण का डीएम ने किया भूमि पूजन

अम्बेडकरनगर। विकासखंड भीटी के ग्राम पंचायत नरहरपुर में मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय के निर्माण हेतु मा. सदस्य विधान परिषद, मा. विधायक व जिलाधिकारी ने भूमि पूजन किया। बेसिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत जनपद में मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय के निर्माण कार्य का प्रारम्भ कराये जाने हेतु ग्राम पंचायत नरहरपुर परगना मिझौड़ा तहसील भीटी विकासखण्ड भीटी में दिनांक-20.05.2025 को मा.सदस्य विधान परिषद अयोध्या एवं अम्बेडकरनगर डॉ हरिओम पाण्डेय, विधान सभा क्षेत्र कटेहरी के मा. विधायक धर्मराज निषाद, जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला, मुख्य विकास अधिकारी आनन्द कुमार शुक्ला एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भोलेन्द्र प्रताप सिंह के द्वारा भूमि पूजन का कार्य किया गया।

भावपुर उर्फ गुलरी में एक दिवसीय निशुल्क स्वास्थ्य मेला

बढ़नी सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। विकास खंड बढ़नी क्षेत्र के ग्राम पंचायत भावपुर उर्फ गुलरी में मंगलवार को एक दिवसीय निशुल्क स्वास्थ्य मेला के माध्यम से मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें करीब 600 मरीज की जांच कर लगभग 300 को लोगों को चश्मा वितरित किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम के अंतर्गत एनटीपीसी लिमिटेड द्वारा प्रायोजित निःशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर सामान्य परीक्षण नेत्र, नाक, कान व गला, दांत मधुमेह जिसमें आदि की जांच की गई। जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा नेता नगर पंचायत अध्यक्ष बढ़नी सुनील कुमार अग्रहरि, सांसद प्रतिनिधि सूर्य प्रकाश पाण्डेय, ग्राम प्रधान पुत्र महेश कुमार यादव अनिल अग्रहरि, राकेश यादव, अमित मौर्य तुलसीराम, हरिश्चंद्र आदि लोग उपस्थित रहे।

नपं बढ़नी के चेयरमैन ने की मुख्यमंत्री से मुलाक़ात

बढ़नी सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। नगर पंचायत बढ़नी की प्रमुख समस्याओं को लेकर चेयरमैन सुनील अग्रहरि ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर समस्याओं के निराकरण करने की मांग की है, जिस पर मुख्यमंत्री ने नगर पंचायत अध्यक्ष को हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया है। मंगलवार को नगर पंचायत कार्यालय बढ़नी पर आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान जानकारी देते हुए चेयरमैन सुनील अग्रहरि ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से नगर में सुंदर पार्क का निर्माण, मोबाइल नेटवर्क की समस्या, विद्यार्थियों के लिए हाइटेक लाइब्रेरी, नगर के अंबेडकर नगर वार्ड में पोखरे के सुंदरीकरण, नगर पंचायत बढ़नी के सीमा विस्तार, नगर में मुडिला देहात व बढ़नी देहात के कुछ ऐसे क्षेत्र जो न नगर में शामिल हैं और न तो किसी ग्राम सभा में उन्हें नगर क्षेत्र में जोड़ने, नगर पंचायत क्षेत्र में प्राथमिक या सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना, नगर पंचायत क्षेत्र में बिना भवन के संचालित हो रहे आंगनबाड़ी केन्द्रों के निर्माण आदि बिन्दुओं पर चर्चा करते हुए लिखित रूप से सीएम को माँग पत्र सौंपते हुए शीघ्रातिशीघ्र उपरोक्त कार्यों को क्रियान्वित करने के लिए संबंधित विभाग के जिम्मेदारों को दिशा निर्देश करने का अनुरोध किया है।

तहसील सभागार में नायब तहसीलदार के समक्ष दो पक्षों में जमकर मारपीट

बांसी सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। मंगलवार को तहसील बांसी के सभागार कक्ष में नायब तहसीलदार के समक्ष न्याय के लिए पहुंचे दो पक्षों में जमकर मारपीट हुआ। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्ष को हिरासत में लेकर न्यायालय के समक्ष भेज दिया। उपजिलाधिकारी बांसी शशांक शेखर राय के आदेश पर तहसील बांसी के सभागार कक्ष में नायब तहसीलदार चंद्रप्रकाश श्रीवास्तव एवं महमूद आलम के समक्ष जमीन की पैमाइश को लेकर खेसरहा थाना क्षेत्र के बेलवा लगुनही निवासी प्रथम पक्ष इब्राहिम पुत्र रुआब अली एवं द्वितीय पक्ष इबरार पुत्र मोहम्मद शफीक एवं अमित कुमार पुत्र विश्वनाथ निवासी बेलवा लगुनही अपनी अपनी जमीनी कागजात लेकर प्रस्तुत हुए। सुनवाई के दौरान अचानक सभागार कक्ष में ही दोनों पक्षों में जमकर मारपीट होने लगी। तत्काल नायब तहसीलदार बांसी ने कोतवाली को सूचना दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्ष को हिरासत में लेकर कोतवाली पहुंची। मामला पुरानी जमीनी विवाद बताई जा रही है। इस संबंध में बांसी कोतवाली प्रभारी संतोष कुमार तिवारी ने बताया कि दोनों पक्ष को न्यायालय के समक्ष भेज दिया गया है।

बाल श्रम के विरुद्ध डिटीएफ ने चलाया अभियान, 7 नियोजकों को विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी

बांसी सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार जिला टास्क फोर्स टीम ने मंगलवार को बांसी में बाल श्रम के विरुद्ध अभियान चलाकर 9 किशोर श्रमिकों को चिन्हांकित कर 7 नियोजकों सरदार वस्त्रालय, रामदास चाय की दुकान, मुस्कान भोजनालय, विश्वकर्मा वेयरिंग रिपेयर्स, मौर्या मिष्ठान भंडार, गुड्डू ऑटो रिपेयरिंग, उत्कर्ष मारुति सेंटर को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। श्रम प्रवर्तन अधिकारी उज्वल त्रिपाठी ने बताया कि 9 किशोर श्रमिकों को चिन्हांकित कर 7 नियोजकों को कारण बताओ नोटिस जारी की गई है। उन्होंने बताया बाल श्रम के विरुद्ध लगातार अभियान चलाकर नियोजकों के विरुद्ध कार्यवाही की जा रही है। अभियान में मुख्य रूप से एएचटीयू प्रभारी निरीक्षक रामकृपाल शुक्ला, उपनिरीक्षक सन्तोष कुमार सिंह, उपनिरीक्षक सुनील कुमार सिंह, मुख्य आरक्षी गंगेश सिंह, मानव सेवा संस्थान सेवा के प्रोग्राम मैनेजर जय प्रकाश गुप्ता शामिल रहे।

डीएम की अध्यक्षता में हुई माध्यमिक शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक

20 मई से 10 जून तक किया जायेगा कक्षा 6 से 12 तक के बच्चों के समर कैम्प का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी डॉ राजा गणपति आर की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार की उपस्थिति में मंगलवार को माध्यमिक शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता कर रहे जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि 20 मई से 10 जून तक समर कैम्प का आयोजन किया जायेगा।

समर कैम्प में कक्षा 6 से 12 तक के बच्चों द्वारा प्रतिभाग किया जायेगा। समर कैम्प कार्यक्रम में प्रधानाचार्य के साथ 100 बच्चों पर एक शिक्षक भी रहेगा। राजकीय विद्यालयों में समर कैम्प का आयोजन अनिवार्य है। जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देश दिया कि समर कैम्प का निरीक्षण करे। मेरे द्वारा भी समर कैम्प का निरीक्षण किया जायेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन द्वारा पहली बार समर कैम्प का

> **20 मई से 10 जून तक किया जायेगा कक्षा 6 से 12 तक के बच्चों के समर कैम्प का आयोजन**

आयोजन किया जा रहा है। आप सभी की जिम्मेदारी है कि इसे सफलतापूर्वक सम्पन्न कराये। अच्छा प्रदर्शन करने वाले शिक्षक को सम्मानित किया जायेगा। माध्यमिक विद्यालयों में नामांकन के प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने नामांकन प्रगति कम पाये जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की गयी। कम नामांकन वाले विकास खण्ड डुमरियागंज एवं खुनियावं के खण्ड शिक्षा अधिकारी एवं नोडल अधिकारी को नोटिस जारी करने का निर्देश दिया।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जिन विद्यालयों में रंगाई पुताई एवं शौचालय निर्माण का कार्य चल रहा है उसे 10 जून तक पूर्ण कराये। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक प्रकाश सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेष कुमार वित लेखा अधिकारी बेसिक शिक्षा नीलोत्तम चौबे, समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारी विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य व अन्य सम्बन्धित उपस्थित रहे।

जलालपुर मे निकाली गयी भव्य शौर्य तिरंगा यात्रा

जलालपुर अम्बेडकरनगर। उर्दू बाजार से शुरू होकर शिवाजी तिराहे तक निकाली गई तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम संयोजक पूर्व सांसद रितेश पांडे द्वारा आयोजित इस यात्रा में महिलाएं, पुरुष, युवा और छात्र छात्राओं ने देशभक्ति के नारों के साथ हिस्सा लिया। आपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना के शौर्य और बलिदान को सम्मानित करने के लिए यात्रा निकाली गई। देशभक्ति गीतों के बीच भारत माता की जय ,जय हिंद की सेना का नारा लगाते हुए लोग चल रहे थे । जलालपुर भारतीय सेना के अदम्य साहस एवं वीरता तथा कृतज्ञ राष्ट्र के आभार के नारों से गूँजता रहा।विभिन्न स्थानों से होते हुए यात्रा शिवाजी तिराहे पर पहुंचकर समापन हुई। प्रमुख रूप से वरिष्ठ नेता राम प्रकाश यादव,रिंकू उपाध्याय आशुतोष , संदीप अग्रहरि , पंकज वर्मा ,राम किशोर राजभर,संजय सिंह , अवनीश तिवारी, इब्ने अली जाफरी, अहसन रज़ा मीसम, आनन्द मिश्रा,शुभम पांडे , विनय सिंह , रवींद्र भारती ,शिवपूजन वर्मा, संजीव मिश्र , केशव श्रीवास्तव, कृष्ण गोपाल कशौधन , राजकुमार सोनी , शिवराम मिश्रा, अनिल वर्मा आदित्य गोयल, पंकज हालदार,सीताराम अग्रहरि मौजूद रहे।

संयुक्त विकास आयुक्त बलराम कुमार बस्ती मंडल बस्ती के अध्यक्षता में जंगलीपुर की हुई जाँच

स्टीमेट के हिसाब से काम न मिलने पर कार्रवाई की जाएगी

अवधनामा संवाददाता

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड डुमरियागंज के ग्राम पंचायत जंगलीपुर निवासी मिथलेश पाण्डेय की शिकायत पर ग्राम पंचायत के भ्रष्टाचार की शिकायत लगातार शासन प्रशासन को करते रहे जिसके उपरान्त मंगलवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे संयुक्त विकास आयुक्त बलराम कुमार बस्ती मंडल बस्ती की अध्यक्षता में जाँच टीम पहुंची। जहाँ शिकायतकर्ता के 28 विन्दुओ में से सात बिंदुओं पर नाली, खड़ंजा, सीसी सहित अन्य विकास कार्यों की जांच की। निर्माण कार्य मे जांच के दौरान भारी अनियमितता मिली, कई जगहों पर बिना कार्य कराये ही रुपये निकालने का भी मामला सामने आया। सेतु के घर से वीर बाठे के घर तक नाली निर्माण कार्य मौके पर नहीं हुआ है ग्रामीणों द्वारा नाली निर्माण किया गया था जिसका पैसा ग्राम प्रधान द्वारा निकाल लिया गया है वह नाली ग्रामीणों द्वारा चंदे से बनाया गया था लालू के घर से शब्बीर के घर तक सीसी रोड 2022 में बना था जिसको टीम द्वारा खुदाई करा कर देखा गया मुनीर के घर से मटकनवा तक आंशिक रूप से नाली निर्माण मिला है। मायाराम के घर से अंबर के घर तक सीसी भी टीम द्वारा खुदाई कराकर देखा गया है ।अधिकारी ने बताया कि सात बिंदुओं की जांच की गई है कई जगह पर खुदाई कराई गई है स्टीमेट के हिसाब से काम न मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

बढ़नी में ज्येष्ठ माह के दूसरे बड़े मंगलवार को हिन्दू सनातनी के बैनर तले बांटा गया प्रसाद

बढ़नी सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। नगर पंचायत बढ़नी के गोला बाजार में हिंदू सनातनी विशाल भंडार का आयोजन किया गया। ज्येष्ठ माह के दूसरे बड़े मंगलवार को महिलाओं और बुजुर्ग को प्रसाद वितरण किया गया। द्वितीय मंगलवार को गोला बाजार में वार्ड नंबर 10 एवं 11 स्थित श्री हिन्दू सनातनी विशाल भंडारा के सामने से सभी श्रद्धांलुओं को प्रसाद दिया गया। इस दौरान कार्यक्रम आयोजक विमल अग्रहरि, मनोज जयसवाल, बलराम अग्रहरि आदि उपस्थित रहे।

ब्लाक प्रमुख अनिल दुबे के नेतृत्व में निकाला भारत शौर्य तिरंगा यात्रा

कस्तूरबा की छात्राओं ने हाथ में झंडा लिए जाए जयघोष को नारे

अवधनामा संवाददाता

कुदरहा, बस्ती। कुदरहा कस्बे में भारत शौर्य तिरंगा यात्रा ब्लाक प्रमुख कुदरहा अनिल दुबे, भाजपा पिछड़ा मोर्चा जिलाध्यक्ष ब्रह्मदेव यादव देवा, प्रधान संघ अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी, बबलू सिंह, अजय पाल, मंडल अध्यक्ष मनोज पासवान, मनीष त्रिपाठी के नेतृत्व में निकली गयी। जिसमें कस्तूरबा के बच्चे भी सामिल हुए। यह यात्रा ब्लाक मुख्यालय से निकाल कर कुदरहा बाजार होते कल्याणपुर पहुंची और वहां से पुलिस चौकी तक गयी। यात्रा के दौरान कस्बा वासियों में उमंग दिखा और जगह-जगह पुष्प वर्षा हुआ और लोग भारत माता की जय, बंदे मातरम, भारतीय सेना जिंदावाद का नारा लगाते दिखे। ब्लाक प्रमुख अनिल दुबे ने कहा कि आपरेशन सिंदूर राष्ट्र का गौरव बन गया है। तिरंगा यात्रा देश के सभी नागरिको आतंकबाद के खिलाफ एक जुटता का संदेश है। भारतीय सैनिकों के पराक्रम ने देश का मन और सम्मान बढ़ने के साथ-साथ पाकिस्तान के कई ठिकाने नस्ताबूत हुए और नतमस्तक भी हुआ। ब्रह्मदेव यादव देवा ने कहा कि भारत अब आतंकवाद पर चुप रहने वाला नहीं है। पहलगाम में 26 पर्यटकों की क्रूरता से हत्या के बाद भारत ने सबक सिखा दिया। कस्तूरबा की छात्राओं ने हाथ में तिरंगा लिए जय घोष के नारे लगाती रही। सुरक्षा में चौकी इंचार्ज रामानंद सिंह टीम के साथ दिखे। यात्रा में राम प्रकाश यादव, बलवंत सिंह, ओमकार चौधरी, सच्चिदानंद यादव, सदरूद्दीन, रविंद्र अग्रहरि, रमेश चौधरी, इंद्र कुमार, सोनू यादव, जनार्दन गोस्वामी रामसुंदर राजभर विंदेश्वरी प्रसाद मिश्र, रमेश मिश्रा, दिनेश चौधरी सुनील गौतम, बिजली गोस्वामी, डा ह्यूम शाहिद तमाम क्षेत्र के लोग मौजूद रहे।

सीडीओ ने किया नवनिर्मित पंचायत भवन का लोकार्पण

अवधनामा संवाददाता

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। प्रदेश व केंद्र सरकार नागरिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार काम कर रही है। योजनाओं का लाभ मिल सके इसके लिए हर ग्राम पंचायत में पंचायत भवन का निर्माण कर सरकारी योजनाओं की सुविधा उपलब्ध की गई हैं। इसी क्रम में विकास खंड डुमरियागंज के ग्राम हल्लौर में नवनिर्मित पंचायत भवन का लोकार्पण मंगलवार को मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) जयेन्द्र कुमार द्वारा किया गया।

अब ग्रामीणों को ऑनलाइन सेवाएं स्थानीय स्तर पर मिलेंगी, जिससे उन्हें ब्लॉक और तहसील का दौरा नहीं करना पड़ेगा। सीडीओ ने पंचायत भवन का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की सराहना की और कहा कि यह भवन गांव के प्रशासनिक कार्यों के संचालन के साथ-साथ ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान का केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि सरकार गांवों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। समारोह के अंत में ग्राम प्रधान ताकीब रिजवी ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया और ग्रामवासियों को इस सुविधा का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की। पंचायत भवन के उद्घाटन समारोह में बीडीओ कुमार कार्तिकेय मिश्रा, ग्राम पंचायत सचिव हरि शंकर, अमित तिवारी, विनीत सिंह, अवनीश सिंह, जेई अनुराग चौधरी, ग्राम प्रधान ताकीब रिजवी, भटंगवा प्रधान विष्णु श्रीवास्तव, काजिम रजा, सोनू पांडेय, श्रीनिवास, सलमान अब्बास, राहिब रिजवी, कप्तान, शाहिद अंजू, मोहम्मद हैदर, बशीर हसन, ज़हीर फारुकी, रियाज़ हैदर गुड्डू, शहनवाज़ हुसैन, सलमान भोले, इमामुद्दीन, नफासत रिज़्वी, वसीम अकरम, हाशिम रिज़्वी, इरशाद फारुकी, इंतेज़ार हैदर, हाशिम रिज़्वी और राजेश पांडेय समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कक्षा 12वीं कामर्स मे सर्वोच्च अंक हासिल करने वाली फ़लक नूर को विद्यालय प्रबंधन ने किया सम्मानित

टांडा अम्बेडकरनगर। डीएवी एकेडमी में कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्रों के सम्मान में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी टांडा रेनू रहीं तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रबंधक आनन्द कुमार आर्य ने की। डीएवी एकेडमी की छात्रा फ़लक नूर जो एक सामान्य परिवार से आती है जिसने इस वर्ष कामर्स विषय मे इंटरमिडीएट मे सर्वोच्च अंक हासिल कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया जिसकी सफलता पर टांडा उपजिलाधिकारी ने छात्रा फ़लक नूर के उज्जवल भविष्य की कामना की। सम्मान समारोह के दौरान फ़लक नूर की माता भी मौजूद रही वह इस क्षण को देख अपनी पुत्री की इस सफलता पर गौरन्वित महसूस कर रही थी। इस अवसर पर प्रबंधक ने छात्रों को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में बोर्ड सदस्यगण, अभिभावकगण, शिक्षकगण एवं शहर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

दो मेधावी छात्रों को माल्यार्पण कर किया गया अभिनन्दन

जलालपुर अम्बेडकरनगर अवधनामा संवाददाता। प्राथमिक विद्यालय अम्बरपुर में प्राथमिक स्तर की शिक्षा पूरी कर चुके दो मेधावी छात्रों का विद्यालय में पहली बार आगमन पर शिक्षकों ने माल्यार्पण कर अभिनंदन किया। दोनों छात्रों के प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलने पर अभिभावकों ने शिक्षकों के मनोबल को ऊंचा करते हुए हर्ष व्यक्त किया। अम्बरपुर के संदीप कुमार मौर्य के होनहार पुत्र आभास का चयन सीतापुर स्थित विद्या ज्ञान एवं उसी गांव के निवासी नवीन मौर्य के पुत्र रूद्र का चयन जवाहर नवोदय विद्यालय अम्बेडकर नगर में हुआ। दोनों छात्र चयनित विद्यालय में प्रवेश लेने के बाद प्राथमिक विद्यालय अम्बरपुर पहुंचे तो खुशी का ठिकाना नहीं रहा। छात्रों ने अपने गुरु जनों के चरण स्पर्श कर आशिर्वाद मांगा तो गुरूजन भावुक हो गए। शिक्षक मेधावी छात्रों को आशीर्वाद देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना करते रहे। नोडल शिक्षक पंकज कुमार श्रीवास्तव व प्रधानाध्यापक चितरंजन चतुर्वेदी ने छात्रों को उपहार देते हुए माल्यार्पण कर खूब उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कराने में अहम भूमिका निभाने वाले श्याम बिहारी चौधरी, जांनिसार हुसैन, संदीप कुमार यादव, मोहम्मद ओवैस, रीता देवी, क्रांति यादव आदि शिक्षकों का भी उत्साहवर्धन किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी विवेक द्विवेदी ने चयनित मेधावी छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

मानव जीवन में देहदान से बड़ा कोई दान नहीं : कन्हैया

सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। भाजपा के प्रथम प्रदेश अध्यक्ष स्व0 माधव प्रसाद त्रिपाठी के प्रपौत्र अतुल कुमार त्रिपाठी ने मंगलवार को माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज पहुंचकर अपना देहदान किये जाने की घोषणा किया। देहदान की प्रक्रिया पूरी होने के उपरांत प्राचार्य राजेश मोहन द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान ने कार्यक्रम को संबोधित किया एंव श्री त्रिपाठी को सम्मानित करते हुए प्रमाण पत्र दिया। जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान ने अपने संबोधन में कहा मानव जीवन में देहदान से बड़ा कोई दान नहीं हम सबको गर्व है कि पूरे जनपद में पहली बार ऐसा महान कार्य करने वाले हमारे भाजपा परिवार के सदस्य है। माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ राजेश मोहन ने अतुल त्रिपाठी की प्रशंसा करते हुए उनके दीर्घायु जीवन की मंगलकाना की। कार्यक्रम के दौरान में डा. हसमतुल्लाह (विभागाध्यक्ष एनाटॉमी) ने जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान व जिला महामंत्री विपिन सिंह, जिला मंत्री अजय उपाध्याय, भाजपा नेता संतोष शुक्ला,जिला मीडिया प्रभारी निशांत पाण्डेय को एनाटॉमी विभाग के संग्रहालय का भ्रमण कराकर मानव श्रृंखला के बारे में विस्तृत जानकारी दिया।

स्पष्टीकरण व वेतन रोके जाने का निर्देश

बस्ती अवधनामा संवाददाता। आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त व लम्बित संदर्भ की स्वयं अपने देख-रेख में गहन समीक्षा कर समयान्तर्गत निस्तारित करें। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने सभी विभागों के विभागाध्यक्ष को निर्देशित किया है। उन्होने अधिकारियों को सचेत किया कि किसी भी दशा में आईजीआरएस के अन्तर्गत प्राप्त संदर्भो को डिफाल्टर की श्रेणी में ना जाने दे, अन्यथा की स्थिति में संबंधित की जिम्मेदारी निर्धारित करते हुए प्रभावी कार्यवाही की जायेंगी। समीक्षा में पाया गया कि अधिशासी अभियंता सिंचाई राकेश गौतम द्वारा शिकायतो का निस्तरण ठीक से नही किया जा रहा है इस पर जिलाधिकारी द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए स्पष्टीकरण व वेतन रोके जाने का निर्देश अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल सिंह चौहान को दिया। जिलाधिकारी ने विभागाध्यक्षों को निर्देश दिया कि प्राप्त संदर्भो का गुणवत्तापूर्ण आख्या अपलोड करना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही श्रेणी का चयन सही से किया जाय, जिससे जिले की रैंक प्रभावित ना हों।

रूस यूक्रेन आमने सामने

रूस और यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बातचीत के लिये इतने करीब पहली बार पहुचे है। जिससे दोनो देशो के बीच युद्धरनकने और शान्त की आस बनती है। क्योंकि दोनो देश आमने सामने होकर बात करेगे। तुर्किये के इस्ताम्बूल में दोनो आमने सामने होगे इस स्थिति के लिये अमेरिका राष्ट्रपति ट्रम्प तारीफकरनी चाहिये। इस बार कोई हल निकलने की सम्भावना काफी प्रबल है। अमेरिकी राष्ट्रपति भी इस बैठक में भाग लेगे। अमेरिकी राष्ट्रपति भी इस बैठक में मौजूद रहेगे।

इस बार प्रस्ताव रूसी राष्ट्रपति पुतिन ओर से आया है। इसलिये उम्मीद ज्यादा है। यूक्रेन उसके योरोपीय सहयोगियों ने रूस के सामने 30 दिन का संघर्ष विराम का प्रस्ताव रक्खा था जिसे रूस ने नहीं माना। उसने कहा वह सीधी बातचीत के लिये तैयार है। अभी तक शान्ती की बात किसी मध्यस्थ के बीच होती थी। अब की पुतिन बैठक में भाग लेगे या उनका प्रतिनिधि भाग लेगे अभी तय नही है। पर इस वार्ता के लिये तैयार होना ही इस दिशा में बड़ी प्रगति कही जायेगी। ट्रम्प उनके डिप्टी लोगे के विरोध के बावजूद हिचक तोड़ कर पुतिन से वार्ता के लिये बात की। इस मुलाकात के लिये जब रूस से प्रस्ताव आया तो ट्रम्प ने युक्रेन को तुरन्त वार्ता स्वीकार करने का सलाह दिया।

योरप चाहता था सीज फायर न रूकने तक रूस पर कड़े प्रतिबन्ध लगाया जाया अमेरिका इसमें साथ दे। बात चीत भले ही रूस और युक्रेन के बीच की हो पर यूरोप का पहलू इसमें शामिल रहेगा। इस बैठक से उम्मीद बहुत की जा रहा है। जब युक्रेन से ट्रम्प नाराज हो गये तब भी योरोप युक्रेन के साथ खड़ा रहा। इस समझौते से उम्मीद बहुत बन रही है पर कोई सकरात्मक नतीजा तभी निकलेगा जब रूस और युक्रेन समझौते के प्रति प्रतिबद्धता दिखायेगे। फरवरी 2022 में युद्ध शुरू होते ही शान्ती के प्रयास किये गये थे। बाद में इस्ताम्बूल में एक बैठक भी हुई थी पर कई मुद्दे पर सहमति नहीं बन पाई थी। दोनो देश अपनी अपनी बातें लेकर अड़े रहे।

पर अब तीन साल बाद हालात बहुत बदल चुके है। दुनियां को उम्मीद है कि दोनो देश शान्ती के रास्ते पर आ जायेगे। दोनो देश लम्बी लड़ाई और सीमित हथियार इस्तेमाल की वजह से थक चुके है। परमाणु हथियार की दोनो धमकी देते रहे थे। पर इसका अंजाम सोच और विश्व का दबाव महसूस कर परिमाणु हथियार से दूर रहे है। दोनो देश भारत -पाक की झड़प में लाख धमकी देने के बावजूद परमाणु हमले से दूर रहे। सभी जानते है परमाणु हथियार इस्तेमाल कर देना आसान है पर इससे धनजन की जो हानियां होती है दोनो देशो के साथ दुनियां भी झेलती रहेगी। हिरोशमा परमाणु हथियार से ध्वस्त हुआ पर नतीजा आत तक लोग भुगत रहे है। तरह तरह की बीमारियो लोगो को दबोचे हुये है। आइन्सरीन ने एटेमबम का फार्मूला क्या दिया। दुनियां के विनाश का फार्मूला बन गया है। खुदा तीसरे विश्वयुद्ध से बचाये नहीं तो कोई रोने वाला भी नही बचेगा। पशु पक्षी वनस्पति सभी राख हो जायेगा। यह डर ही दुनिया को रोके है सभी राख हो जायेगा। यह डर ही दुनियां को रोके हुये है। परमाणु से बड़ा हाइड्रोजन बम भी आ गया है।

राजबाड़ा में कैबिनेट लोकमाता अहिल्याबाई के संकल्पों को साकार करने की दिशा में बड़ा कदम

मध्यप्रदेश की डॉ. मोहन यादव सरकार ने 20 मई 2025 को इंदौर के ऐतिहासिक राजवाड़ा परिसर में एक विशेष कैबिनेट बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया है। यह बैठक न केवल प्रशासनिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व भी रखती है, क्योंकि यह लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जन्म जयंती वर्ष के समापन और उनकी विवाह वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित की जा रही है। इसके पहले डॉ मोहन सरकार दमोह, जबलपुर में डेस्टिनेशन कैबिनेट के सफल आयोजन कर चुकी है।

हर्षवर्धन पाण्डे

यह कैबिनेट की बैठक अहिल्याबाई के आदर्शों को आत्मसात करने का सुनहरा अवसर है। कैबिनेट बैठक का मुख्य उद्देश्य लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के सुशासन और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के योगदान को याद करते हुए होल्कर साम्राज्य के संस्थापक महाराज मल्हार राव होल्कर का भी पुण्य स्मरण करना है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्पष्ट किया है कि यह आयोजन इंदौर की सांस्कृतिक विरासत को रेखांकित करने और मध्यप्रदेश के विकास के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण, जैसे कि विजन 2047, को प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करेगा। यह आयोजन इंदौर के ऐतिहासिक महत्व का स्मरण करने और देवी अहिल्याबाई के आदर्शों को प्रचारित करने का बेहतरीन अवसर है।

होल्कर साम्राज्य का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व रहा है। इंदौर का राजवाड़ा, होल्कर साम्राज्य का प्रतीक, मध्य भारत के गौरवशाली अतीत का साक्षी रहा है। यह वह स्थान है जहां होलकर साम्राज्य के शासकों ने अपने दरबार लगाए और अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए। 20 मई को गणेश हॉल में होने वाली यह बैठक उसी परंपरा को जीवंत करेगी, जहां डॉ मोहन कैबिनेट अपने कई महत्वपूर्ण नीतिगत फैसले लेगी। यह पहली बार है जब आज़ादी के कई वर्षों बाद इस ऐतिहासिक स्थल पर डॉ. मोहन कैबिनेट का भव्य दरबार सजेगा।

राजवाड़ा एक महल नहीं, बल्कि होलकर साम्राज्य की विरासत है जिस पर आज भी सभी गर्व महसूस करते हैं। यह वह ऐतिहासिक स्थान है जहां से होलकर साम्राज्य ने अपने कई बड़े फैसलों से अपनी दिशा तय की थी। इसका निर्माण 1766 से 1834 के बीच हुआ और इसकी भव्यता आज भी लोगों को आकर्षित करती है। देवी अहिल्याबाई होलकर इसी राजवाड़ा से प्रशासनिक निर्णय लिया करती थी। अंतिम बार 1945 में महाराज यशवंतराव होलकर तृतीय ने अपनी मंत्रिपरिषद के साथ इसी दरबार हॉल में बैठक की थी। वहीं राजवाड़ा इस बार फिर डॉ. मोहन यादव के निर्णायक फैसलों का साक्षी बनने जा रहा है। लोकमाता की उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए अब मोहन सरकार यहां बैठक कर, न सिर्फ राजवाड़े के सांस्कृतिक गौरव को पुनर्स्थापित कर रही है बल्कि सुशासन के संकल्पों के नए मानदंड प्रदेश में स्थापित कर रहे हैं।

कैबिनेट बैठक में मालवा संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी। इस आयोजन को मालवा की संस्कृति के साथ जोड़ने का प्रयास किया गया है, जिसमें मंत्रियों का स्वागत मालवी पगड़ी पहनाकर किया जाएगा । बैठक के बाद दरबार हाल में सभी मंत्रियों और अधिकारियों के लिए पारंपरिक मालवी भोजन परोसा जाएगा, जिसमें दाल-बाफले, दाल-बाटी-चूरमा, मावा बाटी, दही, लड्डू, केसर श्रीखंड, मैंगो रबड़ी और छाछ जैसे व्यंजन शामिल होंगे। इस बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा और निर्णय की उम्मीद है, जिसमें विजन 2047 के तहत मध्यप्रदेश के दीर्घकालिक विकास की कई योजनाएं शामिल हैं। इसके अलावा, निवेश संवर्धन, औद्योगिक विकास और सांस्कृतिक संरक्षण से संबंधित नीतियों पर भी विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा। कैबिनेट बैठक में जिला विकास सलाहकार समिति का प्रस्ताव भी आएगा। कैबिनेट बैठक में अनेक कल्याणकारी प्रस्तावों को हरी झंडी मिल सकती है जिसमें नए रोजगार के अवसर सृजित करने, कर्मचारियों के पदोन्नति संबंधी प्रस्ताव भी पास हो सकते हैं। कैबिनेट बैठक में सरकार मेट्रोपॉलिटन रीजन एक्ट 2025 भी लेकर आएगी जिससे इंदौर और भोपाल को मेट्रोपॉलिटन रीजन बनाने की प्रक्रिया को नई गति मिलेगी। इस बड़ी पहल के साथ मध्यप्रदेश देश का 13वां राज्य बन जाएगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक तकदीस फ़ातिमा रिज़वी ने ग्रुप-5 प्रकाशन, 55-बी, वज़ीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित कराकर प्रथम तल, मस्जिद नूर महल, साकेत पल्ली, नरही, लखनऊ से प्रकाशित किया।

किसी भी लेख में कोई विवाद के लिए 'अवधनामा' जिम्मेदार नहीं होगा, इसकी जिम्मेदारी लेखक की है। किसी भी समाचार के विवाद के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ ही होगा।

पोलिटिकल एडीटर : एम.एम. मोहसिन

स्थानीय संपादक

मोहम्मद आलम रिज़वी

RNI No UPHIN/2010/31173

टेली फैक्स नं. : 2288091, 4065716

avadhnamahindi@gmail.com,

जब फरवरी, 2023 में तुर्किए में 7.8 तीव्रता का भूकंप आया था, लगभग चालीस हजार लोग मारे गए थे, इमारतें 'मिट्टी-मलबा' हो गई थीं, तब भारत ने मदद का पहला हाथ बढ़ाया था। भारत ने भूकंप के अलावा भी तुर्किये की कई बार सहायता की है, लेकिन जब मौका आया तो उसने कृतघ्नता ही दिखाई और भारत के शत्रु के पक्ष में खड़ा हो गया। 2009 में तुर्किये ने पहली नैनो सैटेलाइट आईटीयूपीसेट-1 बनाई, जिसे स्पेस में नई टेक्नोलॉजी पर रिसर्च करना, पृथ्वी की तस्वीरें लेना और आंकड़ा एकत्र करने के लिए भेजा जाना था।

अनिवार्य है, कृतघ्न तुर्किए को कठोर संदेश देना

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को 26 निर्दोष हिन्दू पर्यटकों की नृशंस हत्या के उत्तर में शुरू ऑपरेशन सिंदूर पाक समर्थित आतंकवाद पर निर्णायक प्रहार बन गया। चार दिल चले ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान की सारी हेकड़ी निकल गई, और वो सीजफायर की भिक्षा मांगने लगा। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर अवश्य हो गया है, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के बीच तुर्की खासा सुर्खियों में रहा और उसका पाकिस्तान प्रेम खुलकर सामने आ गया।

डॉ. आशीष वशिष्ठ

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन, तुर्किए और अजरबैजान का वास्तविक चेहरा अखिल विश्व के समक्ष अनावृत हो गया। पाकिस्तान ने इस दौरान भारत पर जो ड्रोन और मिसाइल दागे वो 'मेड इन' चाइना और तुर्किए में बने थे। पाकिस्तान ने जो चीन की निकृष्ट मिसाइल और तुर्किए के ड्रोन भारत पर हमले में प्रयोग किये, उनके अवशेष सैन्य बलों के पास हैं। चीन और तुर्किए अब इन प्रमाणों को नकार नहीं सकता है। सीजफायर के बाद पाकिस्तान के मित्र तुर्किए के विरुद्ध भारत में विरोध शुरू हो गया है और सोशल प्लेटफार्म पर बॉयकाट तुर्की मुहिम जोर पकड़ने लगी है। भारतीय टूरिस्ट तुर्किये और अजरबैजान का बॉयकॉट कर रहे हैं। मोदी सरकार ने भी तुर्की को सबक सिखाने के लिए कदम उठाने शुरू कर दिये हैं। लेकिन जिस तरह देशवासियों ने स्वतः तुर्की और अजरबैजान का बॉयकॉट करने की मुहिम छेड़ी है, उसकी जितनी प्रशंसा की जाए, वो कम है। भारतीय नागरिकों के इस भाव का प्रभाव तुर्किए के अरबों डॉलर के व्यापार पर पड़ने वाला है।

तुर्किये 'एहसान फरामोशी' का सबसे कलंकित उदाहरण हो सकता है। जब फरवरी, 2023 में तुर्किए में 7.8 तीव्रता का भूकंप आया था, लगभग चालीस हजार लोग मारे गए थे, इमारतें 'मिट्टी-मलबा' हो गई थीं, तब भारत ने मदद का पहला हाथ बढ़ाया था। भारत ने भूकंप के अलावा भी तुर्किये की कई बार सहायता की है, लेकिन जब मौका आया तो उसने कृतघ्नता ही दिखाई और भारत के शत्रु के पक्ष में खड़ा हो गया। 2009 में तुर्किये ने पहली नैनो सैटेलाइट आईटीयूपीसेट-1 बनाई, जिसे स्पेस में नई टेक्नोलॉजी पर रिसर्च करना, पृथ्वी की तस्वीरें लेना और आंकड़ा एकत्र करने के लिए भेजा जाना था। इस लॉन्च में भारत ने तुर्किये की मदद की थी। इस सबके उपरांत तुर्किये सदैव पाकिस्तान का समर्थन करता रहा है। तुर्किये ने 2019 में भारत के धारा 370 हटाने का भी विरोध किया था। इसके बाद से लगातार तुर्किये यूनाइटेड नेशन जनरल असेंबली यानी यूएनजीए में कश्मीर का मुद्दा उठाता आया है। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में 6-7 मई की रात भारत ने ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया, तो तुर्किये खुलकर पाकिस्तान के साथ दिखा। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि तुर्किये ने पाकिस्तान को करीब 350 ड्रोन और उन्हें चलाने के लिए ऑपरेटर भेजे। 4 मई को तुर्किये ने नौसेना का युद्धपोत टीसीजी बुयुकडा (एफ-512) पूरे बेड़े के साथ पाकिस्तान के कराची पोर्ट पर भेज दिया। तुर्किए ने पाकिस्तान के पहलगाम हमले की अंतरराष्ट्रीय जांच की अनुशंसा का भी समर्थन किया। 10 मई को सीजफायर के बाद शहबाज शरीफ ने एर्दोगन को मदद करने के लिए शुक्रिया अदा किया।

तुर्किए के पाकिस्तान का साथ देने के बाद भारतीय पर्यटकों ने धड़ाधड़ तुर्की की यात्राएं कैंसिल करवानी शुरू कर दी है। भारतीय पर्यटकों को आज की तारीख में सिर्फ एक आम ट्रैवलर मानना बहुत बड़ी गलती है। क्योंकि ग्लोबल टूरिज्म इंडस्ट्री के लिए भारतीय पर्यटक एक आर्थिक स्तंभ बन चुके हैं। साल 2023 में भारतीय पर्यटकों ने दुनिया के अलग अलग हिस्सों में घूमने में 18 अरब डॉलर से ज्यादा खर्च किए। ऐसे में अगर भारतीय पर्यटक किसी देश का बहिष्कार करते हैं तो वो सिर्फ एक सोशल मीडिया पर चलाया गया ट्रेंड नहीं होता है, बल्कि एक भूकंप होता है। पिछले साल जनवरी में मालदीव के कुछ मंत्रियों ने प्रधानमंत्री मोदी के लक्षद्वीप दौरे के दौरान अभद्र भाषा का प्रयोग किया था। जिसके बाद भारत और मालदीव के बीच विवाद काफी बढ़ गया। भारतीय पर्यटकों ने मालदीव का बहिष्कार शुरू कर दिया, जिसने कुछ ही समय में मालदीव के नेताओं को घुटने टेकने के लिए विवश कर दिया। मालदीव की अर्थव्यवस्था, जिसमें टूरिज्म सेक्टर का 28 प्रतिशत योगदान है, उसे गहरा धक्का लगा था, लिहाजा अब बारी तुर्की की है।

पिछले कुछ सालों में भारी संख्या में भारतीय पर्यटकों ने घुमने के लिए तुर्की को चुना है। साल 2023 में करीब 2.74 लाख भारतीय नागरिक घूमने के लिए तुर्की गये थे। जबकि 2024 में तुर्की जाने वाले भारतीय पर्यटकों का ये आंकड़ा बढ़कर करीब 3.5 लाख पहुंच गया। भारतीय लोगों के बीच शादी करने, हनीमून मनाने और फैमिली ट्रिप्स के लिए तुर्की तेजी से लोकप्रिय हो रहा था। लेकिन 2025 में तुर्की ने पाकिस्तान का समर्थन करके भारतीयों को अपने विरूद्ध कर लिया है। इसके अलावा भारत जैसे देशों के पर्यटकों का बहिष्कार सिर्फ आर्थिक नहीं, राजनीतिक संदेश भी होता है।

पर्यटन के अलावा भारतीय बाजारों में तुर्की से आयातित सेब की बिक्री पर भी प्रभाव पड़ा है। भारतीय कारोबारियों ने अब ईरान, अमेरिका और न्यूजीलैंड से सेब खरीदना शुरू कर दिया है। सेब उत्पादन करने वाला संघ, जो पहले से ही विदेशों से मंगाए जाने वाले सेब की वजह से नाराज रहता था और तुर्की के सेब पर प्रतिबंध लगाने की मांग करता रहता था, वो अब प्रसन्न है। इस वित्त वर्ष में तुर्की से 1 लाख 60 हजार टन सेब खरीदे गये थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत तुर्की के साथ व्यापारिक संबंध समाप्त करने की तैयारी मे। भारत तुर्की से दाल, तिलहन और स्टील जैसी चीजें खरीदता है। दोनों देशों के बीच व्यापार को 20 अरब डॉलर तक ले जाने की योजना थी। लेकिन अब बदले वातावरण में यह संबंध पूर्णत समाप्त हो सकते हैं। 15 मई केंद्र सरकार ने तुर्किये की कंपनी सेलेबी एविएशन की सुरक्षा मंजूरी रद्द कर दी। यह दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु सहित प्रमुख भारतीय हवाई अड्डों पर हाई सिक्योरिटी ऑपरेशन संभालती है। भारत के प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थानों ने भी तुर्की से एकेडमिक समझौते रद्द कर दिये हैं। इनमें जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी यानी जेएनयू, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, आईआईटी रुड़की, शारदा विश्वविद्यालय और लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी शामिल हैं। भारत सरकार ने व्यापार के अलावा कूटनीति के मोर्चे पर भी तुर्किये को बड़ा सबक सिखाने का मन बना लिया है। तुर्किये को सबक सिखाने के लिए भारत उसके अंदर के मुद्दों को बाहर लाएगा। तुर्किये में लगातार बढ़ रही मानवाधिकार हनन की घटनाओं को भारत यूनाइटेड नेशन्स के समक्ष रख सकता है।

नौकरी पात्रता में पुराना ढर्रा छोड़े सरकार

एक जानकारी के अनुसार अभी केंद्र सरकार के तहत आने वाले लगभग 78 विभागों में 9.79 लाख पद खाली हैं। देशभर के सरकारी स्कूलों में भी शिक्षकों के लगभग 10.6 लाख से ज्यादा पद खाली हैं। पूरे देश में शिक्षकों के 61 लाख 84 हजार 464 पद स्वीकृत हैं, जबकि अलग-अलग राज्यों में कुल 10 लाख 60 हजार 139 पद खाली हैं। इसमें बिहार और यूपी टॉप पर देखे जा सकते है। यानि कि इनमें अगर दस प्रतिशत भी कंप्यूटर विशेषज्ञों भर्ती बदलते परिवेश और जरूर के हिसाब से कर दी जाए तो एक लाख ओ लेबिल, ए लेबिल, बीसीए और एमसीए बच्चों को सरकार रोजगार दे सकती है।

आज का जीवन तेजी से डिजिटलीकृत हो रहा है। कंप्यूटर शिक्षा युवाओं को इस बदलती दुनिया के साथ तालमेल बिठाने में मदद करती है। कंप्यूटर कौशल की मांग सभी क्षेत्रों में बढ़ रही है। जिससे कंप्यूटर शिक्षा प्राप्त युवाओं को विभिन्न प्रकार के रोजगार प्राप्त करने में मदद मिलती है। शायद यही कारण है कि देश के युवाओं ने अपनी शिक्षा के साथ अब कम्युटर शिक्षा को अनिवार्य मानते हुए अलग अलग तरीके के कम्यूटर कोर्स करने शुरू कर दिये है। प्रतिवर्ष राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान से प्रमाणित यूपीटेक जैसे तमाम जगहों से प्रतिवर्ष हजारों बच्चे कंप्यूटर की शिक्षा लेकर ट्रिपल सी, ओ लेबिल, एलेबिल, डाटा एन्ट्री, टेली विथ जीएसटी आदि के प्रमाण पत्र लेकर कंप्यूटर शिक्षा में दक्ष होकर बेकार घूम रहे है। यही नही इंटर के बाद सरकारी सेवा की लालच में बच्चों ने बीसीए और एमसीए को अपना टारगेट बना रखा है। हजारों बच्चें आज बीसीए और एमसीए करने के बाद निजी संस्थानों में काफी कम मानदेय में नौकरी कर रहे है। केन्द्र एवं राज्य सरकारों द्वारा निकाली जाने वाली भार्तियों में आज भी लगभग वही पुराना ढर्रा अपनाया जा रहा है। अब जबकि ग्राम पंचायत से लेकर शीर्ष कार्यालयों तक कंप्यूटरीकरण का अत्याधिक उपयोग शुरू हो चुका है ऐसे में पुराने ढर्र पर भार्तियों के चलते शिक्षणा संस्थानों से लेकर आम और खास कार्यालयों तक में कंप्यूटर शिक्षित कीर्मिकों की कमी खल रही है। हालांकि केन्द्र एवं राज्य सरकारों ने कर्म खर्च में काम की रणनीति अपनाते हुए संविदा और ठेका प्रणाली से नाममात्र के कंप्यूटर शिक्षित लोगों को काम दे रखा है लेकिन उसका उतना लाभ न तो सरकार उठा पा रही है न ही आम जनमानस को उसका लाभ मिल पा रहा है। यहॉ यह मुद्दा उठाने के पीछे कई लाजिक है। जैसे पुलिस विभाग में आज के दौर में सबसे ज्यादा साइबर अपराध हो रहे ऐसे में इस क्षेत्र के आपराधियों से निपटने के लिए भारी भरकम शरीर या उच्च शिक्षित कार्मिक की जगह अगर कंप्यूटर विशेषज्ञ इनके साइबर सेल शामिल किए जाए तो इस तरह के अपराधियों को पकड़ने में सहायता मिलेगी। अगर इस आधार पर प्रत्येक जिले के साइबर सेल में कंप्यूटर विशेषज्ञों की भर्ती की जाए तो काफी कंप्यूटर विशेषज्ञ छात्रों को रोजगार मिल सकता है। यही हाल रेलवे, कृषि, स्वास्थ्य, परिवहन, ऊर्जा मंत्रालय, राजस्व, आयकर, बिक्रीकर सहित शिक्षा विभाग का है। केन्द्र सरकार और राज्य सरकार के सचिवालयों में तो हर हाल में कंप्यूटर विशेषज्ञों भर्ती होनी चाहिए। क्योंकि अब तक सचिवालयों में 90 प्रतिशत काम पेपर लेस के करीब पहुंच चुका है। यही नही अगर वाकई सरकार पेपर लेस वर्क के आधार पर काम कर रही है तो उसे हर छोटे से बड़े विभाग में एक अलग कंप्यूटर विंग बनाना चाहिए जिसमें उधर या आधे अधूरे ज्ञान वाले नही बल्कि पात्र कंप्यूटर विशेषज्ञों की तैनाती की जाए। क्योकि पिछले कुछ सालों में हर विभाग में कंप्यूटरीकरण के नाम पर हजारों हजार कंप्यूटर खरीद कर इन्टरनेट से जोड़ तो दिये गए लेकिन कार्मिकों को कंप्यूटर का ज्ञान न होने के कारण वे डिब्बे या फिर गेम खेलने के काम आ रहे है। अगर सरकार एक बार अपना पुराना भर्ती की पात्रता को दरकिनार कर हर विभाग में फिलहाल रिक्त पदों पर पद के सापेक्ष 50 प्रतिशत पदों पर कंप्यूटर की पात्रता वाले युवाओं को भर्ती कर ले तो व्यापक स्तर पर सुधार दिखाई देगा।

प्रेम शर्मा

हालाकि कि सरकार की अपनी नीति के तहत केन्द्र एवं राज्य सरकारों के अधिनस्थ रिक्त पदों की संख्या खुलकर या स्पष्ट रूप से सामने नही आती लेकिन कभी कभार सदन में उठाये जाने वाले प्रश्नों के माध्यम से पता चलता है कि केन्द्र सरकार के अधिनस्थ वर्तमान समय से दस लाख और प्रत्येक राज्य सरकारों में औसतन 30 से 40 प्रतिशत पद रिक्त है। सबसे खात बॉत यह कि चतुर्थ श्रेणी संवर्ग जिसमें सर्वाधिक लोगों को रोजगार मिलने से उनके परिवाार का भरण पोषण होता था उसे समाप्त कर सरकार ने ठेका प्रथा के हवाले कर इस संवर्ग के लोगों का मानसिक, आर्थिक शोषणा का रास्ता खोल दिया है। आज देश में केन्द्र और राज्य सरकारों के अधिनस्थ ठेका प्रथा में शोषण का शिकार हो रहे कार्मिकों की संख्या करोड़ का आकड़ा पा कर गई है। एक जानकारी के अनुसार अभी केंद्र सरकार के तहत आने वाले लगभग 78 विभागों में 9.79 लाख पद खाली हैं। देशभर के सरकारी स्कूलों में भी शिक्षकों के लगभग 10.6 लाख से ज्यादा पद खाली हैं। पूरे देश में शिक्षकों के 61 लाख 84 हजार 464 पद स्वीकृत हैं, जबकि अलग-अलग राज्यों में कुल 10 लाख 60 हजार 139 पद खाली हैं। इसमें बिहार और यूपी टॉप पर देखे जा सकते है। यानि कि इनमें अगर दस प्रतिशत भी कंप्यूटर विशेषज्ञों भर्ती बदलते परिवेश और जरूर के हिसाब से कर दी जाए तो एक लाख ओ लेबिल, ए लेबिल, बीसीए और एमसीए बच्चों को सरकार रोजगार दे सकती है। इसी तरह रेलवे में लगभग 2,37,295 पद खाली है। मंजूर पदों की तुलना में 15 प्रतिशत पद खाली हैं। गृह मंत्रालय में लगभग 1,28,842 पद खाली हैं. यहां भी 12 प्रतिशत पद खाली हैं। साइंस और टेक्नोलॉजी विभाग में लगभग 66 प्रतिशत पद खाली हैं और कुल खाली पदों की संख्या 12,444 है। वहां सिर्फ 4217 लोग ही काम कर रहे हैं। यह तो केवल बानगी है यानि के केन्द्र सरकार के सभी विभागों को देखा जाए तो हर साल एक करोड़ नौकरियां देने का वादा करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बयान सही लगता है। इसके ठीक विपरीत के उनके कार्यालय में ही लगभग 26 प्रतिशत पद खाली हैं। जल संसाधन, नदी विकास और गंगा मंत्रालय में लगभग 4557 पद खाली हैं, जो 42 फीसदी है। अगर मां गंगा के नाम पर भी युवाओं को नौकरी मिल जाती तो साढ़े चार हजार लोगों का कल्याण हो जाता। देश के लिए नीति बनाने वाले आयोग का हाल भी अन्य मंत्रालयों की ही तरह है। वहां भी 32 प्रतिशत पद खाली हैं। ऐसे मे अगर राज्य सरकारों के अधिनस्थ बॉत की जाए तो यहॉ भी लगभग अधिकाधिक रोजगार देने वाले संवर्ग में रिक्तियॉ 60 प्रतिशत तक है। विद्यालयों का यही हाल है केन्द्रीय एवं राज्य सरकारों में कंप्यूटर शिक्षा देने वाले शिक्षक नाम मात्र के है। अगर है भी तो वे ठेका प्रथा से सम्बद्ध है। ऐसे में केन्द्र एवं राज्य सरकारों को अगर वाकई इस बदलती दुनिया के साथ तालमेल बिठा कर चलना है तो उसे हर संवर्ग की नौकरियों में 50 प्रतिशत पदों पर राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान से प्रमाणित प्रशिक्षित कंप्यूटर शिक्षित उम्मीदवारों शामिल करना होगा।

प्रधानमंत्री ने आतंक के खिलाफ भारत की नीति साफ कर दी

'ऑपरेशन सिंदूर' का लक्ष्य और मकसद यह था कि आतंकियों के बड़े-बड़े अड्डे, मुख्यालयों और आतंकियों का सफाया किया जाए। प्रधानमंत्री ने भी माना कि 'ऑपरेशन सिंदूर' का मकसद फिलहाल हासिल किया जा चुका है। उन्होंने जैश-ए-मुहम्मद के मुख्यालय बहावलपुर और लश्कर-ए-तैयबा के मुख्यालय मुरीदके को 'वैश्विक आतंकवाद की यूनिवर्सिटी' करार दिया। आतंकी अड्डे और 100 से अधिक खूंखार आतंकी मिट्टी में मिलाए जा चुके हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कड़े शब्दों में पाक को चेताया है। उन्होंने सेना के सभी अंगों और सुरक्षा बलों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि फिलहाल युद्ध स्थगित हुआ, खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने साफ किया कि वो दौर चला गया जब भारत परमाणु हमले के नाम पर ब्लैकमेल होता था। अब अगर फिर से हमला हुआ तो पाकिस्तान व आतंकवादियों को अलग-अलग नहीं देखा जाएगा। आतंक की जड़ों पर फिर से प्रहार किया जाएगा। पीएम ने दो टूक लहजे में कहा है कि अब भारत 'परमाणु ब्लैकमेल' बर्दाश्त नहीं करेगा। परमाणु ब्लैकमेलिंग की आड़ में पनपते रहे आतंकियों और उनके ठिकानों पर भारत सटीक और निर्णायक प्रहार करेगा। इस संबोधन के बाद कई रक्षा एवं राजनयिक विशेषज्ञों ने परमाणु बम के 'पाकिस्तानी हव्वे' से राहत और स्वतंत्रता महसूस की है। पाकिस्तान ने तो घुटनों में मुंह छिपा लिया होगा, क्योंकि उसकी परमाणु धमकियों की कलई खुल चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी घोषणा की है कि यदि भविष्य में पाकिस्तान के साथ बातचीत हुई, तो सिर्फ पीओके (पाक अधिकृत कश्मीर) और आतंकवाद पर ही होगी। आतंकवाद और बातचीत, आतंकवाद और व्यापार साथ-साथ नहीं चल सकते। इसी तरह पानी और खून साथ-साथ नहीं बह सकते। यदि अब भारत पर आतंकी हमला किया गया, तो उसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। हम अपने तरीके से और शर्तों पर जवाब देंगे। हर उस जगह कठोर कार्रवाई करेंगे, जहां से आतंकवाद की जड़ें निकलती हैं। पाकिस्तान समझ गया होगा! प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कहा है कि आतंक परस्त सरकार और आतंक के आकाओं को अलग-अलग नहीं देखा जाएगा। उनकी सजा यही होगी कि भारत उनका सफाया करके ही रहेगा।

राजेश माहेश्वरी

प्रधानमंत्री मोदी ने देश की सेनाओं, सशस्त्र बलों, खुफिया एजेंसियों और वैज्ञानिकों को सलाम किया। वे ही 'ऑपरेशन सिंदूर' के सूत्रधार रहे। प्रधानमंत्री ने सेनाओं और सैनिकों के साहस, शौर्य, पराक्रम को देश की हर मां, बहन, बेटी को समर्पित कर मुद्दे को भावुक बना दिया। उन्होंने पीओके का जिक्र इसलिए किया, क्योंकि भारत उसे अपना अंतरंग और अविभाज्य हिस्सा मानता है। इस संदर्भ में संसद में भी प्रस्ताव पारित किए जा चुके हैं, लेकिन 'ऑपरेशन सिंदूर' का लक्ष्य और मकसद यह था कि आतंकियों के बड़े-बड़े अड्डे, मुख्यालयों और आतंकियों का सफाया किया जाए। प्रधानमंत्री ने भी माना कि 'ऑपरेशन सिंदूर' का मकसद फिलहाल हासिल किया जा चुका है। उन्होंने जैश-ए-मुहम्मद के मुख्यालय बहावलपुर और लश्कर-ए-तैयबा के मुख्यालय मुरीदके को 'वैश्विक आतंकवाद की यूनिवर्सिटी' करार दिया।

आतंकी अड्डे और 100 से अधिक खूंखार आतंकी मिट्टी में मिलाए जा चुके हैं। पाकिस्तान के साथ जंगी टकराव या वहां की आवाम हमारे सैन्य ऑपरेशन के लक्ष्य नहीं थे, लेकिन पाकिस्तान की फौज के दुस्साहस के कारण हमारी सेनाओं को ऐसी जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। पाकिस्तान को अंदाजा तक नहीं था कि उसके महत्वपूर्ण एयरबेस, रडार और एयर डिफेंस सिस्टम आदि को इस कदर तबाह कर दिया जाएगा। आतंकियों और पाकिस्तान ने हमारी बहनों-बेटियों का सिंदूर उजाड़ा और भारत ने उनके मुख्यालय उजाड़ दिए।

भारत ने स्वदेशी प्रयासों व आत्मनिर्भरता के संकल्प के साथ देश को सुरक्षा कवच देने में कामयाबी हासिल की है। ये तकनीकें 21वीं सदी की सामरिक चुनौतियों का मुकाबला करने में सक्षम हैं। पाक द्वारा विश्व शक्तियों से हासिल मिसाइलों व ड्रोन को भारतीय वायु प्रतिरक्षा तंत्र ने जिस तरह नाकाम किया, उसने भारत के रक्षा उत्पादों की विश्वसनीयता पर मोहर लगाई है। हम न्यू इरा के वारफेयर मानकों की कसौटी पर खरे उतरे हैं। जो मेड इन इंडिया हथियारों की विश्वसनीयता को वैश्विक स्तर पर स्थापित करेगा।

बहरहाल प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पूरे संबोधन में युद्धविराम या सीजफायर का उल्लेख नहीं किया। उन्होंने स्पष्ट किया है कि फिलहाल सैन्य कार्रवाई स्थगित की गई है। इसे 'अल्पविराम' माना जा सकता है। पाकिस्तान ने आतंकी गतिविधि और सैन्य दुस्साहस नहीं करने का आश्वासन दिया है, लिहाजा भारत ने भी उस पर विचार किया है। अब हम इसी कसौटी पर पाकिस्तान के रवैये को मापेंगे। अब आतंकवाद पर यही भारत की राष्ट्रीय नीति होगी। प्रधानमंत्री ने भारतीय समाज में एकजुटता को अपरिहार्य बताया। उन्होंने माना कि यह युद्ध का समय नहीं है। लेकिन जब हमारी संप्रभुता और नागरिकों के जीवन पर संकट आएगा तो मुंहतोड़ जवाब जरूर दिया जाएगा। अब समय आ गया है कि पाकिस्तानी हुक्मरानों को आतंकवादियों को खाद-पानी देने से बचना होगा। आतंकवाद के ढांचे को खत्म किए बिना पाकिस्तान में शांति की स्थापना संभव नहीं है। उन्होंने देश के लोगों को भरोसा दिलाया कि भारतीय सेना और सुरक्षा बल किसी भी चुनौती के मुकाबले के लिये तैयार हैं। तब तक तैयार रहेंगे जब तक आतंक के अड्डे खंडहरों में तब्दील नहीं हो जाते। सीमाओं पर शांति इस बात पर निर्भर करेगी कि पाक आतंकवाद को लेकर क्या रवैया अपनाता है। उन्होंने देश की माता-बहनों और बेटियों को आश्वस्त किया कि सरकार का ऑपरेशन सिंदूर उनकी अस्मिता व सुरक्षा के लिये समर्पित था। उस पर किसी कीमत पर आंच नहीं आने दी जाएगी।

प्रधानमंत्री के एक एक शब्द पर गौर कीजिए। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर ये सिर्फ नाम नहीं है, ये देश के कोटि-कोटि लोगों की भावनाओं का प्रतिबिंब है। ऑपरेशन सिंदूर न्याय की अखंड प्रतिज्ञा है। 6 मई की देर रात, 7 मई की सुबह, पूरी दुनिया ने इस प्रतिज्ञा को परिणाम में बदलते देखा है। भारत की सेनाओं ने पाकिस्तान में आतंक के ठिकानों पर, उनके ट्रेनिंग सेंटर्स पर सटीक प्रहार किया। आतंकियों ने सपने में भी नहीं सोचा था कि भारत इतना बड़ा फैसला ले सकता है। लेकिन जब देश एकजुट होता है, नेशन फर्स्ट की भावना से भरा होता है, राष्ट्र सर्वोपरि होता है, तो फौलादी फैसले लिए जाते हैं, परिणाम लाकर दिखाए जाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने जोर देकर कहा कि 'हम आतंक की सरपरस्त सरकार और आतंक के आकाओं को अलग-अलग नहीं देखेंगे। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, दुनिया ने, पाकिस्तान का वो घिनौना सच फिर देखा है, जब मारे गए आतंकियों को विदाई देने, पाकिस्तानी सेना के बड़े-बड़े अफसर उमड़ पड़े।

बाल विवाह करना गैरकानूनी : जिलाधिकारी

बोले, बाल विवाह रोकने की जिम्मेदारी क्षेत्र के प्रबुद्धजन की, ग्राम प्रधान और धर्मगुरु आगे बढ़कर लें

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। जिस देश की महिलाशक्ति जितनी सशक्त होती है वह देश भी उतना ही सशक्त होता है, वर्तमान सरकार के नेतृत्व में देश व प्रदेश में महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु अनेकों योजनाएं संचालित हैं, जिनके माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं को उनका अधिकारों का बोध कराते हुए उन्हें विकास की मुख्य धारा का हिस्सा बनाया जा रहा है। वहीं जनपद ललितपुर बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराई का दंश झेल रहा है, जिसके उन्मूलन के लिए अब जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। जनपद को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने यूनिसेफ व विभागीय अधिकारियों के साथ एक वृहद बैठक कर प्रत्येक स्तर पर बाल विवाह रोकने की रणनीति बनायी है, इसके लिए उन्होंने सम्बंधित विभागीय अधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां दी हैं।

जिलाधिकारी ने डीपीआरओ को निर्देश दिये कि वह जनपद के सबसे प्रभावित क्षेत्र मड़ावरा, महरौनी एवं बार की महिला ग्राम प्रधानों को जिला स्तर पर बुलाकर कार्यशाला का आयोजन किया जाए, जिसमें जनप्रतिनिधियों को भी सम्मिलित किया जाए। इस कार्यशाला की जिम्मेदारी डीपीआरओ, प्रोबेशन अधिकारी व यूनिसेफ के अधिकारियों दी गई है। उन्होंने डीआईओएस व बीएसए को निर्देश दिये कि वह विद्यालयों में पढने वाली किशोरियों व उनके अभिभावकों के साथ प्रत्येक माह बैठक आयोजित कर उन्हें बाल विवाह से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में बतायें, उन्हें बताया जाए कि बाल विवाह करना गैरकानूनी है। उन्होंने निर्देश दिये कि इन क्षेत्र में विवाह कराने वाले पण्डित पादरी, मौलवी आदि को सूचीबद्ध कर इनके साथ बैठक करायी जाये और इनको बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराई को समाप्त करने के बारे में बताया जाए और इसके दुष्परिणाम से भी अवगत कराया जाए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बाल विवाह सामाजिक अपराध के साथ कानूनी अपराध भी है, जिसमें अभिभावक,

■ **बाल विवाह करने या कराने वालों को 2 वर्ष का कठोर कारावास व 1 लाख का होगा जुर्माना**

लड़के, लड़कियों के माता-पिता एवं बाराती, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रुप से संरक्षण देने वाले रिश्तेदार, पंच, मुखिया, पण्डित, मौलवी, बैण्ड वाले, नाई, टेण्ट वाले, फोटोग्राफर, हलवाई, बिचौलिया सभी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करायी जाएगी, जिसमें 2 वर्ष का कठोर कारावास और 1 लाख रुपए का जुर्माना हो सकता है। जिलाधिकारी ने जनपद के सभी जागरुक प्रबुद्धजनों से अपील की है कि वह अपने क्षेत्र में बाल विवाह न होने दें और यदि कहीं बाल विवाह होने की जानकारी मिलती है तो चाईल्ड हेल्प लाईन नं0 1098, ललितपुर सीयूजी नं. 7991768911, पुलिस हेल्प लाईन नं. 112 पर सूचना दें, सूचना देने वाले की जानकारी पूर्णतः गुप्त रखी जायेगी। बैठक में प्रोबेशन अधिकारी नन्दलाल सिंह ने कहा कि बाल विवाह करना या करवाना संज्ञेय और गैरजमानती अपराध है, उन्होंने बाल विवाह की परिभाषा का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसा विवाह जिसमें बंधने वाले दोनो या कोई एक पक्षकार अवश्यक है, यानि लड़की की 18 वर्ष और लड़का 21 वर्ष से कम है तो ऐसा विवाह बाल विवाह कहलाता है, जिसको कराने वाले को 2 वर्ष का कठोर कारावास और 1 लाख रुपए का जुर्माना का प्रावधान है। उन्होंने बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में बताते हुए कहा कि शारिरिक अपरिपक्वता के कारण जल्दी विवाह, जल्दी गर्भधारण एवं प्रसव से किशारियों एवं उनके बच्चे दोनो की जान खतरे में पड़ सकती है। कम उम्र में विवाह करने वाली लड़की अन्य लड़कियों की अपेक्षा घरेलु हिंसा के जोखिम अधिक होते हैं।

हर घर जलापूर्ति की हकीकत जानने विन्ध्य, बुंदेलखंड जाएंगे जलशक्ति मंत्री

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। गर्मियों के दौरान प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति का कोई संकट न हो। इसके लिए जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह जिलों का दौरा कर जल जीवन मिशन योजनाओं की जमीनी हकीकत जानेंगे। पहले चरण में जलशक्ति मंत्री बुंदेलखंड और विन्ध्य के 9 जिलों का दौरा करेंगे।

इस दौरान गांवों का औचक निरीक्षण कर लोगों से फीडबैक लेंगे। इसके लिए खाका तैयार करने के निर्देश मंगलवार को जलशक्ति मंत्री ने बुंदेलखंड, विन्ध्य में जल जीवन मिशन परियोजनाओं की समीक्षा बैठक में दिए। जलशक्ति मंत्री ने अधिकारियों से हर जिले में घोषित हर घर जल गांव की सूची भी मांगी। इस दौरान जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद और प्रमुख सचिव नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव समेत विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

■ **मिर्जापुर में काम की धीमी रफ्तार पर कार्यदायी संस्था पर होगी कार्रवाई**

बैठक में जलशक्ति मंत्री ने काम में लापरवाही बरत रही एजेंसियों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर काम में कोई गड़बड़ी मिलती है, तो दोषियों को जेल भेजा जाएगा। जलशक्ति मंत्री ने थर्ड पार्टी एजेंसियों को निरीक्षण कर रोजाना रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक के दौरान प्रमुख सचिव नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव ने मिर्जापुर में जल जीवन मिशन के कामों की धीमी रफ्तार पर नाराजगी जतायी। उन्होंने कहा कि कार्यदायी संस्था रामकी बाबा और मेघा के कार्यों की जांच कराने और गड़बड़ी पाए जाने पर कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में मौजूद सभी एडीएम और अधिशासी अभियंताओं को निर्देशित करते हुए प्रमुख सचिव ने कहा कि ब्लॉक स्तर पर नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जाए। इस बैठक में विभागीय अधिकारियों के साथ एजेंसियां, कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

पूमावि खितवांस में बच्चों को कराया गया योग

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। पूर्व माध्यमिक विद्यालय खितवांस में उ.प्र.राज्य आयुष सोसाइटी लखनऊ द्वारा संचालित हेल्थ वैलनेस सेन्टर (आयुष्मान आरोग्य मंदिर) सिलवान के तत्वाधान में 01 से 19 मई 2025 तक विशेष योग शिविर आयोजित किया गया। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डा.अर्जुन लाल, प्रभारी चिकित्साधिकारी डा.राहुल जायसवाल के निर्देश पर योग प्रशिक्षक अजय सिंह द्वारा छात्र-छात्राओं को सूक्ष्म आसन, सूर्य नमस्कार, विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान योग का प्रशिक्षण दिया गया। योग प्रशिक्षक द्वारा बच्चों को दैनिक जीवन में योग व खानपान के महत्व को समझाकर बच्चों में बौद्धिक तथा मानसिक और शारीरिक विकास पर जोर दिया गया। योग प्रशिक्षक अजय सिंह ने बताया कि योग को दैनिक जीवन में अपना कर तन, मन से स्वास्थ्य प्राप्त करके जीवन में कोई भी लक्ष्य प्राप्त कर सकते है। विद्यालय की प्रधानाध्यक अजरा खान ने सभी विद्यार्थियों को 21 जून योग दिवस पर एक जुट होकर योग दिवस मनाने के लिए सभी विद्यार्थियों को निर्देश दिए।

साम्प्रदायिक सौहार्द व भाईचारे का दिया संदेश

लखनऊ (अवधनामा संवाददाता)। ज्येष्ठ माह के दूसरे बड़े मंगल के पावन अवसर पर आज सिटी मोन्टेसरी स्कूल, प्रधान कार्यालय पर विशाल भण्डारा का आयोजन किया। भण्डारे का शुभारम्भ सी.एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन एवं सी.एम.एस. के क्वालिटी अश्योरेन्स एवं इनोवेशन डिपार्टमेन्ट की हेड व सुपीरियर प्रिन्सिपल सुश्री सुस्मिता घोष द्वारा भगवान श्री राम एवं पवनपुत्र श्री हनुमान जी के पूजन व आरती से हुआ। इस पुनीत अवसर पर सी.एम.एस. संस्थापिका-निदेशिका व प्रख्यात शिक्षाविद् डा. भारती गाँधी ने सभी श्रद्धालुओं को बड़े मंगल की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की। अपने संदेश में डा. भारती गाँधी ने कहा कि श्री हनुमान जी का भण्डारा सामाजिक समरसता को बनाये रखने के साथ ही वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश भी है। यह जानकारी सी.एम.एस. के हेड, कम्युनिकेशन्स श्री ऋषि खन्ना ने दी है।

शराब की ओवररेटिंग करते रंगे हाथों दबोचा गया सेल्समेन

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। शहर के अलावा आसपास के ग्रामीण अंचलों में शराब की दुकानों पर मदिरा और बियर की ओवर रेटिंग की लगातार मिल रहीं शिकायतों को अब आबकारी विभाग गंभीरता से लेने लगा है।

कुछ समय से निरंतर मिल रहीं शिकायतों के मद्देनजर मंगलवार को आबकारी निरीक्षक क्षेत्र प्रथम ने कार्यवाही करते हुये राजघाट स्थित कम्पोजिट शराब की दुकान पर आकस्मिक निरीक्षण करते हुये सेल्समेन को निर्धारित मूल्य से अधिक पर शराब बेचते हुये रंगे हाथों धर दबोचा गया। जबकि दुकान के अनुज्ञापी के खिलाफ 75 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। आबकारी निरीक्षक क्षेत्र प्रथम ने प्रेस नोट जारी करते हुये बताया कि लगातार मिल रहीं

शिकायतों के क्रम में जानकारी मिली कि राजघाट स्थित कंपोजिट शराब दुकान द्वारा सुबह निर्धारित समय से पूर्व दुकान खोलकर ग्राहकों से निर्धारित मूल्य से अधिक दर (ओवर रेटिंग) पर शराब विक्रय की जा रही है। इस पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-1 ने स्वयं मौके पर सुबह पहुंच कर निरीक्षण किया। इस दौरान दुकान पर कार्यरत सेल्समैन को

■ **राजघाट कम्पोजिट शराब की दुकान का मामला**

निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर शराब बेचते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया, जोकि उत्तर प्रदेश आबकारी अधिनियम के अंतर्गत गंभीर उल्लंघन की श्रेणी में आता है। इसके अलावा अनुज्ञापी के विरुद्ध 75 हजार रुपए का अर्थदंड अधिरोपित करते हुए वित्तीय दंड की वसूली की कार्रवाई भी की गई है। आबकारी विभाग ने आम जनता से अपील की है कि यदि कहीं भी किसी प्रकार की ओवर रेटिंग, निर्धारित समय से पूर्व दुकान खोले जाने, अवैध बिक्री या किसी अन्य प्रकार की अवैध शराब संबंधी गतिविधि की जानकारी हो तो तत्काल विभाग को सूचित करें। विभाग द्वारा इस प्रकार की शिकायतों पर दृढ़ता से, तत्परता से और पारदर्शी रूप से कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

बड़े मंगल पर पुलिस ने भंडारे का अयोजन

बिलग्राम (अवधनामा संवाददाता)। ज्येष्ठ के बड़े मंगलवार के अवसर पर पुलिस ने भंडारे आयोजन किया। कार्यक्रम में श्री हनुमानजी के पूजन के उपरांत कोतवाल राकेश कुमार व भानू प्रताप सिंह ने कन्या भोज कराकर भंडारे का शुभारंभ किया।मंगलवार को कोतवाली के सामनें भंडारे का आयोजन क्या। शाम तक चले भंडारे मे बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। थानाध्यक्ष राकेश कुमार के द्वारा आयोजित धार्मिक कार्यक्रम की लोगों ने प्रशंसा की। इस अवसर पर भानू प्रताप सिंह ऐडवोकेट कौशलेन्द्र सिंह गुड्डा अभिषेक तोमार रजनेश यादव अतुल विमल विवेक अनिल समेत तमाम पुलिस स्टाफ मौजूद रहा।

भाषा विश्वविद्यालय में ओपन जिम की शुरुआत

लखनऊ (अवधनामा संवाददाता)। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में अब औपचारिक रूप से ओपन जिम की शुरुआत हो चुकी है। इस नवाचारपूर्ण पहल के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर में एक खुला व्यायाम स्थल स्थापित किया गया है, जहाँ छात्र-छात्राएँ प्रातः काल से ही नियमित रूप से योग, व्यायाम और फिटनेस गतिविधियों में भाग ले रहे हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर अजय तनेजा ने जिम स्थल का निरीक्षण करते हुए छात्रों की भागीदारी और उत्साह की भूरी-भूरी प्रशंसा की। उन्होंने कहा, स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है। यह ओपन जिम न केवल शारीरिक तंदुरुस्ती को बढ़ावा देगा, बल्कि विद्यार्थियों के समग्र विकास में भी सहायक सिद्ध होगा। कुलपति प्रो. अजय तनेजा के दूरदर्शी नेतृत्व, सक्रिय प्रयासों और प्रेरणा से ही यह ओपन जिम परियोजना साकार हो पाई है। उनके मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्रों के स्वास्थ्य व कल्याण को प्राथमिकता देते हुए इस महत्वपूर्ण सुविधा की स्थापना की है।

बालिकाओं को वाटर बॉटल्स प्रदान की गई

लखनऊ (अवधनामा संवाददाता)। रघुबर भवन सदर के संचालक अंकुर अग्रवाल जी द्वारा संस्क्रत पाठशाला कन्या इंटर कॉलेज मंगल पांडे मार्ग सदर बाजार मे ज्येष्ठ के पवित्र मास के द्वितीय मंगलवार के शुभ अवसर पर हनुमान जी महाप्रभु की असीम अनुकम्पा से लगभग 200 बालिकाओं को वाटर बॉटल्स प्रदान की गई। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष सुभाष अग्रवाल, मंत्री राजीव अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य अंकुर अग्रवाल समेत समस्त अध्यापिकाएं एवम प्रधानाचार्य जी मौजूद रहीं।

ज्येष्ठ मास के द्वितीय मंगलवार के अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन

लखनऊ (अवधनामा संवाददाता)। स्थानीय नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अलीगंज में आज ज्येष्ठ मास के द्वितीय मंगलवार के अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफ़ेसर रश्मि बिश्नोई ने वैदिक मंत्रों के बीच किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में छात्राएँ एवं अन्य भक्तगण उपस्थित रहे तथा प्रसाद ग्रहण किया।

बिजली दरों में पावर कारपोरेशन के बढ़ोतरी प्रस्ताव पर नया मोड़

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश की सभी बिजली कंपनियों ने कल विद्युत नियामक आयोग मैं अपना संशोधित वार्षिक राजस्व आवश्यकता दाखिल करते हुए बिजली कंपनियों का कुल घाटा 19600 करोड़ बताते हुए 30 फीसदी बिजली दरों में बढ़ोतरी का आकलन जारी किया इसके विरोध में उपभोक्ता परिषद ने विधिक साक्ष के आधार पर आयोग द्वारा निकाले गए रेगुलेटरी सरप्लस ब्याज को जोड़ते हुए कुल लगभग 33122 करोड़ के आवाज में प्रदेश के उपभोक्ताओं की बिजली दरों में 40 से 45 फीसदी कमी करने के लिए एक लोक महत्व जनता प्रस्ताव दाखिल किया। और पावर कारपोरेशन के संशोधित प्रस्ताव को खारिज करने की उठाई मांग कहां सभी आंकड़े मनगढ़ंत।

उपभोक्ता परिषद ने कहा नोएडा पावर कंपनी का सर प्लस निकला उपभोक्ता परिषद की मांग पर वहां पिछले तीन वर्षो से 10 फीसदी बिजली दरों में कमी चल रही है तो फिर प्रदेश की सभी बिजली कंपनियों में क्यों नहीं। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने आज विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार व सदस्य संजय कुमार सिंह से मुलाकात कर एक लोक महत्व जनता प्रस्ताव दाखिल किया उसके माध्यम से उपभोक्ता परिषद ने विद्युत नियामक आयोग के सामने यह गंभीर सवाल उठाया की विद्युत नियामक आयोग द्वारा ही रेगुलेटरी फ्रेमवर्क के तहत 3 सितंबर 2019 को जब बिजली दर का आदेश जारी किया था उसमें यह कहा था कि प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं का बिजली कंपनियों पर वर्ष 2017-18 के अंत तक 13337 करोड़ सर प्लस निकल रहा है जब तक इसकी अदायगी प्रदेश के उपभोक्ताओं को नहीं होती इस पर कैरिंग कास्ट यानी ब्याज भी जुड़ता रहेगा आज 7 से 8 वर्ष बीतने को है लेकिन उपभोक्ताओं को लाभ नहीं मिला ऐसे में 12 फीसदी ब्याज के हिसाब से इसका आकलन कर लिया जाए तो वह 33122 करोड़ से अधिक होगा ऐसे में प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं की बिजली दरों में 40 से 45 फीसदी कमी करने के लिए आयोग कार्यवाही शुरू करें। उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष ने कहा पावर कॉरपोरेशन द्वारा दाखिल संशोधित प्रस्ताव तत्काल खारिज किया जाए पूरे देश में कहीं भी बिजली उपभोक्ताओं के ऊपर जो बकाया राशि है उसको घाटे में नहीं दर्ज किया जाता लेकिन बिजली कंपनियों ने कलेक्शन एफिशिएंसी के आधार पर लगभग जो 10000 करोड़ उपभोक्ताओं से वसूली नहीं हो पा रही है।

■ **उपभोक्ताओं का बिजली कंपनियों पर निकल रहे 33122 करोड़ सर प्लस**

दुर्घटना बीमा दावे का त्वरित निस्तारण, सौंपा चेक

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। मंडल प्रमुख राजकुमार ने बताया कि खाता धारक रेलवे में पदस्थ थे और उनका खाता बैंक की पीएनबी प्लेटिनम योजना के तहत खुलवाया गया था और यह खाता उक्त ग्राहक द्वारा सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा था। 25 फरवरी को ग्राहक का दुर्घटना वश देहांत हो गया था।

हमारी शाखा के स्टाफ सदस्यों ने इस मामले पर त्वरित कार्यवाही करते हुए क्लेम की राशि परिवार जनों को सौंप कर उक्त क्लेम को निस्तारित कर दिया गया है जो हमारी और बैंक की ग्राहकों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस दौरान मृतक कर्मचारी के परिवार के सदस्यों ने पंजाब नैशनल बैंक और मंडल प्रमुख का आभार व्यक्त किया। इस दौरान मंडल प्रमुख सहित मुख्य प्रबंधक शोभित खरे, शाखा प्रबंधक चिरगांव माधुरी, स्टाफ सदस्य तथा मृतक के परिवार के सदस्य तथा समाजसेवी अरविंद कुमार वशिष्ट उपस्थित रहे।

टीएमयू पैरामेडिकल की कल्चरल इवेंट एमएलटी ओडेसी में हुनर का जलवा

अवधनामा संवाददाता

मुरादाबाद। तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद के कॉलेज ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज़ की ओर से आयोजित दो दिनी कल्चरल एंड एजुकेशन इवेंट एमएलटी ओडेसी-2025 में स्टुडेंट्स ने अपने हुनर का जलवा बिखेरा। इवेंट की थीम फ्रॉम सेल्स टु सेलिब्रेशनः ऑनरिंग साइंस एंड आर्ट टुगेदर रही। शुभारम्भ मौके पर मेडिकल कॉलेज में पैथोलॉजी की एचओडी प्रो. सीमा अवस्थी ने कहा, प्रयोगशालाएं चिकित्सा विज्ञान की रीढ़ हैं और आधुनिक विज्ञान की नींव इन्हीं प्रयोगशालाओं पर टिकी है। पीजी स्टुडेंट्स- कामरान, मोहम्मद आसिफ, सुशील, मुकुल और सोनम आदि ने रिसर्च से जुड़े पोर्स्ट्स प्रस्तुत किए। इससे पूर्व प्रो. सीमा अवस्थी ने बतौर मुख्य अतिथि, पैरामेडिकल के प्राचार्य प्रो. नवनीत कुमार, एचओडी डॉ. रूचि कांत आदि ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित करके कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। मुख्य अतिथि ने का बुके देकर स्वागत और अंत में स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। एमएलटी ओडेसी में स्टुडेंट्स ने स्टॉल, खेल, पोस्टर्स प्रजेंटेशन, सांस्कृतिक प्रोग्राम्स के जरिए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

स्पोर्ट्स प्रतियोगिता के तहत थ्रॉ बॉल में कैफ और मुजम्मिल, लूडो में मुजीब, रिहान, आलिम और शहरोज़, कॉइन ड्रॉप गेम में सुहैल और अजरुद्दीन, जबकि एक्सओ गेम स्टॉल की मेजबानी डीएमएलटी फर्स्ट ईयर के स्टुडेंट्स ने की। महाभारत पर आधारित स्किट में स्टुडेंट्स आयुष, मोइनुद्दीन, लवलीश, निष्ठा, दीपिका, भूमिका, कैफ, आदित्य, कृष्णा, विकास, यतेन्द्र, वंशिका, गायत्री, ऋद्धि आदि ने नैतिक मूल्यों को जीवंतता प्रदान की। दो दर्जन से अधिक छात्र-छात्राओं ने बॉलीवुड और पंजाबी मैसअप गीतों पर पंजाबी-राजस्थानी रीमिक्स डांस, फ्यूजन डांस, पंजाबी-हरियाणवी डांस, रीमिक्स डांस, सोलो डांस का जलवा बिखेरा।

जेठ माह के द्वितीय बड़े मंगलवार को अधिवक्ताओं ने बांटी खिचड़ी

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। जेठ माह की प्रचंड गर्मी के बीच जनपद में मानवीय संवेदना का एक सुंदर उदाहरण देखने को मिला। कचहरी परिसर में कार्यरत अधिवक्ताओं द्वारा मंगलवार को खिचड़ी वितरण का आयोजन किया गया। यह आयोजन जेठ माह के द्वितीय मंगलवार को किया गया, जिसे धार्मिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जाता है।

अधिवक्ताओं ने सामूहिक रूप से यह सेवा कार्य करते हुए राहगीरों, वादकारियों और कचहरी में उपस्थित अन्य आम जनों को गर्म खिचड़ी वितरित की। खिचड़ी वितरण कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों ने भाग लिया और इस सेवा कार्य की सराहना की। कार्यक्रम में शामिल अधिवक्ताओं ने बताया कि अत्यधिक गर्मी में लोगों को पौष्टिक व ताजे भोजन की आवश्यकता होती है, जिसे

ध्यान में रखते हुए यह आयोजन किया गया। इस अवसर पर कई वरिष्ठ अधिवक्ताओं की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। सभी ने मिलकर न केवल वितरण किया, बल्कि साफ-सफाई और अनुशासन का भी पूरा ध्यान रखा। इस पुनीत कार्य को देखकर कचहरी परिसर में उपस्थित लोगों के चेहरे पर संतोष और आभार झलक रहा था। अधिवक्ताओं की यह पहल सामाजिक समरसता और सेवा भावना का प्रेरक उदाहरण बन गई है।

वीरांगना अहिल्याबाई होल्कर की जयन्ती मनायी, बच्चों को बांटे पुरस्कार

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। पुरुषोत्तम नारायण इण्टर कॉलेज इंटर कॉलेज में पुण्यश्लोक वीरांगना अहिल्याबाई होल्करजी की 300वीं जन्म जयंती भाजपा उपाध्यक्ष किरण सेन के मुख्यातिथ्य में मनाई गई। सर्वप्रथम भाजपा उपाध्यक्ष किरण सेन, प्रधानाचार्य अजय सक्सेना ने अहिल्याबाई होल्कर के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की।

इस दौरान विद्यालय में अहिल्याबाई होल्कर के जीवन पर भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विजयी छात्रों को मुख्य अतिथि के करकमलों से स्मृति चिन्ह देकर पुरस्कृत किया गया। मौके पर भाजपा उपाध्यक्ष किरण सेन ने अहिल्याबाई होल्कर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश

■ **अहिल्याबाई महान शासिका एवं शिव भक्त रही**

डालते हुए कहा कि रानी अहिल्याबाई होलकर के नाम के आगे पुण्यश्लोक लगा है उसका अर्थ शुभ चरित्र एवं ख्याति प्राप्त होता है, इनका जीवन राष्ट्र प्रेम एवं व्यक्तिगत शौर्यता का प्रतीक रहा है। आपने जीवन पर्यंत अपनी प्रजा का पालन पोषण संतानवत किया। आप महान शासिका एवं शिव भक्त रही है। आपका जीवन सम्पूर्ण महिला जाति के लिए प्रेरणा स्रोत है। अंत में प्रधानाचार्य ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर शिक्षक हरिशंकर प्रसाद तिवारी, इंद्रमणि यादव, आशीष वर्मा, विवेक त्रिपाठी, शैलेन्द्र जैन, विवेक कुमार, इंद्रजीत, विकास जायसवाल, बलराम मिश्रा, छत्रपाल यादव, कला शिक्षक जितेन्द्र, अनिल राठौर, अनुज हुण्डैत, अंशुवाला तिवारी, साक्षी जैन, ऋतु बिलगैंया, राजेंद्र रजक, देवेंद्र रजक, सौरभ शिवहरे, कृष्णकांत रजक, बृजेश, इकबाल, अभिषेक, सुधीर व महेंद्र उपास्थित रहे।

अवधनामा

लखनऊ, बुधवार, 21 मई, 2025

विधायक को अस्पताल गेट पर जड़ा मिला ताला

- 200 से अधिक ओपीडी वाले अस्पताल में स्टाफ की कमी के चलते महिनों से नहीं हुई डिलेवरी

अवधनामा संवाददाता

महोबा। जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को पटरी पर लाने के लिए चरखारी विधायक के चल रहे औचक निरीक्षण के क्रम में मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खरेला का औचक निरीक्षण के लिए विधायक सीएचसी खरेला पहुंचे, जहां पर उन्हे अस्पताल के गेट पर ताला जड़ा मिला। निरीक्षण के दौरान पूरे अस्पताल में एक भी मरीज दूर दूर तक नजर नहीं आया अलबत्ता चारों तरफ खामियां ही खामियां दिखाई दी और इलाज से लेकर सुविधाओं के मामले में केवल काम चलाऊ नीति ही दिखाई दी।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के बाद शासन द्वारा विशाल भवन तैयार करते हुए सीएचसी का दर्जा मिलने के बाद सीएचसी की दशा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र से भी बददतर है और इन को देख चरखारी विधायक डॉण् बृजभूषण राजपूत केवल समस्याएं ही सुनते दिखाई दिए। चरखारी विधायक मंगलवार को सुबह सात बजे ही सीएचसी खरेला पहुंच गए जहां विधायक चरखारी का कफिला देख फार्मासिस्ट अरविन्द पटेल अस्पताल पहुंचे और जब विधायक ने अस्पताल के निरीक्षण कराने के लिए कहा तो फार्मासिस्ट ने ही ताला खोला। सीएचसी के अन्दर पहुंचते ही चारों तरफ ताले और सन्नाटा पसरा दिखाई दिया। महिला विंग में ओटी से लेकर वार्ड रूमों में धूल जमी मिली। कारण सीएचसी में डिलेवरी के लिए एक मात्र स्टाफ नर्स की तैनाती बताई गयी। स्टाफ नर्स धर्मवती भी मौके पर नहीं मिलीं। दो अन्य स्टाफ नर्स की भी तैनाती है लेकिन चरखारी और खरेला सीएचसी के चिकित्साधिकारियों की मिलीभगत से उनका सम्बद्धीकरण चरखारी में मिला। निरीक्षण की सूचना पाते ही दौड़ते हांफते चिकित्साधीक डॉण् राजेश वर्मा पहुंचे और अस्पताल की दुर्दशा खुद ही बयान करते नजर आए। अभी हाल में तैनात हुए एक बीएएमएस डॉण् संतराम भी मौके पर नहीं मिले। अधीक्षक के रूप में कार्यरत रहे डॉण् सुनील सचान का एटेचमेंट भी जिला चिकित्सालय में दर्ज मिला। एएनएम दिलनशीं की तैनाती खरेला में है लेकिन महोबा से अपडाउन करने के कारण निरीक्षण के दौरान गायब मिलीं। दो फार्मासिस्ट तैनात हैं जिसमें एक ही फार्मासिस्ट मौजूद मिला। दो स्टाफ नर्स तैनात थीं जिसका लाभ महिलाओं के प्रसव में मिलता था लेकिन दोनों ही स्टाफ नर्सो का सम्बद्धीकरण चरखारी में होने के कारण महिला विंग धूल से पटा मिला। दस माह से दो लेब टेक्नीशियन तैनात हैं लेकिन निरीक्षण के दौरान टेक्नीशियन भी नही मिले, अस्पताल में पेयजल संबंधी जानकारी लेने पर पता चला कि अस्पताल में हैण्ड पम्प तो हैं लेकिन सभी का पानी खारा है। मरीज बाहर से पानी खरीदकर ही प्यास बुझाते हैं। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी तैनात तो हैं लेकिन अधिकांश नदारत ही रहते हैं।

आखिर कहां हैं 10 माह से तैनात दो लेब टेक्नीशियन

स्वास्थ्य विभाग द्वारा खरेला सीएचसी में दो लेब टेक्निशियन 10 माह से तैनात है, लेकिन कस्बे के लोगों को टेक्नीशियन के आज तक दर्शन नही हुए, जबकि उपस्थिति रजिस्टर में प्रत्येक दिन के हस्ताक्षर दर्ज है। टेक्नीशियन के उपस्थित न होने पर इनके कौन हस्ताक्षर कर रहा है। इसका जवाब विभाग के पास नहीं है। अस्पताल में आधा दर्जन चतुर्थ श्रेणी कर्मी के साथ चौकीदार भी कार्यरत है लेकिन विधायक के निरीक्षण के दौरान अस्पताल के गेट का ताला खोलकर निरीक्षण कराना विभाग की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लगाते हैं।

स्कूल बस और पिकअप की आमने-सामने भिड़ंत हुई

अवधनामा संवाददाता

उन्नाव। सफीपुर कोतवाली के परियर चौकी क्षेत्र में एक बार फिर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला है। यहां एक तेज रफ्तार पिकअप और स्कूली बस से आमने- सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में तीन स्कूली बच्चों को मामूली चोट आई है।कानपुर के रसूलाबाद निवासी पिकअप चालक ध्रुरु गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें आस पास के लोगो के द्वारा इलाज के लिए नजदीकी अस्लतल में भर्ती कराया गया है।हादसा सफीपुर कोतवाली के परियर चौकी के पास परियर बिठूर पुल पर हुआ है।जहां सोमवार दोपहर को स्कॉलर मिशन स्कूल बस बच्चों को लेकर स्कूल से बच्चो के घर छोड़ने जा रही थी। तभी तेज रफ्तार पिकअप ने स्कूली बस में सामने से जोरदार टक्कर मार दी। स्कूली बस को टक्कर मारने के बाद अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गई। वहीं हादसे के चलते पुल पर जाम भी लगने लगा। पुलिस ने हादसाग्रस्त दोनों वाहनों को पुल से हटवाकर यातायात बहाल कराया।

आपरेशन लंगड़ाः मुठभेड़ में चार स्नेचर गिरफ्तार, दो को लगी गोली

अवधनामा संवाददाता

उन्नाव। थाना दही क्षेत्रांतर्गत चैन स्नेचिंग की घटना घटित हुई थी, जिसके संदर्भ में थाना दही पर प्राप्त तहरीर के आधार पर मु0अ0सं0 123/25 धारा 309(4) बीएनएस पंजीकृत किया गया था। पुलिस टीम का गठन कर घटना के शीघ्र अनावरण के प्रयास किये जा रहे थे। 19 मई को थाना दही पुलिस, थाना कोतवाली सदर पुलिस, स्वाट एवं सर्विलांस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर करोवन-सिकंदरपुर सरोसी रोड पर कुंदन सिंह के बाग के पास उपरोक्त अभियोग से संबन्धित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चेकिंग की जा रही थी, तभी सिकंदपुर सरोसी की ओर से आ रहे दो मोटरसाइकिल पर सवार चार व्यक्तियों को रोकने का प्रयास किया गया, जिसपर दोनों मोटरसाइकिल पर सवार बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायर कर दिया। जवाबी फायरिंग में

अभियुक्त राजेन्द्र प्रसाद पुत्र स्व0 तिलक नि0 गड्डीपुरवा थाना निजामाबाद जनपद आजमगढ़ हालपता भरतपुरी थाना तालकटोरा जनपद लखनऊ, श्रीकांत तिवारी उर्फ टीटू पुत्र राम शंकर तिवारी नि0 जुराखन खेड़ा थाना कोतवाली सदर जनपद उन्नाव के पैर मे गोली लगी एवं नितिन पुत्र छुन्नालाल नि0 लोकनगर थाना कोतवाली सदर जनपद उन्नाव अमन पुत्र स्व0 अमर सिंह नि0 लोकइयाखेड़ा थाना कोतवाली सदर जनपद उन्नाव को मौके से पुलिस हिरासत मे लिया गया है। दोनों घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया है। मौके से दो अदद अवैध तमंचे 315 बोर मय दो अदद खोखा कारतूस 315 बोर, लूटी गई चौन के दो टुकड़े व घटना मे प्रयुक्त मोटरसाइकिल पल्सर व स्पलेन्डर बरामद की गई है, आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

जिलाधिकारी ने चंद्रावल नदी के पुनरुद्धार कार्य का किया शुभारंभ

अवधनामा संवाददाता

- वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजन के बाद शुरू कराया नदी की सिल्ट सफाई का कार्य

महोबा। जिले में जल संचयन अभियान को नई दिशा मिली है। जिलाधिकारी गज़ल भारद्वाज ने कबरई विकासखंड के चांदो ग्राम में चंद्रावल नदी के पुनरुद्धार कार्य का शुभारंभ किया। वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजन के बाद उन्होंने नदी की खुदाई और सिल्ट सफाई कार्य का उद्घाटन किया। चांदो गांव चंद्रावल नदी का उद्गम स्थल है। यह कार्य कैच द रेन योजना के तहत जल संचयन अभियान का हिस्सा है। जिले की आठ लुप्त नदियों को पुनर्जीवित करने की योजना में यह पहला कदम है। इस पुनरुद्धार से क्षेत्र में पेयजल संकट कम होगा। किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त जल मिलेगा। जिले के छह गांवों में नदी की खुदाई, सिल्ट सफाई और वृक्षारोपण का कार्य शुरू हुआ है। उपजिलाधिकारी, खंड विकास अधिकारी और अन्य विभागीय अधिकारी इसकी निगरानी कर रहे हैं। तालाब, कुएं, बावड़ियां और अन्य ऐतिहासिक जलस्त्रोतों की सफाई का काम भी चल रहा है। जिलाधिकारी ने खेतों, तालाबों और चकरोड़ो पर अतिक्रमण हटाने के लिए ग्राम स्तरीय निगरानी समितियां बनाई गई हैं। प्रशासनिक टीमें इन कार्यो की निगरानी करेंगी। जिलाधिकारी का कहना है कि यह पहल जल संकट से निपटने और पर्यावरण संरक्षण में महोबा को नई दिशा देगी। जिले में जल संरक्षण को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ रही है। यह अभियान एक मॉडल के रूप में उभर सकता है।

पुलिस अधीक्षक ने बीट प्रणाली की समीक्षा की

महोबा। पुलिस अधीक्षक प्रबल प्रताप सिंह ने जिले में अपराध की रोकथाम एवं जनसुरक्षा को बेहतर बनाने के उद्देश्य से पुलिस कार्यालय में बीट प्रणाली की समीक्षा की। बैठक में जनपद के प्रत्येक थाने से एक.एक महिला बीट पुलिस अधिकारी को आमंत्रित कर उनकी बीट बुक का अवलोकन एवं निरीक्षण किया गया। पुलिस अधीक्षक ने महिला बीट पुलिस अधिकारियों को बीट प्रणाली की जानकारी प्रदान करते हुए निर्देशित किया कि वे नियमित रूप से अपने.अपने बीट क्षेत्रों में भ्रमण करें एवं बीट बुक को अद्यतन एवं सुव्यवस्थित रखें। उन्होंने यह भी कहा कि महिला बीट पुलिसकर्मी अपने क्षेत्र में सतत् सक्रियता बनाए रखें एवं अपने.अपने बीट क्षेत्र में महिलाओं से संवाद स्थापित कर महिला सम्बन्धित शिकायती सूचनाओं का समय से संकलन करें, जिससे महिला सम्बन्धी अपराधों में कमी लायी जा सके तथा सभी प्रविष्टियों को पूर्ण, प्रामाणिक एवं पारदर्शी ढंग से दर्ज करें। पुलिस अधीक्षक ने इस दौरान बीट बुक चेक करते हुए पुलिस की प्राथमिकता पर बल देते हुए कहा कि ऐसी उत्तरदायी कार्यशैली से पुलिस और जनमानस के बीच विश्वास की डोर और अधिक मजबूत होगी, जिससे अपराध नियंत्रण में सहायता मिलेगी एवं कानून व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सकेगा।

फहीम अहमद को किया गया सम्मानित

अवधनामा संवाददाता

संभल। हिंदी साहित्य के प्रतिष्ठित रचनाकार एवं एमजीएम कॉलेज के हिंदी विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. फहीम अहमद को हिंदुस्तानी भाषा अकादमी, दिल्ली द्वारा 'हिंदुस्तानी काव्य प्रतिभा सम्मान' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें दोहा विधा में उनके विशिष्ट योगदान के लिए दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रदान किया गया।राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित इस समारोह में देश के विभिन्न राज्यों से चुने गए 51 उत्कृष्ट दोहाकारों को यह सम्मान दिया गया। इस अवसर पर उनके चयनित दोहों का संकलन 'नावक के तीर' शीर्षक से विमोचित भी किया गया, जिसमें डॉ. फहीम की सशक्त रचनाओं को प्रमुख स्थान मिला।हिंदी और उर्दू में समान रूप से रचनारत डॉ. फहीम अहमद हिंदी साहित्य के सक्रिय और बहुआयामी रचनाकार हैं। अब तक उनकी तीन पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। उनकी कविताएं, दोहे एवं अन्य रचनाएं देश भर की प्रमुख पत्र-पत्रिकाओं में निरंतर प्रकाशित होती रही हैं। उनके साहित्यिक अवदान पर आधारित तीन लघु शोध प्रबंध विभिन्न विश्वविद्यालयों में प्रस्तुत किए जा चुके हैं तथा एक शोध छात्र उनके साहित्यिक योगदान पर पीएचडी कर रहा है।कई शोध व संदर्भ ग्रंथों में उनके योगदान को विशेष रूप से रेखांकित किया गया है।इससे पूर्व भी डॉ. फहीम को उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान द्वारा 'सूर सम्मान', दिल्ली से राष्ट्रीय युवा कवि अवॉर्ड, लखनऊ से छत्रछाया बाल साहित्य सम्मान, तथा बलिया सहित देश की अनेक साहित्यिक संस्थाओं द्वारा विशिष्ट रचना सम्मान से नवाजा जा चुका है।

पुलिस अधीक्षक ने फोर्स के साथ शहर में पैदल गशत किया

संभल। इलाहाबाद हाईकोर्ट मे मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज होने के बाद संभल मे शाही जामा मस्जिद समेत शहर में चौकसी बढा दी गयी है पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने शहर में भारी फोर्स के साथ पैदल गशत किया और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने कहा है कि शहर का माहौल खराब करने का प्रयास करने वालो से सख्ती के साथ निपटा जायेगा इस लिए माहौल खराब न करे शाही जामा मस्जिद के आसपास भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है शहर मे पीएसी और आर आर एफ की कंपनी तैनात है गैरतलब है कि संभल मे ऐतिहासिक शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान 24 नवंबर को हिंसा हो गयी थी जिसमें पांच युवको की मौत हो गयी थी जबकि पुलिस कर्मियों समेत अन्य लोग घायल हुए थे। सोमवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट मे मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज हो ने के बाद पुलिस प्रशासन ने संभल मे लोगो से शांति बनाए रखने की अपील की है और शहर में चौकसी बरती जा रही है फिलहाल संभल मे शांति व्यवस्था कायम है और रोजमर्रा की तरह लोग अपने अपने कारोबार मे मसरूफ़ रहे।

संक्षिप्त समाचार

युवक ने खाया जहरीला पदार्थ, मौत

उन्नाव, अवधनामा संवाददाता। सफीपुर कोतवाली के परियर चौकी क्षेत्र के करवासा गांव मे वासदेव पुत्र सोनेलाल (32) वर्ष रविवार रात्रि मे लगभग 10 बजे किसी बात को लेकर जहरीला पदार्थ निगल लिया परिजन तुरंत अस्पताल ले जा रहे थे।तभी रास्ते मे ही मौत हो गई परिजनों ने सोमवार सुबह स्थानीय परियर चौकी को सूचना दी गई जिस पर चौकी इंचार्ज अनिल कुमार राजपूत ने शव को कब्जे मे लेकर पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक विवाहित था उसके तीन बच्चे आयुष 10 वर्ष, अंशुल 7 वर्ष,अंश 4 वर्ष है। मृतक की पत्नी गीता पति की मौत का समाचार सुनकर बेहाल हो गई।

दौड़ प्रतियोगिता का सदर विधायक ने किया शुभारंभ

उन्नाव, अवधनामा संवाददाता। भाजपा पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के आह्वान पर अहिल्याबाई होल्कर के 300वीं जयंती के अवसर पर पार्टी द्वारा मनाये जा रहे पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी स्मृति अभियान में सदर विधायक पंकज गुप्ता को उन्नाव जनपद का नोडल प्रभारी बनाया गया। इस उपलक्ष्य में सभी विद्यालयों में आयोजित कार्यक्रम का निरीक्षण करने के दौरान पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, मोती नगर में चल रहे कार्यक्रम में सम्मिलित होने के दौरान हरी झंडी दिखाकर दौड़ प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए। इस दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक एस. पी. सिंह जी, प्रिंसिपल मधु यादव जी, दिलीप भदौरिया उपस्थित रहे।

थानो में की गयी पेयजल की व्यवस्था

संभल, अवधनामा संवाददाता। पुलिस अधीक्षक श्री कृष्ण कुमार अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिण अनुकृति शर्मा के निर्देशानुसार जनपद के दक्षिण जोन के समस्त थानों में शीतल पेय जल व जीव जन्तुओ के लिए दाना पानी की व्यवस्था की गयी जिससे भीषण गर्मी में थानो में आगंतुकों के लिए पेयजल उपलब्ध रहे और जीव जन्तुओ को भी दान पानी मिला जाये।

मृत पेंशन भोगियों की सूचना नहीं दी, सौ से अधिक ने लगाया चूना

मथुरा,अवधनामा संवाददाता। जनपद में बड़ी संख्या में पेंशनरों/ पारिवारिक पेंशनरों के परिजनों द्वारा कोषागार को मृत्यु होने की सूचना न देकर खाते से धनराशि निकलने के एक सैकड़ा से अधिक प्रकरण जांच में आये है अब ट्रेजरी अधिकारी तहसील से रिकवरी जारी कर वसूली की तैयारी कर रहे है। वरिष्ठ कोषाधिकारी मुन्ना लाल शुक्ल ने बताया कि वर्ष में एक बार पेंशनरों/ पारिवारिक पेंशनरों द्वारा जीवित प्रमाण पत्र कोषागार में प्रेषित किया जाता है जो एक वर्ष के लिए वैद्य रहता है। इस दौरान कोषागार द्वारा निरन्तर एक वर्ष तक पेंशन प्रेषित की जाती रहती है। इस बीच किसी पेंशनर /पारिवारिक पेंशनर की मृत्यु हो जाती है तो नियमानुसार परिवारी जनों द्वारा मृत्यु की सूचना तत्काल कोषागार को प्रेषित की जाना चाहिए किन्तु कतिपय प्रकरणों में परिजनों द्वारा कोषागार को सूचना समय से प्रेषित नहीं की जाती है जिससे अतिरिक्त पेंशन का भुगतान मृतक पेंशनर / पारिवारिक पेंशनरों के खातों में हो जाता है जिससे वसूली की कार्यवाही कोषागार द्वारा की जाती है।

जमीन पर बैठकर समस्याएं सुनने के लिए एसडीओ को किया बाध्य

- प्रदेश उपाध्यक्ष के नेतृत्व में किसान नेताओं ने तालग्राम पावर हाउस का घेराव कर किया धरना प्रदर्शन
- उपभोक्ताओं ने की धन उगाही कर मनमानी करने की शिकायत
- एसडीओ ने मीटर रीडर को सस्पेंड करने के लिए की कार्यवाही

अवधनामा संवाददाता

गुरसहायगंज, कन्नौज। विद्युत उपखंड तालग्राम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की शिकायत पर धरना प्रदर्शन के दौरान मौके पर पहुंचे एसडीओ पंकज चौधरी को जमीन पर बैठकर समस्याएं सुनने पर किसान नेताओं ने मजबूर कर दिया। शिकायत मिलने पर एसडीओ ने कर्मचारी सुनील के विरुद्ध कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है। सैकड़ो किसानों ने धरना प्रदर्शन के दौरान हंगामा काटा एवं अधिकारियों के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की।

मंगलवार को भाकियू टिकैत प्रदेश उपाध्यक्ष शमीम सिद्दीकी के नेतृत्व में तालग्राम पावर हाउस पहुंचे सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा काटा। नारेबाजी के उपरांत धरना प्रदर्शन पर बैठ गए किसानों का हंगामा देखकर पावर हाउस के अधिकारी एवं कर्मचारी अपना कार्यालय छोड़कर मौके से खिसक लिए। सूचना पर पहुंचे उपखंड अधिकारी पंकज गौतम को भी किसान नेताओं ने जमीन पर बैठकर समस्या सुनने के लिए बाध्य कर दिया। समस्या सुनने के दौरान तमाम उपभोक्ताओं मीटर रीडर सुनील कुमार एवं कुलदीप द्वारा क्षेत्र में किसानों से अवैध वसूली करने सहित तमाम शिकायत की है। धरना प्रदर्शन में प्रदेश उपाध्यक्ष शमीम सिद्दीकी ने कहा कि पीड़ित किसानों के द्वारा बताया गया कि उपखंड तालग्राम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा विद्युत समस्याओं के निस्तारण में लगातार लापरवाही वरती जा रही है। कर्मचारियों द्वारा अवैध वसूली उपभोक्ताओं से की जा रही है। किसानों को बेवजह परेशान किया जा रहा है। अघोषित कटौती के कारण ग्रामीण अंचलों में फसलों की सिंचाई के लिए विकट समस्या है। किसानों की फसलें सूख रही हैं। विद्युत आपूर्ति सुचारू रूप से नहीं दी जा रही है। ऐसी ही तमाम समस्याओं को लेकर धरना प्रदर्शन शुरू किया गया है। उन्होंने कर्मचारियों सुनील एवं कुलदीप द्वारा अवैध वसूली को लेकर अधिकारियों से मांग करते हुए कहा कि इन्हें तत्काल प्रभाव से बर्खास्त किया जाए। समस्याओं को अभिलंब निस्तारित किया जाए अन्यथा भाकियू अभी तो धरना प्रदर्शन कर रही है बाद में आंदोलन भी करेगी। जिस पर एसडीओ पंकज गौतम ने सभी प्रकार की समस्याओं का निस्तारण एवं सुनील के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही का वादा किया है। इस मौके पर जिलाध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष कुसुम चौहान, इरशाद अली, सत्यम प्रजापति, डॉ. साजिद हुसैन, अनूप प्रजापति, आमिर खान, अनवर खान, मसरूल खान, फक्रे आलम, डब्लू ठाकुर, सुरेश यादव, अनुज, असगर खान, सियाराम, कुशल पाल सिंह, राजीव कुमार, कौशल कुमार, आजम इरशाद, जीशान खान, प्रमोद तिवारी, श्रीकांत शुक्ला सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

स्वास्थ्य विभाग के लचर रवैये के चलते पनप रहे निजी हॉस्पिटल

- जय जवान जय किसान लोकशक्ति संगठन ने निजी अस्पतालों के जॉच की उठाई मांग

अवधनामा संवाददाता

गुरसहायगंज, कन्नौज। स्वास्थ्य विभाग की अनदेखी के चलते नगर सहित जनपद में तमाम निजी हॉस्पिटल कागजों में मान्यता प्राप्त चिकित्सक की डिग्री के सहारे चल रहे हैं। जबकि इमर्जेंसी में उनकी जगह फर्जी डिग्रीधारक झोलाछाप चिकित्सक मरीजों की जान और उनके धन से खेल रहे हैं। बताते चलें कि जनपद सहित क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग द्वारा निजी हॉस्पिटलों की नियमित अथवा औचक जॉच न करनें के कारण प्रतिदिन किसी न किसी निजी हॉस्पिटल में फर्जी डिग्रीधारक चिकित्सकों की लापरबाही और अज्ञानता के चलते मरीजों को जान माल से हांथ धोना पडता है। भोले भाले लोग अपने परिजनों के बेहतर इलाज के लिये निजी हॉस्पिटलों की ओर रूख करते हैं। जहां फर्जी डिग्री धारक चिकित्सक व अस्पताल प्रबन्धन द्वारा छोटी मोटी बीमारियों के इलाज के नाम पर हजारों-लाखों रुपये बसूलते हैं। वहीं दूसरी ओर सरकारी अस्पतालों में बेहतर सुबिधाये न होने के कारण लोगों को निजी हॉस्पिटलों के जाल में फंसकर मोटी रकम अदा करनी पडती है। उधर नगर जीटीरोड स्थित प्रतिष्ठान कार्यालय पर जय जवान जय किसान लोकशक्ति संगठन युवा प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा ने कहा कि यदि जिला स्वास्थ्य विभाग प्राइवेट हॉस्पिटलों के औचक निरीक्षण के प्रति पहले से सचेत होता तो छिबरामऊ जैसी दुखद घटना नहीं होती।

आवारा सांड से टकराकर बाइक सवार युवक की मौत

अवधनामा संवाददाता

उन्नाव। सफीपुर कोतवाली के परियर-चकलवंशी सड़क पर बरीखेड़ा गांव के सामने बाइक सवार सांड से टक्करा गया जिससे उसकी मौत हो गई। रविवार रात करीब 10 बजे अनुज पुत्र उदय चंद्र निवासी बुलंदपुर विधनू थाना मांखी उम्र 21 वर्ष अपने भतीजे अतीक पुत्र सुल्ताना निवासी उपरोक्त के साथ अपनी मोटरसाइकिल से चकलवंशी से अपने घर की तरफ आ रहे थे। रास्ते में बरीखेड़ा के पास अचानक रोड पर सांड आ जाने से आमने सामने टक्कर हो गई जिससे दोनों घायलो को सफीपुर अस्पताल भेजा गया। जहां डॉक्टर ने अनुज को मृत घोषित कर दिया तथा अतीक को जिला अस्पताल रेफर किया गया। पुलिस ने अनुज का पंचायत नामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मथुरा में दोहरे हत्याकांड से आक्रोश

अवधनामा संवाददाता

- पुलिस की भारी मशक्कत से 36 घंटे बाद हो सका अंतिम संस्कार

मथुरा। दो सगे भाइयों की हत्या के बाद मंगलवार सुबह पिता ने अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया। पिता का कहना था कि पहले हत्यारे गिरफ्तार किया जाए, इसके बाद ही वह दोनों बेटों का अंतिम संस्कार कराएंगे। सूचना पर पुलिस विभाग में खलबली मच गई।कई थाना पुलिस के साथ सीओ रिफाइनरी मौके पर पहुंची। एक घंटे हुई बैठक के बाद पुलिस ने चार दिन में आरोपितों को गिरफ्तार करने का आश्वासन लेकर परिजन को मनाया। पिता ने चेतावनी देते हुए कहा कि हत्यारे गिरफ्तार नहीं हुई तो सात दिन बाद पूरा बंजारा समाज जिलाधिकारी कार्यालय पर धरना शुरू करेगा। आश्वासन के बाद परिवारीजन ने अंतिम संस्कार करने की तैयारी शुरू की,पुलिस ने परिवारजनों को भरोसा दिलाया तब जाकर मंगलवार दोपहर को एक बजे दोनों का अंतिम संस्कार किया गया। फरह थाना क्षेत्र के गांव पीलुआ में बंजारे का नगला में बचन सिंह उर्फ बच्चू के तीन बेटे साहब सिंह, तिलक सिंह और विनोद सिंह थे। तिलक सिंह ने गोवर्धन के पंचमुखी गांव में अपना मकान बनवा लिया। पिता बचन सिंह गोवर्धन में तिलक के परिवार के साथ रहते हैं। गांव के मकान में साहब सिंह और विनोद परिवार के साथ रहते थे। रविवार शाम को तिलक सिंह गांव में घूमने आए थे। पिता का आरोप है कि रात आठ बजे मकान में बिजली नहीं आने को लेकर तिलक सिंह ने प्रधान को फोन किया था। उनसे कहासुनी हो गई, जो गाली-गलौच में बदल गई।

आरोप है कि प्रधान तारा चंद बघेल ने गांव के दबंग राजू, संजू, विष्णु और पिलकू से कह दिया कि तिलक सिंह उनको भी गालियां दे रहा है। इसके बाद सभी बाइकों से हमला बोलने के लिए आ गए। इसकी जानकारी होने पर तिलक सिंह और विनोद गांव से भागने लगे। आरोपितों ने बेरी से ओल जाने वाले मार्ग पर धर्मपुर नहर के समीप दोनों को पकड़ लिया और उनकी लाठी-डंडों व सरिया से पीट-पीटकर मरणासन्न हालत में छोड़कर फरार हो गए। रात साढ़े 11 बजे पुलिस ने उनको सूचना दी कि सड़क हादसे में उनके बेटे घायल हो गए हैं। इसके बाद मौके पर पहुंचे तो दोनों बेटे लहूलुहान हालत में पड़े मिले।दोनों को अस्पताल लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने तिलक सिंह को मृत घोषित कर दिया, वहीं विनोद कोमा में चले गए। सोमवार दोपहर एक बजे विनोद की भी मृत्यु हो गई। पिता का आरोप है कि आरोपितों ने उनके दोनों बेटों की पीट-पीटकर हत्या कर दी। पिता के प्रार्थना पत्र पर पुलिस ने पांच नामजद व अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज करके आरोपितों की तलाश शुरू कर दी।? वहीं मेडिकल बोर्ड व वीडियो ग्राफी पैनल से दोनों भाइयों के शव का पोस्टमार्टम कराकर स्वजन के सिपुर्द कर दिया। मंगलवार सुबह पिता ने हथियारों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए शब्दों का अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया। पिता ने कहा कि जब तक पुलिस आरोपितों को गिरफ्तार नहीं करेगी, वह बेटों की चिता पर आग नहीं लगने देंगे। सूचना पर हाईवे, रिफाइनरी, फरह समेत कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने बैठक करके पिता को काफी समझाया, लेकिन वह मांग पर अड़े रहे।

सफाई कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

- कर्मचारियों की मांगों को लेकर डिप्टी कलेक्टर का दिया ज्ञापन

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश सफाई मजदूर एकता मंच के तत्वावधान में सफाई कर्मचारियों ने सफाई कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर जिला मुख्यालय पर पहुंचकर जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। जहां पर सफाई कर्मचारियों की मांगों को लेकर डिप्टी कलेक्टर कंचन गुप्ता को संघ के पदाधिकारियों ने ज्ञापन दिया। मंगलवार को उत्तर प्रदेश मजदूर एकता मंच के अध्यक्ष प्रीतम सिंह के नेतृत्व में सफाई कर्मचारियों ने डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन किया। अजय चौधरी ने बताया कि नगर निगम वर्कर बहुत कठिन परिस्थितियों में अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं। जिनकी शासन प्रशासन को कोई चिंता नहीं है। उत्तम चंद सहजना ने कहा कि नाला, नाली,की सफाई धुलाई , कूड़ा कचड़ा संकलित करने व उसे भरने के काम में लगे कामगारों को कोई सुरक्षा किट तो दूर की बात है साधारण ग्लब्स, मास्क तक उपलब्ध नहीं कराये जाते हैं। वरिष्ठ उपाध्यक्ष ज्ञानचंद्र जौनी ने कहा कि सीवर सफाई में आज आधुनिक मशीनों के दौर में भी कर्मियों से काम लिया जाता है। संविदा और आउट सोर्सिंग में कार्यरत कर्मचारियों का न ही कोई स्वास्थ्य बीमा है और न ही जीवन बीमा। कर्मचारियों के सेवा निवृत्त होने या आकस्मिक मृत्यु की दशा में उनके आश्रितों को उनके भुगतान प्राप्त करने के लिए वर्षो चक्कर लगाने पड़ते हैं। आउट सोर्सिंग कर्मचारियों केसाथ सौतेला व्यवहार ऐजेंसियां करती हैं। ज्ञापन देने वालों में मंत्री प्रेमचंद्र, नरेश सिंह, अजय चौधरी, हरी पाल, मुकेश पाल, नरेन्द्र सिंह, ताराचंद खरे, पंकज कुमार, विरेंद्र, बाबूलाल आदि थे।

डच लेडीज ओपन में दीक्षा संयुक्त नौवें, हिताषी संयुक्त 12वें स्थान पर

नई दिल्ली। शुरुआती दो दौर में 71 और 70 का स्कोर बनाने वाली दीक्षा का कुल स्कोर चार अंडर 212 रहा। अन्य भारतीयों में युवा हिताषी बक्शी (71, 73 और 69) संयुक्त रूप से 12वें जबकि अवनी प्रशांत (77, 70 और 67) संयुक्त रूप से 19वें स्थान पर रहीं।

भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर अंतिम दौर में 71 के स्कोर से लेडीज यूरोपीय टूर के डच लेडीज ओपन टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से नौवें स्थान पर रहीं। शुरुआती दो दौर में 71 और 70 का स्कोर बनाने वाली दीक्षा का कुल स्कोर चार अंडर 212 रहा। अन्य भारतीयों में युवा हिताषी बक्शी (71, 73 और 69) संयुक्त रूप से 12वें जबकि अवनी प्रशांत (77, 70 और 67) संयुक्त रूप से 19वें स्थान पर रहीं। इंग्लैंड की मिमी रोड्स ने दो शॉट की बढ़त के साथ लेडीज यूरोपीय टूर पर अपना तीसरा खिताब जीता। इससे पहले त्वेसा मलिक (74 और 75) कट से चूक गई थी जबकि प्रणवी उर्स ने चिकित्सा कारणों से पहले दौर के बाद हटने का फैसला किया।

घोरपड़े-चितले प्री-क्वार्टर फाइनल में, सुतिर्था अयहिका टेबल टेनिस विश्व चैंपियनशिप से बाहर

शाह के लिए यह निराशाजनक दिन रहा

दोहा। सुतिर्था और अयहिका की 14वीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी को एनेट कॉफमैन और जियाओना शान की निचली रैंकिंग वाली जर्मन जोड़ी से सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा।

यशस्विनी घोरपड़े और दीया चितले की भारतीय महिला युगल जोड़ी सोमवार को यहां विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई, लेकिन उनकी हमवतन सुतिर्था मुखर्जी और अयहिका मुखर्जी हारकर बाहर हो गईं। चिताले और घोरपड़े ने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए सिंगापुर की जोड़ी जेग जियान और सेर लिन कियान को अंतिम 32 दौर के मुकाबले में 6-11, 11-6, 11-6, 11-9 से हराया।

सुतिर्था और अयहिका की 14वीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी को एनेट

कॉफमैन और जियाओना शान की निचली रैंकिंग वाली जर्मन जोड़ी से सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा। उन्हें सिर्फ 23 मिनट में 1-11, 11-13, 7-11 से शिकस्त मिली। चिताले और मानुष शाह की हार के साथ ही भारत का मिश्रित युगल अभियान भी समाप्त हो गया।

भारतीय जोड़ी को ओह जुनसुंग और किम नायोंग की कोरिया की जोड़ी से 0-3 (8-11, 9-11, 2-11) से हार का सामना करना पड़ा।

शाह के लिए यह निराशाजनक दिन रहा, जिन्होंने हार की हैट्रिक झेली। मिश्रित युगल में हार के बाद, उन्हें पुरुष एकल और पुरुष युगल स्पर्धा में भी शिकस्त मिली।

ह्वशाह को फ्रांस के छठी वरीयता प्राप्त फेलिक्स लेब्रन से पुरुष एकल के दूसरे दूसरे दौर में 0-4 (5-11, 6-11, 6-11, 9-11) से हार का सामना करना पड़ा। शाह और मानव ठक्कर की आठवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी बेनेडिक्ट डूडा और डांग किउ की गैरवरीय जर्मन जोड़ी से 5-11, 9-11, 11-8, 5-11 से हार गई।

लखनऊ समेत 5 टीमें प्लेऑफ की दौड़ से बाहर

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 अब दिलचस्प मोड़ तक पहुंच चुका है। प्लेऑफ के लिए जंग दिलचस्प हो चली है। अब तक तीन टीमों ने प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया है, जबकि पांच टीमें प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी हैं। सोमवार को लखनऊ सुपर जाएंट्स भी सनराइजर्स हैदराबाद से हारकर इस दौड़ से बाहर हो गई। अब सिर्फ दो टीमों के बीच चौथे स्थान के लिए टक्कर है। ये दो टीमें हैं मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स। अब मुंबई और दिल्ली के बीच 21 मई को होने वाला मुकाबला वर्चुअल नॉकआउट होगा। अगर इस मैच में दिल्ली की टीम हारी तो प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो जाएगी। उनके लिए जीत ही एकमात्र विकल्प होगा। इससे पहले रविवार को डबल हेडर ने तीन टीमों के लिए प्लेऑफ का रास्ता साफ कर दिया। गुजरात टाइटंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स ने प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर लिया है। हालांकि, प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करने वाली टीमों का फिलहाल पायदान तय नहीं है और यह आगे के कुछ मुकाबलों के बाद तय हो जाएगा। वहीं, प्लेऑफ की रेस से बाहर होने वाली टीमों में लखनऊ के अलावा राजस्थान रॉयल्स, चेन्नई सुपर किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइट राइडर्स शामिल हैं।

खेलो इंडिया बीच गेम्स से भारतीय खेलों में नया अध्याय जुड़ा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बयान

पीएम मोदी ने कहा, खेलों की जीवंत ऊर्जा मनोरंजन से परे है और यह एक परिवर्तनकारी शक्ति बन गई है, जो राष्ट्रीय गौरव और हमारे युवाओं की आकांक्षाओं का प्रतीक है। इस संदर्भ में खेलो इंडिया बीच गेम्स का अधिक महत्व है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को खेलों की परिवर्तनकारी शक्ति की सराहना की और 'खेलो इंडिया बीच गेम्स (तटीय खेल)' को देश के खेल इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण बताया। खेलो इंडिया के तहत पहली बार आयोजित हो रहे इन खेलों की औपचारिक घोषणा सोमवार को खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने घोघला बीच पर एक रंगारंग समारोह में की।

पीएम मोदी ने इन खेलों की भारतीय खेल कैलेंडर में अहम जगह बनाने की उम्मीद जताते हुए खेलों के आयोजकों को बधाई दी और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने संदेश में कहा, हमारे जैसे विविधतापूर्ण देश में खेलों में हमेशा

बधाई

पीएम ने इन खेलों की भारतीय खेल कैलेंडर में अहम जगह बनाने की उम्मीद जताते हुए खेलों के आयोजकों को बधाई दी

एक अनूठी शक्ति रही है जो संस्कृतियों, क्षेत्रों और भाषाओं को जोड़ती है।

उन्होंने कहा, खेलों की जीवंत ऊर्जा मनोरंजन से परे है और यह एक परिवर्तनकारी शक्ति बन गई है, जो राष्ट्रीय गौरव और हमारे युवाओं की आकांक्षाओं का प्रतीक है। इस संदर्भ में खेलो इंडिया बीच गेम्स का अधिक महत्व है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उद्घाटन केआईबीजी के लिए दीव को चुना जाना उचित है। उन्होंने कहा, सूर्य, रेत और पानी

का यह संगम शारीरिक चुनौती को बढ़ाता है और साथ ही हमारी तटीय विरासत का जश्न मनाता है। जब लहरें तटों से टकराएंगी और एथलीट प्रतिस्पर्धा करेंगे, तो भारत खेलों में एक नया अध्याय लिखेगा। केआईबीजी में 30 से अधिक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 1,350 से अधिक एथलीट प्रतिस्पर्धा करेंगे। एथलीट छह पदक खेलों में प्रतिस्पर्धा करेंगे। इसमें फुटबॉल, वॉलीबॉल, सेपकटकरा, कबड्डी, पेनकैक सिलाट और खुले पानी में तैराकी शामिल है। इन खेलों में मल्लखंब और रस्साकशी को प्रदर्शन खेल (गैर-पदक) के तौर पर शामिल किया गया है। उद्घाटन समारोह में पारंपरिक नृत्य शैलियों के माध्यम से भारत की समृद्ध विविधता को प्रदर्शित किया गया। इसमें दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव और लक्षद्वीप के प्रशासक प्रफुल्ल पटेल, पुडुचेरी के उपराज्यपाल के. कैलाशनाथ और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के उपराज्यपाल एडमिरल डी.के. जोशी सहित कई गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

मांडविया ने 2047 तक भारत को खेल महाशक्ति बनाने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा, आज हम न केवल एक खेल आयोजन का उद्घाटन कर रहे हैं, बल्कि हम भारत की पहली समुद्र तटीय खेल क्रांति की शुरुआत कर रहे हैं। मेरा मानना है कि जहां लहरें हैं, वहां जुनून होना चाहिए; जहां रेत है, वहां उत्साह और जोश होना चाहिये। 'खेलो इंडिया बीच गेम्स' ने आज हम सभी के दिलों में वही उत्साह जगा दी है। मांडविया ने कहा, खेल घरेलू खेल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और दुनिया को एक मजबूत संदेश भेजने का एक तरीका है कि भारत किसी भी पैमाने के अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी करने में सक्षम है।

मलेशिया मास्टर्स में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे सिंधू-प्रणय, बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

कुआलालंपुर। सिंधू और प्रणय दोनों ही लय हासिल करने की जुगत में होंगे। विश्व रैंकिंग में 16वें स्थान पर काबिज सिंधू अपने अभियान की शुरुआत जापान की नात्सुकी निदाइरा के खिलाफ करेंगी जो विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर हैं। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और एचएस प्रणय मंगलवार से शुरू हो रहे मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे। इन दोनों स्टार खिलाड़ियों से इस टूर्नामेंट में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी जो पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म और फिटनेस की समस्या से जूझ रहे हैं। सिंधू और प्रणय ने सुदीरमन कप में इंडोनेशिया और डेनमार्क के खिलाफ अपने-अपने मुकाबले गंवाए थे। सिंधू और प्रणय दोनों ही लय हासिल करने की जुगत में होंगे। विश्व रैंकिंग में 16वें स्थान पर काबिज सिंधू अपने अभियान की शुरुआत जापान की नात्सुकी निदाइरा के खिलाफ करेंगी जो विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर हैं। विश्व रैंकिंग में 35वें स्थान पर खिसक चुके प्रणय को पहले दौर में जापान के पांचवें वरीय केंतो

निशिमोतो की कड़ी चुनौती का सामना करना है। महिला एकल में 2024 हाइलो ओपन की उपविजेता मालविका बंसोड़ चीनी ताइपे की चियू पिन-चियान से भिड़ेंगी जबकि ताइपे ओपन सुपर 300 के सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली उन्नति हुड्डा का सामना भी चीनी ताइपे की ही लिन शियांग टी से होगा। आकर्षी कश्यप को इंडोनेशिया की आठवीं वरीय पुत्री कुसुमा वरदानी के खिलाफ अपना अभियान शुरू करना है। पुरुष एकल में 2023 ओडिशा मास्टर्स और 2024 गुवाहाटी मास्टर्स के चैंपियन सतीश करुणाकरण डेनमार्क के शीर्ष वरीय एंडर्स एंटोनसन से भिड़ेंगे। विश्व जूनियर चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता आयुष शेट्टी का सामना कनाडा के ब्रायन यैंग से होगा जबकि प्रियांशु राजावत सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह के खिलाफ अपने अभियान का आगाज करेंगे। क्वालिफायर में किदांबी श्रीकांत, एस शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम और थारुण मन्नेपल्ली पुरुष एकल मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे, जबकि अनमोल खरब और तस्नीम मीर महिला वर्ग में क्वालिफाई करने के इरादे से उतरेंगे। क्वालीफिकेशन दौर में भाग लेने वाले अन्य भारतीयों में मोहित जगलान और लक्षिता जगलान तथा शिवम शर्मा और पूर्विशा एस राम की जोड़ी शामिल है।

'हेरा फेरी 3' कॉन्ट्रोवर्सी पर बोले डायरेक्टर प्रियदर्शन- 'एक दिन शूट करके गायब हुए परेश रावल'

मुंबई। परेश रावल के बहुप्रतीक्षित फिल्म 'हेरा फेरी' से अचानक बाहर होने के बाद, इसको लेकर तमाम तरह की चर्चाएं हो रही हैं। अब इस पूरे मामले पर फिल्म के निर्देशक प्रियदर्शन ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

परेश रावल के फिल्म 'हेरा फेरी 3' छोड़ने की खबर ने फैंस और फिल्म इंडस्ट्री को चौंका दिया है। फिल्म के डायरेक्टर प्रियदर्शन ने अब इस पूरे मामले पर चुप्पी तोड़ते हुए बातचीत की। उन्होंने कहा कि परेश ने यह फैसला करने से पहले उन्हें कोई जानकारी नहीं दी थी। वो खुद इस स्थिति से हैरान और निराश हैं।

'आज तक परेश ने इस बारे में बात नहीं की'

खास बातचीत में प्रियदर्शन ने कहा, फिल्म शुरू होने से पहले मैंने तीनों - अक्षय, सुनील और परेश - से क्लियर पूछा था कि क्या आप लोग तैयार हैं? सबने कहा - हां। फिर हमने एक दिन शूट भी किया। सब स्मूद चला। लेकिन अचानक परेश जी के हटने की खबर आई... बिना कुछ बोले, बिना कोई कारण बताए। आज तक उन्होंने मुझसे इस बारे में कोई बात ही नहीं की।'

'भूत बंगला' के सेट पर कोई तनाव नहीं दिखा

डायरेक्टर ने आगे बताया, ना कोई कॉल, ना कोई मैसेज। हाल ही में हमने 'भूत बंगला' की शूटिंग पूरी की। इस फिल्म में भी अक्षय और परेश दोनों साथ थे। वहां भी सब कुछ नॉर्मल था। दोनों के बीच बिल्कुल कॉर्डियल और प्रोफेशनल रिश्ता था। कोई तनाव नजर नहीं आया।

वहीं जब हमने प्रियदर्शन से पूछा कि क्या वाकई अक्षय कुमार ने परेश रावल पर 25 करोड़ का दावा ठोका है, तो उन्होंने कहा, फिल्म के राइट्स और प्रोडक्शन अक्षय कुमार संभाल रहे थे। ऐसे में अगर किसी को नुकसान हुआ है तो वो सिर्फ अक्षय हैं।

अगर परेश जी को कोई दिक्कत थी तो कम से कम बात करते। खैर, मैं सिर्फ डायरेक्टर हूं। मुझे नहीं पता उनके और अक्षय के बीच क्या हुआ ना उन्होंने कुछ बताया, ना ही कोई बातचीत की। मैं पूरी तरह ब्लैंक हूं।'

अक्षय कुमार ठोकेंगे परेश रावल पर 25 करोड़ का हर्जाना!

मुंबई। कॉमेडी सीक्वल हेरा फेरी 3 से बाहर होने पर अक्षय कुमार की प्रोडक्शन कंपनी ने परेश रावल को 25 करोड़ रुपये का हर्जाना भरने का नोटिस भेजा है। यह मामला अब कानूनी हो चुका है। कॉमेडी सीक्वल हेरा फेरी 3 एक बार फिर से विवादों में घिर गई है। फ्रेंचाइजी में बाबूराव की भूमिका निभाने वाले अभिनेता परेश रावल ने पिछले हफ्ते घोषणा की कि वह इस फिल्म का हिस्सा नहीं है। उनके इस एलान ने सभी को चौंका दिया। साथ ही उनके प्रशंसकों को काफी निराशा हुई। अब इस मामले ने एक कानूनी मोड़ ले लिया है। अक्षय कुमार की प्रोडक्शन कंपनी ने परेश रावल को नोटिस भेजकर हर्जाने की मांग की है। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक अक्षय कुमार की प्रोडक्शन कंपनी केप ऑफ गुड फिल्म्स ने परेश रावल को कानूनी नोटिस भेजकर 25 करोड़ रुपये का हर्जाना मांगा है। प्रोडक्शन हाउस का दावा है कि कॉन्ट्रैक्ट साइन करने और शूटिंग शुरू करने के बाद रावल ने काम छोड़कर गैर-पेशेवर तरीके से काम किया है।

ऋतिक रोशन की फिल्म वॉर 2 के टीजर पर एक्स वाइफ ने लुटाया प्यार, गर्लफ्रेंड सबा ने भी की तारीफ

मुंबई। ऋतिक रोशन, जूनियर एनटीआर और कियारा आडवानी की फिल्म वॉर 2 का टीजर रिलीज हो गया है। फिल्म के टीजर में ऋतिक और जूनियर के जबरदस्त एक्शन की हर ओर तारीफ हो रही है। अब इस पर ऋतिक की एक्स वाइफ सुजैन खान और गर्लफ्रेंड सबा आजाद का रिएक्शन भी आ गया है।

एक्शन फिल्मों के दीवानों के लिए ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर बेहतरीन तोहफा लेकर आ गए हैं। ऋतिक, कियारा और जूनियर एनटीआर स्टारर वॉर 2 का दमदार टीजर आखिरकार रिलीज हो गया है। जैसे ही टीजर सामने आया, सोशल मीडिया पर इसकी हर तरफ चर्चा तेज हो गई।

टीजर पर सुजैन खान का रिएक्शन

'वॉर 2' के टीजर पर ऋतिक रोशन की एक्स वाइफ सुजैन खान की भी प्रतिक्रिया देखने को मिली है। सुजैन खान ने टीजर की तारीफ

करते हुए लिखा, 'क्या कमाल का टीजर है! ऋतिक और जूनियर एनटीआर ने वाकई कमाल कर दिया है।'

वहीं ऋतिक की मौजूदा गर्लफ्रेंड सबा आजाद ने भी टीजर की जमकर तारीफ की। उन्होंने लिखा, 'बवाल मचा दिया! टीजर तो धमाकेदार है। इंतजार नहीं हो रहा अब पूरी फिल्म का।' सबा का यह रिएक्शन भी अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

कई सेलेब्स ने किया रिएक्ट

वॉर 2 के टीजर पर कई सेलेब्स की ओर से प्रतिक्रिया देखने को मिली। सोनाली बेंद्रे, अली फजल, नील नितिन मुकेश, राकेश रोशन समेत कई सेलेब्स ने टीजर की तारीफ की। मौनी रॉय ने लिखा- 'मैं इंतजार नहीं कर पा रही हूं फिल्म के आने का। शानदार'। वहीं दिया मिर्जा ने भी कमेंट किया- वाह।

करण जौहर ने भी की टीजर की तारीफ

ऋतिक रोशन की फिल्म के टीजर को फिल्ममेकर करण जौहर ने भी अपने इंस्टाग्राम स्टोरी में शेयर किया। करण ने स्टोरी शेयर करते हुए लिखा, और इस साल की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्म आ चुकी है। ये लड़ाई शानदार होने वाली है और बॉक्स ऑफिस पर तूफान आने वाला है। मुझसे बिल्कुल इंतजार नहीं हो पा रहा।

ऋतिक-जूनियर एनटीआर का जबरदस्त एक्शन

फिल्म में ऋतिक एक बार फिर रॉ एजेंट कबीर के रोल में नजर आ रहे हैं, लेकिन इस बार उनके सामने हैं साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर, जिनके होने का मतलब है साउथ ऑडियंस को थिएटर्स तक खींच लाना। टीजर में जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस, हाई वोल्टेज फेसऑफ और थ्रिल भरपूर है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

वॉर 2 के टीजर के साथ फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आ गई है। यह धमाकेदार एक्शन फिल्म 14 अगस्त 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। यह फिल्म वॉर फ्रैंचाइजी की अगली कड़ी है, जिसकी पहली फिल्म 2019 में आई थी और ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी।

जख्मी हालत में नजर आईं राशि खन्ना, लिखा- जब आप तूफान बन जाते हैं, तो आप गरज से नहीं घबराते

मुंबई। राशि खन्ना इन दिनों अपनी एक अनाम फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। वहीं इसी बीच उन्होंने अपनी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कर फैंस को हैरान कर दिया है। इन तस्वीरों में राशि जख्मी हालत में नजर आ रही हैं, जिसे देखकर फैंस को उनकी चिंता सताई जा रही है।

राशि ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ सेट की तस्वीरें शेयर की हैं और साथ ही कैप्शन में लिखा, कुछ भूमिकाएं नहीं मांगतीं। वे मांगती हैं। आपका शरीर। आपकी सांस। आपकी चोटें और जब आप तूफान बन जाते हैं, तो आप गरज से नहीं घबराते। जल्द ही आ रहा है। राशि के इस कैप्शन से लग रहा है कि वह अपनी आने वाली फिल्म की ओर इशारा कर रही हैं। लेकिन राशि ने इस पोस्ट में फिल्म के नाम को लेकर कोई खुलासा नहीं किया है।

राशि की इस पोस्ट पर कई फैंस उनकी इस हालत पर सवाल खड़े कर रहे हैं तो कई उनकी आने वाली फिल्म का नाम पूछ रहे हैं। एक फैन ने लिखा, आपके पूरे जुनून और समर्पण के साथ। हम बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं राशि, एक और फैन ने लिखा, दिलों को जीतने से लेकर खलनायकों को हराने तक! वह बदलाव जिसे मैं लंबे समय से देखना चाहता था, एक और फैन ने लिखा, ओह माय माय! आपको पूरी तरह से एनिमल मोड में देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकती, एक और फैन ने लिखा, हर भूमिका अद्भुत है, एक और फैन ने लिखा, जल्दी ठीक हो जाओ, एक और फैन ने लिखा, अपना ख्याल रखें।

वैभव सूर्यवंशी के साथ मॉर्फ्ड फोटो देख भड़का प्रीति जिंटा का गुस्सा, अभिनेत्री ने लगाई फटकार

मुंबई। प्रीति जिंटा का राजस्थान रॉयल्स के 14 साल के खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी के साथ मॉर्फ्ड फोटो पर अब गुस्सा निकला है। अभिनेत्री ने एक्स पर पोस्ट करते हुए फोटो को पूरी तरह से फर्जी बताया है।

बॉलीवुड एक्ट्रेस और आईपीएल टीम पंजाब किंग्स की सह-मालिक प्रीति जिंटा इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल एक फेक फोटो को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फोटो में उन्हें राजस्थान रॉयल्स के युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी को गले लगाते हुए दिखाया गया है। हालांकि, प्रीति ने इस फोटो को पूरी तरह से फर्जी बताया है और इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

प्रीति जिंटा ने जताई नाराजगी

अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने इस वायरल फोटो को लेकर सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने साफ किया कि यह तस्वीर मॉर्फ की गई है और इसके पीछे कुछ न्यूज चैनल्स का हाथ है। प्रीति ने एक्स पर लिखा, 'यह

तस्वीर पूरी तरह से फर्जी और मॉर्फ की गई है। हैरानी की बात है कि अब न्यूज चैनल्स भी ऐसी फर्जी इमेज को न्यूज आइटम बनाकर परोस रहे हैं।

प्रीति ने वैभव से मिलाया था हाथ

दरअसल 18 मई को पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच हुए मैच के बाद अभिनेत्री ने खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी के साथ सिर्फ हाथ मिलाया था, जिसकी तस्वीर राजस्थान रॉयल्स के ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर भी की गई लेकिन इस तस्वीर को मॉर्फ करके इंटरनेट पर वायरल कर दिया गया। इस मैच में प्रीति की टीम पंजाब किंग्स ने जीत दर्ज करते हुए प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की की। मैच के बाद प्रीति जिंटा मैदान पर बेहद एक्साइटेड नजर आईं और खिलाड़ियों को बधाई दी।

प्रीति के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर लोगों की भी प्रतिक्रिया सामने आने लगी है। कई यूजर्स ने एक्ट्रेस का समर्थन करते हुए कहा कि उन्हें इस मामले को कोर्ट तक ले जाना चाहिए। एक यूजर ने लिखा, 'ये मीडिया के कुछ हिस्सों की गिरती साख का उदाहरण है, बस व्यूज और टीआरपी के लिए किसी की छवि के साथ खेलना गलत है।' वहीं एक दूसरे यूजर ने सवाल उठाया कि आखिर यह खबर बनी क्यों? उन्होंने कहा कि अगर किसी से हाथ मिलाना भी खबर बन जाए और उस पर मॉर्फिंग की जाए, तो यह मीडिया की विश्वसनीयता पर बड़ा सवाल है।

बांग्लादेशी अभिनेत्री नुसरत फारिया को भेजा गया जेल

मुंबई। बांग्लादेश की चर्चित अभिनेत्री और मुझिब बायोपिक में प्रधानमंत्री शेख हसीना का किरदार निभा चुकीं नुसरत फारिया को ढाका एयरपोर्ट पर उस वक्त गिरफ्तार कर लिया गया जब वह थाईलैंड के लिए रवाना हो रही थीं। गिरफ्तारी के पीछे जुलाई 2024 के आंदोलन के दौरान हुई हिंसक घटनाओं में उनका कथित रूप से शामिल होना बताया जा रहा है। इस मामले में नुसरत को अदालत के आदेश के बाद सोमवार को जेल भेज दिया गया।

ढाका मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट नसरिन अख्तर ने नुसरत फारिया को न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए बांग्लादेश के गृह मामलों के सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल जाहंगीर आलम चौधरी ने पुष्टि की है कि अभिनेत्री के खिलाफ जांच चल रही है और सरकार न्याय प्रक्रिया को निष्पक्ष रूप से आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

बताया जा रहा है कि जुलाई 2024 में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान एनामुल हक नामक व्यक्ति को गोली लगी थी। वह कई दिनों तक अस्पताल में भर्ती रहा और ठीक होने के बाद उसने इस साल 3 मई को मामला दर्ज करवाया। इस केस में कुल 283 लोगों को आरोपी बनाया गया है, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और 17 कलाकारों के नाम शामिल हैं। इसी लिस्ट में नुसरत फारिया का नाम भी शामिल है। मुझिब- द मेकिंग ऑफ ए नेशन नामक फिल्म में शेख हसीना की भूमिका निभाने के बाद नुसरत फारिया देश-विदेश में चर्चा में आई थीं। अब उनकी गिरफ्तारी को लेकर बांग्लादेशी इंडस्ट्री और राजनीतिक गलियारों में बवाल मच गया है।

बांग्लादेश फिल्म इंडस्ट्री के कई चर्चित चेहरों ने भी इस कार्रवाई की कड़ी आलोचना की है। आशफाक निपुन, अजमेरी हक बधोन और शराफ अहमद जैसे कलाकारों ने सरकार के इस कदम को तानाशाही बताया है और इसे रचनात्मक स्वतंत्रता पर हमला करार दिया है।

जमानत के लिए एक साल जेल में रहना जरूरी नहीं..., सुप्रीम कोर्ट ने कारोबारी को दी राहत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग में जमानत के लिए एक साल जेल में रहना जरूरी नहीं है। कारोबारी अनवर ढेबर को 2,000 करोड़ के कथित शराब घोटाले में शर्तों के साथ जमानत मिली। ईडी के विरोध के बावजूद कोर्ट ने रिहाई का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि धनशोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) के मामलों में जमानत पाने के लिए यह कोई नियम नहीं है कि आरोपी को पहले एक साल जेल में रहना होगा। शीर्ष कोर्ट ने कारोबारी अनवर ढेबर को राहत देते हुए यह टिप्पणी की।

जस्टिस अभय एस ओका और उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने कारोबारी अनवर ढेबर को मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में जमानत दी। यह मामला करीब 2,000 करोड़ रुपये के कथित शराब घोटाले से जुड़ा है। बेंच ने टिप्पणी की, ऐसा कोई नियम नहीं है कि जमानत पाने के लिए आरोपी को एक साल तक जेल में रहना होगा। ढेबर को 8 अगस्त 2024 को गिरफ्तार किया गया था और वह 9 महीने से अधिक समय से जेल में थे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मामले में 40 गवाह हैं और जांच अभी भी जारी है। दूसरे (मुख्य) मामले में 450 गवाह हैं और अभी तक उसमें आरोप तय नहीं हुए हैं, इसलिए जल्द मुकदमा शुरू होने की संभावना नहीं है। मामले में अधिकतम सजा 7 साल है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ढेबर को कड़ी शर्तों के साथ जमानत दी जाएगी।

पहलगाम आतंकी हमले पर मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र को घेरा, ऑपरेशन सिंदूर को बताया छोटा सा युद्ध

हक

मैंने इस मुद्दे को पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के सामने उठाया और कहा कि जो भी कर्नाटक में जमीन के मालिक हैं, उन्हें मालिकाना हक मिलना चाहिए।

विजयनगर। कर्नाटक में कांग्रेस की समर्पण-संकल्प रैली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि पहलगाम में 26 लोग इसलिए मारे गए क्योंकि मोदी सरकार ने वहां पर्यटकों को सुरक्षा मुहैया नहीं कराई। मोदी कश्मीर नहीं गए क्योंकि खुफिया एजेंसियों ने उन्हें ऐसा करने से मना किया था। केंद्र सरकार ने पर्यटकों से पहलगाम न जाने के लिए क्यों नहीं कहा? पहलगाम आतंकी हमले को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार को घेरा। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को छोटा सा युद्ध बताया। कर्नाटक में कांग्रेस की समर्पण-संकल्प रैली को संबोधित करते हुए मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि पहलगाम में 26 लोग इसलिए मारे गए क्योंकि मोदी सरकार ने वहां पर्यटकों को सुरक्षा मुहैया नहीं कराई। मोदी कश्मीर नहीं गए क्योंकि खुफिया एजेंसियों ने उन्हें ऐसा करने से मना किया था। केंद्र सरकार ने पर्यटकों से पहलगाम न जाने के लिए क्यों नहीं कहा? अगर उन्हें बताया गया होता, तो 26 लोगों की जान बचाई जा सकती थी। ऑपरेशन सिंदूर तो छोटा सा युद्ध है। इससे पहले विजयनगर हवाई अड्डे पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का स्वागत किया। रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, मुझे यह जानकारी मिली कि कर्नाटक में बहुत से लोग जमीन के मालिक हैं, लेकिन उनके पास जमीन के मालिकाना हक नहीं हैं। इसमें सभी समुदायों के लोग शामिल थे। उन्होंने कहा कि उनके पास संपत्ति या मालिकाना हक नहीं था, और न ही उन्हें सरकार से कोई सुविधाएं मिल रही थीं। मैंने इस मुद्दे को पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के सामने उठाया और कहा कि जो भी कर्नाटक में जमीन के मालिक हैं, उन्हें मालिकाना हक मिलना चाहिए। आज, कर्नाटक सरकार 1 लाख परिवारों को मालिकाना हक देने जा रही है। भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकियों के ठिकानों पर सटीक हमले किए। यह कार्रवाई 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में की गई थी। इसके बाद पाकिस्तान ने 8, 9 और 10 मई को भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमले की कोशिश की, जिनका भारतीय सेना ने करारा जवाब दिया। इस जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान के कई सैन्य ठिकानों को नुकसान पहुंचा, जिनमें एयर बेस, रडार साइट्स, और कमांड सेंटर शामिल हैं।

हर जिले में नियुक्त करें संरक्षण अधिकारी..., कोर्ट का राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) को निर्देश दिया कि वे जिला और तालुका स्तर पर महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों की पहचान करें और उन्हें संरक्षण अधिकारी के रूप में नियुक्त करें। सरक्षण अधिकारी का काम घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करना है। जस्टिस बी.वी.नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों और महिला एव बाल/समाज कल्याण विभागों के सचिवों को निर्देश दिया कि वे घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत अधिकारियों की संरक्षण अधिकारी के रूप में नियुक्ति सुनिश्चित करें।

शीर्ष कोर्ट ने कहा, %वे अधिनियम के प्रावधानों के बारे में जागरूकता बढ़ाने, अधिनियम के तहत सेवाओं का प्रभावी समन्वय सुनिश्चित करने और इसके प्रावधानों को लागू करने के लिए मीडिया के जरिए व्यापक प्रचार प्रसार करेंगे और धारा 11 के तहत अपने दायित्वों को निभाने के लिए कदम उठाएंगे। बेंच ने निर्देश दिया कि जहां संरक्षण अधिकारी नियुक्त नहीं किए गए हैं, वहां यह प्रक्रिया छह हफ्तों के भीतर पूरी की जाए। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा, राज्य यह सुनिश्चित करेंगे कि सेवा प्रदाता, सहायता समूह और आश्रय गृह पीड़ित महिलाओं के लिए उपलब्ध हों। राज्य इस उद्देश्य के लिए आश्रय गृहों की पहचान भी करेंगे। बेंच ने विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम के तहत महिलाओं के अधिकार को महत्व देते हुए राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) के सदस्य सचिव को निर्देश दिया कि वे सभी राज्यों के विधिक सेवा प्राधिकरणों के सचिवों को यह निर्देश दें कि वे महिलाओं को घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत निःशुल्क कानूनी सहायता और सलाह के अधिकार के बारे में जागरूक करें। बेंच ने कहा कि इन प्रावधानों का पर्याप्त प्रचार-प्रसार भी किया जाए। यह निर्देश वी द वीमेन ऑफ इंडिया नामक एनजीओ की याचिका पर दिया गया। याचिका में कहा गया कि घरेलू हिंसा अधिनियम लागू हुए 15 साल से ज्यादा हो गए, लेकिन आज भी घरेलू हिंसा महिलाओं के खिलाफ सबसे आम अपराध है। अधिनियम के तहत ठोस ढांचा अब तक पूरी तरह नहीं बन पाया है।

विदेश सचिव मिस्री ने की सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों की ब्रीफिंग, अभिषेक बनर्जी भी हुए शामिल

नई दिल्ली। पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद पर भारत का रुख स्पष्ट करने के लिए केंद्र सरकार सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को विदेश भेज रही है। प्रतिनिधिमंडल अलग-अलग देशों की यात्रा करेंगे। इन प्रतिनिधिमंडलों को विदेश सचिव ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान के खिलाफ अहम तथ्यों से अवगत करा रहे हैं। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने मंगलवार को पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत का पक्ष अंतरराष्ट्रीय मंचों पर रखने के लिए, विभिन्न देशों की यात्रा पर जाने वाले सात में से तीन सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों को ब्रीफ किया है। जेडीयू के संजय झा, शिवसेना के श्रीकांत शिंदे और डीएमके की कनिमोझी के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों ने इस ब्रीफिंग में हिस्सा लिया। जिसमें उन्हें उनके एजेंडे और उसके महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी दी गई। टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने भी इस बैठक में भाग लिया। बता दें कि, उनकी पार्टी द्वारा सरकार के एकतरफा निर्णय के खिलाफ विरोध किया था। बनर्जी उस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं जिसका नेतृत्व संजय झा कर रहे हैं और जो जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, इंडोनेशिया और सिंगापुर की यात्रा करेगा। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के पहले ग्रुप में सात सांसद भाजपा सांसद बैजयंत पांडा के नेतृत्व में सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन और अल्जीरिया जाएंगे। इस ग्रुप में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे, एस फांगनोन कोन्याक, रेखा शर्मा, एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी, सतनाम सिंह संधू, गुलाम नबी आजाद हैं। उनके साथ राजनयिक हर्षवर्धन श्रृंगला जाएंगे। सांसदों का दूसरा समूह भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व में यूके, फ्रांस, जर्मनी, यूरोप, इटली और डेनमार्क जाएगा। इसमें बीजेपी सांसद डी पुंदेश्वरी, शिवसेना यूबीटी की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी, मनोनीत सांसद गुलाम अली खटाना, कांग्रेस सांसद डॉ. अमर सिंह, भाजपा सांसद समिक भट्टाचार्य, एमजे अकबर होंगे। उनके साथ राजनयिक पंकज सरन होंगे।

कर्नाटक में सभी पांच वादे पूरे किए, समर्पण-संकल्प रैली में राहुल गांधी ने भाजपा पर जमकर बोला हमला

विजयनगर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कर्नाटक में राज्य सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए भाजपा पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा- भाजपा और पीएम मोदी ने कहा था कि कांग्रेस इन गारंटियों को पूरा नहीं कर पाएगी।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी कर्नाटक के दौरे पर पहुंचे हैं। जहां विजयनगर हवाई अड्डे पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने उन सभी का स्वागत किया। वहीं समर्पण-संकल्प रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, मुझे यह जानकारी मिली कि कर्नाटक में बहुत से लोग जमीन के मालिक हैं, लेकिन उनके पास जमीन के मालिकाना हक नहीं हैं।

जल जीवन मिशन परियोजनाओं का होगा निरीक्षण, चार राज्यों में 100 टीमें भेजेगा केंद्र

दौरा

मध्य प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश समेत विभिन्न राज्यों में बन चुकीं परियोजनाओं का दौरा करने के लिए 100 टीमें बनाई गई हैं।

नई दिल्ली। जल जीवन मिशन का उद्देश्य देश के प्रत्येक ग्रामीण परिवार को किफायती शुल्क पर नियमित और दीर्घकालिक आधार पर पर्याप्त मात्रा में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना है। केंद्र ने परियोजनाओं के जमीनी निरीक्षण के लिए 100 टीमें तैनात करने का निर्णय लिया है। केंद्र सरकार ने जल जीवन मिशन की परियोजनाओं का निरीक्षण कराने की तैयारी की है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश समेत विभिन्न राज्यों में बन चुकीं परियोजनाओं का दौरा करने के लिए 100 टीमें बनाई गई हैं।

आठ मई को जल शक्ति मंत्रालय के तहत योजनाओं के कार्यान्वयन की समीक्षा के लिए कैबिनेट सचिव टीवी सोमनाथन की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें टीमों को तैनात करने का फैसला लिया गया। कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि बैठक के दौरान जल जीवन मिशन योजनाओं के जमीनी निरीक्षण के लिए 100 टीमें तैनात करने का निर्णय लिया गया।

कार्मिक मंत्रालय ने मिशन के तहत योजनाओं के कार्यान्वयन का आकलन करने के लिए चिन्हित जिलों के लिए केंद्रीय नोडल अधिकारी (सीएनओ) नियुक्त किए हैं। इसमें विभिन्न केंद्रीय सरकारी विभागों के सचिवों, संयुक्त सचिवों और निदेशकों को तैनात किया गया है। आदेश के अनुसार, मूल्यांकन की जाने वाली एसी 27 योजनाएं मध्य प्रदेश में हैं, जो देश में सबसे अधिक है, इसके बाद राजस्थान में 21, उत्तर प्रदेश में 18 और कर्नाटक में 16 हैं। केंद्रीय टीमें ओडिशा, गुजरात, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, झारखंड, पंजाब, सिक्किम, मेघालय, छत्तीसगढ़ और गोवा सहित अन्य राज्यों का भी दौरा करेंगी। जल जीवन मिशन को 2019 में शुरू किया गया था। इसे 3.60 लाख करोड़ की लागत से कार्यान्वित किया जा रहा है, जिसमें केंद्र सरकार की तरफ से 2.08 लाख करोड़ और राज्यों की तरफ से 1.52 लाख करोड़ का योगदान है। यह मिशन अपने लक्ष्य को पूरा करने की राह पर है। जेजेएम का लक्ष्य केवल सभी के लिए सुरक्षित पेयजल पहुंचाना है। पिछले साल अक्तूबर में आई एक रिपोर्ट में कहा गया था कि पिछले पांच वर्षों में भारत में ग्रामीण परिवारों के लिए नल के पानी के कनेक्शन में पांच गुना की वृद्धि हुई है। अक्तूबर 2024 तक नल कनेक्शन वाले ग्रामीण परिवारों की संख्या बढ़कर 15.20 करोड़ हो गई। मिशन के लॉन्च के दौरान केवल 3.23 ग्रामीण परिवारों के पास ही नल का कनेक्शन था, लेकिन वर्तमान समय में इसमें पांच गुना वृद्धि हुई है।

पाकिस्तानी सेना की एक और करतूत, अपने ही लोगों पर ड्रोन हमले का शक; चार बच्चों की मौत

इस्लामाबाद। स्थानीय नेताओं ने धमकी देते हुए कहा कि अभी यह विरोध प्रदर्शन सीमित इलाके में हो रहा है, लेकिन अगर सरकार ने जवाब नहीं दिया तो यह बड़े पैमाने पर फैल सकता है। जब तक हमारे बेगुनाह बच्चों की हत्या के जिम्मेदारों के बारे में नहीं बताया जाता, तब तक हम शवों को नहीं दफनाएंगे। पाकिस्तानी सेना की एक और करतूत सामने आई है। दरअसल पाकिस्तानी सेना पर आरोप लगा है कि उसने अपने ही लोगों पर ड्रोन हमला कर दिया। इस हमले में चार बच्चों की जान चली गई है। ड्रोन हमला पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा इलाके में हुआ। जिसके बाद हजारों की संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए और उन्होंने न्याय की मांग की। इस हमले का शक पाकिस्तानी सेना पर जताया जा रहा है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा राज्य का नॉर्थवेस्ट इलाका पाकिस्तानी तालिबान का गढ़ माना जाता है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि नॉर्थवेस्ट के मीर अली इलाके में यह ड्रोन हमला किसने किया। अभी तक घटना को लेकर पाकिस्तान की सेना ने भी कोई बयान जारी नहीं किया है। एक स्थानीय नेता ने विरोध प्रदर्शन के दौरान कहा कि हम किसी पर आरोप नहीं लगा रहे हैं, लेकिन हमें न्याय चाहिए। सरकार को हमें ये बताना चाहिए कि किसने हमारे बच्चों को मारा। प्रदर्शनकारियों ने मृतक बच्चों के शव सड़क पर रखकर विरोध प्रदर्शन किया। स्थानीय नेताओं ने धमकी देते हुए कहा कि अभी यह विरोध प्रदर्शन सीमित इलाके में हो रहा है, लेकिन अगर सरकार ने जवाब नहीं दिया तो यह बड़े पैमाने पर फैल सकता है। जब तक हमारे बेगुनाह बच्चों की हत्या के जिम्मेदारों के बारे में नहीं बताया जाता, तब तक हम शवों को नहीं दफनाएंगे। विरोध प्रदर्शन के दौरान लोगों ने हमें न्याय चाहिए के नारे लगाए। इस ड्रोन हमले का शक पाकिस्तानी सेना पर इसलिए किया जा रहा है क्योंकि पाकिस्तानी सेना पाकिस्तान तालिबान के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। मीर अली इलाका पाकिस्तानी तालिबान का गढ़ है। पाकिस्तान तालिबान के लड़ाके अक्सर पाकिस्तानी सेना को निशाना बनाते रहते हैं। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि पाकिस्तानी सेना ने पाकिस्तानी तालिबान को निशाना बनाया, जिसकी जद में बेगुनाह लोग आ गए। स्थानीय मंत्री ने हमले की निंदा की और कहा कि इसकी जांच चल रही है।

अंतरराष्ट्रीय दबाव के बीच गाजा में तबाही मचा रहे इस्राइली सैनिक

हमले

इन सब के बीच इस्राइली सैनिक गाजा पट्टी में तबाही मचा रहे हैं, जानकारी के मुताबिक, इस्राइल के हमले में 60 लोगों की मौत हो गई है।

दीर अल-बलाह। इस्राइल पर अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और कनाडा के साथ कई दबाव बना रहे हैं कि, वो गाजा में अपना विध्वंसक हमला रोके और मानवीय सहायता पहुंचने में रोक न लगाए। इन सब के बीच इस्राइली सैनिक गाजा पट्टी में तबाही मचा रहे हैं, जानकारी के मुताबिक, इस्राइल के हमले में 60 लोगों की मौत हो गई है।

इस्राइल की तरफ से गाजा पट्टी में हवाई हमला लगातार जारी है। फलस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, रात भर और मंगलवार तक गाजा पट्टी में इस्राइली हमलों में कम से कम 60 लोग मारे गए हैं।

इस्राइल ने हाल के दिनों में इस क्षेत्र में एक और बड़ा हमला किया है, जिसमें कहा गया है कि इसका उद्देश्य हमास की तरफ से बंधक बनाए गए दर्जनों लोगों को वापस लाना और आतंकवादी समूह को नष्ट करना है। मामले में गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, उत्तरी गाजा में दो हमलों में एक परिवार के घर और एक स्कूल को निशाना बनाया गया, जिसमें कम से कम 22 लोग मारे गए, जिनमें से आधे से ज्यादा महिलाएं और बच्चे थे। वहीं अल-अक्सा शहीद अस्पताल के अनुसार, केंद्रीय शहर दीर अल-बलाह में एक हमले में 13 लोग मारे गए, और पास के नुसेरात शरणार्थी शिविर में एक और हमले में 15 लोग मारे गए। जबकि नासेर अस्पताल के अनुसार, दक्षिणी शहर खान यूनिस में दो हमलों में 10 लोग मारे गए।

फिलहाल, इस्राइली सेना की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई, जिसका कहना है कि वह केवल आतंकवादियों को निशाना बनाती है और नागरिकों की मौतों के लिए हमास को दोषी ठहराती है क्योंकि यह समूह घनी आबादी वाले क्षेत्रों में काम करता है। बता दें कि, ब्रिटेन, फ्रांस और कनाडा ने इस्राइल के ऑपरेशन गिदोन चैरियट के तहत गाजा में विस्तारित सैन्य अभियानों की निंदा की है।

यूरोपीय नेताओं ने गाजा में इस्राइल के प्रतिबंधों और पश्चिमी तट में बस्तियों के विस्तार की आलोचना की और धमकी दी कि अगर इस्राइल ने अपना आक्रमण नहीं रोका तो प्रतिबंधों समेत अन्य कार्रवाई की जाएगी।

अगले साल फिर एवरेस्ट फतह करूंगा, 20 बार चढ़ने का है लक्ष्य, रिकॉर्ड तोड़ने वाले केंटन कूल का दावा

काठमांडू। मंगलवार को काठमांडू के हवाई अड्डे पर केंटन कूल ने कहा, मैं अब 51 वर्ष का हूं और मैं 2004 से एवरेस्ट पर चढ़ने के लिए यहां आ रहा हूं। मेरे पास अगले साल के लिए कम से कम एक और चढ़ाई है - शायद 20 या 21 (कुल)। इसके बाद मैं नेपाल में अन्य पहाड़ों पर चढ़ना शुरू करूंगा। ब्रिटिश पर्वतारोही केंटन कूल ने 19वीं बार माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई की, गैर-शेरपा गाइड की तरफ से दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर सबसे अधिक बार चढ़ने का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया। इसके बाद मंगलवार को पहाड़ से लौटने पर उन्होंने कहा कि वे अपने अगली चढ़ाई की योजना बना रहे हैं। बता दें कि, दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड के 51 वर्षीय केंटन कूल ने रविवार को 8,849 मीटर की चोटी पर चढ़ाई की और फिर अपने ग्राहकों के साथ नेपाल की राजधानी काठमांडू के लिए हेलीकॉप्टर से उड़ान भरी। केंटन कूल ने पहली बार 2004 में माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई की थी और तब से वे लगभग हर साल ऐसा करते आ रहे हैं। वह 2014 में एवरेस्ट पर चढ़ने में असमर्थ रहे थे क्योंकि उस साल 16 शेरपा गाइडों के हिमस्खलन में मारे जाने के बाद सीजन में चढ़ाई को रद्द कर दिया गया था।

वहीं साल 2015 में जब भूकंप के कारण हिमस्खलन हुआ जिसमें 19 लोग मारे गए थे। जबकि कोरोना वायरस महामारी के कारण 2020 का चढ़ाई सत्र को भी रद्द कर दिया गया था।

बता दें कि, केवल नेपाली शेरपा गाइड ने ब्रिटिश पर्वतारोही गाइड केंटन कूल से अधिक बार चोटी पर चढ़ाई की है। नेपाली शेरपा गाइड कामी रीता ने माउंट एवरेस्ट पर सबसे अधिक 30 बार चढ़ाई की है, जो वर्तमान में भी पहाड़ पर हैं और अगले कुछ दिनों में चढ़ाई करने की उम्मीद है।

रेड लाइट पार करने की लापरवाही पड़ी भारी; बेकाबू कार ने लोगों को रौंदा, तीन की मौत

वॉशिंगटन। ताइवान में एक बेकाबू कार ने पैदल लोगों को रौंद दिया। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 12 साल की एक बच्ची भी शामिल है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आरोपी (78 वर्षीय) कार चालक हादसे के बाद से कोमा में है। हादसे में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हैं, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने बताया कि एक चौराहे के ट्रैफिक पर रेड लाइट थी, लेकिन इसके बावजूद आरोपी ड्राइवर ने रेड लाइट को अनदेखा कर कार दौड़ा दी। इस दौरान कार ने तीन स्कूटर और एक साइकिल सवार को टक्कर मारी। इसके बाद कार डिवाइडर को टक्कर मारकर रुकी। घटना राजधानी ताइपे में हुई है। घटना के वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें घायल सड़क पर तड़पते दिख रहे हैं।

इंडियाना में पुलिस अधिकारी की हत्या के दोषी व्यक्ति को मौत की सजा

मिशिगन सिटी। अमेरिका के इंडियाना राज्य में एक व्यक्ति को वर्ष 2000 में एक पुलिस अधिकारी की गोली मारकर हत्या करने के मामले में दोषी ठहराया गया। उसे मंगलवार को एक घातक इंजेक्शन देकर मृत्युदंड दे दिया गया। राज्य में 15 वर्षों में यह दूसरा ऐसा मामला है, जिसमें किसी को मृत्युदंड की सजा दी गई है। अमेरिका के इंडियाना राज्य में एक व्यक्ति को वर्ष 2000 में एक पुलिस अफसर की हत्या के मामले में मौत की सजा दी गई है। यह पिछले 15 सालों में इस राज्य में दी गई दूसरी मौत की सजा है। जानकारी के मुताबिक, घटना के दौरान आरोपी बेंजामिन रिची और उसके साथियों ने इंडियाना के बीच ग्रोव शहर में एक कार चुराई थी। जब पुलिस अधिकारी टोनी ने रिची का पीछा किया, तब रिची ने उन पर चार गोलियां चलाईं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बता दें कि, 45 वर्षीय बेंजामिन रिची को साल 2002 में पुलिस अधिकारी बिल टोनी की हत्या के जुर्म में सजा सुनाई गई थी। बिल टोनी बीस ग्रोव पुलिस विभाग में काम करते थे और 31 साल के थे। वह दो बच्चों के पिता थे।

इस घटना के बाद 22 साल बाद आरोपी बेंजामिन रिची को इंडियाना के मिशिगन सिटी में स्थित राज्य कारागार में मंगलवार आधी रात के बाद घातक इंजेक्शन लगाकर मृत्युदंड दिया गया। रात 12:46 बजे उसे मृत घोषित किया गया। वहीं मौत की सजा से पहले आरोपी रिची ने पैरोल बोर्ड रिहाई बोर्ड से कहा, मैंने अपनी और दूसरों की जिंदगियां बर्बाद कर दीं। उस रात के लिए मैं बेहद शर्मिंदा हूं। काश मैं अपने उस 20 साल के खुद को रोक पाता, जो किसी की सुनता ही नहीं था।

मृत्युदंड से पहले रिची के वकीलों ने कोर्ट में यह दलील दी कि वह बचपन से मानसिक बीमारियों से पीड़ित था। उसकी मां ने गर्भावस्था के दौरान शराब और नशे का सेवन किया। रिची को फीटल अल्कोहल स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (एफएएसडी) और बचपन में सीसे के जहर का सामना करना पड़ा था। साल 2005 में उसे बाइपोलर डिसऑर्डर (मिजाज बदलने की बीमारी) का भी इलाज हुआ था। रिची के वकीलों ने उसकी सजा माफ करने की अपील की थी। लेकिन इंडियाना के नए रिपब्लिकन गवर्नर माइक ब्रौन ने इसे ठुकरा दिया। पैरोल बोर्ड ने बताया कि जेल में रहते हुए रिची ने कई बार हिंसा की धमकियां दीं और अनुशासन तोड़ा। बता दें कि, इंडियाना और वायोमिंग अमेरिका के दो राज्य हैं जहां मीडिया को फांसी की प्रक्रिया देखने की अनुमति नहीं है। जबकि अमेरिका के 27 राज्यों में अभी भी मौत की सजा वैध है। इस साल अब तक 8 राज्यों में 12 फांसियों की तारीखें तय की गई हैं।

पटाखा विस्फोट से थाना परिसर में लगी भीषण आग, 15 वाहन खाक

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। मुंगराबादशाहपुर थाना परिसर में कार्यालय के पीछे मंगलवार को दोपहर सीज करके रखें हुए पटाखों में विस्फोट से भयंकर आग लग गई। इस हादसे में थाने के पीछे रखी क्षतिग्रस्त व सीज 11 मोटरसाइकिले व 4 कारें जलकर खाक हो गए। फायर ब्रिगेड की मदद से घंटों बाद आग पर काबू पाया जा सका। सूचना पर पहुंची क्षेत्राधिकारी प्रतिमा वर्मा ने घटना का जायजा लिया।

थाना मुंगराबादशाहपुर कार्यालय भवन के पीछे दुर्घटना में क्षतिग्रस्त वाहन खड़े किए जाते हैं। इसी जगह पर अवैध पटाखा समय समय पर व्यापरी से बरामद सीज किए गए पटाखे भी रखे हुए थे। जिसमें मंगलवार दोपहर विस्फोट हो गया और आग लग गई। पटाखों के धमाके से आसपास की दुकानदार सहम गए तिराहे पर भगदड़ मच गई। थाने के अगल बगल व्यवसायिक इमारतें होने की वजह से अफरातफरी मच गई। जब तक लोग कुछ समझ पाते तब तक आग भयंकर रूप से बढ़ती गई और बगल खड़े वाहन जलने लगे। आग की विभीषिका और उसकी लपटें देखकर लोग सहम गए। पटाखे की आवाज एक किलोमीटर तक सुनाई पड़ी। चौराहे पर भगदड़ जैसे हालात पैदा हो गए। आस-पास के दूकानदार और पुलिस के जवान आग पर काबू पाने में जुट गए। रुक रुक कर हो रहे पटाखों के धमाके से आग पर काबू पाने में काफी मुश्किलें खड़ी हो गई। नगरपालिका के टैंकर आग बुझाने के लिए दौड़ी लेकिन कोई असर नहीं हुआ। फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे फायर ब्रिगेड के जवानो ने घंटों मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस बाबत सीओ प्रतिमा वर्मा का कहना है कि आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

निरंकारी राजपिता जी' की दिव्य कल्याण प्रचार यात्रा

अवधनामा संवाददाता

आजमगढ़। संत निरंकारी मिशन सत्संग भवन हरबंशपुर आजमगढ जोन 61 से मीडिया सहायक डा.वीरेन्द्र कुमार सरोज ने जानकारी देते हुए बताया कि मानवमात्र के कल्याणार्थ सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के निर्देशानुसार निरंकारी राजपिता रमित जी उत्तर प्रदेश की धरा पर सत्य का अनुपम संदेश देने पहुँच रहे हैं। इस सत्य संदेश द्वारा ब्रह्मज्ञान की दिव्य ज्योति से अज्ञानता के अंधकार को दूर करना, भ्रमों व रूढ़िवाद से छुटकारा दिलाना तथा मानव मन की दीवारों को गिराकर एकत्व, विश्वबंधुत्व, प्रेम व भाईचारे की सुंदर भावना को स्थापित करना है। निरंकारी राजपिता जी की इस कल्याण यात्राओं का आरम्भ मैनपुरी, उन्नाव, सुल्तानपुर, जौनपुर, मिर्जापुर, आजमगढ़, खुशीनगर एवं लखनऊ शहर होगें। इन शहरों में उनके दिव्य आगमन की सूचना से सभी श्रद्धालु संतों में प्रसन्नता का वातावरण है। सभी निरंकारी भक्त पलके बिछाए इस सुखद अवसर की प्रतीक्षा कर रहे है कि कब उन्हें निरंकारी राजपिता जी के दिव्य दर्शन होंगे और वह अपने जीवन को सार्थक बना सकेंगे। निरंकारी राजपिता जी के सानिध्य में इन सभी स्थानों पर भव्य रूप में संत समागम का आयोजन किया जायेगा जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुगण सम्मिलित होकर दिव्यता के इस महाकुंभ के न केवल साक्षी बनेंगे अपितु उनके पावन प्रवचनों को श्रवण कर अपने जीवन को सफल बनायेंगे।

देवी अहिल्या की 300वीं जयंती पर भाजपा का सुशासन अभियान

21 से 31 मई तक चलेगा विशेष कार्यक्रम

अवधनामा संवाददाता

अहिल्याबाई का जीवन सदैव प्रेरणादायी रहा है उन्हें एक वीरांगना और शासक के साथ सामाजिक सुधारक के रूप में याद किया जाता है : अरुण सिंह

जौनपुर। होलकर वंश की वीरांगना रानी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी जौनपुर मे एक संगोष्ठी होटल रिवर व्यू मे आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने की। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सदस्य अरुण सिंह बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ रानी अहिल्याबाई होलकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। मुख्य अतिथि अरुण सिंह को राज्य मंत्री स्वतन्त्र प्रभार गिरीश चंद यादव व जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किये। कार्यक्रम का संचालन सुशील मिश्र ने किया।

मुख्य अतिथि अरुण सिंह ने बताया कि रानी अहिल्याबाई होल्कर का जीवन देश के लिए सदैव प्रेरणादायी रहा है उन्हें एक वीरांगना और शासक के साथ सामाजिक सुधारक के रूप में याद किया जाता है उन्होंने न केवल एक बड़े भूभाग पर शानदार शासन किया बल्कि पूरे भारतवर्ष में घूम-घूम धार्मिक एवं समाज सुधार के अनगिनत कार्यों को पूरा किया।

उन्होंने आगे बताया कि बद्रीनाथ, केदारनाथ, काशी विश्वनाथ आदि तमाम धार्मिक स्थलों के पुनरुद्धार एवं मंदिरों के निर्माण में अहिल्याबाई होल्कर का महत्वपूर्ण योगदान रहा ऐसे में भारतीय जनता पार्टी उनकी 300 वीं जयंती को विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से देशभर में जन सहयोग से मना रही है और जन जन तक उनके कार्यो को भी पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए कहा कि कांग्रेस ने इतने सालों में अहिल्याबाई जैसी महान विभूतियों को याद तक नहीं किया उनका सम्मान नहीं किया, लेकिन देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसको लेकर सोचा और देश भर में कार्यक्रम किया जा रहा है।

डीएम ने अस्थाई गो-आश्रय स्थल शाहपुर, का किया औचक निरीक्षण

जौनपुर। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के द्वारा बदलापुर में अस्थाई गो-आश्रय स्थल शाहपुर, का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने गो-आश्रय स्थल में गोवंशों के लिए भूसा, हरा चारा, पेयजल की उपलब्धता आदि का निरीक्षण किया। इसके साथ ही उन्होंने गोवंशों को गुड़, केला और हरा चारा भी खिलाया। जिलाधिकारी ने गो-सेवकों को अंगवस्त्रम देकर सम्मानित भी किया। उन्होंने गोशाला में दान द्वारा संग्रहित पर्याप्त भूसा की उपलब्धता पर भूसा दान महादान में भूसा दानकर सहयोग करने वाले गो-सेवक प्रेमियों का आभार भी व्यक्त किया। इसके उपरान्त जिलाधिकारी ने बदलापुर विकास खण्ड में स्थित मुधवन वाटिका का भी अवलोकन किया, जहाँ गत वर्ष लगभग 1000 वृक्ष लगाये गये थे। पाया गया कि लगभग सभी वृक्ष जीवित है, जिसपर जिलाधिकारी ने प्रसन्नता व्यक्त की तथा ग्राम प्रधान, ग्राम सचिव, और लेखपाल को अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया और कहा कि पौधरोपण एक पुनीत कार्य है। यह हम सब के लिए उपयोगी है, वृक्ष हमे आक्सीजन प्रदान करते है। उन्होंने सभी से अपील किया कि आइए हम सब पौध रोपण कर अपने इस धरा को हरा-भरा बनाये। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी बदलापुर, खण्ड विकास अधिकारी सहित अन्य उपस्थित रहे।

कान्हा गौशाला खडेपुर का औचक निरीक्षण

अवधनामा संवाददाता

मैनपुरी। सदस्य गो-सेवा आयोग उ.प्र. रमाकांत उपाध्याय ने आज गौ संरक्षण केंद्र नगला धर्म, सूखचौनपुर, कुर्रा जरावन एवं स्थाई कान्हा गौशाला खडेपुर का औचक निरीक्षण कर गौवंशों की देखभाल, चारे-पानी की उपलब्धता, स्वच्छता व्यवस्था एवं गौ आश्रय स्थल, गौशाला की संरचना का जायजा लिया, गौवंशो की संख्या, भूसा, हरा-चारा, सी.सी.टी.वी. कैमरे, ईयर टैगिंग, लाइटिंग, पानी, शेड, गर्मी से बचाव आदि की जानकारी लेते हुये संरक्षित गौवंशों की नियमित जांच के निर्देश दिए। उन्होने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि गौशाला की सुविधाओं की सतत् उपलब्धता सुनिश्चित की जाए ताकि गौवंशों को उचित देखभाल एवं पोषण मिल सके। सदस्य गो-सेवा आयोग ने विधान सभा किशनी के सह जिला बौद्धिक प्रमुख पारस के आवास पर किसानों, सामाजिक संगठन के कार्यकर्ताओं के साथ संवाद करते हुये कहा कि गौ माता को गौशालाओं से निकाल कर किसान को मुख्यमंत्री सहभागिता योजना में लेने हेतु प्रेरित किया जाये, योजना के तहत प्रत्येक गौपालक को 04 गोवंश उपलब्ध कराये जाने का प्राविधान किया गया है, प्रति गोवंश रू. 50 प्रतिदिन गौपालक को अनुदान के रूप में उपलब्ध कराया जायेगा। उन्होंने कहा कि किसान के घर पर बायोगैस प्लांट सब्सिडी के आधार पर लगवाया जाएगा, जिससे अनवरत गैस मिलेगी, गोमूत्र के रूप में यूरिया प्राप्त होगी, घर में बीमारी स्वतः ही कम होंगी, भूमि सुपोषित होगी, अधिक गोवंश रखने पर एक कैटल शैड बनेगा। इस दौरान सह जिला बौद्धिक प्रमुख पारस राघवेन्द्र सिंह चौहान, रमेश चंद्र गुप्ता, गशीराम शाक्य, राहुल गुप्ता, कर्तव्य, गौरव आर्यन गुप्ता, सोनू गुप्ता, प्रशांत तिवारी, विजय गुप्ता, रमाकांत मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

चिकित्सा, स्वचालित वाहन के क्षेत्र में नई तकनीक होगी विकसित: डॉ. सविनय

जौनपुर। इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा कंप्यूटर दृष्टि (कंप्यूटर विज़न) के क्षेत्र में एक उच्च स्तरीय आमंत्रित व्याख्यान का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया गया। इस व्याख्यान का विषय - डाउनस्ट्रीम कार्यों के लिए बड़े आधारभूत विजन मॉडल्स की शून्य-प्रशिक्षण विभाजन क्षमताओं का कुशलतापूर्वक उपयोग विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए था। इस अवसर पर प्रमुख वक्ता के रूप में डॉ. सविनय नागेन्द्र, अनुसंधान वैज्ञानिक, मेटा, कैलिफोर्निया, अमेरिका से आमंत्रित थे। डॉ. नागेन्द्र ने कहा कि कैसे बड़े विजन मॉडल्स बिना किसी विशेष प्रशिक्षण आँकड़ों के नई छवियों को समझने और उनका विभाजन करने में सक्षम होते है। उन्होंने इन क्षमताओं के प्रभावी उपयोग पर भी विस्तार से प्रकाश डाला, जैसे चिकित्सा छवि विश्लेषण, स्मार्ट निगरानी प्रणालियाँ और स्वचालित वाहन आदि क्षेत्रों में इनका अनुप्रयोग। उन्होंने यह भी समझाया कि शून्य-प्रयास तकनीकें भविष्य में मशीन दृष्टि प्रणाली को अधिक लचीला और कुशल बना सकती हैं।इस कार्यक्रम के संयोजक इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष प्रो. रवि प्रकाश रहे, जबकि संचालन डॉ. ज्योति प्रशांत सिंह ने किया। कार्यक्रम में कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा सहित इलेक्ट्रॉनिक्स तथा कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभागों के समस्त शिक्षकगण एवं विद्यार्थीगण ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

स्वकर में सुधार को लेकर राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन

अवधनामा संवाददाता

आजमगढ़। आजमगढ़ पालिका प्रशासन द्वारा महानगरों की तर्ज पर सर्किल रेट वसूले जाने, नामांतरण में शुल्क में विसंगतियों सहित विभिन्न नगरीय मुद्दों को लेकर उत्तर प्रदेश सभासद एसोसिएशन आर-पार की लड़ाई लड़ने के मूड में है। इसी को लेकर एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष व जिला उपाध्यक्ष समिति के सदस्य सभासद मोहम्मद अफ़ज़ल ने राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा और शीघ्र ही मामले में हस्तक्षेप किए, जाने की मांग किया है। ज्ञापन सौंपते हुए सभासद मोहम्मद अफ़ज़ल ने कहा कि आजमगढ़ नगर पालिका मंडल की सबसे छोटी नगर पालिका है और इसकी भौगोलिक स्थिति भी अलग है यह तीन तरफ नदियों से घिरा है और सूक्ष्म व लघु उद्योग विहिन है। इसके बावजूद आजमगढ़ पालिका प्रशासन द्वारा महानगरों की तर्ज पर कर वसूल किया जा रहा है जो कि मनमाना और जनता के विरुद्ध है। इस कृत्य का एसोसिएशन पुरजोर विरोध करता है, कर प्रणाली की पुनः समीक्षा करके जनहित में आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए। श्री अफ़ज़ल ने यह भी कहाकि आजमगढ़ पालिका, शासन के मंशानुसार कार्य न करके केवल जनता का शोषण कर रही है। शासन द्वारा निर्धारित स्वकर प्रणाली का एसोसिएशन समर्थन करता है लेकिन मनमाना कर वसूलना कतई स्वीकार नहीं है। मण्डल के ही नगर पालिका परिषद मऊ का सर्किल रेट आजमगढ़ नपा द्वारा लागू किए गए सर्किल रेट से एक तिहाई से भी कम है। बदरका वार्ड के पूर्व सभासद तारिक फैसल ने कहा कि आम जनमानस के साथ न्याय हो, उक्त रेट को वर्तमान ईओ द्वारा तत्कालीन ईओ मनोज कुमार सिंह द्वारा नियम विरुद्ध तरीके से कोरम को पूरा करके स्वकर लागू कर दिया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है।

संक्षिप्त समाचार

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बदलापुर का डीएम ने किया औचक निरीक्षण

जौनपुर, अवधनामा संवाददाता। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बदलापुर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ओपीडी, इमरजेंसी वार्ड, दवा वितरण, पैथोलॉजी कक्ष आदि का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मरीजो से संवाद करते हुए पूछा कि अस्पताल में बाहर की दवा लिखी जाती है कि नहीं, जिस पर मरीजों के द्वारा बताया गया कि बाहर की दवा नहीं लिखी जाती है। पैथोलॉजी कक्ष के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि आज अभी तक कुल 155 जांच की गई है। उन्होंने मरीजों से अस्पताल के द्वारा प्रदान कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं की भी जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी के द्वारा निर्देशित किया गया कि बाहर की दवा न लिखी जाए। अस्पताल में आने वाले मरीजों के साथ अच्छा व्यवहार किया जाए तथा चिकित्सक समय से अस्पताल में उपस्थित रहे। इस अवसर पर चिकित्सा अधीक्षक डा0 संजय दुबे, फार्मासिस्ट लकी शुक्ला सहित अन्य उपस्थित रहे।

नेहा सिंह राठौर मामला एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा : अंकित सिंह यादव

प्रयागराज, अवधनामा संवाददाता। लोक गायिका नेहा सिंह राठौर से जुड़े ÷हॉस्टल कांड÷ पर चल रहे विवाद के बीच उत्तर प्रदेश कांग्रेस सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अंकित सिंह यादव ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह पूरा मामला एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा है, जिसमें भाजपा सरकार कला और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को दबाने का प्रयास कर रही है। सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष ने अपने बयान में कहा की नेहा सिंह राठौर जैसी कलाकार जनता की आवाज हैं। वे जिन मुद्दों को उठाती हैं, वे आम लोगों की पीड़ा को सामने लाते हैं। लेकिन जब भाजपा के भ्रष्टाचार और असंवेदनशील नीतियों की पोल खुलती है, तो ऐसे झूठे विवाद खड़े किए जाते हैं ताकि असल मुद्दों से ध्यान भटकाया जा सके। श्री यादव ने नेहा सिंह राठौर के समर्थन में खड़े होते हुए कहा कि यह लड़ाई सिर्फ एक कलाकार की नहीं, बल्कि हर उस नागरिक की है जो सवाल उठाने की हिम्मत रखता है।

कार डिवाइडर से टकराई, 5 लोग घायल

प्रयागराज, अवधनामा संवाददाता। उत्तराव थाना क्षेत्र में धनसीपुर नेशनल हाईवे पर एक कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। कानपुर की तरफ जा रही कार के चालक को झपकी आ जाने से वाहन अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गया। हादसे में कार में सवार महाराष्ट्र के 5 लोग घायल हो गए। घटना देर रात की है। कार वाराणसी से कानपुर की ओर जा रही थी। धनसीपुर नेशनल हाईवे के पास चालक को झपकी आ गई। आगे खड़े ट्रक को बचाने की कोशिश में कार डिवाइडर से जा टकराई। दुर्घटना में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। तेज आवाज सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। थाना अध्यक्ष पंकज कुमार त्रिपाठी के मुताबिक, सभी घायलों को बाइक के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों की हालत नाजुक बनी हुई है। फिलहाल घायलों की पहचान स्पष्ट नहीं हो पाई है। फिलहाल घटना के हिसाब से बड़ा हादसा टल गया।

रेलवे का समर हॉबी कोर्स शुरू

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन ने प्रयागराज में समर हॉबी कोर्स की शुरुआत की है। संगठन की अध्यक्षा चेतना जोशी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस मौके पर संगठन की सचिव त्रहा वर्मा और रेलवे मुख्यालय के विभिन्न विभागों के प्रमुख मौजूद रहे। कोर्स 16 मई से 10 जून तक चलेगा। इसमें बच्चों को स्केटिंग, ताइक्वांडो, आर्ट एंड क्राफ्ट और डांस की ट्रेनिंग दी जाएगी। सभी कक्षाएं रेलगांव कॉलोनी के कलरव परिसर में होंगी। अनुभवी प्रशिक्षक बच्चों की उम्र और रुचि के हिसाब से ट्रेनिंग देंगे। कोर्स का मकसद बच्चों की गर्मियों की छुट्टियों को रचनात्मक बनाना है। इससे बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ेगा। उनकी लीडरशिप स्किल्स और टीम वर्क की भावना विकसित होगी। साथ ही सहनशीलता, अनुशासन और आत्म-नियंत्रण जैसे गुण भी विकसित होंगे। यह कोर्स रेलवे और गैर-रेलवे कर्मचारियों के बच्चों के लिए खुला है। चेतना जोशी ने कहा कि यह शिविर बच्चों की छुट्टियों को उत्पादक बनाने के साथ-साथ उन्हें सीखने और आत्म-निर्माण का मौका भी देगा।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने फूंका अखिलेश यादव का पुतला

अवधनामा संवाददाता

उप मुख्यमंत्री पर की गयी टिप्पणी के लिए माफी मांगे अखिलेश : अविनाश

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बीच आजकल डीएनए को लेकर बहस चल रही है। जिसमें अति निचले स्तर की भाषा का प्रयोग हुआ और सपा के ऊपर एफआईआर भी दर्ज करा दी गयी है। बृजेश पाठक की तरफ से शिकायत में माफ़ी मांगने की बात हुई है।

इसी क्रम में प्रयागराज में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अखिलेश यादव का पुतला फूंका और उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक पर की गयी अभद्र टिप्पणी के लिए माफ़ी मांगने की बात कही गयी। प्रयागराज बीजेपी महानगर कार्यसमिति सदस्य अविनाश दुबे ने सपा प्रमुख का पुतला फूंकने के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा की सपा अध्यक्ष घोर ब्राह्मण विरोधी हैं। उन्होंने अपनी मानसिकता को दिखाते हुए उप मुख्यमंत्री पर अभद्र टिप्पणी किया। इसका जवाब ब्राह्मण समाज चुनाव में देगा। अभी हाल ही में सपा नेता ने क्षत्रिय समाज का अपमान किया। अब समाज में जातीय वैमनस्य पैदा करने के लिए, ब्राह्मण उप मुख्यमंत्री पर अभद्र टिप्पडी कर रहे हैं। एक सवाल के जवाब में अविनाश दुबे ने कहा की उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी के डीएनए पर सवाल उठाया था, जो कि सही है। इस समय जो समाजवादी पार्टी है वह परिवारवादी पार्टी है वह एक जाति विशेष की पार्टी है। जबकि समाजवादी पार्टी कि यह विचारधारा समाजवाद से नहीं है। जिस विचारधारा को लोहिया या जनेश्वर मिश्रा मानते थे उससे अलग है आज की समाजवादी पार्टी। लेकिन सपा अध्यक्ष ने बिना समझे सोचे उप मुख्यमंत्री पर व्यक्तिगत टिप्पणी किया जो अति निन्दनीय है। सपा अध्यक्ष जब तक माफ़ी नहीं मांग लेते हैं तब तक उनका विरोध होगा।

सपा अध्यक्ष का पुतला फूंकने वालों में अविनाश दुबे के साथ साथ राजेंद्र मिश्रा, संदीप मिश्रा, आनन्द दुबे, रजनीश दिव्वेदी, प्रशांत द्विवेदी झलवा, मृदुल मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

विदित हो की सपा अध्यक्ष और उप मुख्यमंत्री बीजेपी नेता बृजेश पाठक के बीच सोशल मीडिया पर घमासान मचा हुआ है और नौबत पुलिस शिकायत तक पहुंच गयी है। पूरे प्रदेश में बीजेपी के नेता अखिलेश यादव का विरोध कर रहे हैं और अखिलेश यादव इस बात को राजनीति से जोड़ रहे है।

रिकवरी एजेंट से 85 हजार की लूट

प्रयागराज। बहरिया थाना क्षेत्र में बाइक सवार बदमाशों ने रिकवरी एजेंट से 85000 रुपए लूट लिए। बाइक से आए बदमाशों ने दिन दहाड़े एजेंट को तमंचा सटा दिया और रुपए से भरा बैग लेकर निकल भागे। सरेआम वारदात से सनसनी फैल गई। लूट की सूचना पर पुलिस पहुंची और आसपास के इलाकों में वाहनों की चेकिंग शुरू कराई। प्राप्त जानकारी के अनुसार वारदात गंगापार के बहरिया थाना क्षेत्र के तरडीह गांव के पास अंजाम दी गई। भदोही जिले के मानेपुर गांव का रहने वाला शशिकांत कोडक महिंद्रा फाइनेंस कंपनी में एजेंट है। वह गाड़ियों के लोन संबंधित रुपए की वसूली करता है। शशिकांत मऊआइमा, बहरिया आदि वसूली के लिए पहुंचा था। जैसे ही वह बहरिया के तारडीह गांव के पास पहुंचे बाइक से दो बदमाश आए और एजेंट को तमंचा सटा दिया। धमकी दी कि गोली मार देंगे। इसके बाद रुपए लूटकर निकल भागे। बहरिया पुलिस जांच में जुटी है। हालांकि पुलिस का कहना है कि मामला संदिग्ध भी हो सकता है।

आयकर कर्मियों ने आयोजित किया विशाल भण्डारा

मुख्य आयकर आयुक्त एवं प्रधान आयकर आयुक्त ने किया नेतृत्व

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज।ज्येष्ठ माह के द्वितीय मंगलवार के अवसर पर आयकर भवन में मुख्य आयकर आयुक्त मोना मोहन्ती के नेतृत्व में बड़ा मंगल बडे धूम धाम से मनाया गया। इस अवसर पर आयकर परिसर के गेट पर एक विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया।

प्रारम्भ में मुख्य आयकर आयुक्त मोना मोहन्ती एवं प्रधान आयकर आयुक्त मानस मेहरोत्रा ने आयकर परिसर स्थित हनुमान जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके एवं भोग प्रसाद चढ़ाकर सभी के कुशलता की कामना की। तत्पश्चात मुख्य आयकर आयुक्त मोना मोहंती एवं प्रधान आयकर आयुक्त मानस मेहरोत्रा के द्वारा प्रसाद वितरण कर भण्डारे की शुरूआत की गई।

इस अवसर पर प्रधान आयकर आयुक्त ने चर्चा के दौरान बताया कि सनातन धर्म की मान्यताओं के अनुसार ज्येष्ठ मास में पड़ने वाले मंगलवार को बुढ़वा मंगल भी कहा जाता है। उन्होंने कहा कि बुढ़वा मंगल कहे जाने के पीछे दो धार्मिक कथा का जिक्र मिलता है। मान्यताओं के अनुसार त्रेता युग में ज्येष्ठ मास के मंगलवार को भगवान हनुमान जी पहली बार भगवान श्री राम से मिले थे इसलिए इस महीने के सभी मंगलवार को बड़ा मंगल के नाम से जाना जाता है। वहीं महाभारत काल के अनुसार ज्येष्ठ मास के मंगलवार को हनुमान जी ने बूढ़े बानर का रूप धारण करके भीम के अभिमान को चूर किया था, इसलिए ज्येष्ठ मास में पडने वाले मंगल को बुढ़वा मंगल कहा जाने लगा। चर्चा के दौरान उन्होंने यह भी कहा कि हम सभी ईश्वर के आभारी हैं ,कि हम इस स्थिति में हैं कि समाज के लिए कुछ कर सकते हैं, हमें जो भी वेतन मिलता है उसमें से कुछ अंश हम समाज एवं गरीबों के लिए खर्च कर सकते हैं और करना भी चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान अपर आयकर आयुक्त शिव कुमार राय,-ज्ञानेंद्र कुमार श्रीवास्तव, रवि कुमार मेहता, अरूप कुमार मुखर्जी, नन्दन कुमार सोनकर, योगेश्वर राय, आशीष मोहन, रविन्द्र कुमार गौड, भावेश कुमार, बृजेश कुमार, रोहित सिंह, विजय कुमार यादव, पूनम प्रसाद मधु करनानी, नीलम मौर्य, साक्षी श्रीवास्तव, शुभम मालवीय, अरूण कुमार शुक्ला, राजेश कुमार गुप्ता, पुरुषोत्तम शर्मा एवं अन्य अधिकारी तथा कर्मचारी गण भी उपस्थित थे।

शौच के लिए गई महिलाओं से छेड़छाड़

प्रयागराज। सराय ममरेज थाना क्षेत्र के हरीपुर मीरा चतुर पट्टी गांव की कुछ महिलाएं जब शौच के लिए गई थीं, तब गांव के ही कुछ लोगों ने उनके साथ छेड़खानी की। महिलाओं ने जब इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उन्हें जाति सूचक गालियां दी और जान से मारने की धमकी दी। महिलाओं ने घर लौटकर अपने परिजनों को इस घटना की जानकारी दी। जब परिजन आरोपियों के घर शिकायत करने पहुंचे, तो दबंगों ने लाठी-डंडों से उन पर हमला कर दिया। इस हमले में कई लोग घायल हो गए। पीड़िता शकुंतला देवी ने स्थानीय थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ नामजद तहरीर दी है। पुलिस ने सुरेश पाठक पुत्र राधेश्याम, श्रेयांश पाठक पुत्र कमलेश, हेमंत पुत्र ओमप्रकाश और गोपाल समेत कई लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पीड़िता का आरोप है कि दबंग अभी भी उन्हें जान से मारने की धमकी दे रहे हैं और जाति सूचक गालियां दे रहे हैं।

सफाई कर्मियों का नगर निगम में विरोध प्रदर्शन

समान वेतन, पीएफ खाता और राज्यकर्मी का दर्जा देने की मांग, आंदोलन की चेतावनी

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। मंगलवार को नगर निगम में सफाई कर्मियों ने जम कर विरोध प्रदर्शन किया। नगर निगम में सफाई मजदूर एकता मंच ने प्रशासन को 11 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा है। मंच के अध्यक्ष बलराम पटेल ने कहा कि महाकुंभ 2025 के दौरान सफाई कर्मचारियों ने शहर को स्वच्छ रखा। देश-विदेश के श्रद्धालुओं ने इसकी सराहना की। मांग पत्र में सफाई कार्यों में ठेका प्रथा और आउटसोर्सिंग बंद करने की मांग की गई है। स्थायी और अस्थायी कर्मचारियों को समान कार्य के लिए समान वेतन की मांग भी शामिल है। वर्ष 2006 में संविदा पर नियुक्त कर्मचारियों का पीएफ खाता अभी तक नहीं खुला है। इसे तुरंत खोलने की मांग की गई है। सफाई कर्मियों ने स्थानीय निकाय कर्मचारियों को राज्यकर्मी का दर्जा देने की मांग की है। साथ ही पदोन्नति प्रक्रिया को तेज करने की मांग भी की गई है। नगर निगम के सभी वार्डों में पीने का पानी, भोजन और कपड़े बदलने की सुविधाएं मांगी गई हैं। बलराम पटेल ने बताया कि नगर आयुक्त सफाई संगठनों से संवाद नहीं कर रहे हैं। इससे कर्मचारियों में नाराजगी है। समाधान न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई है। संगठन ने तीन साल से अधिक समय से एक ही स्थान पर तैनात अधिकारियों का स्थानांतरण करने की मांग की है। सफाईकर्मियों को समय पर सुरक्षा किट और वर्दी देने की मांग भी की गई है।

शुरुआती बढ़त गंवाकर फिसला बाजार

सेंसेक्स 873 अंक गिरकर हुआ बंद, निफ्टी 24700 के नीचे

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को उतार-चढ़ाव के साथ लगातार तीसरे दिन लाल निशान पर क्लोजिंग हुई। शुरुआती बढ़त गंवाकर बेंचमार्क सूचकांक नीचे फिसल गए। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन बीएसई सेंसेक्स में 873 अंक की गिरावट दर्ज की गई। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 872.98 अंक या 1.06 प्रतिशत गिरकर 81,186.44 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 905.72 अंक या 1.10 प्रतिशत गिरकर 81,153.70 अंक पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 261.55 अंक या 1.05 प्रतिशत गिरकर 24,683.90 पर आ गया।डॉलर के मुकाबले रुपया 21 पैसे की गिरावट के साथ 85.63 रुपये के भाव पर बंद हुआ।

मंगलवार को सेंसेक्स और निफ्टी में 1 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। एचडीएफसी बैंक,रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईसीआईसीआई बैंक जैसे ब्लू चिप्स कंपनियों में बिकवाली के चलते बाजार नीचे आया।बीएसई पर लिस्टेड सभी कंपनियों का मार्केट कैप मंगलवार को 5.13 लाख करोड़ रुपये घटकर 438.54 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

गिरावट

सेंसेक्स की कंपनियों में , इटरनल में सबसे अधिक 4.10 प्रतिशत की गिरावट आई।

सेंसेक्स की कंपनियों का कैसा रहा हाल?

सेंसेक्स की कंपनियों में , इटरनल में सबसे अधिक 4.10 प्रतिशत की गिरावट आई। मारुति, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, पावर ग्रिड, नेस्ले, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एशियन पेंट्स भी पिछड़ गए। एचडीएफसी बैंक में 1.26 प्रतिशत और इंडेक्स प्रमुख रिलायंस इंडस्ट्रीज में 1.13 प्रतिशत की गिरावट आई। वहीं टाटा स्टील, इंफोसिस और आईटीसी को लाभ हुआ। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने

कहा कि निवेशकों ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर अधिक स्पष्टता के इंतजार में मुनाफावसूली का विकल्प चुना और सर्तक रुख अपनाया। मौजूदा अनिश्चितता के बिकवाली का दबाव रहा। उन्होंने कहा कि मौजूदा ऊंचे मूल्यांकन और व्यापार समझौते में देरी के कारण बाजार में कुछ समय के लिए स्थिरता देखने को मिल सकती है। जिससे विदेशी निवेशक भारतीय बाजार में अपनी हिस्सेदारी कम कर सकते हैं।

यूरोपीय बाजारों में हुई बढ़त

एशियाई बाजारों में, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुआ, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। यूरोप के बाजार लाभ के साथ कारोबार कर रहे थे। सोमवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए।

वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.11 प्रतिशत गिरकर 65.47 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, सोमवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 525.95 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। सोमवार को बीएसई सेंसेक्स 271.17 अंक या 0.33 प्रतिशत की गिरावट के साथ 82,059.42 पर बंद हुआ। निफ्टी 74.35 अंक या 0.30 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,945.45 पर बंद हुआ।

कैसा रहा एशियाई बाजार में कारोबार?

मंगलवार की सुबह हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स 0.9 प्रतिशत बढ़कर 23,542.46 पर पहुंच गया, जबकि शंघाई कंपोजिट इंडेक्स में 0.1 प्रतिशत का उछाल आया। टोक्यो में, निक्केई 225 0.5 प्रतिशत बढ़कर 37,685.09 पर पहुंच गया, जबकि ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.6 प्रतिशत बढ़कर 8,343.30 पर पहुंच गया। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.1 प्रतिशत बढ़कर 2,606.58 पर पहुंच गया, जबकि ताइवान का ताइएक्स 0.4 प्रतिशत ऊपर रहा।

घर खरीदते समय अगर की ये गलतियां, तो RERA भी नहीं कर पाएगा फिर आपकी कोई मदद

नई दिल्ली। भारत में घर खरीदना कोई आसान काम नहीं है। किफायती दरों पर होम लोन प्राप्त करना, कानूनी जटिलताओं से निपटना, प्रोजेक्ट में देरी और बिल्डर द्वारा आवंटन रद्द करना ऐसी तमाम मुश्किलें हैं, जिनका सामना हर घर खरीदान को करना पड़ता है। रियल एस्टेट डेवलपर्स की अनुचित प्रथाओं से घर खरीदारों के अधिकारों की रक्षा के लिए रियल एस्टेट (रेगुलेशन एंड डेवलपमेंट) एक्ट (RERA) लागू किया गया है। पिछले कुछ वर्षों में, RERA भारत में घर खरीदारों के लिए एक मजबूत नियामक सुरक्षा प्रदान करने वाला बनकर उभरा है। कई मामलों में, पीड़ित खरीदारों ने ऋश्वक्र में बिल्डर के खिलाफ शिकायत दर्ज की और उन्हें मुआवजा भी मिला। हालांकि, कुछ ऐसे मामले हैं जहां प्रॉपर्टी खरीदते समय उचित सावधानी न बरतने पर RERA भी परेशान घर खरीदार की कोई मदद नहीं कर सकता है। तो आइए जानते हैं वो कौन-सी गलतियां हैं, जिन्हें करने से हर घर खरीदार को बचना चाहिए।

लैंडीड के संस्थापक और सीईओ संजय मांडवा कहते हैं, RERA,

2016 को घर खरीदारों की रक्षा और रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए लागू किया गया था। यह देरी और अनुचित प्रथाओं के खिलाफ मजबूत सुरक्षा प्रदान करता है, लेकिन कुछ परिस्थितियों में RERA खरीदार के पक्ष में नहीं हो सकता। देरी से कब्जे के लिए मुआवजा आमतौर पर दिया जाता है, लेकिन कुछ परिस्थितियों में, प्राधिकरण राहत देने से इनकार कर सकता है। ये परिस्थितियां तीन श्रेणियों में आती हैं खरीदार की कार्रवाइयों से उत्पन्न, बिल्डर की कार्रवाइयों से उत्पन्न, और सरकारी नीतियों या अप्रत्याशित घटनाओं (फोर्स मेजर) के कारण. मांडवा कहते हैं कि इन अपवादों को समझने से खरीदारों को सूचित निर्णय लेने में मदद मिल सकती है।

प्री-RERA प्रोजेक्ट्स और छोटे प्रोजेक्ट्स

RERA मुख्य रूप से चल रहे और भविष्य के प्रोजेक्ट्स पर लागू होता है, जिसके कारण यह स्वतः ही उन प्रोजेक्ट्स को बाहर कर देता है जो प्री-RERA हैं, यानी एक्ट के तहत पंजीकृत नहीं हैं। प्री-RERA प्रोजेक्ट्स में खरीदार RERA में शिकायत नहीं कर सकते। अगर डेवलपर रेरा एक्ट के तहत लगाए गए दायित्वों का उल्लंघन करता है, तभी शिकायत दर्ज हो सकती है। निगम द्वारा स्वीकृत योजनाओं या ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट को चुनौती देने वाली शिकायतें आमतौर पर RERA द्वारा स्वीकार नहीं की जातीं। यदि प्रोजेक्ट नियामक सीमा (500 वर्ग मीटर से कम या 8 यूनिट से कम) के नीचे है, तो खरीदार RERA के तहत राहत नहीं मांग सकते और उन्हें उपभोक्ता या सिविल कोर्ट में कानूनी कार्रवाई करनी होगी। इसलिए घर खरीदते समय यह ध्यान रखें कि प्रोजेक्ट रेरा के तहत पंजीकृत होना चाहिए।

चीन के फैसले से एशियाई शेयर चढ़े, मूडीज के कदम से अमेरिका में चिंता

नई दिल्ली। चीन ने अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए ब्याज दरों में कटौती की, जिससे एशियाई शेयरों में उछाल आया। यह कदम चीन ने व्यापार युद्ध से बिगड़ी स्थिति से निपटने के लिए उठाया गया। चीन की कंटेम्परारी एम्परेक्स टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड (सीएटीएल), जो दुनिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक बैटरी कंपनी है के शेयरों में तेजी आई। हांगकांग में कारोबार के दौरान सीएटीएल के शेयरों में 13 प्रतिशत का उछाल आया। कंपनी ने इस साल दुनिया के सबसे बड़े आईपीओ में लगभग 4.6 अरब डॉलर जुटाए हैं। शंघाई के बाद छोटे शेयर बाजार शेन्जेन में सीएटीएल की शेयरों में दिन की शुरुआत में गिरावट के बाद 0.1 प्रतिशत की बढ़त हुई।

चीन के केंद्रीय बैंक ने सात महीनों में पहली बार प्रमुख ब्याज दरों में कटौती की है। इस कदम का निवेशकों ने स्वागत किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की टैरिफ नीति के कारण निवेशक दबाव में है, चीन के इस फैसले से वह थोड़ी राहत महसूस कर रहें है। पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने एक साल के ब्याज दर में कटौती की है। सभी नए रिफ्रेंस रेट के ब्याज और बकाया फ्लोटिंग ब्याज दरों को घटाकर 3.1 प्रतिशत से 3 प्रतिशत कर दिया गया है। साथ ही पांच साल के ब्याज दरों को घटाकर 3.6 प्रतिशत से 3.5 प्रतिशत कर दिया गया है।

चीन को चिंता है कि मांग में कमी होने के कारण मंहगाई के बजाए अपस्फीति की स्थिति पैदा हो सकती है। अर्थशास्त्री चीन से ऐसे ही कदम की उम्मीद कर रहे थे।

लुलु फैशन वीक 2025: स्टाइल और एलिगेंस का भव्य उत्सव

लखनऊ। लुलु फैशन स्टोर गर्व से लुलु फैशन वीक 2025 की घोषणा करता है, जो साल का सबसे प्रतीक्षित फैशन उत्सव है, जिसे यू.एस. पोलो एसोसिएशन द्वारा प्रस्तुत किया गया है। प्रीमियम ब्रांड पीटर इंग्लैंड, इंडियन टेरेन, एलन सोली और लॉवी के सहयोग से अमुक्ति द्वारा संचालित किया गया हैं। तीन दिवसीय उत्सव 23, 24 और 25 मई को शाम 06:00 बजे से शुरू होगा, जिसके पहले 20 मई, 2025 को लुलु मॉल लखनऊ में एक भव्य लुलु फैशन वीक का लोगो (प्रतीक चिन्ह) प्रकाशित किया गया। जया कुमार गंगाधरन निदेशक यूपी और दिल्ली एनसीआर ने इस आयोजन के पैमाने और उत्साह पर प्रकाश डालते हुए कहा

लुलु फैशन वीक 2025 में 21 फैशन शो होंगे, जिनमें प्रमुख ब्रांडों के नए कलेक्शन दिखाए जाएंगे। इसमें पारंपरिक और नए फैशन ट्रेंड दोनों देखने को मिलेंगे, जो फैशन प्रेमियों के लिए एक खास अनुभव होगा।

नोमान अज़ीज़ खान, क्षेत्रीय प्रबंधक यूपी और दिल्ली एनसीआर ने कहा...

इस वर्ष, हमने स्थानीय प्रतिभाओं को इस आयोजन में शामिल करके एक कदम आगे बढ़ाया है, जिससे उन्हें प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ब्रांडों के साथ अपने कौशल और रचनात्मकता को प्रदर्शित करने के लिए एक प्रतिष्ठित मंच प्रदान किया जा सके। यह प्रतिभा को सशक्त बनाने और फैशन का जश्न मनाने के बारे में है।

उन्होंने आगे एक रोमांचक घोषणा साझा करते हुए कहा लुलु फैशन वीक 2025 के हिस्से के रूप में, हमें अपने सबसे प्रतीक्षित चिकनकारी संग्रह का अनावरण करने पर गर्व है, जो लखनऊ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को समर्पित किया गया हैं। इसके साथ ही, हम पारंपरिक शान-शौकत और समकालीन फैशन का मिश्रण करते हुए एथनिक वियर की एक विशेष लाइन भी लॉन्च करेंगे। यह पहल स्थानीय कलात्मकता का जश्न मनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है, यह आयोजन हमारे ग्राहकों को खास अनुभव देगा, जो स्थानीय परंपराओं से जुड़ा होगा।

लुलु फैशन वीक 2025 में प्रसिद्ध फिल्मी सितारे, मॉडल और फैशन प्रभावित लोग शामिल होंगे, जो पूरे कार्यक्रम के दौरान रैंप पर चलेंगे और प्रशंसकों से जुड़ेंगे। सितारों से सजे ये पल अनुभव को बढ़ाने और उपस्थित लोगों के लिए अविस्मरणीय यादें बनाने का वादा करते हैं।

सभी फैशन प्रेमियों के लिए खुला निमंत्रण

लुलु फैशन वीक सभी फैशन उत्साही और फैशन प्रेमि लोगों, मीडिया और खरीदारों को इस भव्य समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित करता है। प्रतिष्ठित रैंप वॉक देखें, फैशन का अनुभव करें और एक ऐसे कार्यक्रम का हिस्सा बनें जो खुदरा फैशन के अनुभवों को फिर से परिभाषित करता है।

भारत से आयात की राह में अड़चन डालकर खुद को ही नुकसान पहुंचा रहा बांग्लादेश

नई दिल्ली। भारत ने अपने पड़ोसी बांग्लादेश से जुड़ा एक बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने बांग्लादेश से भूमि बंदरगाहों के जरिए आयात को नियंत्रित करने का एलान किया है। सरकार के इस फैसले पर पूरे बाजार की नजर है। कारोबार जगत के जानकार यह मानते हैं कि भारत का यह फैसला पड़ोसी देश को भड़काने के लिए नहीं है। बांग्लादेश की ओर से भारतीय उत्पादों पर लग रही पाबंदियों के बीच सरकार ने यह कदम सोच समझ कर उठाया गया है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के अजय श्रीवास्तव के अनुसार बांग्लादेश की प्रतिबंधात्मक व्यापार नीतियां न केवल दोनों देशों के बीच व्यापार को प्रभावित कर रही हैं, बल्कि उसके खुद के आर्थिक हितों को भी नुकसान पहुंचा रही है। श्रीवास्तव के अनुसार भारत ने इस मामले में कार्रवाई कर केवल अपने शुरुआती संकेत जाहिर किए हैं, और कोई बड़ी कार्रवाई नहीं की है। बांग्लादेश की ओर से सूत और चावल जैसे भारतीय उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध लगाने और अपनी सीमाओं पर निरीक्षण बढ़ाने का जिक्र करते हुए श्रीवास्तव ने कहा, बांग्लादेश खुद को नुकसान पहुंचा रहा है। वे भारत का कुछ नहीं बिगाड़ सकते। बांग्लादेश से कारोबार पर भारत के फैसले से 77 करोड़ डॉलर से अधिक के आयात पर असर पड़ेगा। यह बांग्लादेश से भेजे जाने वाले सभी सामानों का लगभग 42% है। पिछले साल अकेले रेडीमेड गारमेंट्स का आयात 66 करोड़ डॉलर का था। अब उन्हें सिर्फ कोलकाता और न्हावा शेवा बंदरगाहों के जरिए ही भारत में उत्पाद भेजने की अनुमति होगी, जिससे पूर्वोत्तर के जमीनी रास्ते बंद हो जाएंगे। श्रीवास्तव ने कहा, ये बड़े ब्रांड हैं- एचएंडएम, जारा। वे बांग्लादेश में उत्पाद बनाते हैं और दुनिया भर में निर्यात करते हैं। अब, वे भारतीय भूमि बंदरगाहों का उपयोग नहीं कर सकते। हर चीज समुद्र के रास्ते लानी पड़ेगी।

लॉन्गिट्यूड 77 कलेक्टर्स एडिशन को किया कांस में पहली बार प्रदर्शित

नई दिल्ली। सीग्राम का लॉन्गिट्यूड 77, जिसका नाम उस देशांतर रेखा के नाम पर रखा गया है जो 77 डिग्री पूर्व से भारत के उत्तर से दक्षिण तक जारी है, देश की

विविधता, ऐतिहासिक शिल्पकला और मनोरम परिदृश्य को प्रदर्शित करता है। छोटे बैचों में तैयार किया गया, यह भारत के विविध भू-परिदृश्य और स्वदेशी सामग्रियों के सार को अपने भीतर समेटे हुए है। कांस फिल्म फेस्टिवल में इसका भव्य प्रीमियम भारत की सर्वश्रेष्ठ कला को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करने के इसके दृष्टिकोण को मूर्त रूप देता है, जो भारत की कलात्मक कुशलता, बेजोड़ शिल्पकला और असाधारण व्हिस्की निर्माण परंपरा का उत्सव मनाता है।

कार्तिक मोहिंद्रा चीफ मार्केटिंग ऑफसिर पर्नोड रिकार्ड इंडिया ने कहा लॉन्गिट्यूड 77 कलेक्टर्स एडिशन हमारी भारतीय शिल्पकला को वैश्विक मानकों तक ऊंचा उठाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है साथ हीहमारी सांस्कृतिक विरासत की समृद्धि का उत्सव मनाता है। कांस में इसका प्रीमियरएक उत्कृष्ट पेय के अनावरण से कही अधिक है यह भारत की समृद्ध पहचान को रचनात्मकता और कालातीत सुंदरता को एक सच्ची श्रद्धांजलि है। परेश मैती ने कहा यह सहयोग कला और शिल्पकला के माध्यम से भारत की आत्मा को अपने भीतर समेटने के बारे में है। लॉन्गिट्यूड 77 वह मेरिडियन है जो जिसने इस रचना को प्रेरितकिया, भारत के सर्वश्रेष्ठ का वह प्रतीक है जो परंपरा को आधुनिकता के साथ मिलाकर दुनिया के सामने प्रस्तुत की गई है। शालिनी पस्सी ने कहा भारतीय कला को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करने के लिए गहराई से प्रतिबद्ध व्यक्ति के रूप में मैं इस अभूतपूर्व सहयोग का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं, जो भारत की सर्वश्रेष्ठ रचनात्मक दृष्टि और शिल्पकला को विश्व के सामने प्रदर्शित करता है। भारत के सार का प्रतिनिधित्व करते हुए, परेश मैती द्वारा भारत के लॉन्गिट्यूड 77 की इस पोशाक पर दृश्यात्मक प्रस्तुति जिसे मनीष मल्होत्रा ने डिजाइन किया, मेरे तीन जूनूनों, भारत, कला और फैशन, को आपस में जोड़ती है। डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने कहा लॉन्गिट्यूड 77 के साथ यह सहयोग भारतीय विलासिता और रचनात्मकता के शिखर को दर्शाता है। परेश के दृश्य कथानक को पहनने योग्य कला में अनुवाद करना एक प्रेरणादायक चुनौती थी, जिसने एक ऐसा क्षण रचा जहां फैशन और कला मिलकर भारतीय उत्कृष्टता को प्रदर्शित करते हैं।

सरकार संसद के मानसून सत्र में आईबीसी में संशोधन विधेयक ला सकती है

नई दिल्ली। केंद्र सरकार संसद के आगामी मानसून सत्र में दिवाला और दिवालियापन संहिता (आईबीसी) में संशोधन का प्रस्ताव ला सकती है। सूत्रों के हवाले से यह जानकारी सामने आई है। जानकारी के अनुसार दिवाला और दिवालियापन संहिता (आईबीसी) की धारा 31(4) में संशोधन किया जाएगा। यह विशेष खंड किसी भी समाधान योजना के लिए सीसीआई से पूर्व अनुमोदन को अनिवार्य करता है। सूत्रों ने कहा कि आईबीसी में संशोधन से भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) पर भार कम होगा।

उनके अनुसार एक बार नया संशोधन अपनाए जाने के बाद, आईबीसी मार्ग के तहत समाधान की योजना बनाने वाली कंपनी के लिए सीसीआई से अनुमोदन की आवश्यकता नहीं होगी।

एजीआई ग्रीनपैक की समाधान योजना की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी के मद्देनजर आईबीसी में संशोधन की योजना बनाई गई है। जनवरी 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने कथित तौर पर टिप्पणी की थी कि भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग की मंजूरी के बिना दिवालिया हिंदुस्तान नेशनल ग्लास लिमिटेड के अधिग्रहण के लिए एजीआई ग्रीनपैक लिमिटेड की बोली अस्थिर है और इसे रद्द किया जाना चाहिए।

शीर्ष अदालत के आदेश में कहा गया था, एजीआई ग्रीनपैक की समाधान योजना अस्थिर है क्योंकि यह दिवाला और दिवालियापन संहिता की धारा 31(4) के प्रावधान के तहत अनिवार्य सीसीआई से पूर्व अनुमोदन प्राप्त करने में विफल रही। नतीजतन, अपेक्षित सीसीआई अनुमोदन के बिना 28 अक्टूबर, 2022 की तारीख वाले समाधान योजना को लेनदारों की समिति की ओर से दी गई मंजूरी को बरकरार नहीं रखा जा सकता है और इसे रद्द किया जाता है।

क्रूस्र बर्गर के सीमित समय के 50% छूट के साथ अंतर्राष्ट्रीय बर्गर दिवस मनाएँ

लखनऊ। बर्गर डिलीवरी ब्रांड, BOSS बर्गर बाय सोशल, एक अनूठा मेनू और चुनिंदा बर्गर पर 50% तक की छूट के साथ एक अविस्मरणीय ऑफ़र के साथ अंतर्राष्ट्रीय बर्गर दिवस मना रहा है, जो 28 मई को विशेष रूप से स्विगी और ज़ोमैटो पर उपलब्ध है। भारत के 10 शहरों में उपलब्ध, BOSS बर्गर का मेनू उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री से तैयार किए गए बोल्ड, शानदार स्वाद लाता है, जो आपके दरवाजे पर सीधे प्रीमियम बर्गर का अनुभव देता है। चाहे आप अपने लिए ऑर्डर कर रहे हों या दोस्तों की मेज़बानी कर रहे हों, BOSS बर्गर को रसदार पैटीज़ और पंची सॉस के अपने सिग्नेचर मिक्स के साथ आपके बर्गर के पलों को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। BOSS बर्गर का मेनू स्वाद और भोग का एक शानदार उत्सव है, जिसमें हर लालसा को संतुष्ट करने के लिए तैयार किए गए लाजवाब बर्गर की एक

लाइनअप है। इस दौड़ में सबसे आगे हैं स्वादिष्ट स्मैश बर्गर, जिसमें सबसे आगे और बीच में है स्वादिष्ट चिकन स्मैश बर्गर, जो डबल-पैटी वैरिएंट में उपलब्ध है, जो उन लोगों के लिए है जो एक अतिरिक्त बाइट की लालसा रखते हैं। मसालों के शौकीनों के लिए, तीखा पेरी-पेरी ग्रिल्ड चिकन बर्गर गर्मी का तड़का लगाता है, जो मलाईदार गुआकामोल और कुरकुरी सब्जियों के साथ पूरी तरह से संतुलित है। कोरियन फ्राइड चिकन बर्गर अपने बोल्ड, सॉसी ग्लेज़ और भरपूर स्वाद प्रोफ़ाइल के साथ एक रोमांचक एशियाई ट्विस्ट लाता है, जो हर बाइट में एक अलग स्वाद का वादा करता है। कुछ वाकई अनोखे के लिए, शम्स सिग्नेचर स्टेक बर्गर में स्वादिष्ट स्टेक बिट्स, एक सनी-साइड-अप अंडा और हॉट मेयो का संयोजन एक स्वादिष्ट, स्वादिष्ट मास्टरपीस के लिए किया गया है।

शाकाहारी विकल्प भी उतने ही शानदार हैं। चटपटा समोसैलिशियस स्मैश बर्गर मसालेदार आलू पैटी को क्लासिक चटनी के साथ मिलाकर देसी स्वाद देता है, जबकि पनीर चीज़ बॉम्ब बर्गर पैंको-क्रम्ब्ड पनीर, मोज़ेरेला और कुरकुरी सब्जियों का एक ऐसा स्वादिष्ट मिश्रण है जिसका विरोध करना मुश्किल है। प्रीमियम सामग्री का उपयोग करके तैयार और बोल्ड फ्लेवर से भरपूर, BOSS बर्गर की लाइन-अप हर किसी के लिए कुछ न कुछ पेश करती है–चीज़ी से लेकर मसालेदार और स्वादिष्ट मीटी तक–सीधे आपके दरवाज़े पर डिलीवर की जाती है। चुनिंदा बर्गर पर 50% तक की छूट के साथ बर्गर डे मनाएँ–केवल एक दिन, 28 मई को Swiggy और Zomato पर उपलब्ध।

मेदांता अस्पताल में हुआ सीएमई का आयोजन

लखनऊ। यूफोरियल यूथ सोसाइटी ने राजधानी के मेदांता हॉस्पिटल में रक्तदान की आवश्यकता और इसके लिए जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक सीएमई का आयोजन किया। जिसमें मेदांता हॉस्पिटल के विशेषज्ञों, समाजसेवी संस्थाओं और यूफोरियल समिति के विभिन्न शहरों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया इस कार्यक्रम में न सिर्फ रक्तदान की महत्वता को रेखांकित किया गया बल्कि चिकित्सा एवं समाज सेवा के बीच मजबूत साझेदारी की भी आवश्यकता पर जोर दिया गया।

यूफोरियल युथ सोसाइटी ,आईएफएसएडी , भसीन एंड संस्थ्य तथा मेदांता अस्पताल के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस सीएमई में ब्लड डोनेशन की जागरूकता , दाता सेफ्टी और ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन के तकनीकी पहलुओं पर चर्चा की गई। जिसमें मेदांता के ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन प्रमुख डॉ आशीष तिवारी, रजिस्ट्रार डॉ प्रतीक श्रीवास्तव , विजिलेंस अधिकारी खुशबू श्रीवास्तव ,हेमेटो ऑंकोलॉजी विभाग के निदेशक डॉक्टर अंशुल गुप्ता ,यूरोलॉजी एवं किडनी ट्रांसप्लांट विभाग के निदेशक डॉक्टर मनमीत सिंह ने अपने विचार प्रस्तुत किए .विशेषज्ञों ने रक्तदान की आवश्यकता, सुरक्षित ट्रांसफ्यूजन प्रैक्टिस और समाज में इसके महत्व को विस्तार से बताया। कार्यक्रम के अंत में यूफोरियल युथ सोसाइटी के संस्थापक देवेश जायसवाल ने अपने समस्त सदस्यों व समाजसेवी संस्थाओं को भी उनके विशेष योगदान के लिए सम्मानित किया।

टाटा मोटर्स ने फोर-व्हील ई-कार्गो सॉल्यूशंस में अपनी बढ़त को और मजबूत किया

- **मैजेंटा मोबिलिटी के बेड़े में अब 350 ऐस ईवी, 20 और यूनिट्स की डिलीवरी की गई**
- **मैजेंटा मोबिलिटी के ऐस ईवी अब 10 शहरों में चल रहे हैं, जिन्होंने अब तक लगभग 50 लाख किलोमीटर की दूरी तय की है**

मुंबई। भारत की सबसे बड़ी वाणिज्यिक वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने आज मैजेंटा मोबिलिटी को 20 नई टाटा ऐस ईवी की डिलीवरी की, जिससे कंपनी के बेड़े में कुल 350 ईवी हो गए हैं। यह डिलीवरी 2023 में टाटा मोटर्स और मैजेंटा मोबिलिटी के बीच 500 ऐस ईवी तैनात करने के लिए हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) का हिस्सा है। टाटा ऐस ईवी को मैजेंटा मोबिलिटी द्वारा देश के 10 शहरों में संचालित किया जा रहा है और इन

गाड़ियों ने अब तक करीब 50 लाख किलोमीटर की दूरी तय की है, जिससे लगभग 2,500 टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन की बचत हुई है। भारत की सबसे उन्नत शून्य-उत्सर्जन वाणिज्यिक वाहन अब ई-कॉमर्स, पार्सल व कूरियर, एफएमसीजी, एफएमसीडी और डेयरी जैसे क्षेत्रों में सक्रिय रूप से उपयोग में लाई जा रही हैं।

इस अवसर पर मैजेंटा मोबिलिटी के संस्थापक और सीईओ मैक्सन लुईस ने कहा, टाटा ऐस ईवी ने हमेशा शानदार प्रदर्शन, अधिकतम उपयोग समय, मजबूत रेंज और ड्राइवर-फ्रेंडली अनुभव दिया है। हमारे पास फिलहाल 350 ईवी हैं और अगले कुछ समय में 150 और जोड़ी जाएंगी। इससे हम पूरे भारत में अपने ग्रीन लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को और मजबूत कर रहे हैं। टाटा मोटर्स की भरोसेमंद सेवा प्रणाली और परखी हुई तकनीक उन्हें 16 शहरों में हमारे सफर के विस्?तार और डीकार्बनाइजेशन अभियान का अहम साझेदार बनाती है।

टाटा मोटर्स के वाइस प्रेसिडेंट और बिजनेस हेड एससीवीपीयू पिनाकी हल्दर ने कहा, ÷हमें गर्व है कि हम भारत में ई-कार्गो मोबिलिटी को व्यावहारिक, नवाचारी और टिकाऊ समाधानों के ज़रिए बदल रहे हैं। मैजेंटा मोबिलिटी द्वारा टाटा ऐस ईवी में दोहराया गया विश्वास इस वाहन की क्षमता, विश्वसनीयता और हमारी साझेदारी की मजबूती को दर्शाता है। हम केवल इलेक्ट्रिक वाहन नहीं दे रहे, बल्कि शहरी भारत में स्वच्छ और स्मार्ट लॉजिस्टिक्स का आधार भी बना रहे हैं। हर नई ऐस ईवी डिलीवरी, देश में शून्य-उत्सर्जन परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में एक अहम कदम है।

टाटा ऐस ईवी को मजबूत प्लेटफॉर्म और टिकाऊ पुर्जों के साथ तैयार किया गया है, जो 161 किमी की प्रमाणित रेंज और 1000 किलोग्राम तक वजन ले जाने की क्षमता प्रदान करता है। यह छोटा इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहन टाटा मोटर्स के कनेक्टेड फ्लीट एज प्लेटफॉर्म से जुड़ा है, जो वाहन और ड्राइवर के प्रदर्शन की रीयल-टाइम जानकारी देता है।

रीजनरेटिव ब्रेकिंग और एडवांस बैटरी कूलिंग सिस्टम इसकी निर्बाध और बेहतर कार्यक्षमता सुनिश्चित करते हैं। देशभर में 200 से अधिक विशेष ईवी सर्विस सेंटर्स के नेटवर्क का समर्थन इसे बेड़े के मालिकों के लिए एक भरोसेमंद विकल्प बनाता है।

बिट्टू बहानेबाज़ के साथ सोनिक पर चलिए हंसी ठिठोली और मस्ती से भरी एक अनोखी दुनिया में!

जब मजेदार बहानों से भरी कल्पनाशीलता, ज़बरदस्त आइडियाज़ और हँसी-मजाक एकसाथ आते हैं, तो बनता है बिट्टू बहानेबाज़! जियोस्टार किड्स लेकर आया है एक नया शो, जो 10 साल के शरारती और होशियार बिट्टू की मस्तीभरी दुनिया को पेश करता है। यह शो हर दिन दोपहर 12:30 बजे सोनिक पर प्रसारित हो रहा है, और उसी दिन जियोहॉटस्टार पर भी उपलब्ध है। इसके रिपीट टेलीकास्ट सुबह 9 बजे और शाम 7 बजे देख सकते हैं। इस शो में बिट्टू रोजमर्रा की मुश्किलों से बचने के लिए नए-नए दिलचस्प और मजेदार बहाने बनाता है। उसकी छोटी-छोटी शरारतें और चतुराई से भरी कहानियाँ हर बच्चे और बड़े के चेहरे पर मुस्कान ला देती हैं। सच कहें तो, हम सभी के अंदर थोड़ा बहुत बिट्टू कहीं न कहीं छुपा होता है!

यह एक ऐसी दुनिया है जहाँ

नियमों को तोड़ा नहीं, थोड़ा मोड़ा जाता है - और जहाँ क्रिएटिविटी की जीत होती है। शो का खास आकर्षण है इसका टाइटल ट्रैक, जिसे लिखा है खुद गुलज़ार साहब ने। यह गाना बिट्टू की रंगीन दुनिया को और भी मज़ेदार बना देता है।

जियोस्टार किड्स नेटवर्क हमेशा से बच्चों को ऐसे प्यारे किरदार देता आया है जो उनके दोस्त जैसे लगते हैं - जैसे मोटू-पतलू, चीकू और बंटी, पिनाकी एंड हैप्पी - भूत बंधु, रूद्रा और अब इस सूची में नया नाम जुड़ा है बिट्टू बहानेबाज़ का।

तो हँसी-ठिठोली से भरपूर इस मजेदार सफर में शामिल होइए,

हर दिन दोपहर 12:30 बजे सोनिक पर और जियोहॉटस्टार पर कभी भी!

अब समाज के मुख्य धारा से जुड़ेंगे मूकबधिर बच्चे : डीएम

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। नवीन संकेत मूक बधिर राजकीय बालिका इण्टर कालेज के प्रथम सत्र का शुभारंभ विधायक खड्डा विवेकानन्द पाण्डेय, रामकोला विनय प्रकाश गौंड तथा जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर द्वारा मां शारदा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर तथा फीता काट कर किया। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्यों के द्वारा पुस्तकालय, क्राफट रूम, मल्टी परपज हाल, स्मार्ट क्लास, क्लासरूम आदि का अवलोकन भी किया गया।

विधायक व जिलाधिकारी ने सभी नव प्रवेशित बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की। कुछ प्राथमिक विद्यालय के बच्चों तथा मूक-बधिर बालिकाओं द्वारा विशिष्ट तथा मुख्य अतिथियों के समक्ष स्वागत गीत भी प्रस्तुत किया गया। उन्होने कहा कि इस विद्यालय के माध्यम से मूक बधिर बच्चों को शिक्षा प्रदान कर समाज की मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। 200 विद्यार्थियों की क्षमता वाले विद्यालय में समस्त कलाए भी भविष्य में सिखाई जाएगी। मूक-बधिर तथा दिव्यांग बच्चें को गुणवत्ता परख शिक्षा प्रदान की जायेगी। जिससे कि वे साक्षर बन कर अपना जीवनयापन आत्मनिर्भर होकर करेगे। सांकेतिक भाषा का ज्ञान भी दिया जाएगा। जब ये बच्चे साक्षर बनेंगे तो इनका लाइफ भी बदलेगा। उन्होंने अपील किया है कि अगर जनपद में कोई भी मूक बधिर दिव्यांग बालिकाएं है तो यहां प्रवेश ले सकते है। इस अवसर पर दिव्यांगजनों को ट्राय साइकिल भी वितरण किया गया। सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की गई।

मूकबधिर बच्चों के साथ डीएम व अन्य

मूकबधिर राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज का प्रथम सत्र शुभारंभ

विद्यालयों में समर कैंप का आयोजन आज से

बच्चो के सर्वांगीण विकास हेतु उप्र सरकार द्वारा दिए गए निर्देश के क्रम में समर कैम्प की रूप रेखा निर्धारित करने हेतु जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक दौरान जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि 21 मई से 10 जून तक विद्यालयों में सफलतापूर्वक समर कैम्प का आयोजन जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी की निगरानी में किया जाए। 21 मई से 10 जून 2025 तक समस्त राजकीय अशासकीय सहायता प्राप्त एवं स्व वित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों में समर कैम्प आयोजन किया जाए।

संविदाकर्मियों की हड़ताल से चौपट हुई बिजली आपूर्ति, नगर से गांव तक हाहाकार, ठीक से नहीं चल पा रहे सरकारी दफ्तर

अवधनामा संवाददाता

अमेठी। बिजली विभाग में कार्यरत संविदा कर्मियों की हड़ताल के चलते मंगलवार को देर शाम तक विद्युत आपूर्ति प्रभावित रही। बिजली न आने के कारण इन्वर्टर बैठने से सरकारी कार्यालयों में कामकाज प्रभावित हुआ। गांवों में बिजली कटने से तेज दोपहरी में लोग खासे हैरान हुए। मंगलवार को संविदा कर्मियों की हड़ताल से बिजली की आपूर्ति दिन रात प्रभावित रही। रोस्टर पूरी तरह तार तार हो गया। हड़ताल कर रहे संविदा कर्मियों की संख्या के सापेक्ष विद्युत विभाग के अभियंता वैकल्पिक व्यवस्था नहीं कर पाए। इनवर्टर दोपहर बाद ही जबाब दे गये।

सरकारी कार्यालयों में कामकाज बाधित रहा। अगले दो दिनों तक भी यही स्थिति बनी रहने की संभावना से लोग खासे परेशान हैं। अमेठी ब्लाक कार्यालय में समूह सखियों की बैठक के दौरान तीन घंटे तक बिजली न रहने से महिलाएं खासी परेशान रही। जिले के अन्य सभी विकास खंडों और तहसील कार्यालयों में भी कामकाज प्रभावित रहा।

सरकार के प्रतिनिधि का आश्वासन झूठा साबित हुआ, नहीं रुकीं संविदाकर्मियों की छंटनी

15 मई को प्रदेश के सभी संविदा कर्मियों ने शक्ति भवन पर धरना प्रदर्शन किया था। मुख्यमंत्री के निजी सचिव वार्ता करने के लिए आए थे। उन्होंने तीन दिन के भीतर बिजली कर्मियों की छंटनी रोकने और हटाए गए कर्मियों को वापस लेने का आश्वासन दिया था। यह आश्वासन कोरा साबित हुआ। पांच दिन का समय बीतने के बाद मंगलवार से संविदा कर्मी 72 घंटे की हड़ताल पर चले गए हैं संविदा कर्मियों को दो महीने से वेतन भी नहीं मिला है।

बिजली न आने से गांवों में हाहाकार, नगरीय कस्बों में स्थिति और खराब

72 घंटे की हड़ताल ने लोगों का चैन छीन लिया है। गांवों में छोटे बच्चे खासे परेशान हैं। नगरीय क्षेत्रों में जिनके पास इन्वर्टर और जनरेटर की व्यवस्था नहीं है वे परिवार छत पर भी आराम नहीं कर पा रहे हैं।

संविदा कर्मियों की हड़ताल के सम्बन्ध में शासन से अभी तक कोई वार्ता नहीं हुई है। जिले में वैकल्पिक व्यवस्था के लिए 600 कार्मिक चाहिए। इतनी व्यवस्था कहीं से नहीं हो पा रही है। हड़ताल 72 घंटे तक रहने की संभावना है। नियमित कर्मचारी शत प्रतिशत संख्या में काम कर रहे हैं।

रविकांत
अधीक्षण अभियंता
विद्युत विभाग

रावण वध की कथा के साथ हुआ राम कथा का समापन

अवधनामा संवाददाता

अहिरौली बाजार, कुशीनगर। क्षेत्र के गांव हरपुर सुक्खड़ के अकटहवां टोले पर स्थित शिव मंदिर परिसर में चल रहे ग्यारह दिवसीय रूद्र महायज्ञ के अंतिम दिन कथा वाचक भोजपुरी मानस सम्राट पंडित वीरेन्द्र तिवारी ने रावण वध की कथा सुनाई। उन्होंने बताया कि श्रीलंका में पाप और पुण्य के बीच तथा धर्म और अधर्म के बीच युद्ध शुरू हो चुका था। रण में एक-एक कर रावण के सभी पुत्रों व भाइयों का नाश होने लगा। अंततः जब सेना कम पड़ी तो रावण ने श्री राम प्रभु की सेना को नष्ट करने के लिए छह माह सोने वाले भाई कुंभकर्ण को असमय ही जगाया। यह प्रयास भी निरर्थक साबित हुआ और कुंभकर्ण को भी वीरगति प्राप्त हुई। उन्होंने आगे का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि रावण ने फिर मेघनाद को युद्ध भूमि में भेजा। मेघनाथ के शक्ति बाण से लक्ष्मण बेहोश हो गए। उनका उपचार करने के लिए हनुमान विभीषण के कहने पर सुषेण वैद्य को भवन सहित उठा लाए। रावण वध का प्रसंग सुनते ही भक्तजन भाव-विभोर हो उठे और पूरा यज्ञ स्थल श्री राम के जयकारों से गूंज उठा। इस दौरान यज्ञ समिति के अध्यक्ष मनोज यादव द्वारा क्षेत्र के सम्मानित पत्रकार बन्धुओं को अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर फागु यादव, डॉ एम एल यादव, सागर राय, विनय यादव, विकास यादव, राजेश शर्मा, विपिन यादव, पवन तिवारी, वंशीधर त्रिपाठी, सुरेन्द्र यादव सहित सैकड़ों श्रोतागण उपस्थित रहे।

कथा का रसपान कराते वीरेंद्र

शिक्षा विकास की कुंजी, नौनिहाल ही देश का भविष्य

अमेठी अवधनामा संवाददाता। युवा चेतना मंच के प्रदेश महामंत्री डॉ देवमणि तिवारी और आचार्य विनोबा भावे डिग्री कॉलेज के प्रबंधक डा अरविंद चतुर्वेदी की ओर से इंटरनेशनल होटल में माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के टाप टेन प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं का अलंकरण समारोह आयोजित किया गया। सांसद किशोरी लाल शर्मा ने छात्र छात्राओं को पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए। पुरस्कृत छात्र छात्राओं की संख्या 34 रही। सांसद के एल शर्मा ने छात्र छात्राओं को अच्छी शिक्षा के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि नौनिहाल ही देश का भविष्य हैं।शिक्षा ही विकास की कुंजी है। सांसद ने छात्र छात्राओं की अच्छी शिक्षा में आगे भी मदद और प्रोत्साहन का भरोसा दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ देवमणि तिवारी ने किया। डा अरविंद चतुर्वेदी ने कहा कि ग्रामीण अंचल के बच्चे भी अब शिक्षा के मामले शहरी क्षेत्रों से पीछे नहीं हैं, उन्हें उचित मार्गदर्शन की जरूरत है। डा देवमणि तिवारी ने कहा कि युवा चेतना मंच युवाओं और छात्र छात्राओं के बेहतर भविष्य के निर्माण में उल्लेखनीय योगदान कर रहा है। कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेस नेता आशीष शुक्ला,सर्वेश सिंह,डा नरेंद्र मिश्र, अशोक सिंह हिटलर, देवेन्द्र सिंह गप्पू, सुनील सिंह आदि मौजूद रहे।

कसया में अतिक्रमण पर चला प्रशासन का बुल्डोजर

अवधनामा संवाददाता

कसया, कुशीनगर। जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन एवं नगर पालिका व पीडब्ल्यूडी की संयुक्त कार्रवाई में मंगलवार को कुशीनगर नगर पालिका के कसया-तुर्कपट्टी मार्ग स्थित सपहा बाजार के वार्ड नंबर 8 एवं वार्ड नंबर 3 में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया।

सड़क के बीच से दोनों ओर 12-12 मीटर के दायरे में किए गए अतिक्रमण को हटाने के लिए बुलडोजर का प्रयोग किया गया। इस दौरान अवैध रूप से सड़क के किनारे किए गए अतिक्रमण, दुकान और अन्य ढांचों को ध्वस्त कर दिया गया। अभियान के दौरान नगर पालिका, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), राजस्व विभाग और पुलिस विभाग की टीमें मुस्तैद रहीं। प्रशासन ने पहले ही अतिक्रमणकारियों को चेतावनी जारी की थी, लेकिन तय समय सीमा में अतिक्रमण न हटाने पर यह सख्त कार्रवाई की गई। मौके पर तहसील प्रशासन से कानूनगो मार्कण्डेय मणि त्रिपाठी, प्रदीप गुप्ता, अशोक कन्नौजिया एवं लेखपाल, सुनील कुशवाहा, थाना प्रभारी कसया ओमप्रकाश तिवारी, दीवान रणजीत सिंह तथा कांस्टेबल महेंद्र ने सुरक्षा व्यवस्था को संभाला।

जेसीबी से अतिक्रमण हटवाती प्रशासन

बिजली निगम के कर्मचारियों ने किया विरोध, किया कार्य बहिष्कार

कसया, कुशीनगर। बिजली निगम के कर्मचारियों ने मंगलवार को कार्य बहिष्कार कर विरोध प्रदर्शन किया। निजीकरण के विरोध में कसया उपकेंद्र कार्यालय पर अभियंता व कर्मचारी संघ के लोगों ने धरना दिया। निजीकरण के विरोध में नारेबाजी की। कर्मचारियों के विरोध से आम लोगों को काफी नुकसान उठाना पड़ा।

डीएम के प्रयास से सामु. स्वा. केन्द्र दीनशाह गौरा को मिले महत्वपूर्ण उपकरण

रायबरेली अवधनामा संवाददाता। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के प्रयास से सीआरएस फंड के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र दीनशाहगौरा रायबरेली में 25 के.वी.ए. का जनरेटर, सीबीसी मशीन, डिलीवरी टेबल सहित अन्य महत्वपूर्ण उपकरण उपलब्ध कराये गये है। जिसका उद्घाटन/अनावरण सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र दीनशाहगौरा, रायबरेली पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ नवीन चन्द्रा द्वारा किया गया। मौके पर जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. अरुण कुमार, जिला स्वा. शिक्षा अधिकारी डीएस अस्थाना, खण्ड विकास अधिकारी अशोक कुमार सचान सहित अन्य विकास खण्ड के अधिकारीगण मौजूद रहें। यह कार्यक्रम अधीक्षक सामु.स्था.केन्द्र डा. ज्ञान प्रताप सिसोदीया की देखरेख में किया गया। इस अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ ज्ञान प्रताप सिसोदिया व उपस्थित सभी सम्मानित नागरिकों द्वारा जिलाधिकारी द्वारा की गई मदद की सराहना की और धन्यवाद किया गया। इस पहल से स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा और मरीजों को बेहतर सुविधा मिलेगी।

जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की समीक्षा बैठक

मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत 439 बच्चों को मिला लाभ

देवरिया अवधनामा संवाददाता। कलेक्ट्रेट सभागार में आज जिलाधिकारी दिव्या मित्तल की अध्यक्षता में जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम-2015 के कार्यान्वयन और वार्षिक बाल संरक्षण कार्य योजना की बिंदुवार समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि बाल संरक्षण जैसे संवेदनशील कार्यों को समयबद्ध और प्रभावी ढंग से पूर्ण किया जाए। उन्होंने ग्राम/वार्ड और ब्लॉक स्तर की बाल संरक्षण समितियों की नियमित बैठकें आयोजित करने, बाल विवाह, बाल श्रम, और बाल भिक्षावृत्ति जैसे मुद्दों पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। अपर जिलाधिकारी (प्रशाशन) जैनेंद्र सिंह ने बाल सेवा योजना (सामान्य) के प्रचार-प्रसार और पात्र बच्चों से आवेदन प्राप्त करने पर जोर दिया। उन्होंने बाल देखरेख संस्थाओं को नियमानुसार संचालित करने के भी निर्देश दिए। जिला परिवीक्षा अधिकारी अनिल कुमार सोनकर ने संस्थागत और गैर-संस्थागत बाल संरक्षण विषयों पर विस्तृत समीक्षा प्रस्तुत की, जिसमें बाल कल्याण समितियों, किशोर न्याय बोर्ड, बाल देखरेख संस्थाओं, चाइल्ड हेल्पलाइन, विशेष दत्तक ग्रहण अभिकरण, और जिला बाल संरक्षण इकाई के कार्य शामिल थे। संरक्षण अधिकारी जय प्रकाश तिवारी ने बाल संरक्षण से जुड़े हितधारकों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए ÷मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (कोविड) की जानकारी दी।

विशाल भंडारे का आयोजन, उमड़ा जनसैलाब

महराजगंज, रायबरेली अवधनामा संवाददाता। वैसे तो हनुमान जी महाराज की हर दिन पूजा अर्चना की जाती है, लेकिन मंगलवार को हनुमान जी की आराधना का विशेष महत्व है। यह महत्व तब और भी बढ़ जाता है जब जेष्ठ माह का दूसरे मंगलवार हो, ऐसे में ज्येष्ठ माह के पहले बड़े मंगलवार यानी आज के दिन कस्बे के रायबरेली रोड पर स्थित हनुमानगढ़ी में हनुमान जी महराज की पूजा आराधना करने के लिए श्रद्धालुओं का जन सैलाब उमड़ पड़ा। यहां सुबह 5 से ही श्रद्धालु हनुमान जी महाराज के दर्शन और उनका पूजन करने के लिए मंदिर पहुंचे। तत्पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों भक्तों ने प्रसाद छका और पूर्ण्य की प्राप्ति की। आपको बता दें कि, सनातन धर्म में ज्येष्ठ माह का विशेष महत्व होता है?। इस महीने में पड़ने वाले मंगलवार को बड़े मंगल के नाम से जाना जाता है, और दुसरे मंगल के दिन हनुमान मंदिरों में हजारों की संख्या में श्रद्धालु हनुमान जी महाराज का दर्शन पूजन करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस महीने आने वाले पांचो मंगलवार के दिन हनुमान जी की विधि विधान से पूजा आराधना करने से जीवन में चल रहे तमाम तरह के कष्ट दूर होते हैं। इस बारे में मंदिर कमेटी के व्यवस्थापक लक्ष्मी शंकर श्रीवास्तव ने बताया कि, प्रत्येक दिन हनुमान जी के लिए खास है, लेकिन ज्येष्ठ माह का दुसरे मंगल तपन का मंगल है, जिसमें तपन तपस्या सफलता देती है, और जब कोई तपस्या हो जाती है तो उसका फल अच्छा मिलता है।

स्कूलों और मदरसों को बंद करना अनुचित, बुनियादी शिक्षा को प्रोत्साहन दें यूपी और बिहार की सरकारें: मायावती

अमेठी अवधनामा संवाददाता। उत्तर प्रदेश में बेसिक शिक्षा परिषद की ओर से संचालित स्कूलों में पिछले तीन के भीतर दाखिले में हुई गिरावट को बसपा ने गंभीरता से लिया है। बसपा ने निजी मदरसों को अवैध बताकर बंद करने की सरकार की नीति को अनुचित बताया है और निजी मदरसों के प्रति सरकार से रवैया बदलने और शिक्षा के महत्व और जरुरत पर उचित ध्यान देने की मांग की है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक्स पर दिए गए बयान में कहा है कि यूपी के प्राइमरी व अपर प्राइमरी स्कूलों में सन् 2023-24 में 1.74 करोड़ दाखिले हुए, किन्तु 2024-25 में मात्र 1.52 करोड़ अर्थात स्कूल दाखिला में लगभग 22 लाख की गिरावट सरकारी स्कूल व्यवस्था की ऐसी बदहाल स्थिति गंभीर व चिन्तनीय है। शिक्षा के महत्व व जरूरत पर सरकार का उचित ध्यान जरूरी है। फिर भी सस्ती व सुलभ व्यवस्था के तहत मदरसों आदि की प्राइवेट व्यवस्था के विरुद्ध सरकार का रवैया सहयोग का होने के बजाय उन्हें अवैध बताकर बंद करने का होना बुनियादी शिक्षा की जरूरत को और कमजोर करने वाला गैर-जरूरी व अनुचित। निजी मदरसों के प्रति सरकार अपना रवैया बदले तो बेहतर होगा। वैसे तो सरकारी स्कूलों के हालात देश के अधिकतर राज्यों में काफी खराब हैं, किन्तु यूपी व बिहार में यह अति-दयनीय होने से बहुजन गरीब परिवारों का बहुप्रतीक्षित विकास बाधित व इनके बच्चों का भविष्य अंधकारमय। ऐसे में स्कूल शिक्षा पर ध्यान देकर इन्हें बंद करने के बजाय प्रोत्साहन जरूरी है।

शादी अनुदान योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को स्वीकृति

देवरिया अवधनामा संवाददाता। अन्य पिछड़ा वर्ग, सामान्य वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के कल्याणार्थ शासन द्वारा संचालित शादी अनुदान योजनान्तर्गत अनुश्रवण समिति/जनपद स्तरीय स्वीकृति समिति की बैठक मुख्य विकास अधिकारी प्रत्यूष पाण्डेय की अध्यक्षता में एवं जन प्रतिनिधि की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। बैठक में जन प्रतिनिधियों एवं जनपद स्तरीय तहसील/ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों के द्वारा उक्त योजना के सम्बन्ध में बैठक में विस्तारपूर्वक चर्चा करते हुए अन्य पिछड़ा के माह मार्च में शादी हेतु 45 आवेदन एवं वित्तीय वर्ष 2025-26 के 182, समान्य 24, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति के 38 पात्र आवेदन पत्रों को लाभान्वित किये जाने हेतु स्वीकृति प्रदान की गयी।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

मुख्य कारखाना प्रबंधक, सवारी डिब्बा कारखाना, आलमबाग, लखनऊ निम्न कार्य के लिए ई–निविदा आमंत्रित करते हैं।

01	**कार्य का नाम :** क्लीनिंग ऑफ कोचेस ड्यूरिंग पी.ओ.एच. एट कैरिज वर्कशॉप, आलमबाग, लखनऊ।	
02	**कार्य स्थल :** सवारी डिब्बा कारखाना, आलमबाग, लखनऊ	
03	**अनुमानित लागत :** रु. 1,09,81,529.28 मात्र (रु. एक करोड़ नौ लाख इक्कासी हजार पाँच सौ उन्नतीस और अठाईस पैसें)	
04	**निविदा प्रपत्र का मूल्य :** शून्य।	
05	**बिड सिक्युरिटी :** रु. 2,04,900/- मात्र (दो लाख चार हजार नौ सौ मात्र)	
06	**कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 02 वर्ष (स्वीकृति पत्र के अनुसार)	
07	**निविदा जमा करने की तिथि एवं समय :** दिनाँक– 26.05.2025 से 09.06.2025 समय 15:00 बजे तक।	
08	**प्रमाणपत्र :** फर्म के सभी Members द्वारा ANNEXURE-A (यदि Company/ Proprietorship फर्म है) के साथ Annexure- A(a) (यदि Partnership/HUF/JV/LLP फर्म है) के अनुरूप प्रमाणपत्र अवश्य अपलोड किया जाना चाहिए।	
09	**खुलने का समय :** निविदा फार्म जमा होने के पश्चात निविदा को किसी भी समय खोला जायेगा। निविदाकर्ताओं को निविदा खुलने के दौरान उपस्थित रहने की आवश्यकता नहीं है।	
10	**कार्यालय जहां से निविदा प्रपत्र क्रय किया जा सकता है**	निविदा सूचना एवं प्रपत्र का पूर्ण विवरण नियम व शर्तों सहित वेबसाइट – www.ireps.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।
11	**वेबसाईट विवरण जहां निविदा का पूरा विवरण आदि देखा जा सकता है**	

सं.: 2025-ए.एम.वी.-सी एंड डब्लू-ईनिविदा-32 दिनाँक: 15.05.2025 1479/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

स्वास्थ्य केंद्रों पर बढ़ाई जाए संस्थागत प्रसव: सीएमओ

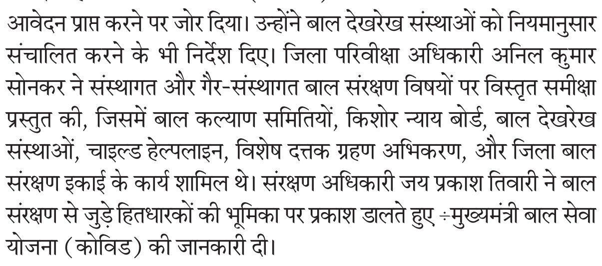

देवरिया अवधनामा संवाददाता। जिला स्वास्थ्य समिति (कार्यकारी समिति) की बैठक मंगलवार को सीएमओ डॉ. अनिल कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में सीएमओ कार्यालय के धन्वंतरि सभागार में हुई। बैठक में सीएचसी, पीएचसी के प्रभारी चिकित्सा अधीक्षकों व अन्य अधिकारियों के साथ स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा की गयी। संस्थागत प्रसव बढ़ाने का निर्देश प्रभारी चिकित्साधिकारियों को दिया। जिसमें सभी स्वास्थ्य इकाईओं पर लैब टेस्टिंग की संख्या बढ़ाने का सीएमओं ने निर्देश दिया। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि जिन आशाओं का कार्य सही नही है उन्हें नोटिस देते हुए कार्रवाई की जाए। सीएमओ ने कहा कि ई-कवच पर शत-प्रतिशत आभा आईडी फीड कराई जाए। गर्भवती महिलाओं, बच्चो की सभी अनुमन्य जांचे, टीकाकरण समय से, गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण कराते हुए संबंधित पोर्टल पर फीड अवश्य कराएं। उन्होंने कहा जिन आशाओं का कार्य सही नही है, उन्हें नियमानुसार नोटिस देते हुए कार्यवाई की जाय। गर्भवती महिलाओं, बच्चो की सभी अनुमन्य जांचे, टीकाकरण समय से, गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण कराते हुए संबंधित पोर्टल पर फीड अवश्य कराए। एफआरयू पर प्रसव की संख्या बढ़ाई जाए। इस दौरान उन्होने हाईरिस्क प्रेगनेंसी वाली महिलाओं की जांच संवेदनशीलता के साथ कराते हुए निगरानी बनाए रखने और स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने का निर्देश दिया। बैठक में एसीएमओ डॉ.अजय शाही, एसीएमओ डॉ.एसके सिन्हा, डीटीओ डॉ राजेश, डीएमओ डॉ.सीपी मिश्रा, डीपीएम पूनम, डीसीपीएम राजेश गुप्ता, जिला मातृ स्वास्थ्य परामर्शदाता विश्वनाथ मल्ल सहित सीफार, यूनिसेफ़, डब्ल्यूएचओ, यूपीटीएसयू, के प्रतिनिधि आदि मौजूद रहे।

गंदा है पर धंधा है : कुशीनगर में बेखौफ चल रहा जिस्मफरोशी का धंधा

समय-समय पर होता रहा है जिस्मफरोशी के कारोबार का भंडाफोड़

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। तथागत बुद्ध की परिनिर्वाण स्थली कुशीनगर सहित आस-पास के क्षेत्रो में बेखौफ देह व्यापार का अवैध कारोबार फलफूल रहा है। सबब यह है कि कुशीनगर में संचालित हो रहे तमाम रेस्टोरेंट व होटलों के कारोबारी गंदा है पर धंधा है के तर्ज पर नाबालिग व भोली-भाली मासूम लड़कियों को चकाचौंध की दुनिया का मलिका बनने का सपना दिखाकर उन्हें जिस्म के सौदागरों के आगे परोस रहे है। यही वजह है कि समाज को दूषित करने वाला व अन्तर्राष्ट्रीय फलक पर ख्याति प्राप्त बुद्धनगरी को कलंकित करने वाला यह कारोबार जनपद के आस-पास के गलियारों मे भी पांव पसारते जा रहा है।

प्रशासन और पुलिस के लिए चुनौती बने देह व्यापार कारोबारी

बता दें कि बुद्धनगरी कुशीनगर के एनएच-28 पर स्थित तकरीबन दो-ढाई दर्जन से अधिक रेस्टोरेंट, ढाबा व होटलों में बेखौफ संचालित हो रहे देह व्यापार का अवैध कारोबार का खेल कोई नया नहीं है। स्थानीय लोगों की माने तो बीते डेढ़ दशकों से यह अवैध कारोबार बुद्धनगरी में फल-फूल रहा है। यह बात दीगर है उस समय यह धंधा कुशीनगर में एक दायरे के अंतर्गत सीमित था। किन्तु अब जिस्मफरोशी का यह धंधा महानगरों के भांति कुशीनगर में भी कुछ सड़क छाप एवं समाज में अपना प्रभाव जमाने वाले ऊंचे रसूख के लोगो का कमाई का जरिया बन गया है। सूत्रों की मानें तो कुशीनगर नेशनल हाइवे के हिरनहापुर से गोपालगढ़ के बीच लगभग दो दर्जन रेस्टोरेंट और होटलों मे सेक्स रैकेट संचालित करने वाले अनैतिक कारोबारियो से न सिर्फ शहर के बच्चे-बच्चे परिचित है बल्कि यहां के संभ्रांत लोग का इन पेशेवर रेस्टोरेंट व होटल मालिको से अच्छे ताल्लुकात है। इतना ही नही खाकी व तथाकथित पत्रकारों से चमडी बेचकर दमडी कमाने अनैतिक कारोबारियों से गहरा याराना भी है।

चन्द्र लोक गेस्ट हाउस पर पकड़े गए युवक-युवतियां- बुद्धनगरी में जिस्मफरोशी के अनैतिक कारोबार को वर्ष 2023 में मीडिया द्वारा प्रमुखता से उठाते हुए लगातार खबरे प्रकाशित किए जाने पर जिला प्रशासन ने खबरों को गंभीरता से लेते हुए देह व्यापार कारोबारियों पर नकेल कसने का अभियान शुरू किया था। कसया के उपजिलाधिकारी योगेश्वर सिंह व पुलिस क्षेत्राधिकारी कुंदन सिंह के नेतृत्व मे पुलिस ने जिस्मफरोशी के कारोबार के लिए खासे चर्चित चन्द्रलोक गेस्ट हाउस पर छापेमारी की थी इस दौरान रंगरलियां मना रहे तकरीबन दो दर्जन से अधिक युवक-युवतियां मौके पर धरे गए। सूत्र बताते है कि बाद में गेस्ट हाउस संचालक ने मोटी रकम देकर मामले को मैनेज करके पूर्व के भांति संचालन शुरू कर दिया।

सूर्या होटल पर पकड़े गए थे रंगरलियां मनाते जोड़े

कुशीनगर के तमाम अवैध रूप से संचालित होटल व गेस्ट हाउसों में चल रहे देह व्यापार के कारोबार की लगातार मिल रही शिकायत को गंभीरता से लेते हुए चौकी प्रभारी गौरव शुक्ला ने नायब तहसीलदार के साथ मिलकर 6 मई मंगलवार को झुंगवा नहर के समीप स्थित सूर्या होटल पर छापेमारी कर तकरीबन नौ युगल जोड़ियों को रंगरलियां मनाते हुए पकड़े थे, जिनका आगंतुक रजिस्टर पर इंट्री नही था। इसके अलावा जांच में यह तथ्य भी सामने आया कि होटल प्रबंधन द्वारा किसी भी आगंतुक की पहचान दर्ज नहीं की जाती है जो सराय एक्ट का खुलेआम उल्लंघन है।

कुछ तथाकथित पत्रकार बने है संरक्षक

हाईवे के किनारे हिरनहापुर से गोपालगढ़ के बीच संचालित रेस्टोरेंट व होटल मालिकों का दावा है कि उनके इस अवैध कारोबार को कोई बंद नही कर सकता है। वह दम भरते है कि यहां के पुलिस प्रशासन के साथ साथ मीडिया मैनेज के नाम पर यहां के कुछ पत्रकारों को भी हर माह नजराना भेट किया जाता है। इन होटलों और रेस्टोरेंट पर हो रहे अवैध कारोबार की जानकारी मिलने पर जब जिला मुख्यालय से पत्रकार पहुंचे और वहा के कारोबारियों से पूछे कि यह अवैध धंधा कैसे चल रहा है? तो इस पर अवैध कारोबारियों ने कुछ कथित पत्रकारों का नाम लेते हुए पूछा कि इन्हें आप जानते है। इनसे बात कर लिजिए।

बाँदा ट्रामा सेंटर में दलालों का राज

■ मरीजों की मजबूरी बनी कमीशनखोरी का जरिया

अवधनामा संवाददाता

बाँदा। उत्तर प्रदेश- बाँदा जिला चिकित्सालय के ट्रामा सेंटर में एक गंभीर अनियमितता सामने आई है, जहाँ निजी जांच केंद्रों और चिकित्सकों की मिलीभगत से एक संगठित दलाल तंत्र सक्रिय है। इस तंत्र का मुख्य उद्देश्य है दुर्घटनाग्रस्त और गंभीर रूप से बीमार मरीजों को सरकारी सुविधा की बजाय प्राइवेट सेंटर्स पर ले जाकर मोटा कमीशन कमाना।

सूत्रों के मुताबिक, शहर के कई सीटी स्कैन, एक्स-रे और पैथोलॉजी संचालकों ने ट्रामा सेंटर में अपने निजी एजेंट (स्थानीय भाषा में लड़के) तैनात कर रखे हैं। इनका काम है मरीज की हालत का फायदा उठाकर उसे निजी सेंटरों तक पहुँचा देना। बदले में डॉक्टर और दलाल दोनों को कमीशन दिया जाता है, जो हर महीने तय तारीख तक पहुँचा दिया जाता है। एक मरीज के परिजन ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, हमें बोला गया कि अस्पताल में मशीन खराब है, बाहर से टेस्ट कराना पड़ेगा। बाद में पता चला कि सरकारी मशीनें ठीक-ठाक थीं। इस पूरे प्रकरण में सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि ट्रामा सेंटर में कार्यरत कई चिकित्सक भी इस कमीशनखोरी में शामिल बताए जा रहे हैं। मरीजों को बिना सरकारी सुविधा का लाभ दिए सीधे निजी केंद्रों की ओर भेजा जा रहा है।

प्रशासन मौन, मरीज परेशान

अब तक अस्पताल प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताओं ने जिला अधिकारी से मांग की है कि इस पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच करवाई जाए और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। यदि इस पर जल्द रोक नहीं लगी, तो यह न सिर्फ स्वास्थ्य सेवा की गरिमा को ठेस पहुँचाएगा, बल्कि आम जनता का विश्वास भी सरकारी व्यवस्थाओं से उठ जाएगा।

सीटी स्कैन मशीन चालू है

जिला चिकित्सालय की सीटी मशीन महिनों तक खराब पडी रही और हर माह सैकडो की संख्या मे सीटी स्कैन प्राइवेट सेंटरो से होते रहे अब जब मशीन चालू हो गयी है तो मरीजो को निःशुल्क व्यवस्था का लाभ मिलना चाहिये पर दलाली के नेटवर्क ने सबकी हवा बिगाड दी है , कई बार मरीज को अपने अपने सेंटरों मे लेजाने के चक्कर मे हाथापायी की भी खबरे आती रही है , एक सीटी स्कैन ढाई से तीन हजार मे होता है और सीधा पचास प्रतिशत डाक्टर के खाते मे जाता है अब इतना बडे खेल को कोई कैसे छोड सकता है।

राजनीति का रथ चला गर्दिश की ओर, मिट रही शालीनता की दीवारें

अवधनामा संवाददाता

सुल्तानपुर। भारतीय राजनीति, विशेषकर उत्तर प्रदेश जैसे संवेदनशील राज्य की राजनीति, विचारधारा एवं नीतियों की लड़ाई से अधिक व्यक्तिगत कटाक्षों एवं असभ्य टिप्पणियों का अखाड़ा बनती जा रही है। जो राजनेताओं के द्वारा अमर्यादित कदम एवं राजनीतिक मर्यादा का उल्लंघन ही नहीं है,बल्कि सार्वजनिक संवाद की शुचिता पर गंभीर सवाल खड़े करती है। उक्त बातें युवक कांग्रेस के जिलाध्यक्ष व पूर्व प्रत्याशी नगर पालिका अध्यक्ष रहे वरुण मिश्रा ने एक भेंट में कही। उन्होंने आगे बताया कि आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया जाना अनुचित है। एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी सार्वजनिक पदाधिकारी की आलोचना स्वाभाविक एवं आवश्यक है। मगर जब यह आलोचना व्यक्तिगत, विशेषकर पारिवारिक स्तर पर उतर आए, तो यह न केवल असंवेदनशीलता की पराकाष्ठा है। राजनैतिक विचार को भी निम्नतम स्तर पर ले जाती है।क्या राजनीति का अर्थ अब केवल विरोधी को हर कीमत पर नीचा दिखाना ही रह गया है। लोकतंत्र में विरोध आवश्यक है, मगर वैचारिक एवं नीतिगत जब राजनीति में निजी जीवन,को लक्षित किया जाता है। माननीयों के चाल-चलन का असर समाज को द्वेष, अपमान एवं असहिष्णुता की ओर धकेलती है। जनमत निर्माण का सशक्त माध्यम होना चाहिए। मगर अफसोस अब हर मतदाता के मन में उठना चाहिए – क्या हम ऐसी राजनीति को स्वीकार करते रहेंगे जो नीतियों की जगह निजी अपमान को अपना हथियार बनाए। यह हम सबआम जनमानस जिम्मेदारी है कि हम अपने नेताओं एवं पार्टियों से उच्च स्तर की नैतिकता, विचारशीलता एवं भाषा की माँग करें। अब लगता है कि धर्म निरपेक्षता भाईचारा एवं गंगा-जमुनी तहजीब राजनेताओं के शब्द कोष में नहीं है तो नफरत ही राजनीति समाज का आईना है। आम जनमानस को यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारे मूल्यों की छवि बर्बाद न हो।

प्रमुख सचिव, श्रम एवं सेवायोजन डा. एम.के. शन्मुगा सुन्दरम् का जनपद आगमन 21 मई को

बहराइच। प्रमुख सचिव, श्रम एवं सेवायोजन विभाग, उत्तर प्रदेश शासन डा. एम.के. शन्मुगा सुन्दरम् का जनपद बहराइच का भ्रमण कार्यक्रम प्रस्तावित है। प्रमुख सचिव श्री सुन्दरम् जी प्रातः 11:30 बजे निरीक्षण भवन लो.नि.वि. बहराइच पहुँचकर अपरान्ह 12:10 बजे चिलवरिया गोण्डा रोड बहराइच विहान बालक आवासीय विद्यालय बहराइच का भ्रमण/निरीक्षण करेंगे।

इसके उपरान्त प्रमुख सचिव श्री सुन्दरम् अपरान्ह 01:05 बजे हुजूरपुर रोड बहराइच (विहान बालक आवासीय विद्यालय बहराइच का भ्रमण/निरीक्षण एवं बच्चों के साथ भोजन करेंगे। प्रमुख सचिव श्री सुन्दरम् अपरान्ह 01:45 बजे नानपारा बाईपास रोड जिला सेवायोजन कार्यालय बहराइच का भ्रमण/निरीक्षण कर अपरान्ह 02:25 बजे गेंदघर बहराइच में सहायक श्रम आयुक्त बहराइच का भ्रमण/निरीक्षण कर अपरान्ह 02:45 बजे लखनऊ के लिए प्रस्थान कर जायेगें।

हर प्राथमिक विद्यालय में दिव्यांग शौचालय अवश्य बनाएँ : सांसद

अवधनामा संवाददाता

फिरोजाबाद। सांसद अक्षय यादव की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय समिति (दिशा) की बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष में जिलाधिकारी रमेश रंजन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित एवं समस्त जनप्रतिनिधियों जिला स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति में संपन्न हुई, इस बैठक में सांसद अक्षय यादव ने जिलाधिकारी द्वारा शिक्षा एवं अन्य दिशा में किया जा रहे, नवीन पहल की सराहना की साथ ही उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर कार्य करें, जिससे सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके, साथ ही उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर आयोजित होने वाली यह महत्वपूर्ण बैठक है, साल में 3 से 4 बार होनी चाहिए, इस बैठक में सर्वप्रथम दीनदयाल अंत्योदय योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) की समीक्षा की गई, इसमें बताया गया कि जिले में कुल 7734 समूह का गठन किया गया है, 01 अप्रैल 2025 से 15 मई 2025 तक 161 नवीन एसएसएच0जी0 का गठन किया गया है, सदस्यों ने कहा कि इसके पीछे महिलाओं के सशक्तिकरण का जो उद्देश्य संचालित है, इसको पूरी शिद्दत के साथ पूरा करने का प्रयास करें, कहीं-कहीं इसके गठन में जो शिकायत आ रही हैं, उसका निवारण भी करें, इसी तरह दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना की समीक्षा करते हुए, सदस्यों को अवगत कराया गया कि यह योजना 15 से 35 आयु वर्ग के ग्रामीण युवाओं के लिए संचालित है, जिसमें 951 प्रशिक्षित प्रशिक्षार्थियों की संख्या हो गई है। साथ ही प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत 5166 युवाओं को अब तक प्रशिक्षित किया जा चुका है, सदस्यों ने कहा कि यह योजना युवाओं को रोजगार से जुड़ी है, इसलिए इस योजना का लाभ ज्यादा से ज्यादा युवाओं को दिलाया जाए।

दूसरे मंगलवार को जगह-जगह हुआ शरबत वितरण

अवधनामा संवाददाता

सुल्तानपुर। जिले की प्रशिद्ध ब्राह्मण संगठन परशुराम युवा वाहिनी मिशन परशुराम चौक रजि. के नगर पदाधिकारियों ने भगवान श्री परशुराम चौक पे शरबत बितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। आयोजन का कार्यभार सारा नगर अध्यक्ष पं अरविन्द राय और नगर कोषाध्यक्ष पं संजय शुक्ला जी ने किया। भगवान बजरंगबली और भगवान परशुराम जी के प्रतिमा पर फूल माला और धुप दीप जला कर आरती करके कार्यक्रम की शुरुआत किया गया इसमें आर्थिक रूप से सहयोग करने वाले प्रेम शुक्ला, सुधीर दूबे, अभिषेक तिवारी फुलौने, अभिषेक तिवारी, राजीव पाण्डेय, प्रकृत तिवारी, धीरेन्द्र मोहन तिवारी, सत्यप्रकाश तिवारी, संतोष मिश्रा, आनंद पाण्डेय, एड.राकेश तिवारी, रमेश निषाद जी ने की और शारीरिक योगदान, पं अरुण तिवारी सभासद, गौरव मिश्रा, दीपक मिश्रा, शनि मिश्रा, घनश्याम तिवारी, गोकरन तिवारी, दीपक पाण्डेय, शुभम दूबे लिट्टी चोखा वाले, सौरभ मिश्रा, व दर्जन भर बंधुओ ने की। इस अवसर पर हजारों भक्तो ने शरबत का रस पान कर आशीर्वाद प्रदान दिया। तपती धुप मे लोग शरबत पी कर चेहरा खिल उठा।लोगो ने संगठन के द्वारा लगातार किये जा रहे सामाजिक कार्यो की सराहना की।इसी तरह नगर के राहुल चौराहा, डिहवा, डाकखाना चौराहा, शाहगंज चौराहे सहित नगर के लगभग दर्जन भर स्थानों पर लोगों ने शरबत वितरण करके राहगीरों की प्यास बुझाई।

लाखों की चोरी का खुलासा नहीं कर रही पुलिस

सुल्तानपुर। नगर के जेल रोड पर स्थित एक मैरिज लॉन से बीते दिनों लाखों रुपए के जेवरात से भरा बैग चोरी हो गया था। जिसके एकदम नजदीक पुलिस पहुंच गई। अगर सूत्रों की माने तो पूर्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सी वी एन त्रिपाठी से चोरों के पास से बरामद सामान की पहचान भी कराई गई। लेकिन एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी अभी पुलिस उस पूरे घटनाक्रम का खुलासा नहीं कर पा रही है। आखिर क्या कारण हो सकता है? मध्य प्रदेश के जंगलों से सुल्तानपुर के कर्मठ पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में बनी टीम ने लाखों रुपए का जेवरात बरामद किया है। जिसकी पहचान भी कराई गई थी, मगर अभी तक पुलिस उस घटना के खुलासे से दूर क्यों भाग रही है। आखिर क्यों दूर भाग रही है पुलिस, इसके पीछे का क्या कारण हो सकता है। ये तो आने वाला समय ही बताएगा। कोई और घटना होती तो अभी तक पुलिस पत्रकार वार्ता कर खुलासा कर देती। जबकि इस प्रकरण के खुलासे के लिए इंडियन मेडिकल एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल पुलिस अधीक्षक से भी मिल चुका है। समान मिल जाने के बाद अभी तक घटना का खुलासा न होने से आई एम ए के पदाधिकारियों में रोष व्याप्त है।

पेट्रोल पंप पर पानी पीना पड़ा महंगा, युवकों की पिटाई

■ मैनेजर समेत पांच कर्मियों पर केस दर्ज

अवधनामा संवाददाता

शाहजहांपुर। कोतवाली चौक क्षेत्र के अजीजगंज मे नायरा पेट्रोल पंप पर एक बेहद शर्मनाक और अमानवीय घटना सामने आई है। प्यास बुझाने के लिए पानी पीना तीन युवकों को इस कदर महंगा पड़ गया कि उन्हें जान बचाकर भागना पड़ा। पूरा मामला चौक कोतवाली क्षेत्र का है, जहां दल सिंह नामक युवक अपने दो दोस्तों के साथ पानी पीने पंप पर पहुंचा था। जानकारी के अनुसार, दल सिंह अपने दोस्तों धीरज और सचिन के साथ नायरा पेट्रोल पंप पर पानी पीने पहुँचे थे। लेकिन वहाँ मौजूद पेट्रोल पंप मैनेजर रीटू सिंह ने न केवल उन्हें अपशब्द कहे, बल्कि अभद्र भाषा में यह तक कह डाला, की पानी पीने का वाटर कूलर तेरे बाप ने लगवाया है क्या?

जब युवकों ने इस अपमान का विरोध किया, तो मामला हाथापाई तक पहुँच गया। आरोप है कि मैनेजर ने अपने सहयोगी रिषभ, मोनू, अमित और सचिन को बुलाया और मिलकर तीनों युवकों की जमकर पिटाई की और लोहे की रॉड से हमला किया गया, साथ ही हाथो पैरों से भी बेरहमी से पीटा गया। इस दौरान युवकों को जान से मारने की धमकी भी दी गई। पिटाई में दल सिंह को गंभीर चोटें आई हैं। उनकी नाक और सिर में गहरी चोट बताई जा रही है। किसी तरह तीनों युवक जान बचाकर मौके से भाग निकले। जाते-जाते उन्हें यह चेतावनी दी गई कि अगर दोबारा पंप पर दिखाई दिए तो अंजाम और भी बुरा होगा। उल्लेखनीय है कि इसी पेट्रोल पंप पर कुछ दिन पूर्व कम पेट्रोल देने की शिकायतें भी सामने आई थीं, जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थीं। इससे सवाल उठता है कि क्या प्रशासन ऐसे पंप संचालकों को खुली छूट दे रहा है, जो ना सिर्फ ग्राहकों के साथ दुर्व्यवहार कर रहे हैं, बल्कि अब प्यास बुझाने को भी अपराध मान बैठे हैं? फिलहाल पीड़ित की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने मैनेजर रीटू सिंह समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है और पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आधा दर्जन पेट्रोल पंपों की जांच, तीन को नोटिस

शाहजहांपुर। जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह के निर्देश के क्रम में अरविन्द कुमार अपर जिलाधिकारी बिश्र राश, जिलापूर्ति अधिकारी के साथ आधा दर्जन पेट्रोल पंपों का औचक निरीक्षण किया गया। जिसमें तीन पेट्रोल पंपों पर अव्यवस्था पाई। जिसके लिए तीन दिन के अंदर अपना पक्ष रखने हेतु नोटिस जारी किया गया।

एडीएम अरविंद कुमार ने पूरी टीम के साथ नॉर्थ सिटी भारत पेट्रोलियम निकट पुलिस लाइन पुरुष शौचालय गंदा मिला , महिला शौचालय बंद मिला, स्टॉक बोर्ड अपडेट नहीं पाया, कंप्लेन रजिस्टर , मुफ्त हवा,आदि नहीं पाया गया। नोटिस जारी किया गया। इसी क्रम मे हिंदुस्तान पेट्रोलियम सिंधौली मे पुरुष, महिला शौचालय अत्यधिक गंदा मिला ऐसा प्रतीत हो रहा था कि लंबे समय से शौचालय सफ़ाई नहीं की गई है। शौचालय के लिए साइन बोर्ड नहीं लगा था।स्टॉक बोर्ड भरा हुआ नहीं पाया गया। कंप्लेन रजिस्टर नहीं मिला, मुफ्त हवा , रेडिएटर पानी आदि नहीं मिला नोटिस जारी किया गया देवी पेट्रोलियम भटपुरा चंदू पुवायां,, महिला पुरुष शौचालय गंदा। महिला पुरुष शौचालय अलग अलग लिखा नहीं पाया गया।, मुफ्त हवा, पानी, रेडिएटर पानी ,कंप्लेन रजिस्टर आदि नहीं मिला स्टॉक बोर्ड अंकन नहीं पाया गया आदि। नोटिस जारी किया गया। के पी फिलिंग स्टेशन, नायरा महिला पुरुष शौचालय साफ मिला।

उपरोक्त तीनों पेट्रोल पंपों मार्केटिंग डिसिप्लीन गाइडलाइंस का अनुपालन नहीं किया जा रहा था। ऐसे में उपरोक्त तीनों पेट्रोल पंपों को अपना पक्ष रखने हेतु तीन दिन का समय दिया गया। संतोषजनक उत्तर ना मिलने पर प्रथम बार 10000/ रुपया जुर्माना और दूसरे बार 25000/ रुपए जुर्माना आरोपित किया, जाएगा। और तीसरी बार आपूर्ति एवं बिक्री निलंबित कर दी जाएगी। जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी पेट्रोल पंपों के स्वामियों की होगी। इसका कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा एडीएम अरविंद कुमार ने बताया है कि आए दिन मीडिया, जन शिकायत, सोशल मीडिया आदि के माध्यम से यह शिकायत प्राप्त हो रही है कि राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग एवं विभिन्न राजमार्गो पर स्थित पेट्रोल पंपों के महिला पुरुष शौचालय की साफ सफ़ाई , मुफ्त हवा, रेडियेटर पानी, स्वच्छ प्रसाधन आदि की सुविधा संतोषजनक नहीं है। कतिपय शौचालय जीर्ण शीर्ण अवस्था में में है, कुछ पेट्रोल पंपों में ताला बंद होने की शिकायत भी संज्ञानित हुई है।तदनुक्रम जिलाधिकारी के आदेश के पर पंपों पर आवश्यक सुविधाओं को सुनिश्चित करने हेतु जनपद के सभी पेट्रोल पंपों के स्वामियों/ मैनेजर की मीटिंग भी 21/05/25 को आहूत की गई हैं।

डीएम ने तहसील सदर के विभिन्न न्यायालयों का किया निरीक्षण

अवधनामा संवाददाता

■ मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना बीमा योजना की पत्रावलियों का ऑनलाइन कराने के निर्देश

बहराइच। अध्यक्ष, राजस्व परिषद के अध्यक्ष एवं प्रमुख सचिव तथा मण्डलायुक्त के निर्देश पर जिलाधिकारी मोनिका रानी ने सोमवार को तहसील सदर बहराइच अर्न्तगत उप जिलाधिकारी, तहसीलदार व तहसीलदार न्यायिक एवं नायब तहसीलदार के न्यायालयों का निरीक्षण किया गया। मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना बीमा योजना की पत्रावलियों के निरीक्षण में पाया गया कि पोर्टल पर कुल 61 दावों के सापेक्ष 47 दावों को ही ऑनलाइन किया गया है। शेष 14 दावों को ऑनलाइन नहीं किया गया है। जिनमें 6 पत्रावलियों पूर्ण पायी गयी। इस सम्बन्ध में एसडीएम व तहसीलदार को निर्देश दिया गया कि अपूर्ण पत्रावलियों को अविलम्ब पूर्ण करते हुए सभी ऑफलाइन पत्रावलियों को ऑनलाइन किया जाना सुनिश्चित करें साथ ही सभी पत्रावलियों का पुनः परीक्षण/मिलान करते हुये कार्यवृत्ति के साथ पात्र/अपात्र के सम्बन्ध में सुस्पष्ट कारण का उल्लेख करते हुए जिला मुख्यालय पर प्रेषित किया जाना सुनिश्चित करें। न्यायालय तहसीलदार, सदर बहराइच, न्यायालय तहसीलदार (न्यायिक), सदर बहराइच व न्यायालय नायब तहसीलदार, सदर बहराइच के न्यायालयों का ऑनलाइन पोर्टल चेक करने पर पाया गया कि धारा 34 उ.प्र. राजस्व संहिता 2006 के सभी 1070 वादों में नामान्तरण का प्रकार दर्ज किया गया है, जिसमें सभी न्यायालयों के आर.सी.सी.एम.एस पोर्टल के ध्यानाकर्षण बिन्दु में ऐसा कोई वाद नामान्तरण का प्रकार दर्ज किये जाने हेतु लम्बित होना नहीं पाया गया। विभिन्न न्यायालयों के आनलाइन पोर्टल का अवलोकन करने पर उपजिलाधिकारी, सदर के 312 वाद, उपजिलाधिकारी (न्यायिक) के 305 वाद, तहसीलदार के 543 वाद, तहसीलदार (न्यायिक) के 397 वाद व नायब तहसीलदार के 270 वाद अद्यतनीकृत पाये गये। इसके अलावा पोर्टल के ध्यानाकर्षण बिन्दु में ऐसा कोई वाद आदेश हेतु सुरक्षित किया हुआ और उसमें आदेश पारित न होना नहीं पाया गया। न्यायालय तहसीलदार, सदर बहराइच के न्यायालय से रेन्डम आधार पर वाद संख्या टी-202408150102930 हंसा देवी बनाम राजपती देवी ग्राम मोहम्मद नगर की पत्रावली का अवलोकन किया जो कि पंजीकृत वसीयतनामा से सम्बन्धित है तथा पत्रावली सारवान आपत्ति उपरान्त शेष साक्ष्य प्रतिवादी में विचाराधीन पायी गयी। वाद संख्या टी-202408 150104105 मोहम्मद कोया बनाम शमीम जहाँ ग्राम सिंघापरासी का भी अवलोकन किया गया, जो कि पंजीकृत वसीयतनामा से सम्बन्धित है तथा सारवान आपत्ति उपरान्त जिरह पी.डब्लू-3 में विचाराधीन पायी गयी। आर.सी.सी.एम.एस. पोर्टल के अनुसार 45 दिवस से अधिक (विवादित श्रेणी) के कुल 75 वाद लम्बित पाये गये। निर्देशित किया गया कि दिन प्रतिदिन सुनवाई करते हुये लम्बित वादों का शीघ्र निस्तारण किया जाना सुनिश्चित करें।

वांछित पुलिस गिरफ्त में

फिरोजाबाद। थाना शिकोहाबाद पुलिस टीम द्वारा मु.अ.सं. 300/25 धारा 137(2)/87 बीएनएस से सम्बन्धित अभियुक्त धोनी उर्फ निहाल को गिरफ्तार किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद द्वारा वाँछित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु जनपद में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी शिकोहाबाद के नेतृत्व में थाना शिकोहाबाद पुलिस टीम द्वारा मु.अ.स. 300/25 धारा 137(2)/87 बीएनएस थाना शिकोहाबाद जिला फिरोजाबाद से सम्बन्धित अभियुक्त धोनी उर्फ निहाल पुत्र दिनेश गिहार निवासी अम्बेडकर नगर वार्ड न0 2 गिहार कालोनी कस्बा व थाना सौरिख जिला कन्नौज को 19.05.25 को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम प्रभारी निरीक्षक अनुज कुमार, उ.नि. निशान्त कुमार, का. 872 सन्तोष कुमार, का. 1409 विजय कुमार, म.का. 268 रिंकी थाना शिकोहाबाद फिरोजाबाद सम्मिलित रहे।

अवैध तमंचों का विनिष्टीकरण किया गया

फिरोजाबाद, अवधनामा संवाददाता। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद के निर्देशन में थाना खैरगढ पर 17 अभियोगों से सम्बन्धित 14 अदद अवैध तमंचों का नियमानुसार विनष्टीकरण किया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद द्वारा जनपद में चलाए जा रहे अभियान माल निस्तारण के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के पर्यवेक्षण में 20-05-2025 को थाना खैरगढ पर पंजीकृत अवैध शस्त्र बरामदगी से सम्बन्धित 17 अभियोगों में बरामद 14 अदद अवैध तमंचा को गठित टीम क्षेत्राधिकारी शिकोहाबाद, नायब तहसीलदार शिकोहाबाद, सहायक अभियोजन अधिकारी, न्यायालय फिरोजाबाद, आबकारी निरीक्षक शिकोहाबाद, प्रभारी निरीक्षक थाना खैरगढ मय है0मौ0 785 विजेन्द्र सिंह की उपस्थिति में उपरोक्त अभियोगों से सम्बन्धित 14 अदद अवैध तमंचों का नियमानुसार विनष्टीकरण कराया गया है।

अवैध तमंचे के साथ दबोचा

फिरोजाबाद, अवधनामा संवाददाता। थाना टूण्डला पुलिस टीम द्वारा एक अभियुक्त सहदेव को अवैध असलहा सहित गिरफ्तार किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद द्वारा जनपद में अवैध शस्त्रों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के अनुपालन में अपर पुलिस अधीक्षक नगर निकट पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी टूण्डला के कुशल नेतृत्व में थाना टूण्डला पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त सहदेव पुत्र स्व0 उदयप्रसाद निवासी नागऊ थाना टूण्डला जनपद फिरोजाबाद को बीएस डीग्री कालेज के पास से एक अवैध तमंचा 315 बोर सहित गिरफ्तार किया गया है। बरामदगी/गिरफ्तारी के आधार पर थाना टूण्डला पर मु0अ0सं0 206/2025 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तारी/बरामदगी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक अंजीश कुमार, उ0नि0 राकेश कुमार गिरी, उ0नि0 मुकुल त्यागी, है0का0 955 रमेश कुमार थाना टूण्डला जनपद फिरोजाबाद सम्मिलित रहे।

अवैध असलाह सहित एक पकड़ा

फिरोजाबाद, अवधनामा संवाददाता। थाना टूण्डला पुलिस टीम द्वारा एक अभियुक्त जोनी को अवैध असलहा सहित गिरफ्तार किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद द्वारा जनपद में अवैध शस्त्रों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के अनुपालन में अपर पुलिस अधीक्षक नगर निकट पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी टूण्डला के कुशल नेतृत्व में थाना टूण्डला पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त जोनी पुत्र मुकेश निवासी नागऊ थाना टूण्डला जनपद फिरोजाबाद को गेल गैस के सामने खाली पडे प्लाट के पास सडक किनारे थाना क्षेत्र टूण्डला से एक अवैध तमंचा 315 बोर व 01 जिंदा कारतूस 315 बोर सहित गिरफ्तार किया गया। बरामदगी के आधार पर थाना टूण्डला पर मु0अ0सं0 205/2025 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तारी/बरादगी करने वाली पुलिस टीम में शामिल रहे प्रभारी निरीक्षक अंजीश कुमार, उ0नि0 राकेश कुमार गिरी, उ0नि0 सावन कुमार, है0का0 1086 नेत्रपाल, का0 554 गौरव कुमार थाना टूण्डला जनपद फिरोजाबाद।

स्वास्थ्य विभाग देता ध्यान तो बच जाती महिला की जान

अवधनामा संवाददाता

शाहजहांपुर। जनपद में स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही के चलते अवैध रूप से संचालित प्रसव सब केंद्र और अस्पतालों में आए दिन लोगों की जान जा रही है और स्वास्थ्य विभाग के झोलाछाप डॉक्टरों के लिए बनाए गए नोडल जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी से बचते नजर आ रहे हैं लोगों में चर्चा है कि जिन्हें झोलाछाप डॉक्टरों और अस्पतालों को चेक करने के लिए लगाया गया है वह अपनी जेब गर्म करने में जुटे हुए हैं , एक सप्ताह पूर्व समाचार पत्रों में प्रकाशित खबर में जिस लाइफ केयर सेंटर प्रसव केंद्र का जिक्र किया गया था उस प्रसव केंद्र पर शनिवार को अलका और रेनू नाम की दो नर्सों ने एक महिला की जान ले ली पूरा मामला थाना रोजा क्षेत्र के बरतारा गांव का है जहां अलका और रेनू नाम की नर्स अवैध रूप से एक दुकान में प्रसव केंद्र चला रही थी जहां 17 मई को जहांनपुर निवासी सुशीला देवी अपनी पुत्री शालिनी को दिखाने गई थी जो गर्भवती थी सुशीला देवी की मांने तो नर्स ने उन्हें इतना घबरा दिया और कहा कि आपकी बेटी कमजोर है सफाई करा दो वरना आपकी बेटी नहीं बचेगी और सुशीला देवी से 3000 जमा करा कर उनकी बेटी का गर्भपात करा दिया इस दौरान सुशीला देवी जब तक समझ पाती तब तक बेटी बेहोश हो गई और दोनों नर्स दुकान छोड़कर भाग गई घबराई सुशीला देवी ने इस घटना का जिक्र अपने घर पर नहीं किया और अपनी बेटी को लेकर इधर-उधर दिखाने लगी, इलाज के दौरान सुशीला देवी की बेटी ने 18 मई को दम तोड़ दिया और बेबस सुशीला देवी ने अपने घर पर गर्भपात का जिक्र नहीं किया बेटी का अंतिम संस्कार कर दिया गया और जब सुशीला देवी दहाड़ दहाड़ कर अपनी अकेली बेटी के दुख को जाहिर कर रही थी तो उनके मुख से हकीकत निकल गई और इसके बाद परिवार वालों ने थाने पर प्रार्थना पत्र देते हुए नर्स पर कार्रवाई की मांग की है उधर 18 मई को ही इस घटना की जानकारी होने के बाद दोनों नर्स दुकान में ताला डालकर भाग गई हैं और दुकान के बाहर जो लाइफ केयर प्रसव केंद्र लिखा था उसे रात में ही चूने से पुतवा दिया।

ग्राम सुरक्षा समिति का नवाचारपूर्ण पुनर्गठन किया

अवधनामा संवाददाता

फिरोजाबाद। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद द्वारा अपराध पर सख्त नियंत्रण हेतु नई पहल-ग्राम सुरक्षा समिति का नवाचारपूर्ण पुनर्गठन किया गया। उत्तर प्रदेश पुलिस की ष्मितव ज्वसमतंदबम नीतिष् के तहत अपराध व असामाजिक गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए जनपद फिरोजाबाद में ग्राम स्तर पर एक सशक्त सुरक्षा ढांचे की स्थापना की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद द्वारा इस क्रम में ''ग्राम सुरक्षा समिति'' का पुनर्गठन किया गया है, जो नगर/ग्रामीण सुरक्षा को आधुनिक व संगठित स्वरूप प्रदान करेगा। असामाजिक गतिविधियों पर लगाम लगाने हेतु जनपद फिरोजाबाद में कुल 1153 ग्राम सुरक्षा समितियों का गठन किया गया है जिसमें शहरी क्षेत्र में 563 समितियाँ व देहात क्षेत्र में 600 समितियाँ है। यह समिति पहले से कार्यरत ग्राम सुरक्षा समितियों का एक उन्नत व क्रियाशील रूप है, जो न सिर्फ सूचना तंत्र को मजबूत करेगी बल्कि गांव के आम नागरिकों को पुलिस के साथ सुरक्षा व्यवस्था में भागीदार बनाएगी।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद के निर्देशन में जनपद में संचालित ग्राम सुरक्षा समिति पुनर्गठन अभियान के अंतर्गत अपर पुलिस अधीक्षक नगर/ग्रामीण के नेतृत्व में जनपद के समस्त थाना प्रभारी व चौकी प्रभारियों द्वारा थाना क्षेत्रों में 19-05-2025 की रात्रि में ग्राम सुरक्षा समितियों की सक्रियता बढ़ाने हेतु विशेष अभियान चलाया गया।'-इसी क्रम में थाना पचोखरा के ग्राम छिकाऊ में, थाना नगला सिंघी के ग्राम रामपुर में, थाना नसीरपुर के ग्राम राजोरा में, थाना मटसेना के ग्राम फुलायची में, थाना बसई मौहम्मदपुर के ग्राम छारबाग में, थाना जसराना के मोहल्ला बेगमपुरी में, थाना रजावली के ग्राम नगला मुरली में, थाना फरिहा के ग्राम कौरारी सरद में, थाना लाइनपार के ग्राम रुपसपुर में, थाना नगला खंगर के ग्राम गुलाल आदि में नवगठित समिति सदस्यों के साथ संवाद स्थापित कर उन्हें सुरक्षा तंत्र की महत्त्वपूर्ण कड़ी के रूप में सक्रिय किया गया-'। सभी संबंधित क्षेत्राधिकारीगण व थाना प्रभारियों द्वारा उपस्थित रहकर समिति सदस्यों को ग्राम सुरक्षा समिति की कार्यप्रणाली, दायित्वों तथा स्थानीय सुरक्षा व्यवस्था में इनकी भूमिका के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया व संबंधित क्षेत्रों में संयुक्त रूप से पैदल गश्त की गयी।ग्राम सुरक्षा समिति के प्रमुख उद्देश्य एवं कार्य इस तरह से रहे। गांव के लोगों को रात्रि गश्त में पुलिस का सहयोगी बनाना, जिससे क्षेत्र में होने वाली घटनाओं पर तत्काल कार्यवाही की जा सके। समिति की रात्रिकालीन सक्रियता (रात्रि 11:00 बजे से प्रातः 3:00 बजे तक) के दौरान पुलिस के साथ सामंजस्य बनाकर गश्त करना। स्थानीय लोगों की मदद से अपराध और आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाना। गांव में ब्ब्ज्ट कैमरों की स्थापना हेतु सहयोग एवं जन-जागरूकता पैदा करना। गांव में पुलिस की सीधी पहुंच व संपर्क प्रणाली को मजबूत करना। सुरक्षा की भावना और जनभागीदारी का विकास करना ताकि लोग पुलिस पर भरोसा करें और खुलकर सहयोग करें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि, अफ्वाह या आपराधिक सूचना की तत्काल जानकारी स्थानीय थाना पुलिस को देना। ग्राम सुरक्षा समिति अब केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि यह अपराध नियंत्रण का एक गतिशील और प्रभावशाली मंच है।

हमीरपुर में खनन माफिया का बेलगाम आतंक

एनजीटी नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए बेतवा नदी संकट में

अवधनामा संवाददाता

हमीरपुर। सरीला के इछौरा जिटकरी खंड संख्या 25/25 में खनन माफिया दिनेश अग्रवाल बेतवा नदी की जलधारा में भारी पोकलैंड मशीनों से अवैध खनन कर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के नियमों को रौंद रहे हैं। प्रशासन के सख्त रुख और भारी जुर्माने के बावजूद माफियाओं के हौसले बुलंद हैं, जो पर्यावरण और सरकारी खजाने को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं।

एनजीटी नियमों का खुला उल्लंघन- एनजीटी के सख्त दिशानिर्देशों के बावजूद, जहां नदी की जलधारा में मशीनों से खनन पूरी तरह वर्जित है और खनन गहराई 3 मीटर से अधिक नहीं होनी चाहिए, खंड 25/25 में नियमों को ताक पर रखा गया है। मैनुअल खनन और सीसीटीवी निगरानी का नियम दरकिनार कर भारी मशीनों से गहरी खुदाई और अस्थायी पुल बनाकर मौरंग की लूट जारी है। इससे बेतवा का प्राकृतिक प्रवाह खतरे में पड़ गया है।

रोयाल्टी चोरी से सरकारी खजाने पर डाका- सूत्रों के अनुसार, खंड 25/25 में बिना रोयाल्टी और ओवरलोड ट्रकों से मौरंग की ढुलाई से सरकार को लाखों रुपये का राजस्व नुकसान हो रहा है। खनिज विभाग ने हाल ही में 17 खदानों पर 3.41 करोड़ रुपये का जुर्माना ठोका, लेकिन माफियाओं पर इसका कोई असर नहीं। यह खुली लूट सरकारी संसाधनों पर डाका है।

पर्यावरण और जनता पर गहराता संकट- गहरी खुदाई से बेतवा का जलस्तर खतरनाक स्तर तक गिर रहा है, जिससे जलीय जीव-जंतु विलुप्त होने की कगार पर हैं। स्थानीय लोग पानी की भयंकर किल्लत और मशीनों के शोर से त्रस्त हैं। ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा है प्रशासन की कार्रवाई के बाद भी माफियाओं का यह खेल क्यों नहीं रुक रहा? क्या माफियाओं को ऊपरी संरक्षण मिला है?

बेतवा को बचाने की पुकार- बेतवा नदी और पर्यावरण को इस माफिया राज से बचाने के लिए तत्काल कठोर कदम जरूरी हैं। मशीनों की जब्ती, भारी जुर्माना, और पारदर्शी निगरानी व्यवस्था के साथ-साथ माफियाओं पर आपराधिक मुकदमे दर्ज किए जाएं।हमीरपुर की जनता और बेतवा नदी की चीत्कार अब और अनसुनी नहीं रह सकती। प्रशासन को कागजी कार्रवाई छोड़कर ठोस कदम उठाने होंगे, वरना बेतवा और पर्यावरण को अपूरणीय क्षति का खतरा मंडरा रहा है।

डीएम का रवैया सख्त फिर भी कार्रवाई बेअसर

जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने जांच टीमें बनाकर जनपद में अवैध खनन पर लगाम कसने के सख्त निर्देश दिए, लेकिन खंड 25/25 में खनन का काला कारोबार निर्बाध चल रहा है। सवाल उठता है कि आखिर प्रशासन की कार्रवाई क्यों बेअसर साबित हो रही है?

एक दिवसीय जनपद स्तरीय आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुआ

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। प्रधानमंत्री जी द्वारा आपदा जोखिम न्यूनीकरण के संबंध में उद्घोषित दस सूत्री एजेंडे के अंतर्गत तृतीय एजेंडा आपदा जोखिम प्रबंधन में मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में महिलाओं का नेतृत्व तथा व्यापक सहभागिता का केंद्रीकरण के अनुसार उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की सहभागिता में महिला स्वयं सहायता समूहों की आपदा जोखिम न्यूनीकरण में भूमिका विषय पर एक दिवसीय जनपद स्तरीय आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। जिला अग्निशमन अधिकारी सनद कुमार पटेल द्वारा त्वरित अग्नि नियंत्रण की प्रभावी विधियों से परिचय कराया गया विभिन्न प्रशिक्षकों के द्वारा दिए गए प्रशिक्षण के क्रम में जिला आपदा विशेषज्ञ द्वारा केंद्र और राज्य की विभिन्न आपदाओं से कुशलता से निपटने के बारे में समझाया गया। एसडीआरएफ आगरा के प्रशिक्षक सब इंस्पेक्टर नर्वदेश्वर मिश्रा द्वारा अग्नि से सुरक्षा और सीपीआर की विशेष ट्रेनिंग प्रदान की गई। इस कार्यक्रम के प्रशिक्षण के क्रम में आपदा विशेषज्ञ अवनीश दुबे द्वारा जनपद में घटित होने वाली आपदाएं एवं राहत राशि का विस्तृत विवरण दिया गया, इसी क्रम में(सर्पदंश) के रूप में आज आपदा जनपद के विभिन्न ब्लॉक से आई सैकड़ों स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को सर्प पहचान, सर्पदंश में प्राथमिक उपचार और सर्पदंश से बचाव का विशेष प्रशिक्षण सर्प मित्र आशीष त्रिपाठी द्वारा प्रदान किया। तत्पश्चात जिला प्रशासन के प्रतिनिधि मनोज श्रीवास्तव द्वारा प्रतीक चिन्ह देकर मंच से सम्मानित किया गया।

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर संगोष्ठी विधानसभा सम्मेलन संपन्न

अवधनामा संवाददाता

मौदहा/हमीरपुर। परमलाल सेवा समिति भिलावां, हमीरपुर द्वारा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर मौदहा के पांडव गेस्ट हाउस में 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' विषय पर विधानसभा सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश उपाध्यक्ष व विधान परिषद सदस्य मानवेंद्र सिंह का भव्य स्वागत किया गया।मानवेंद्र सिंह ने उपस्थित लोगों को 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की अवधारणा पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया, जिसके कारण देश को बार-बार आर्थिक और प्रशासनिक नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने जोर देकर कहा कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' लागू होने से देश की प्रगति को नई गति मिलेगी और संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा।सम्मेलन में राज्यसभा सांसद बाबूराम निषाद ने भी इस अवधारणा का समर्थन करते हुए इसके लाभों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की शुरुआत में सदर विधायक डॉ. मनोज प्रजापति ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों और उपस्थित आगंतुकों का पुष्प मालाओं से स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता खंगार समाज के जिला अध्यक्ष किशोर कुमार ने की।इस अवसर पर कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्रीय महामंत्री संत विलास शिवहरे, जिला अध्यक्ष सुनील पाठक, जिला पंचायत अध्यक्ष जयंती राजपूत, जिला संयोजक बृज किशोर गुप्ता, अरुण अग्रवाल, रामदेव सिंह, सत्तीदिन प्रजापति, डॉ. आराधना राजपूत, अरविंद श्रीवास्तव, शकुंतला निषाद, साधना सिंह, रेखा सिंह, हिना परवीन, नाजरा खान, वाहिद अली, अनीश, आकाश त्रिपाठी, जितेंद्र पाल, करण साहू, लालाराम निषाद, रोहित शिवहरे, मोहित साहू, अंकित सिंह, अमन धुरिया, दिगपाल सिंह चंदेल सहित सभी मंडल अध्यक्ष और मोर्चों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।यह सम्मेलन 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की अवधारणा को जन-जन तक पहुंचाने और इसके प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

एनटीपीसी विन्ध्याचल में नवतरंग बैचलर आवास का उद्घाटन

सोनभद्र/ विंध्यनगर/अवधनामा संवाददाता। एनटीपीसी विन्ध्याचल टाउनशिप में एक नए और आधुनिक रूप से सुसज्जित बैचलर आवास नवतरंग का उद्घाटन किया गया। इस खास अवसर पर नसका श्रीनिवास राव, क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (उत्तर) ने रिबन काटकर भवन का उद्घाटन किया। उनके साथ ई. सत्य फणि कुमार, कार्यकारी निदेशक (विन्ध्याचल) भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। नवतरंग में कुल 30 कमरे हैं, जो न केवल अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त हैं बल्कि कर्मचारियों के लिए एक आरामदायक और सौम्य वातावरण भी प्रदान करते हैं। उद्घाटन से पहले विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की गई, जिससे वातावरण में एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ। इस अवसर पर संजीब कुमार साहा, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण), डी.के. अग्रवाल, महाप्रबंधक (संविदा एवं सामग्री), राजशेखर पाला, महाप्रबंधक (प्रचालन), ए.जे. राजकुमार, महाप्रबंधक (मेंटेनेंस एवं एडीएम) और राकेश अरोड़ा, मानव संसाधन प्रमुख (विन्ध्याचल) सहित कई वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

हमीरपुर में ट्रक चालकों पर बड़ी कार्रवाई

बिना एचएसआरपी और खराब नंबर प्लेट वाले 10 ट्रक सीज

200 से अधिक की जांच

हिफजुर्रहमान

हमीरपुर। हमीरपुर जिले में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले ट्रक चालकों के खिलाफ मंगलवार को एक विशेष अभियान चलाया गया। सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (ARTO) प्रवर्तन अमिताभ राय और युवा सर्किल ऑफिसर (CO) ट्रैफिक शाहरुख खान के नेतृत्व में राठ रोड, सुमेरपुर रोड और नेशनल हाईवे पर बड़े पैमाने पर वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान बिना हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) और अस्पष्ट या खराब नंबर प्लेट वाले ट्रकों पर सख्त कार्रवाई की गई। अभियान में 200 से अधिक ट्रकों की जांच की गई, जिसमें 10 ट्रकों को बिना एचएसआरपी या खराब नंबर प्लेट के कारण सीज कर लिया गया। साथ ही, कई ट्रकों का चालान भी किया गया। ARTO अमिताभ राय ने बताया कि कुछ ट्रक चालक चालान से बचने के लिए नंबर प्लेट में हेराफेरी करते हैं, जिसे रोकने के लिए यह अभियान चलाया गया। उन्होंने चेतावनी दी कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। CO ट्रैफिक शाहरुख खान ने कहा, हमारा उद्देश्य सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देना और नियमों का पालन सुनिश्चित करना है। बिना एचएसआरपी या अस्पष्ट नंबर प्लेट वाले वाहन न केवल नियमों का उल्लंघन हैं, बल्कि अपराधों को बढ़ावा देने का कारण भी बन सकते हैं।÷यह अभियान स्थानीय लोगों और परिवहन विभाग के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। ट्रक मालिकों और चालकों से अपील की गई है कि वे अपने वाहनों पर एचएसआरपी लगवाएं और नियमों का पालन करें, ताकि भविष्य में ऐसी कार्रवाई से बचा जा सके।

हिण्डालको प्राथमिक विद्यालय यूनिट -2 के छात्रों द्वारा कॉलोनी में चलाया गया स्वच्छता क्रान्ति अभियान

सोनभद्र/रेणुकूट, अवधनामा संवाददाता। हिण्डाल्को प्राथमिक विद्यालय यूनिट -2 के छात्रों द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा के तहत एक सार्वजनिक जागरूकता एवं स्वच्छता क्रान्ति अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान में छात्रों और शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और स्वच्छता को लेकर समाज में जागरूकता फैलाने का संदेश दिया। अभियान का नेतृत्व यू. एन. पाण्डेय, अरूण कुमार सिंह, राजेन्द्र सिंह, मनीष राठी, राहुल सक्सेना, भारती झा, अमरेन्द्र कुमार सिंह और सूरज पाण्डेय के द्वारा किया गया तथा कुल 100 प्रतिभागी, जिनमें छात्र, हिण्डाल्को सफाई विभाग और विद्यालय के सफाई कर्मचारी शामिल थे, हाथों में पोस्टर, बैनर लेकर हिण्डाल्को कॉलोनी परिसर में निकले। इस अभियान के जरिए लोगों को कचरा प्रबंधन, साफ-सफाई बनाए रखने और पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया। छात्रों में स्वच्छता को लेकर उत्साह देखने को मिला। उन्होंने स्वच्छता को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया।

समर कैंप से छात्रों में बढ़ता आत्मविश्वास : हरीशंकर

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। सिटी पब्लिक स्कूल ब्रह्म नगर में चार दिवसीय समर कैंप आयोजित किया गया।कैंप में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। चार दिवसीय कार्यक्रम में मानसिक गणित, कहानी सुनना, कला जादू, सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी, स्पेलिंग मेंटर, खेल प्रदर्शन व अभिरुचि आदि कार्यकमों का प्रदर्शन किया गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि डॉ हरि शंकर पटेल राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य अपना दल (एस) सम्मानित समाजसेवी ने कहा कि विद्यालय में आयोजित समर कैंप से छात्रों में आत्मविश्वास के साथ -साथ परस्पर संवादात्मक प्रक्रिया की शुरुआत होती हैं। जिससे विद्यार्थी अपने जीवन के साथ समाज को भी नई दिशा प्रदान करता हैं। उन्होंने सभी छात्रों को उज्वल भविष्य कीबधाई दी। विद्यालय के प्रबंधक दीप बिसारिया ने कहा कि छात्रों में आत्मविश्वास को बढ़ाने व कौशल को निखारने और अपने सहपाठी के सहयोग करने का मौका, ज्ञान के साथ मस्ती का जश्न मनाने का अवसर मिला। कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों का धन्यवाद देते हुए। सभी प्रतिभागी छात्रों को सहभागिता प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम को सफल बनाने में कु दीक्षा, कु मुस्कान, कु स्वेता, कु सृष्टि, संदीप कुमार, अनिल पांडे आदि ने अहम भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन दिव्यांश बिसारिया के द्वारा किया गया।

दिल्ली पब्लिक स्कूल, इटावा में समर कैंप शुरू

इस बार के समर कैम्प में बच्चों ने आधुनिक एयरोस्पेस लैब भी देखी

वहाज अली खान (निहाल)

इटावा। दिल्ली पब्लिक स्कूल में मंगलवार से विशेष आकर्षक समर कैंप की शानदार शुरुवात विभिन्न मजेदार और विशेष खेल गतिविधियों के साथ हुई, जिसमे बच्चों ने विभिन्न प्रकार की विशेष खेल कूद गतिविधियों का भरपूर आनंद उठाया। इसी क्रम में बच्चों ने विद्यालय में इसी वर्ष स्थापित की गई उत्तर प्रदेश की पहली अत्याधुनिक एयरोस्पेस लैब को भी नजदीक से देखा और आधुनिक विज्ञान के साथ साथ वर्ल्ड गैलेक्सी की नई अद्भुत जानकारियां प्राप्त की। समर कैम्प में विद्यालय के कक्षा 5 से लेकर कक्षा 8 तक के बच्चों ने खेल विभाग के विभागाध्यक्ष रेहान अजीज के कुशल दिशा निर्देशन में कई प्रकार के इनडोर और आउटडोर गेम्स जैसे योगा, खो-खो, स्केटिंग, बॉलीवाल, क्रिकेट, बास्केटबाल, जूडो, कैरम, डांस, आर्ट एंड क्राफ्ट, बेकिंग, म्यूजिक लर्निंग, टेबिलटेनिस, ताईक्कांडो, शतरंज, हैंड्स टेक (कंप्यूटर) के साथ साथ पोटर्स एक्टिविटी, संस्कार शाला गतिविधि सहित व्यक्तित्व विकास जैसी अलग अलग मजेदार एक्टिविटीज में प्रतिभाग किया कैम्प में बच्चों को आत्मरक्षा से जुड़े विशेष प्रशिक्षण जैसे जूडो कराटे, ताइक्कांडो का भी विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया। 19 से 24 मई तक चलने वाले इस समर कैंप में बच्चे प्रतिदिन प्रातः6 बजे से लेकर 9 बजे तक अपनी पसंद के सभी इनडोर-आउटडोर गेम्स का विशेष प्रशिक्षण ले सकेंगे। समर कैंप के शुभारंभ के अवसर पर प्रिंसिपल भावना सिंह ने कहा कि, इस प्रकार के समर कैंप के आयोजन से बच्चों में आपसी सामाजिक सद्भाव की समझ और खेलने की विशेष शक्ति विकसित होती है जिससे वे हमेशा स्वस्थ रहते है साथ ही उनमें छिपी हुई अनोखी खेल प्रतिभा भी निखरती रहती है। डीपीएस के चेयरमैन डॉ.विवेक यादव ने सभी अभिभावको से अपील करते हुए कहा कि, विद्यालय के इस विशेष समर कैंप में अपने अपने बच्चों को ज्यादा से ज्यादा प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित करें क्यों कि, खेल कूद की ऐसी ही गतिविधियों से बच्चो में बेहतर स्वास्थ्य और आत्मविश्वास बढ़ता है। इसलिए सभी बच्चों को ऐसी ही विशिष्ट खेलकूद की गतिविधियों में हमेशा प्रतिभाग करते रहना चाहिए।

स्वच्छता कार्यशाला का किया गया आयोजन

सोनभद्र/विंध्यनगर। विंध्य क्लब द्वारा क्लब के सदस्यों और उनके परिवारों के लिए विभिन प्रकार के प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता रहता है। इसी कड़ी में विंध्य क्लब द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता एवं स्वच्छता कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता तीन श्रेणीयों में आयोजित किया गया था, जिसमें गृहणी,जूनियर एवं सीनियर वर्ग के बच्चे शामिल हुये। इस प्रतियोगिता में सभी को बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट से संबन्धित चीजें अपने-अपने घर से बनाकर जमा करना था, जिसमें भारी संख्या में कर्मचारी एवं उनके परिवारजनों ने उत्साह एवं उमंग के साथ भाग लिया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उदेश्य बेकार पड़ी चीजों को रियूज करना था। इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में जनरल सेक्रेटरी विंध्य क्लब वेदप्रकाश एवं विंध्य क्लब के अन्य सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री के दुर्गंध से त्रस्त स्थानीयों में आक्रोश

अवधनामा संवाददाता

सोनभद्र/डाला। स्थानीय अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री से फैल रही दुर्गंध और प्रदूषण को लेकर डाला क्षेत्र के लोगों में गहरा आक्रोश देखने को मिल रहा है। सोमवार को डाला स्थित ऐतिहासिक शहीद स्थल पर स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का एक बड़ा समूह एकत्रित हुआ। इस बैठक में डाला के लगभग सभी वार्डों के लोगों की भागीदारी रही, जिसमें फैक्ट्री से उत्पन्न हो रहे प्रदूषण के खिलाफ आगामी रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। सभा में मौजूद लोगों ने एकमत से यह बात रखी कि फैक्ट्री की ओर से क्षेत्रवासियों को न तो कोई सुविधा दी जा रही है और न ही रोजगार के पर्याप्त अवसर, ऊपर से लगातार दुर्गंध और वायु प्रदूषण लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। लोगों का कहना है कि फैक्ट्री से निकलने वाली दुर्गंध के कारण सांस लेना भी दूभर हो गया है, बच्चों और बुजुर्गों को गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बैठक में मौजूद जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों ने संवैधानिक और शांतिपूर्ण तरीके से इस मुद्दे को उठाने पर बल दिया। प्रस्तावित रणनीति के तहत सभी प्रमुख प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन सौंपने, समाचार माध्यमों और सोशल मीडिया के जरिए इस विषय को व्यापक स्तर पर उठाने तथा जरूरत पड़ने पर धरना-प्रदर्शन करने की बात कही गई। सभा में यह भी तय हुआ कि फैक्ट्री प्रबंधन से संवाद स्थापित कर स्पष्ट जवाब मांगा जाएगा कि आखिर स्थानीय जनता को लगातार हो रही इस परेशानी का समाधान क्यों नहीं किया जा रहा।

एसएमजीआई में हुआ ह्यूमन वैल्यू एवं प्रोफेशनल इथिक्स की पुस्तक का विमोचन

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। सर मदनलाल ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशन इटावा के चेयरमैन डा. विवेक यादव एंव डायरेक्टर डा.उमा शंकर शर्मा ने फ़ार्मेसी की पुस्तक ह्यूमन वैल्यू एंव प्रोफेशनल इथिक्स÷का एसएमजीआई में विमोचन किया। ये पुस्तक सर मदनलाल इंस्टीट्यूट आफ फार्मेसी के डायरेक्टर एवं प्रोफ़ेसर डा. उमा शंकर शर्मा, विभागाध्यक्ष एंव एसोसिएट प्रोफ़ेसर डा.रेहान उद्दीन तथा असिस्टेंट प्रोफ़ेसर चिराग़ ओझा द्वारा सम्पादित की गई है एंव आइपी इन्नोवेटिव पब्लिकेशन, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित हुई है। चेयरमैन डा.विवेक यादव ने पुस्तक का विमोचन करते हुए लेखकों को बधाई दी। लेखकों ने सभी का आभार जताते हुए पुस्तक की संक्षिप्त जानकारी दी। यह पुस्तक एकेटीयू लखनऊ के अधिनियम के तहत लिखी गई है। यह पुस्तक बी फार्मा तृतीय सेमेस्टर के नवीन पाठ्यक्रम के लिये अत्यंत उपयोगी हैं। ह्यूमन वैल्यू एंव प्रोफेशनल इथिक्स से छात्र अपने पाठ्यक्रम की तैयारी करने के साथ-साथ अपने जीवन मे जीवन के सिद्धांतों को भी बखूबी समझ एंव सीख सकते हैं। यह पुस्तक अंग्रेज़ी भाषा मे लिखी गई हैं एंव प्रत्येक अध्याय के अंत में परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण प्रश्नावली भी संयोजित की गई है। इस पुस्तक का उपयोग कर के विधार्थी न केवल पास होंगे परन्तु बहुत अच्छे नम्बर भी परीक्षा मे हासिल कर सकेंगे। यह पुस्तक दुकानों पर तो उपलब्ध है ही और साथ ही यह पुस्तक आनलाइन भी उपलब्ध है ताकि छात्र आसानी से घर बैठे ही पुस्तक को मंगा सकें। चेयरमैन डा.विवेक यादव ने लेखकों को बधाई दी और आगे भी इसी प्रकार पुस्तकें लिखने के लिये प्रोत्साहित किया।

बालिका सशक्तीकरण अभियान-2025 कार्यशाला का उद्घाटन

अवधनामा संवाददाता

सोनभद्र/शक्तिनगर। एनटीपीसी सिंगरौली के सीएसआर विभाग के द्वारा गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी ग्रीष्मकालीन सत्र के तहत 20 मई से 18 जून 2025 तक बालिका सशक्तीकरण अभियान कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

इस ग्रीष्मकालीन सत्र बालिका सशक्तीकरण अभियान कार्यशाला का भव्य उद्घाटन दिनांक 20 मई 2025 को स्थानीय सरस्वती सभागार में मुख्य अतिथि एन श्रीनिवास राव, क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (एनटीपीसी लिमिटेड), विजया राव, माननीया अध्यक्षा, उत्तरा क्लब, लखनऊ, ई सत्य फनी कुमार, कार्यकारी निदेशक (एनटीपीसी विंध्याचल), अनिल श्रीवास्तव, कार्यकारी निदेशक (एनटीपीसी रिहंद), राजीव अकोटकर, कार्यकारी निदेशक (एनटीपीसी सिंगरौली), शिखा श्रीवास्तव, अध्यक्षा (वर्तिका महिला मंडल समिति, रिहंद), पीयूषा अकोटकर, अध्यक्षा (वनिता समाज, शक्तिनगर), जोसेफ बास्टीयन महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण, सिंगरौली), राजशेखर पाला, महाप्रबंधक (प्रचालन, एनटीपीसी विंध्याचल), त्रिवेणी पाला, वरिष्ठ सदस्या (सुहासिनी संघ, विंध्याचल), राकेश अरोड़ा, अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन, एनटीपीसी विंध्याचल), सभी विभाग के अपर महाप्रबंधक, विवेक आर्या, कमांडेंट, सीआईएसएफ एनटीपीसी सिंगरौली, वनिता समाज की वरिष्ठ सदस्याओं, यूनियन एवं एसोशिएशन के प्रतिनिधिगण एवं अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं एनटीपीसी गीत समवेत स्वर में गाने के साथ किया गया। तत्पश्चात् बालिका सशक्तीकरण अभियान के उद्घाटन व बालिकाओं के जन्मदिन के उपलक्ष्य में मुख्य अतिथि तथा सभी वरिष्ठ गणमान्य अतिथियों एवं जेम बालिकाओं द्वारा केक काटा गया। राजीव अकोटकर, द्वारा अपने उद्बोधन में बालिका सशक्तीकरण के महत्व पर ज़ोर डालते हुए सीएसआर पहल के अंतर्गत ग्रामीण बालिकाओं के सर्वांगीण विकास हेतु एनटीपीसी सिंगरौली द्वारा आयोजित इस बालिका सशक्तीकरण अभियान की सराहना की गयी। उन्होंने कहा कि एक विकसित समाज हेतु महिलाओं का विकसित होना बहुत जरूरी है एवं उन्हे गर्व है कि एनटीपीसी सिंगरौली द्वारा इस दिशा में अनेकों सार्थक कदम उठाए जा रहे हैं। इस अवसर पर एन श्रीनिवास राव ने अपने संबोधन में सभी बालिकाओं से कहा कि वे बालिका सशक्तीकरण अभियान कार्यशाला का अधिकतम लाभ उठाएं एवं अपना समग्र व्यक्तित्व विकास कर अपने परिवार, समाज एवं एनटीपीसी का नाम रोशन करें। उन्होंने सभी शिक्षकगण एवं जेम कोरडीनेटोर्स से भी अनुरोध किया कि वे सभी बालिकाओं में पर्याप्त साहस और आत्मविश्वास भरें एवं उन्हें भविष्य के लिए पूर्ण रूप से सुशिक्षित बालिका के रूप में तैयार करें। इस सुअवसर पर बालिका सशक्तीकरण अभियान के तहत चयनित विवेकानंद विद्यालय में अध्ययनरत बालिकाओं द्वारा भी अपने सांस्कृतिक कार्यक्रम, जेम कार्यशाला के अनुभव साझा किए गए एवं एनटीपीसी सिंगरौली को इस सीएसआर योजना हेतु धन्यवाद दिया गया। कार्यक्रम में विवेकानंद विद्यालय में कक्षा-10 और 12 की उत्कृष्ट अध्ययनरत जेम बालिकाओं को भी सम्मानित किया गया। बता दें कि, बालिका सशक्तीकरण अभियान के तहत एनटीपीसी सिंगरौली के आस-पास के गाँव कोटा, तारापुर, रणहोर, लोझरा, चिल्काडांड, कोहरौल में छठी कक्षा में अध्ययनरत 120 बालिकाओं को सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न प्रकार के व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किए जा रहे हैं। इस अभियान के तहत एनटीपीसी सिंगरौली द्वारा बालिकाओं के समग्र व्यक्तित्व विकास हेतु आवासीय सुविधा के साथ व्यावहारिक कक्षा का संचालन, व्यक्तित्व विकास संबंधी प्रशिक्षण, खेल प्रशिक्षण,आत्म रक्षा प्रशिक्षण, कला-कौशल विकास संबंधी प्रशिक्षण एवं चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जा रहीं हैं।

प्रदेश में 'आईटीआई चलो अभियान' की शुरुआत

- युवाओं के कौशल विकास को मिलेगा बढ़ावा

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने युवाओं के सर्वांगीण विकास और रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के लिए आईटीआई चलो अभियान की शुरुआत की है। यह अभियान प्रदेश के राजकीय और निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में शैक्षणिक सत्र 2025 में प्रवेश प्रक्रिया को प्रोत्साहित करने के लिए शुरू किया गया है। यह प्रक्रिया 12 मई 2025 से शुरू हो चुकी है।

एक बयान के मुताबिक, प्रदेश सरकार का लक्ष्य मेक इन इंडिया, स्टार्ट-अप एंड स्टैंड-अप, और डिजिटल इंडिया जैसी केंद्र सरकार की योजनाओं के अनुरूप कुशल युवा जनशक्ति तैयार करना है। इसमें कहा गया है कि व्यावसायिक और तकनीकी शिक्षा समाज और देश के समावेशी विकास की रीढ़ है और इस अभियान के जरिए ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान कर उनके लिए रोजगार के अवसर बेहतर करना है।

व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता विभाग के प्रमुख सचिव डॉ हरिओम ने सभी जिलाधिकारियों से आईटीआई चलो अभियान को सफल बनाने में अपना योगदान देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि इस अभियान से न केवल युवाओं का भविष्य उज्ज्वल होगा, बल्कि उत्तर प्रदेश को साक्षरता और कौशल विकास में अग्रणी राज्यों की श्रेणी में लाने में भी मदद मिलेगी। बयान के मुताबिक, जिला विद्यालय निरीक्षकों और बेसिक शिक्षा अधिकारियों को सभी स्कूलों में अभियान का प्रचार करने के लिए कहा गया है, ताकि छात्रों और उनके अभिभावकों को जागरूक किया जा सके।

इसमें कहा गया है कि उत्तर प्रदेश में 149 राजकीय आईटीआई संस्थानों में टाटा टेक्नोलॉजी लिमिटेड के सहयोग से 11 दीर्घकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। ये पाठ्यक्रम आधुनिक तकनीकों और उद्योगों की मांग के अनुरूप डिजाइन किए गए हैं, जो युवाओं को रोजगार के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। व्यावसायिक शिक्षा विभाग ने हाल में 22 औद्योगिक प्रतिष्ठानों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे 27,000 युवाओं को रोजगार प्रदान किया जाएगा।

मौसम के अनुसार शोध केन्द्र में तैयार किए जाएंगे उच्चकोटि के आलू बीज

लखनऊ। प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह द्वारा आज नई दिल्ली में वैश्विक स्तर पर आलू की खेती और प्रसंस्करण के भविष्य को आकार देने के उद्देश्य से आयोजित अंतरराष्ट्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, पेरू की शोध शाखा से संबंधित उच्चस्तरीय बैठक में प्रतिभाग किया गया। इस अवसर पर उद्यान मंत्री ने कहा कि आगरा में अंतरराष्ट्रीय आलू अनुसंधान केंद्र, पेरू की शोध शाखा स्थापित की जा रही है। इस केंद्र की स्थापना के बाद उत्तर प्रदेश सहित देश के अन्य प्रदेशों और दक्षिण एशिया के देशों को लाभ मिलेगा। यहां से किसान स्वयं उच्च गुणवत्ता और निर्यात योग्य प्रजातियां उत्पादित कर आत्मनिर्भर बनेंगे। जिससे प्रदेश के आलू उत्पादकों की आय में बढ़ोत्तरी होगी। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय आलू अनुसंधान केंद्र के महानिदेशक साईमन हेक, अपर मुख्य सचिव उद्यान बीएल मीणा, अंतरराष्ट्रीय आलू उत्पादन केंद्र पेरू के सलाहकार रमन अब्रॉल, निदेशक उद्यान वीबी द्विवेदी सहित अंतरराष्ट्रीय आलू अनुसंधान संस्थान के सदस्य एवं वैज्ञानिकगण उपस्थित रहे।

सरकार ने महिलाओं की खुशहाली के लिए खोले नए द्वार : केशव प्रसाद मौर्य

- महिला स्वावलंबन व सशक्तिकरण के लिए केंद्र व उत्तर प्रदेश सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि महिला सम्मान, सुरक्षा व स्वाभिमान को सरकार प्रोत्साहन दे रही है। सरकार ने महिलाओं की खुशहाली के लिए नए द्वार खोले हैं। महिला स्वावलंबन व सशक्तिकरण के लिए केंद्र व उत्तर प्रदेश सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध व संकल्पबद्ध है। हर क्षेत्र में महिलाएं देश का परचम लहरा रही हैं। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं आत्मनिर्भर हो रही है। हर क्षेत्र में बेटियों ने अपनी अलग पहचान बनाई है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार महिलाओं की प्रगति का मार्ग प्रशस्त कर रही है,महिलाएं समझे ,प्रयास करें और आगे आए। बेटी-बेटा एक समान उनमे कोई फर्क न करें। समूहों समाज में महिलाओं के प्रति विश्वास बढ़ा है। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद के मौर्य ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से महिलाओं को स्वावलंबी व आत्मनिर्भर बनाने की अभिनव प्रयास किए जा रहे हैं। ग्रामीण गरीब महिलाओं को स्वयं सहायता समूह एवं समूह को ग्राम संगठन एवं संकुल स्तरीय संघ के रूप में संगठित कर उन्हें आर्थिक सहायता देकर स्वाबलंबी बनाए जाने का कार्य प्रगति पर है। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन का क्रियान्वयन इंसेंटिव रणनीति के अन्तर्गत पूरे प्रदेश में किया जा रहा है। दीन दयाल अन्त्योदय योजना-एन.आर.एल.एम. का मुख्य उद्देश्य उ.प्र. राज्य में रह रहें ग्रामीण गरीब परिवारों की कम से कम एक महिला सदस्य को समूह एवं अन्य सामुदायिक संस्थाओ के माध्यम से संगठित कर उन्हें स्वावलम्बी बनाना है। प्रदेश में ग्रामीण क्षेत्र परिवारों की महिला सदस्यों को सामाजिक, वित्तीय समावेशन द्वारा कृषि एवं गैर कृषि आजीविका गतिबिधियो से जोड़कर ग्रामीण सामाजिक एवं आर्थिक रूप से महिला आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में सतत आजीविका के क्षेत्र में कार्य किया जा रहा है।

प्राविधिक शिक्षा मंत्री ने की विभागीय निर्माण कार्यों की समीक्षा

लखनऊ। प्रदेश के प्राविधिक शिक्षा एवं उपभोक्ता मामले मंत्री आशीष पटेल ने मंगलवार विधानसभा स्थित तिलक हाल में विभागीय निर्माण कार्यों की प्रगति समीक्षा बैठक की। उन्होंने बैठक में डिप्लोमा सेक्टर व डिग्री सेक्टर के निर्माण कार्यों की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की गहन समीक्षा की। डिग्री एवं डिप्लोमा सेक्टर की कार्ययोजना 31 मई तक तैयार कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों को निर्धारित समय एवं गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाय। उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग कालेजों के निदेशक निर्माण कार्यों की नियमित रूप से निरीक्षण करें। निर्माण कार्य ससमय पूर्ण होने से युवाओं को उनके ही जनपद में सभी आवश्यक सुविधाओं के साथ तकनीकी शिक्षा भी उपलब्ध हो सकेगी। उन्होंने कहा कि हॉस्टल तथा लैब के कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण कराए, जिससे प्रशिक्षण कार्य अबाध रूप से संचालित हो सके। इसके साथ ही शैक्षणिक एवं प्रशासनिक भवनों का कार्य भी पूरा होते ही उसे हैंड ओवर करने की प्रक्रिया को समय से पूरा किया जाए।

वित्त मंत्री भंडारे में हुए सम्मिलित

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना आज लखनऊ स्थित रविन्द्र गार्डेन में ज्येष्ठ माह के द्वितीय बड़े मंगल के पावन अवसर पर आयोजित प्रसाद वितरण कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और स्वास्थ्य की मंगलकामना की। उन्होंने श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया। खन्ना ने कहा कि हनुमान जी की पूजा के लिए समर्पित बड़े मंगल का दिन उत्तर प्रदेश, विशेष रूप से राजधानी लखनऊ में एक विशेष धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सव के रूप में मनाया जाता है। बड़ा मंगल उत्तर भारतीय लोक आस्था का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है। लखनऊ की धरती पर यह पर्व सामाजिक समरसता, सहयोग और श्रद्धा का प्रतीक बन चुका है। खन्ना ने इस अवसर पर कहा कि हनुमान जी समाज को शक्ति, भक्ति और सेवा का संदेश देते हैं। हम सबको उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए और अपनी आस्था को सेवा में बदलना चाहिए। जब हम एक-दूसरे की मदद करेंगे, तभी सच्चे अर्थों में धर्म की विजय होगी और मानवता का कल्याण होगा।

अमृत स्टेशनों में झलकती उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत हो रहे स्टेशनों के पुनर्विकास से नए व्यावसायिक एवं नागरिक केंद्रित सेवा को बढ़ावा मिलेगा। देश भर मे 1300 से ज्यादा ऐसे स्टेशन बनाए जा रहे हैं। ज्यादातर रेलवे स्टेशन शहर या मार्केट के बीच मे स्थित हैं, ऐसे मे उनके अप्रोच एवं सर्कुलेटिंग एरिया का विस्तार भी इसमे सम्मिलित किया गया है। इस योजना के अंतर्गत स्टेशनों को सिटी सेंटर के रूप मे विकसित किया जा रहा है, जिससे रेलवे स्टेशन न सिर्फ यात्रियों के लिए उपयोगी हो बल्कि आसपास के क्षेत्र के निवासी आम जनमानस का भी विकास हो।

बड़े स्टेशनों को बड़े व्यावसायिक केंद्र के रूप मे विकसित किया जा रहा है तो वहीं छोटे स्टेशनों को सिटी

- तेज एवं विश्वसनीय परिवहन व्यवस्था राष्ट्र के निर्माण की नीव होती है, इतिहास साक्षी है कि विकास की रफ्तार उन स्थानों पर तेज रही है, जहां आवागमन की अच्छी सुविधा उपलब्ध होती है

सेंटर के रूप मे तैयार किया जा रहा है। ऐसे स्टेशनों से बड़े शहरों तक सीधी एवं तेज कानेक्टिविटी से क्षेत्र का सर्वांगीण विकास हो सकेगा। ऐसे मे भारतीय रेल 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के रूप मे विकसित भारत की नीव रख रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 2 वर्ष से भी कम की अवधि में 103 रेलवे स्टेशनों को पुनर्विकसित कर इसकाउद्घाटन 22 मई, 2025 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जाएगा। रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की यह गति अद्वितीय है। अनेक कार्यक्रमों में प्रधानमंत्री कह चुके हैं कि जिन परियोजनाओं का वह शिलान्यास करते हैं उनका उद्घाटन भी वही करते हैं। वस्तुत~ विकसित होते हुए भारत की यह नई संस्कृति है, जिसके तहत परियोजनाओं को पूरा करने की गति काफी तेज हुई है। भारतीय रेल ने जितनी तेज गति से इस काम को संपन्न किया है, उसके लिए उसकी सराहना की जानी चाहिए।

अमृत भारत स्टेशन के अंतर्गत उत्तरप्रदेश मे 19 स्टेशनों ङ्क बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, स्वामी नारायण छपिया, मैलानी, गोला गोकरन नाथ, रामघाट हाल्ट, इज़्ज़तनगर, बरेली सिटी, उझानी, हाथरस सिटी, सुरेमनपुर, बिजनौर, सहारनपुर, फतेहाबाद, गोवर्धन, इदगाह आगरा जंक्शन, पोखरायां, गोविंदपुरी एवं करछना को पुनर्विकसित कर लिया गया है। 190 करोड़ से अधिक की लागत से विकसित इन स्टेशनों में स्थानीय संस्कृति, आधुनिक वास्तुकला एवं उत्कृष्ट यात्री सुविधा, तीनों का समन्वय है।

विशाल भन्डारे का आयोजन

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। ज्येष्ठ महीने के हर मंगलवार को बड़ा मंगल के रूप में मनाया जाता है। इस दिन हनुमान मंदिरों में जाकर भक्त विशेष रूप से पूजा-अर्चना करते हैं। राजधानी के मानकनगर स्थित आरडीएसओ पुलिया के निकट खुशी विहार विकास समिति के द्वारा संगीतमय सुंदरकांड व विशाल भन्डारे का भव्य आयोजन किया गया। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, विशिष्ट अतिथि प्रदेश प्रवक्ता संजय चौधरी, अतिथि आनंद द्विवेदी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश उपाध्याय ने बताया कि जेष्ठ के द्वितीय मंगलवार को हनुमान जी की कृपा से भन्डारे में बूंदी, आईसक्रीम, सब्जी पूड़ी, कढी चावल, मठ्ठा आदि का वितरण किया गया। वही राजेश उपाध्याय ने बताया कि सनातन धर्म में जेष्ठ माह में पड़ने वाले माह के हर मंगलवार को बहुत खास त्योहार माना जाता है। इस दिन हनुमान जी की उपासना की जाती है।और जगह-जगह भव्य भंडारो का भी आयोजन भी किया जाता है। वहीं ऐसा कहा जाता है कि बेगम आलिया ने एक दिव्य दृष्टि से प्रेरित होकर भगवान हनुमान को समर्पित एक मंदिर के निर्माण का आदेश दिया था।

बर्ड फ्लू के दृष्टिगत प्रदेश के समस्त प्राणि उद्यान 27 मई तक बंद रहेंगे

लखनऊ। प्रदेश के पर्यावरण, वन, जलवायु परिवर्तन एवं जन्तु उद्यान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डा0 अरूण कुमार सक्सेना ने बताया कि बर्ड फ्लू के दृष्टिगत पूरे प्रदेश में समस्त प्राणि उद्यानों एवं इटावा लॉयन सफारी जनमानस की सुरक्षा हेतु आमजन के लिए आगामी 27 मई तक बंद रहेंगे। प्रदेश में एच-5 एविएन इफ्लूएंजा (बर्ड फ्लू) संक्रमण की आशंका को देखते हुए मा0 मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार समस्त प्राणि उद्यानों, इटावा लायन सफारी एवं पक्षी विहारों आदि में संरक्षित पशु-पक्षियों की एवं आम जनमानस की सुरक्षा हेतु सभी को एक सप्ताह और बंद रखने का निर्णय लिया गया है। मा0 मुख्यमंत्री जी का यह भी निर्देश है कि इस संक्रमण को रोकने के लिए केन्द्र व राज्य सरकार की गाइड लाइन के अनुरूप सभी आवश्यक कदम सर्वाच्च प्राथमिकता पर उठाये जायें तथा प्राणि उद्यान परिसर को नियमित रूप से सेनेटाइज कराया जाये व सभी वन्य जीवों व पक्षियों जांच नियमित कराई जाये।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही द्वारा द्वितीय बड़े मंगल पर हजरतगंज में कराया गया भंडारा

- प्रदेशवासियों के कल्याण की कामना कर भक्त जनों को बांटा प्रसाद
- डिप्टी सीएम, वित्त मंत्री सहित कई मंत्रीगण हुए शामिल
- मुख्य सचिव तथा मुख्यमंत्री के सलाहकारद्वय भी रहे उपस्थित

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही द्वारा आज हजरतगंज दक्षिणमुखी हनुमान जी के मंदिर में ज्येष्ठ माह के द्वितीय बड़े मंगल के पावन अवसर पर भंडारा आयोजित कर प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की मंगलकामना की।

शाही ने कहा कि हनुमान जी की पूजा के लिए समर्पित बड़े मंगल का दिन उत्तर प्रदेश में विशेष रूप से राजधानी लखनऊ में विशिष्ट धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सव के रूप में मनाया जाता है। बड़ा मंगल उत्तर भारतीय लोक आस्था का एक महत्वपूर्ण पर्व है। लखनऊ की धरती पर यह पर्व सामाजिक समरसता, सहयोग और श्रद्धा का प्रतीक बन चुका है।

उन्होंने कहा कि हनुमान जी समाज को शक्ति, भक्ति और सेवा का संदेश देते हैं। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, वित्तमंत्री सुरेश खन्ना, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल, व्यावसायिक शिक्षा राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल, वन मंत्री अरुण कुमार सक्सेना, कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख, अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सलाहकारद्वय अवनीश अवस्थी तथा केवी राजू, प्रमुख सचिव कृषि रवींद्र, कृषि विभाग के अधिकारी तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मंत्री नरेंद्र कश्यप ने की डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास वि.वि. की समीक्षा

लखनऊ। प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने मंगलवार को डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, मोहान रोड, लखनऊ में विश्वविद्यालय की कोर कमेटी के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने विश्वविद्यालय की वित्तीय, शैक्षिक, प्रशासनिक एवं भौतिक विकास की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री ने विश्वविद्यालय की बीते पाँच वर्षों की शासकीय एवं आंतरिक स्रोतों से प्राप्त आय तथा व्यय की समीक्षा करते हुए कहा कि आय बढ़ाकर विश्वविद्यालय दिव्यांगजन छात्रों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करा सकता है। उन्होंने विश्वविद्यालय में लंबित सभी रिक्तियों की जानकारी लेते हुए भर्ती प्रक्रिया में गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिक्षण व गैर-शिक्षण पदों की शीघ्र पूर्ति से शैक्षणिक गतिविधियों को गति मिलेगी और छात्रों को गुणवत्तापरक शिक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी।

अकबरनगर विस्थापितों के लिए कमिश्नर और एलडीए उपाध्यक्ष से मिला प्रतिनिधिमंडल

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। बसंत कुंज में बसाए गए अकबरनगर के विस्थापितों की आवास की राशि को जमा करने की अवधि को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद दस वर्ष रखने की नोटिस पर लखनऊ बचाओ संघर्ष समिति के प्रतिनिधिमंडल ने कमीश्नर रोशन जैकब को पत्रक दिया और एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार से वार्ता की। प्रतिनिधि मंडल में लखनऊ विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति प्रोफेसर रूपरेखा वर्मा, ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के प्रदेश महासचिव दिनकर कपूर, सीपीएम के नेता प्रवीन सिंह, अकबरनगर के नेता इमरान राजा और महिला नेत्री सुमन पांडे समेत आधा दर्जन से ज्यादा लोग शामिल रहे।प्रतिनिधि मंडल ने अधिकारियों के संज्ञान में लाया कि सुप्रीम कोर्ट के 10 मई 2024 के आदेश में भारत सरकार के एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ने सुप्रीम कोर्ट में एफिडेविट के साथ कहा था कि अकबरनगर के विस्थापितों को बसंत कुंज में आवास का मूल्य 15 साल की अवधि में देय होगा। जिस पर सहमति व्यक्त करते हुए माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने आदेश दिया था। अब एलडीए ने बसंत कुंज में बसे अकबरनगर विस्थापित निवासियों को आवास की धनराशि 10 वर्ष में जमा करने की नोटिस दी है। जो न्यायालय के आदेश की अवहेलना है। एलडीए उपाध्यक्ष ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि नोटिस में सुधार किया जाएगा और न्यायालय के आदेश के अनुरूप कार्यवाही की जाएगी।प्रतिनिधि मंडल ने यह भी निवेदन किया कि बसंत कुंज में बसे अकबर नगर के विस्थापितों में बड़ी संख्या स्लम निवासियों की थी। जिसका संज्ञान सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट ने भी लिया था। अकबरनगर के स्लम में रहने वाले लोग बेहद गरीब है और मकान का मूल्य चुका पाना उनके लिए असंभव है। इसलिए इनका पूरा पैसा माफ किया जाना जाना न्यायोचित होगा। प्रतिनिधिमंडल में मोहम्मद सलीम, मोहम्मद हसन, मोहम्मद जकी, मोहम्मद रजा जावेद अहमद आदि लोग भी शामिल रहे।

बड़े मंगल पर दीक्षा एडवरटाइजिंग ने किया विशाल भंडारे का आयोजन

- भंडारे में पहुंचे हजारों श्रद्धालु,बीजेपी के वरिष्ठ नेता नीरज सिंह ने लोगो को बांटा प्रसाद
- इस प्रकार के आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा और धार्मिक भाव को सुदृढ़ करते हैं : नीरज सिंह
- बड़ा मंगल केवल एक पर्व ही नहीं, बल्कि जनसेवा और समर्पण का अवसर है : पुनीत ओहरी

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। हर साल की भांति इस वर्ष भी बड़े मंगल के पावन अवसर पर राजधानी लखनऊ में धार्मिक श्रद्धा और सामाजिक सेवा का अनूठा संगम देखने को मिला। बड़े मंगल के अवसर पर दीक्षा एडवरटाइजिंग द्वारा डालीबाग स्थित नर्मदा भवन के सामने एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया,जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर प्रसाद ग्रहण किया और पुण्य लाभ प्राप्त किया। विशेष बात यह रही कि इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री नीरज सिंह जी ने भी भंडारे में उपस्थित होकर भक्तों को अपने हाथों से प्रसाद वितरित किया। उन्होंने आयोजनकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा और धार्मिक भाव को सुदृढ़ करते हैं। ÷इस भव्य आयोजन को दीक्षा एडवरटाइजिंग के ओनर श्री पुनीत ओहरी जी और श्री अमन मनोहरी जी द्वारा किया गया। दोनों आयोजकों ने बड़े श्रद्धा और समर्पण भाव से भंडारे की तैयारी की और यह सुनिश्चित किया कि किसी भी श्रद्धालु को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उनके द्वारा की गई व्यवस्थाएं अत्यंत सुव्यवस्थित और सराहनीय रहीं। पुनीत ओहरी ने इस अवसर पर कहा, बड़ा मंगल केवल एक पर्व नहीं, बल्कि जनसेवा और समर्पण का अवसर है। हर वर्ष हम यह प्रयास करते हैं कि अधिक से अधिक लोगों तक भंडारे का लाभ पहुंचे और उन्हें भगवान हनुमान जी के चरणों में भक्ति और श्रद्धा अर्पित करने का अवसर मिले। आयोजन के अंत तक श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही, और सभी ने आयोजनकर्ताओं के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

79 मार्गों के चालू कार्यों हेतु 21 अवमुक्त

लखनऊ। उ0प्र0 सरकार द्वारा राज्य सड़क निधि योजना के अन्तर्गत विभिन्न मण्डल के विभिन्न जनपदों के कुल 79 मार्गों के स्वीकृत एवं चालू कार्यों हेतु 21 करोड़ 68 लाख 81 हजार रूपए की अवशेष धनराशि अवमुक्त की गयी है। इन 79 चालू कार्यों में जनपद शाहजहांपुर के 18, कुशीनगर के 16, अलीगढ़ के 11, महाराजगंज के 9, बरेली व एटा के 5-5, मुजफ्फरनगर के 4, भदोही व बदायूं के 03-03 तथा सहारनपुर, गोरखपुर, हाथरस, कासगंज व देवरिया के 01-01 कार्य सम्मिलित हैं। इस सम्बन्ध में आवश्यक शासनादेश लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी कर दिया गया है। जारी शासनादेश में सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये गये हैं कि आवंटित धनराशि का उपयोग प्रत्येक दशा में 31 मार्च 2026 तक कर लिया जाय एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को 30 अप्रैल 2026 तक उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाय। शासनादेश में यह भी निर्देश दिये गये हैं कि कार्यों की वित्तीय /भौतिक प्रगति का सक्षम स्तर पर सम्यक निरीक्षण/सत्यापन कर प्रगति रिपोर्ट हर माह शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।

छात्रवृत्तियों को और सुलभ और बेहतर कैसे बनाए, मंत्रियों ने किया मंथन

- समाज कल्याण, अल्पसंख्यक कल्याण और पिछड़ा वर्ग विभागके मंत्री हुए शामिल
- छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति से सम्बंधित स्कीमों के लिए समाज कल्याण विभाग को नोडल विभाग की मिली जिम्मेदारी

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। डबल इंजन की सरकार सबका साथ, सबका विकास की नीति पर कार्य करते हुए समाज के हर वर्ग तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है। मा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के निर्देशों के क्रम में छात्रवृत्तियों को और सुलभ व बेहतर कैसे बनाया जाए इस पर मंगलवार को गोमतीनगर स्थित भागीदारी भवन में विभिन्न विभागों के मंत्रीगण के साथ चर्चा हुई। छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति से सम्बंधित स्कीमों के लिए कुछ माह पूर्व समाज कल्याण विभाग को नोडल विभाग नियुक्त किया गया था। समाज कल्याण विभाग ने छात्रवृत्ति ट्रांस्फोर्मेशन के लिए 6 सदस्यीय टीम का गठन किया था। जिसका टीम ने आज प्रस्तुतीकरण दिया, इस मौके पर अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री ओम प्रकाश राजभर, पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप, समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) असीम अरुण और अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री दानिश आज़ाद के साथ तीनों विभागों के प्रमुख सचिव और निदेशक उपस्थित रहे। प्रस्तुतीकरण में समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) असीम अरुण ने सबसे पहले छात्रवृत्ति प्राप्त करने में विद्यार्थियों को और विभागों को जिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है उसके बारे में बताया। उसके बाद इन समस्याओं का निदान कैसे हो सकता है, इस पर सभी विभागों के मंत्रिगण और अधिकारियों से चर्चा की। बैठक में चर्चा हुई कि छात्रवृत्ति के पोर्टल को सालभर बंद न किया जाये। बैठक में उपस्थित सभी मंत्रीगण ने निर्णय लिया कि तीनों विभागों के निदेशकों की एक संयुक्त टीम बनाई जाएगी जो एक साथ बैठ कर पेश आ रही दिक्कतों को दूर करेगी।

प्रदेश में ए.आई. प्रज्ञा से शासकीय कार्यों में आएगी क्रांति

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और डिजिटल तकनीक में दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रारंभ किए गए ए.आई. प्रज्ञा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रोग्राम फॉर रिसोर्स, अवेयरनेस, ग्रोथ एंड यूथ एडवांसमेंट) कार्यक्रम के तहत आज प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का आयोजन सेंटर फॉर ई-गवर्नेंस, उत्तर प्रदेश समिति द्वारा किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रमुख सचिव, सचिवालय प्रशासन विभाग अमित कुमार घोष द्वारा किया गया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित उपकरणों के माध्यम से शासकीय कार्यप्रणाली को अधिक सशक्त, पारदर्शी एवं दक्ष बनाया जा सकता है। उन्होंने अधिकारियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के सुरक्षित व उत्तरदायी उपयोग की ओर प्रेरित किया।